CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAJK1 User: cci Time: 01-25-2026 21:59 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 26 जनवरी 2026 > माघ 6 शक संवत 1947 माघ शुक्ल अष्टमी, विक्रम संवत 2082 WATCH GOD WATCHDOG वर्ष 80, संख्या 22 > पेज 30* > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

Flipkart

अब पूरा देश करेगा बचत !

REPUBLIC DAY SALE
SALE ENDS 26TH JAN

Title Sponsor
intel CORE ULTRA

Associate Sponsors
OPPO Reno15 Series 5G
NOISE
moto book 60
HDFC BANK 10% discount on HDFC Bank Credit Cards and EASYEMI on Credit Cards.

कैशबैक ऑफर्स

100% कैशबैक
₹15,000^ से अधिक मूल्य के टीवी, एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन पर
*न्यूनतम ऑर्डर ₹ 15K. 16-26 जनवरी के बीच हर दिन 1 क्लिक. नियम व शर्तें लागू.

₹5000 कैशबैक
₹50,000* से अधिक मूल्य के टैबलेट पर
*24-26 जनवरी 2026 के बीच ₹ 50K से ज्यादा कीमत के वैरिएंट खरीदने पर किसी भी एक टैबलेट के लिए मान्य. नियम व शर्तें लागू.

जीतें आकर्षक पुरस्कार

MAHINDRA BE 6 | FORMULA E ELECTRIC SUV^
*न्यूनतम ऑर्डर ₹ 40K. 16-26 जनवरी 2026 के बीच टीवी, एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन के लिए मान्य. सिर्फ एक क्लिक. नियम व शर्तें लागू.

ATHER RIZTA S 123KM$
*24-26 जनवरी 2026 के बीच ₹ 60K से ज्यादा कीमत के लैपटॉप खरीदने पर मान्य सिर्फ एक क्लिक. नियम व शर्तें लागू.

₹1,00,000* तक का इंटरनेशनल ट्रिप
*न्यूनतम ऑर्डर ₹ 30K. 16-26 जनवरी 2026 के बीच टीवी, एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन के लिए मान्य. सिर्फ एक क्लिक. नियम व शर्तें लागू.

MMTC-PAMP गोल्ड कॉइन*
*न्यूनतम ऑर्डर ₹ 25K. 16-26 जनवरी 2026 के बीच टीवी, एसी, फ्रिज और वॉशिंग मशीन के लिए मान्य. हर दिन 10 क्लिक. नियम व शर्तें लागू.

IPHONE 17@
*24-26 जनवरी 2026 के बीच ₹ 1L से ज्यादा कीमत के टू व्हीलर खरीदने पर मान्य सिर्फ एक क्लिक. नियम व शर्तें लागू.

FLIPKART AXIS BANK क्रेडिट कार्ड और FLIPKART SBI क्रेडिट कार्ड के साथ 5% कैशबैक

FLIPKART BAJAJ FINSERV INSTA EMI कार्ड के साथ आसान EMI और ₹400* तक की छूट

0% क्रेडिट और डेबिट कार्ड के साथ नो कॉस्ट EMI ₹99/दिन* से शुरू

Flipkart EMI तुरंत EMI सभी के लिए उपलब्ध

एप्लायंसेज़

Sony Bravia 2 II 163.9cm (65")
Ultra HD (4K)
~~₹1,38,900~~ ₹75,490*
₹5,583 x 12 Months

IFB 8 Kg
In-Built Heater| Eco Inverter
~~₹45,990~~ ₹28,490*
₹2,998 x 9 Months

Samsung 396L 3 Star
WiFi 6 Convertible
~~₹67,990~~ ₹38,740*
₹2,153 x 18 months

इलेक्ट्रॉनिक्स

Samsung Galaxy Book 4 i5
Full Metal PC | 16/512
~~₹83,789~~ ₹45,990*
₹3,833 x 12 months No Cost EMI

HP HyperX OMEN RTX 5050
i7 14th Gen HX | 8 GB GPU
~~₹1,59,624~~ ₹1,29,990*
₹7221 x 18 months No Cost EMI

Samsung Galaxy S10 FE+
S-Pen in Box | 13.1"
~~₹84,999~~ From ₹38,499*
₹3,208* x 12 months No Cost EMI

Samsung HW-B650F
370W 3.1 Dolby Audio
~~₹24,990~~ ₹14,990*
₹1,666 x 9 months

मोबाइल्स

Apple iPhone 17
6.3" 120Hz Display
~~₹82,900~~ ₹74,900*
₹6,242 x 12 months

Samsung Galaxy S24 5G Snapdragon
Snapdragon 8 gen processor
~~₹79,999~~ ₹41,999
₹3,500 x 12 months

Motorola Edge 60 Fusion 5G
Most loved phone still undisputed
~~₹26,999~~ ₹18,999*
₹3,167 x 6 Months

vivo T4 5G
Biggest Battery* 7300 mAh
~~₹22,999~~ ₹20,999*
₹3,667 x 6 Months

विशेष लाभ

ट्रस्ट शील्ड प्रोग्राम
• मुफ्त एक्सीडेंटल और लिक्विड डैमेज प्रोटेक्शन*
• 48 घंटे में समाधान*
*टीवी, एसी, फ्रिज,वॉशिंग मशीन, लैपटॉप और टैबलेट के लिए मान्य. केवल पूर्णित रहतों में. नियम व शर्तें लागू.

एक्सचेंज
हियाइस एक्सचेंज पर पाएं ₹25,000 तक की छूट*
*टीवी, एसी, फ्रिज,वॉशिंग मशीन, लैपटॉप, टैबलेट, गीजर, मॉनिटर, कैमरा, गेमिंग कंसोल और रोबोट के लिए मान्य.
नियम व शर्तें लागू.

Flipkart MINUTES | Flipkart Plus | Super Coin | super.money | Flipkart Travel | Flipkart BLACK

यहां दिखाए गए सभी प्रोडक्ट सिर्फ़ प्रतिनिधित्वात्मक उद्देश्य के लिए हैं और असल में प्रोडक्ट से अलग हो सकते हैं। इमेज, लोगो और प्रोडक्ट के सभी कॉपीराइट उनके संबंधित कॉपीराइट धारकों के पास सुरक्षित हैं। प्रोडक्ट/ऑफ़र/प्रमोशन की सभी कीमतें Flipkart प्लेटफ़ॉर्म पर हिस्सा लेने वाले सेलर्स/ब्रांड पार्टनर्स/बैंकिंग पार्टनर्स के द्वारा दिए जाते हैं (इसमें बिलों पर डिस्काउंट, बैंक ऑफ़र आदि शामिल हैं)। Flipkart किसी भी ऑफ़र/प्रमोशन से होने वाले फुलफिलमेंट/लायबिलिटीज़/क्लेम के लिए ज़िम्मेदार नहीं होगा। इससे जुड़ा कोई भी दावा या विवाद सिर्फ़ संबंधित सेलर और/या पार्टनर को ही भेजा जाना चाहिए। सभी ऑफ़र/डिस्काउंट कुछ समय के लिए हैं और प्रोडक्ट की उपलब्धता पर निर्भर हैं। ऑफ़र को Flipkart/हिस्सा लेने वाले सेलर/ब्रांड के विवेकानुसार बंद या रीशेड्यूल किया जा सकता है। सभी ऑफ़र लागू नियमों और शर्तों के अधीन हैं, ऑफ़र की पूरी जानकारी के लिए कृपया www.flipkart.com पर जाएं। कीमतें और उपलब्धता बदलती रहती हैं और परिवर्तन के अधीन हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH04 User: cci Time: 01-25-2026 22:42 Color:

दिल्ली से 4 को पद्म सम्मान

पद्म सम्मान 2026 के लिए इस बार दिल्ली के चार प्रमुख हस्तियों को चुना गया है। रविवार को इन नामों की घोषणा की गई। 2026 के लिए घोषित पद्म सम्मानों में दिल्ली से जुड़े चार प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों को अलग-अलग क्षेत्रों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए चुना गया है। दिल्ली के पूर्व सांसद और बीजेपी के नेता रहे विजय कुमार मल्होत्रा को मरणोपरांत पद्म भूषण के लिए चुना गया है। इनके अलावा तीन अन्य लोग पद्मश्री के लिए चुने गए हैं।

वीके मल्होत्रा को मरणोपरांत पद्म भूषण

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व सांसद और बीजेपी के दिग्गज नेता प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा को मरणोपरांत पद्म भूषण सम्मान देने की घोषणा की गई है। इस घोषणा के बाद दिल्ली बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा व सदस्य दिल्ली से बीजेपी सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि मल्होत्रा का जीवन राष्ट्र और समाज के प्रति समर्पण, संघर्ष और तपस्या का उदाहरण रहा है। बीजेपी नेताओं में प्रो. मल्होत्रा ऐसे व्यक्ति रहे, जिनके हस्ताक्षर एबीवीपी, जनसंघ और बीजेपी तीनों के फाउंडिंग चार्टर पर है।

ABVP, जनसंघ और BJP तीनों के फाउंडिंग चार्टर पर प्रो. मल्होत्रा के हस्ताक्षर

सचदेवा ने कहा कि पहली बार मैं उनके मीडिया प्रभारी के रूप में उनके साथ जुड़ा और यहां तक का सफर तय किया है। सफलता कभी एक प्रयास से नहीं मिलती। उसके लिए हमेशा प्रयासरत रहना पड़ता है। प्रयास की राहों में कई बार असफलता भी हाथ लगती है। लेकिन, मेहनत, संयम और ईमानदारी वही वे अस्त्र हैं जो क्षेत्र में आपको सफलता दिलाते हैं। यह सब मुझे दिल्ली बीजेपी के पहले अध्यक्ष रहे विजय कुमार मल्होत्रा से ही सीखने को मिला। उनके नेतृत्व ने कार्यकर्ताओं में एकता और कर्तव्यनिष्ठा का संचार किया, जो संगठन के विकास और विस्तार का आधार बना। उन्होंने कहा कि प्रो. मल्होत्रा आधुनिक दिल्ली के शिल्पकार के रूप में जाने जाते हैं। दिल्ली बीजेपी के विकास और विस्तार में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा।

File Photo

विजय कुमार मल्होत्रा जी को मरणोपरांत 'पद्म भूषण' दिए जाने की घोषणा अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है। यह सम्मान उनके दशकों के निस्वार्थ जन सेवा और शुचितापूर्ण राजनीति के प्रति अटूट संकल्प को राष्ट्र की ओर से एक सच्ची श्रद्धांजलि है। मैं राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और केंद्र सरकार का आभार व्यक्त करती हूं। -रेखा गुप्ता, सीएम

संसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि दिल्ली में पहला फ्लाईओवर बनवाने का श्रेय भी विजय मल्होत्रा को ही जाता है। दिल्ली में 16 कॉलेज खोलने का श्रेय मल्होत्रा को जाता है। इतने सारे कॉलेज खोलने के बाद लोग दिल्ली को कॉलेजों वाली दिल्ली कहने लगे। दिल्ली बीजेपी प्रदेश प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा दिल्ली के पहले मुख्य कार्यकारी पार्षद रहे प्रो. मल्होत्रा ने दिल्ली को एक नया विकास विजन दिया, जिसका प्रमाण है शादीपुर फ्लाईओवर।

दिल्ली तीरंदाजी संगठन में भी बड़ा योगदान : प्रो. मल्होत्रा के बेटे व बीजेपी नेता अजय मल्होत्रा के अनुसार दिल्ली के विकास में उनके पिता के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। बीजेपी नेताओं में प्रो. मल्होत्रा ही ऐसे रहे हैं, जिनका एबीवीपी, जनसंघ और बीजेपी के फाउंडिंग चार्टर पर हस्ताक्षर है और वह हमेशा रहेंगे। एबीवीपी के फाउंडिंग चार्टर पर उन्होंने 1949, जनसंघ के फाउंडिंग चार्टर पर 1951 और बीजेपी के फाउंडिंग चार्टर पर 1980 में हस्ताक्षर किया था। दिल्ली तीरंदाजी खेल का पितामह उन्हीं को कहा जाता है।

इनके योगदान के लिए मिला पद्मश्री सम्मान

आर.वी.एस. मणि (पद्मश्री)

आरवीएस मणि को सिविल सेवा के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए पद्मश्री के लिए चुना गया है। वह एक प्रतिष्ठित सरकारी अधिकारी, विद्वान और शिक्षाविद रहे हैं। उन्होंने राष्ट्रीय महत्व की पांच किताबें भी लिखी हैं।

राममूर्ति श्रीधर (पद्मश्री)

ब्रॉडकास्टर राममूर्ति श्रीधर कम्युनिटी रेडियो के जनक के रूप में जाने जाते हैं। उन्हें भारत का पहला कम्युनिटी एफएम स्टेशन शुरू किया और 18 भाषाओं में बच्चों के लिए दुनिया की सबसे बड़ी रेडियो शृंखला तैयार करने के लिए पद्मश्री के लिए चुना गया है।

एम. जगदीश कुमार (पद्मश्री)

मणिपाल जगदीश कुमार को साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में अहम योगदान के लिए पद्मश्री से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने शिक्षा सुधारों को नई दिशा दी और सॉफ्यूटी, नई शिक्षा नीति (एनईपी) और डिजिटल लर्निंग से जुड़े सुधारों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH05 User: cci Time: 01-25-2026 22:11 Color:

ITO पर जलभराव खत्म करने को बनेगा संप-वेल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

साल 2023 में यमुना में आई बाढ़ के बाद ITO पर जलभराव खत्म करने के लिए कई पीडब्ल्यूडी और सिंचाई विभाग ने कई प्लान बनाए लेकिन कोई भी प्लान कारगर नहीं रहा। अब, ITO पर जलभराव खत्म करने के लिए संप-वेल बनाने का प्लान बनाया गया है। ITO पंप हाउस के पास 16 लाख लीटर की कैपिसिटी का संप-वेल बनाया जाएगा। यहां से पानी को यमुना में डिस्चार्ज किया जाएगा।

पीडब्ल्यूडी अफसरों के अनुसार साल 2023 में यमुना में बाढ़ के हालात के दौरान पानी ITO तक पहुंच गया था। आगे ऐसे हालात पैदा न हों, इसके लिए ITO के पास ड्रेन नंबर-12A और नए ड्रेन का निर्माण किया गया। पहले से नालों की डिसिल्टिंग भी की गई। इसके बाद अब यह प्लान बनाया गया है कि ITO और आसपास के कैचमेंट एरिया में मॉनसून के दौरान जो पानी जमा होता है, उसे संप-वेल में इकट्ठा कर इसे नाले में डिस्चार्ज किया जाएगा ताकि यहां पानी जमा ही न हो। इसके लिए करीब 2 करोड़ की लागत से ITO पंप हाउस के पास संप-वेल का काम किया जाएगा।

ट्रैफिक भी किया जा सकता है डायवर्ट: अफसरों के अनुसार ITO पर संप-वेल बनाने के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन का भी प्लान है। संप-वेल का काम 4 महीने में पूरा करने की डेडलाइन है। मॉनसून से पहले काम खत्म किया जाएगा।

रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : गणतंत्र दिवस को लेकर नई दिल्ली रेलवे स्टेशन, आनंद विहार, पुरानी दिल्ली, निजामुद्दीन रेलवे स्टेशनों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। स्थिति यह है कि एंट्री गेट से लेकर ट्रेनों के अंदर तक सुरक्षाकर्मी चेकिंग कर रहे हैं। साथ ही भीड़ पर कंट्रोल करने के लिए दूसरे शहरों से भी अतिरिक्त फोर्स की तैनाती की गई है। रेलवे के अधिकारियों का दावा है कि सुरक्षा के मद्देनजर बंद की गई पार्किंग और पार्सल सर्विस मंगलवार से शुरू हो जाएगी।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH06 User: vinay.vashisht Time: 01-25-2026 22:04 Color:

हरियाणा सरकार

गणतंत्र के गौरव गान में, भारत की शान में,
आओ फहराएं तिरंगा, संविधान के सम्मान में

26 जनवरी, 2026

गणतंत्र दिवस

के अवसर पर देशवासियों को

हार्दिक शुभकामनाएं

"गणतंत्र दिवस की ढेरों शुभकामनाएं !
इस अवसर पर हम उन सभी महान विभूतियों को नमन करते हैं,
जिन्होंने हमारा संविधान बनाकर यह सुनिश्चित किया कि
हमारी विकास यात्रा लोकतंत्र, गरिमा और एकता पर आधारित हो।"

– नरेन्द्र मोदी

सूचना, लोक संपर्क तथा भाषा विभाग, हरियाणा | www.prharyana.gov.in | Follow us on @diprharyana

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH07 User: vivek.kumar4 Time: 01-25-2026 21:37 Color:

Growth Drivers of the Nation
THE BRANDS OF INDIA
Republic Day Special

SPOTLIGHT

देश के भविष्य को सशक्त व बेहतर बनाने की पहल

देश की औद्योगिक और व्यापारिक प्रतिस्पर्धात्मकता को सशक्त बनाने के उद्देश्य से तैयार किया गया दिल्ली–मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (डीएमआईसी) एकीकृत ढांचे के तहत बुनियादी ढांचे, लॉजिस्टिक्स और शासन व्यवस्था को एक साथ जोड़ता है

दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर (डीएमआईसी), भारत सरकार की राष्ट्रीय औद्योगिक गलियारे कार्यक्रम (नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर प्रोग्राम) का हिस्सा है। यह परियोजना 11 औद्योगिक कॉरिडोर में पहला और सबसे प्रमुख है। इसे नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट एंड इम्प्लीमेंटेशन ट्रस्ट (NICDIT) के माध्यम से विकसित किया जा रहा है।

DMIC उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, गुजरात और महाराष्ट्र राज्यों में विस्तारित है और यह पश्चिमी समर्पित मालवाहक गलियारे (वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर – WDFC) के साथ संरेखित है। DMIC के अंतर्गत विश्वस्तरीय स्मार्ट औद्योगिक टाउनशिप, मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब, मल्टी-मॉडल परिचालन केंद्र, हवाई अड्डे और सौर ऊर्जा परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं।

इस कॉरिडोर में औद्योगिक विकास को उच्च गति और उच्च क्षमता वाले रेल नेटवर्क (WDFC) का मजबूत समर्थन प्राप्त है, जिससे माल परिवहन तेज, कुशल और किफायती बनता है।

उत्तर प्रदेश में ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में ये तीन प्रमुख परियोजनाएं विकसित की जा रही हैं:

- इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप, ग्रेटर नोएडा (IITGN)
- मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब, दादरी (MMLH)
- मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब, बंतली (MMTH)

डीएमआईसी इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप ग्रेटर नोएडा लिमिटेड (DMIC IITGNL) एक स्पेशल पर्पस व्हीकल (एसपीवी) है, जिसमें एनआईसीडीआईटी और ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण की 50:50 की हिस्सेदारी है। यह कंपनी उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा क्षेत्र में प्रारंभिक परियोजनाओं जैसे कि आईआईटीजीएन एक्सप्रेसवे और एक्सप्रेसवे के विकास, संचालन और रखरखाव को क्रियान्वित किया रही है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 31 दिसंबर 2018 को जारी अधिसूचना (संख्या 4478/77-4-18-12N-07(SHA)) के माध्यम से उत्तर प्रदेश औद्योगिक क्षेत्र विकास अधिनियम, 1976 की धारा 3(1) के तहत DMIC IITGNL को औद्योगिक विकास प्राधिकरण के रूप में अधिसूचित किया है। IITGN दिल्ली-एनसीआर के निकट रणनीतिक रूप से स्थित है और राष्ट्रीय व राज्य राजमार्गों, एक्सप्रेसवे, रेलवे तथा प्रमुख व अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों के माध्यम से देश के प्रमुख शहरों से बेहतर रूप से जुड़ा हुआ है। पूर्वी और पश्चिमी समर्पित माल ढुलाई कॉरिडोर के जंक्शन पर स्थित होने, प्रस्तावित जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की निकटता, तथा बोतलों में मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब और मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब से एकीकृत संपर्क आदि इन सभी कारणों से यह देश की सबसे रणनीतिक औद्योगिक टाउनशिप्स में से एक है।

इंटीग्रेटेड इंडस्ट्रियल टाउनशिप, ग्रेटर नोएडा में अत्याधुनिक और समग्र बुनियादी ढांचा सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनमें शामिल हैं:

- सेवा लेन और समर्पित साइकिल ट्रैक के साथ चौड़ी सड़कें
- भूमिगत यूटिलिटी डक्ट्स
- स्वचालित कचरा संग्रह प्रणाली (AWCS)
- 100 प्रतिशत रीसाइक्लिंग और पुनः उपयोग के साथ 24×7 जल आपूर्ति
- निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए समर्पित 220 केवी फीडर सब-स्टेशन और 33/11 केवी वितरण नेटवर्क
- सौर ऊर्जा आधारित स्ट्रीट लाइटिंग
- पूरे टाउनशिप में ऑप्टिकल फाइबर नेटवर्क
- सार्वजनिक स्थलों पर वाई-फाई कनेक्टिविटी

सभी आवश्यक सेवाएं प्लॉट स्तर पर उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे निवेशकों और उद्योगों को पूर्ण प्लग-एंड-प्ले इंफ्रास्ट्रक्चर मिलता है। IITGN एक स्मार्ट सिटी की अवधारणा का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां कुशल और पारदर्शी शासन के लिए उन्नत तकनीकों को एकीकृत किया गया है। यहां SCADA आधारित यूटिलिटी प्रबंधन, 24×7 सीसीटीवी निगरानी, एकीकृत आईसीटी कमांड एंड कंट्रोल सेंटर तथा समग्र ई-लैंड मैनेजमेंट सिस्टम जैसे सुविधाएं मौजूद हैं, जो एक मजबूत डिजिटल इकोसिस्टम का निर्माण करती हैं। निवेशकों को उत्तर प्रदेश सरकार की सिंगल विंडो क्लीयरेंस प्रणाली के माध्यम से सभी अनुमतियां और सेवाएं सुगमता से उपलब्ध कराई जाती हैं। वहीं ई-लैंड मैनेजमेंट सिस्टम के जरिए भूमि से संबंधित आवेदन, आवंटन आदि प्रक्रियाएं ऑनलाइन, पेपरलेस और पारदर्शी तरीके से पूरी की जाती हैं।

निर्णायक मोड़

DMIC IITGNL की यात्रा में कई महत्वपूर्ण उल्लेखनीय निर्णायक साबित हुई हैं। इसमें समग्र मास्टर प्लानिंग, IIT-GN का चरणबद्ध विकास, मजबूत ट्रेक इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण, तथा प्रतिष्ठित एंकर निवेशकों को बड़े औद्योगिक प्लॉट्स का सफल आवंटन प्रमुख हैं। हायर, इंटरनेशनल ट्रैक्टर्स लिमिटेड, नेडबलई, फर्मि, पैनासोनिक, क्लिवसीफ, जीकेएस डिजिटल इंडिया सहित कई नामी कंपनियों को भूमि आवंटन एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जिसने परियोजना में निवेशकों के भरोसे को और मजबूत किया। भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से मिले सशक्त नीतिगत समर्थन व निरंतर हितधारक सहभागिता के चलते DMIC IITGNL ने अपने दावे का विस्तार करते हुए मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स हब और मल्टी-मॉडल ट्रांसपोर्ट हब जैसी एकीकृत लॉजिस्टिक्स एवं परिवहन परियोजनाओं को भी शामिल किया।

IIT-GN को माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित किया गया। इसके साथ ही यहां स्थापित आईसीटीडी वेस्ट कलेक्शन सिस्टम (AWCS), जो देश में अपनी तरह की पहली प्रणाली है, ने टाउनशिप को एक नई पहचान दी। टाउनशिप का दौरा माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी किया, जिससे परियोजना के महत्व और विश्वसनीयता को और बल मिला।

बदलते भारत में व्यापार

भारत की तेज होती आर्थिक वृद्धि, घरेलू विनिर्माण पर बढ़ता जोर, माल ढुलाई में निरंतर वृद्धि तथा एकीकृत गतिशीलता (इंटीग्रेटेड मोबिलिटी) पर केंद्रित नीतियों ने DMIC IITGNL की विकास रणनीति को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित किया है।

आगे की राह: 2026

2026 तक DMIC IITGNL का लक्ष्य एक ऐसी समग्र विकास एजेंसी के रूप में विकसित होना है, जो औद्योगिक, आवासीय, लॉजिस्टिक्स और परिवहन अवसंरचना को एकीकृत रूप से प्रदान करे। आगामी वर्षों में इसके प्रमुख फोकस क्षेत्रों में IT-GN के भीतर आवासीय योजनाओं की समयबद्ध डिलीवरी, नागरिक अवसंरचना को सुदृढ़ करना, एक प्रमुख यात्री गतिशीलता केंद्र के रूप में MMTH का विकास तथा क्षेत्रीय व राष्ट्रीय माल परिवहन को समर्थन देने के लिए MMLH का विकास शामिल है।

क्षेत्रीय बदलाव और उभरते रुझान

अवसंरचना विकास अब तेजी से स्मार्ट तकनीकों, सतत योजना और एकीकृत मोबिलिटी समाधानों पर आधारित हो रहा है। रेलवे, मेट्रो और आईएसबीटी को एकीकृत करने वाला MMTH सार्वजनिक परिवहन के उभरते रुझानों के अनुरूप है और इससे आनंद विहार जैसे प्रमुख परिवहन केंद्रों पर दबाव कम होने की अपेक्षा है।

आगे वाले वर्ष की चुनौतियां

DMIC IITGNL पर्यावरण प्रबंधन, नियामक अनुपालन, बहु-हितधारक समन्वय तथा बदलते बाजार परिस्थितियों जैसी संभावित चुनौतियों को पहचानता है और उनके समाधान के लिए सतर्क दृष्टिकोण अपनाता है।

आर्थिक विकास को नए पंख

DMIC IITGNL का व्यावसायिक दर्शन ग्रीनफील्ड अवसंरचना, स्मार्ट सिटी विकास और पर्यावरणीय रूप से सतत उद्योगों के निर्माण पर आधारित है, जिसका उद्देश्य आर्थिक विकास को सामाजिक और पारिस्थितिक जिम्मेदारी के साथ संतुलित करना है।

ईज ऑफ डूइंग बिजनेस

डिजिटल अनुमतियों, सरलीकृत प्रक्रियाओं और निवेशक-अनुकूल सुधारों से युक्त भारत की प्रगतिशील नीतियां व्यवस्था ने DMIC IITGNL को बड़े पैमाने की अवसंरचना परियोजनाओं के क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण समर्थन दिया है। इससे निवेशकों का भरोसा बढ़ा है और परियोजनाओं को समयबद्ध रूप से पूरा करना संभव हुआ है।

प्रोफेशनल वर्क कल्चर

DMIC IITGNL एक प्रोफेशनल और अनुशासित वर्क कल्चर को बढ़ावा देता है, जो ईमानदारी, सहयोग और उत्कृष्ट प्रदर्शन के मूल्यों पर आधारित है। यह संगठन जॉइंट प्रशासनिक अधिकारियों और सरकारी प्रतिनिधियों के मार्गदर्शन में कार्य करता है तथा सार्वजनिक क्षेत्र के मूल्यों और सर्वोत्तम शासन पद्धतियों का पालन करता है।

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व

कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व DMIC IITGNL की विकास रणनीति का अभिन्न हिस्सा है। संगठन समावेशी अवसंरचना, समुदाय कल्याण और सतत शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

कार्य व जीवन में सही संतुलन

बड़े अवसंरचना प्रोजेक्ट्स की मांगों को समझते हुए DMIC IITGNL संतुलित और सहयोगात्मक कार्य वातावरण को प्रोत्साहित करता है। सुव्यवस्थित कार्यक्रमों, टीमवर्क और कर्मचारी कल्याण पहलों संगठन को दीर्घकालिक लक्ष्यों की प्राप्ति में सहायक बनाती है।

Yogi Adityanath
Chief Minister, Uttar Pradesh

INTEGRATED INDUSTRIAL TOWNSHIP GREATER NOIDA

NICDC

Nand Gopal Gupta 'Nandi'
Minister of Industrial Development, Uttar Pradesh

Jaswant Saini
Minister of State for Industrial Development, Uttar Pradesh

DMIC INTEGRATED INDUSTRIAL TOWNSHIP GREATER NOIDA LIMITED
(SPV of GNIDA & NICDIT)

Announces e-AUCTION of RESIDENTIAL GROUP HOUSING PLOTS

How to Participate in e-Auction:

Interested Parties should register on the e-Auction Portal https://dmiciitgnl-bankofbaroda.com, download the Scheme Document, make online payment of processing fee and EMD along with requisite documents as mentioned in the Scheme Documents.

The brochure containing details of plots, detailed procedure and terms & conditions of e-Auction and allotment of the plots shall be available on the website www.iitgnl.com and e-Auction portal **https://dmiciitgnl-bankofbaroda.com w.e.f. 02.02.2026**

It will be sole responsibility of the bidder/ participant to obtain a compatible computer terminal with internet connectivity to participate in the e-Auction. DMIC IITGNL reserves the right to accept or reject one or all the bids or cancel/postpone the e-Auction without assigning any reason thereof.

Option to choose Dynamic/Single Bidding: Dynamic Bidding offers to pay one EMD and be eligible for all plots whose EMD requirements is below/equal to the applied plot's EMD.

Allotment will be made on 'as is where is basis'

RESIDENTIAL GROUP HOUSING (FAR 5.5) SCHEME CODE (GH-2026-01)			
Sl. No.	Plot No.	Plot Area (Sq. mtr)	Total Reserve Price (INR)
1.	RE 1	69,996	3,10,78,22,400
2.	RE 2	34,573	1,53,50,41,200
3.	RE 3	93,905	4,16,93,82,000
4.	RE 4	54,399	2,41,53,15,600

Note: The area of the plot allotted may slightly vary at the time of handing over of the possession. The premium of the plot will proportionately vary due to such variation.

Integrated Industrial Township - Smart by Design

- World Class Smart Industrial City developed under Delhi Mumbai Industrial Corridor.
- State-of-the-Art Plug & Play Infrastructure.
- Underground SCADA controlled utilities, wide roads with service lane & dedicated cycle track.
- 24*7 high quality power through Dedicated 220/33 KV power substation. 24*7 water supply.
- Automated Waste Collection System for waste management.
- City-vide Wi-Fi, OFC network, 24*7 Surveillance from Integrated Command & Control Center.
- Strategically located in National Capital Region at Junction of EDFC & WDFC.
- Connected to all major cities of India through Airports, Expressways and Highways.
- World class social infrastructure to live, work and play.

Scheme Code : GH-2026-01 (FAR 5.5)

Brochure Download & Registration Start Date: 02.02.2026 at 3 PM
Registration End Date: 23.02.2026 at 5 PM
Last date for deposit of EMD & Processing Fee: 25.02.2026 at 5 PM
Last date for Final submission of documents: 27.02.2026 at 5 PM
E-Auction date & Time: To be notified separately.
Processing fee: Non-refundable and non-adjustable fee of INR 5,00,000 plus GST @ 18%
EMD: 10% of the premium of plot

For Corrigendum/addendum, please refer to website www.iitgnl.com

INTEGRATED INDUSTRIAL TOWNSHIP GREATER NOIDA

DMIC Integrated Industrial Township Greater Noida Limited
(CIN: U74900UP2014PLC063430)
Regd. Office: 11th Floor, Tower-1, Plot No. 1, Knowledge Park-IV, Greater Noida, Gautam Budh Nagar, Uttar Pradesh-201308
Phone: 0120-2336044/45; Website: www.iitgnl.com; Email: info@iitgnl.com

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH08 User: cci Time: 01-25-2026 22:17 Color:

दिल्ली में BJP नेताओं ने सुनी मन की बात

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने रविवार को केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू और सांसद बांसुरी स्वराज के साथ दिल्ली के रमेश नगर स्थित आर्य समाज मंदिर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मन की बात का 130वें संस्करण सुना। इस मौके पर विधायक हरीश खुराना, जिला अध्यक्ष विरेन्द्र बख्शी भी मौजूद रहे। मन की बात कार्यक्रम के दिल्ली बीजेपी संयोजक राजन तिवारी के अनुसार आज 6457 बूथ स्थलों पर प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का आयोजन किया गया।वहीं, केन्द्रीय राज्य मंत्री हर्ष मल्होत्र ने विवेक विहार स्थित विवेकानंद स्कूल में विधायक ओ पी शर्मा और डॉ अनिल गोयल सहित स्कूल के टीचरों के साथ मौजूद रहे। जबकि, प्रदेश महामंत्री विष्णु मित्तल ने राजेन्द्र नगर विधानसभा के झुग्गिवासियों के साथ मन की बात कार्यक्रम सुना।

बीजेपी प्रदेश अध्यक्षवीरेन्द्र सचदेवा ने कहा कि मन की बात, ज्ञान की बात है। पीएममोदी ने अनेक विषयों को बहुत ही साधारण तरीके से हम सबको समझाने का प्रयास किया है। आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस भी है, तो उन्होंने 18 साल के जो नौजवान हो रहे हैं उनको मतदान के लिए प्रेरित करने के साथ ही पर्यावरण रक्षा के साथ स्वच्छता के महत्व पर चर्चा की। बांसुरी स्वराज ने कहा कि मन की बात एक ऐसा कार्यक्रम है जिसकी बहुत उत्सुकता से प्रतीक्षा की जाती है।

सत्यमेव जयते

कार्यालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/भूमि अधिग्रहण कलेक्टर
जनपद मध्य उत्तर, जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय परिसर, रामपुरा, दिल्ली-35

F. No.: अवार्ड सं. 40 एवं 50/80-81/ हैदरपुर शालीमार बाग / **दिनांकः**

सार्वजनिक सूचना पत्रक

यह सूचित किया जाता है कि ग्राम हैदरपुर, शालीमार बाग, दिल्ली की खसरा संख्या 12 मिन एवं खसरा संख्या 13 मिन सहित एक बड़े भू-भाग का अधिग्रहण सरकार द्वारा अवार्ड संख्या 40/80-81 एवं अवार्ड संख्या 50/80-81 के माध्यम से सार्वजनिक प्रयोजन हेतु किया गया था। दिल्ली विकास प्राधिकरण (DDA) द्वारा रोड संख्या 320 को आर.यू.बी. (RUB) से लेकर रोड संख्या 319 के चौराहे तक 30 मीटर स्वीकृत राइट ऑफ वे (ROW) के अनुसार लोक निर्माण विभाग (PWD) को हस्तांतरित किया गया है। DDA मास्टर प्लान के अनुसार रोड संख्या 320 का विकास सार्वजनिक हित में है, क्योंकि यह हाईवे से जुड़ने वाला संपर्क मार्ग है तथा यह यातायात कन सुचारू बनाए रखने और विद्यालयों, अस्पतालों आदि जैसी आवश्यक सार्वजनिक सुविधाओं तक आवागमन/परिवहन सुनिश्चित करने हेतु अत्यंत महत्वपूर्ण है।

दिनांक 10.01.2026 को संयुक्त सर्वेक्षण/ निशानदेही की गई, जिसमें यह पाया गया कि 143 अनधिकृत कब्जाधारकों द्वारा आवासीय तथा वाणिज्यिक प्रयोजनों हेतु प्रयोग किया जा रहा है। यह भूमि रोड संख्या 320, ग्राम हैदरपुर, शालीमार बाग, दिल्ली के राइट ऑफ वे (ROW) (30 मीटर) के अंतर्गत आती है। वर्तमान में सड़क की चौड़ाई मात्र 19.50 मीटर है तथा 10.50 मीटर सड़क चौड़ाई पर अनधिकृत संरचनाएं/ अतिक्रमण पाया गया है, जो कि खसरा संख्या 12 मिन (2-17) एवं खसरा संख्या 13 मिन (5-01) में आता है।

अतः उपरोक्तानुसार अधिग्रहित भूमि पर स्थित रोड संख्या 320, ग्राम हैदरपुर, शालीमार बाग, दिल्ली पर बनी अनधिकृत संरचनाओं में निवास/व्यवसाय कर रहे सभी अनधिकृत कब्जाधारकों को निर्देशित किया जाता है कि वे इस सूचना पत्रक के निर्गमन की तिथि से 15 दिनों के भीतर अपनी आपत्तियां, यदि कोई हों तो दर्ज करायें / प्रस्तुत करें अन्यथा जनहित में सड़क चौड़ीकरण हेतु उक्त अधिग्रहित भूमि का कब्जा क्यों न लिया जाए।

सभी से अनुरोध है कि लिखित उत्तर, आवश्यक भूमि दस्तावेजीप्रमाण के साथ कार्यालय अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट/**भूमि अधिग्रहण** कलेक्टर (सेंट्रल नॉर्थ), जिला मजिस्ट्रेट कार्यालय, सेंट्रल नॉर्थ जिला, रामपुरा, दिल्ली-35 में जमा करायें अथवा ई-मेल के माध्यम सेः lac.centralnorth@gmail.com, अथवा विशेष शिविर में, जो कि दिनांक 28.01.2026 एवं 29.01.2026 को साहिब सिंह वर्मा सामुदायिक भवन, शालीमार बाग, दिल्ली में आयोजित किया जाएगा।

यदि निर्धारित समय-सीमा के भीतर कोई उत्तर/आपत्ति अथवा पर्याप्त कारण/प्रतिनिधित्व प्रस्तुत नहीं किया जाता है, तो यह माना जाएगा कि अधिग्रहित भूमि पर किसी भी अनधिकृत कब्जाधारक का कोई वैध अधिकार/ दावा नहीं है तथा सक्षम प्राधिकारी द्वारा कानून के अनुसार अधिग्रहित भूमि का कब्जा लिया जाएगा।

हस्ता /-
भूमि अधिग्रहण कलेक्टर / अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट
सेंट्रल नॉर्थ जिला

DIP/Shabdarth/Classified/0419/25-26

NBT करेगा हर पहलू की पड़ताल

'NBT सुरक्षा कवच' इस हफ्ते नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में

Vishal.sharma3
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस और पब्लिक के बीच भरोसे का पुल बना रहा NBT सुरक्षा कवच इस हफ्ते आउटर नॉर्थ जिले के थाना नरेला इंडस्ट्रियल एरिया में पहुंच रहा है। NBT यहां सुरक्षा के हर पहलू की पड़ताल करेगा, पब्लिक के सुझाव लिए जाएंगे। उन्हें दिल्ली पुलिस के आला अफसरों, जिले की साइबर सेल, ट्रैफिक पुलिस तक पहुंचाएंगे। ताकि जिले की पुलिस और पब्लिक की आपसी साझेदारी व सुझाव के साथ इलाके को ज्यादा सुरक्षित और सुविधाजनक बनाया जा सके।

NIA थाना एरिया में मिक्स आबादी: नरेला इंडस्ट्रियल एरिया की पहचान छोटी-बड़ी इंडस्ट्री से है, ऐसे में बड़ी संख्या में श्रमिक वर्ग यहां रहता है। ज्यादातर आबादी मिक्स है। इंडस्ट्री के अलावा कॉलोनियों और गांवों से घिरा हुआ है। कच्ची कॉलोनियां भी है। चूंकि अधिकतर दिल्ली से बाहर के लोग है। गांवों को छोड़ दें तो इस इलाके की घनी आबादी में ज्यादातर मिडिल क्लास, लोअर मिडिल क्लास के लोग शामिल है। आउटर नॉर्थ जिले के डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी के दिशा निर्देशन और एडिशनल डीसीपी चंद्र प्रकाश मीणा, एडिशनल डीसीपी नीरज पटेल, एसीपी राकेश कुमार के सुपरविजन में NIA एसएचओ मनोज कुमार, इंस्पेक्टर सुधीर राठी व थाने का स्टाफ पूरे एरिया को सुरक्षित बनाए रखने में 24x7 मुस्तैदी रहते है।

NBT सुरक्षा कवच

मिलकर बनाएं दिल्ली को ज्यादा सेफ

आउटर नॉर्थ जिले के प्रमुख थानों में से है नरेला इंडस्ट्रियल एरिया थाना। भौगोलिक नजरिए से करीब 10 वर्ग किलोमीटर के फैले हुए एरिया में है। लगभग 10 लाख की मिली जुली आबादी है। थाने की सीमा के आसपास का बॉर्डर थाना अलीपुर, थाना नरेला, थाना बवाना और थाना शाहबाद डेयरी से जुड़ा हुआ है। इस इलाके में दो मेन सड़कें हैं, जिनकी कनेक्टिविटी है- यानी UER-I और UER-II, जो GT रोड और IGI एयरपोर्ट और गुरुग्राम से जुड़ी है।

लैंडफिल साइट्स पहुंचे कमिश्नर, लगाई 'क्लास'

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

एमसीडी कमिश्नर संजीव खिरवार अपना पदभार संभालते ही एक्शन मोड में आ गए हैं। सबसे पहले उन्होंने सभी अडिशनल कमिश्नर के साथ मीटिंग कर एमसीडी में चल रहे बड़े कामों की पूरी जानकारी ली। शनिवार को वह संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ ओखला लैंडफिल साइट और तेहखंड स्थित वेस्ट टु एनर्जी प्लांट का जायजा लेने पहुंचे। उन्होंने साइट पर ही अधिकारियों के साथ बैठक कर दोनों जगहों पर चल रहे कामों की प्रेस रिपोर्ट भी ली।

ओखला भलस्वा के लिए इसी साल की डेडलाइन

सूत्रों का कहना है कि उन्होंने ओखला सहित भलस्वा और गाजीपुर लैंडफिल साइट्स का कूड़ा भी समयसीमा के अंदर खत्म करने के निर्देश दिए।

इस समय एमसीडी और सरकार के लिए तीनों लैंडफिल साइट्स पर बने कूड़े के पहाड़ों को खत्म करना किसी चुनौती से कम नहीं है। अब तक कई बार तीनों लैंडफिल साइट्स को खत्म करने की डेडलाइन तय की गई, लेकिन हर बार यह डेडलाइन आगे बढ़ा दी गई। फिलहाल ओखला और भलस्वा लैंडफिल पर बने कूड़े के पहाड़ों को इसी साल खत्म करने की डेडलाइन है।

'सनातन धर्म का दर्शन अद्भुत और अविरल है'

■ रमेश जैन, नई दिल्ली

भारत मंडपम में आयोजित भव्य रामकथा के समापन पर रविवार को विश्वविख्यात कथा वाचक पूज्य मोरारी बापू ने कहा कि राम की सर्वग्राहिकता उनके आदर्शों और रामायण की शिक्षाओं में निहित है। रामायण का मार्मिक सार बताते हुए उन्होंने कहा कि रामायण हमें गतिशील, गुणशील और शौर्यशील बनने की प्रेरणा देते हुए जीवन में अहिंसा, ब्रह्मचर्य, त्याग, स्वाध्याय, सरलता, सहनता, पुरुषार्थ, समदृष्टि धारण करने की प्रेरणा देती है। बापू ने मार्मिक शब्दों में सभी धर्मों का सार बताते हुए कहा कि सनातन धर्म का दर्शन अद्भुत और अविरल है। श्री हनुमान मंदिर लिंक रोड, करोल बाग में रविवार को श्रीमहंत श्रीमगिरि महाराज के सान्निध्य में महंत नाग बाबा सेवागिरि जी महाराज की 18वीं पुण्यतिथि पर विशाल संत समागम में उनके आदर्श जीवन पर प्रकाश डाला गया।

धर्म कर्म

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH09 User: vivek.kumar4 Time: 01-25-2026 21:37 Color:

IEW INDIA ENERGY WEEK 2026

MINISTRY OF PETROLEUM AND NATURAL GAS
Government of India

इंडिया एनर्जी वीक 2026
भारत से विश्व तक,
भविष्य का नवनिर्माण

स्वच्छ ऊर्जा समय की मांग है। बेहतर कल के लिए हमारी प्रतिबद्धता सर्वोपरि है और यह हमारे काम में झलकती है।

- नरेन्द्र मोदी

75,000+	700+	120+	6,500+	120+	550+
ऊर्जा प्रोफेशनल्स	कंपनियाँ	देशों का प्रतिनिधित्व	प्रतिनिधि	सत्र	स्पीकर्स

इंडिया एनर्जी वीक 2026

का

भव्य उद्घाटन

नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री

द्वारा

विशेष वीडियो संदेश

मंगलवार, 27 जनवरी, 2026 | प्रातः 10:00 बजे

कन्वेंशन हॉल, ओएनजीसी एटीआई, गोवा

गत एक दशक में ऊर्जा क्षेत्र का रूपांतरण

वैश्विक नेतृत्व:

- विश्व का चौथा सबसे बड़ा रिफाइनिंग हब, क्षमता लगभग 260 एमएमटीपीए
- छठवां सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन नेटवर्क, लगभग 26,000 किमी
- वर्ष 2050 तक बढ़ती वैश्विक ऊर्जा मांग में लगभग 35% का योगदान

स्वच्छ रसोई ईंधन में क्रांति:

- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 10.40 करोड़ से अधिक घरों को निःशुल्क एलपीजी कनेक्शन
- लक्षित 33 करोड़ घरों को एलपीजी सुविधा से जोड़ने का कार्य लगभग अंतिम चरण में
- 1.50 करोड़ से अधिक घरों को पाइप्ड नैचुरल गैस (पीएनजी) से जोड़ा गया

सतत ऊर्जा में नई कीर्ति:

- नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता स्थापित करने में विश्व में चौथे स्थान पर
- स्थापित विद्युत क्षमता का 50% से अधिक हिस्सा गैर-जीवाश्म (नॉन-फॉसिल) ईंधन से प्राप्त
- COP26 का लक्ष्य निर्धारित समय से पांच वर्ष पहले पूरा

सशक्त कदम, समृद्ध गांव:

- 170 कम्प्रेस्ड बायोगैस प्लांट्स द्वारा प्रतिदिन लगभग 1,150 टन सीबीजी का उत्पादन
- किसानों को लगभग ₹1.40 लाख करोड़ का भुगतान
- पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिश्रण की उपलब्धि

हमसे जुड़ें:
#IndiaEnergyWeek | www.indiaenergyweek.com

इस इवेंट का लाइव टेलीकास्ट DD न्यूज़ यूट्यूब चैनल पर देखें। DD NEWS

अधिक जानकारी के लिए QR कोड स्कैन करें

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH10 User: vivek.kumar4 Time: 01-25-2026 21:37 Color:

उत्तर प्रदेश बना देश का ग्रोथ इंजन

उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। रणनीतिक सुधारों और प्रमुख क्षेत्रों में लक्षित निवेश के माध्यम से राज्य एक मजबूत विकास पथ तैयार कर रहा है। निरंतर नेतृत्व के तहत सरकार ने औद्योगिक विकास को सशक्त करने, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को बेहतर बनाने और बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित करने के लिए प्रभावी नीतिगत कदम उठाए हैं, जिससे दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन की ठोस नींव पड़ी है।

2017 के बाद से उत्तर प्रदेश ने उद्योग, विनिर्माण, इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, स्वास्थ्य और कनेक्टिविटी जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में निरंतर निवेश किया है, ताकि विकास का आधार सुनिश्चित हो सके। राज्य ने प्रक्रियाओं को सरल बनाकर, कानून-व्यवस्था को मजबूत करके, आधारभूत संरचना का विस्तार करके और पारदर्शी शासन को बढ़ावा देकर अपने कारोबारी माहौल को व्यवस्थित रूप से बेहतर किया है। व्यापक एक्सप्रेसवे नेटवर्क, मजबूत परिवहन व्यवस्था और बढ़ती हवाई कनेक्टिविटी के साथ यूपी निवेशकों के लिए आकर्षक लॉजिस्टिक्स सुविधाएं प्रदान कर रहा है।

कृषि उत्पादकता

कृषि उत्पादकता और किसानों की समृद्धि में उल्लेखनीय सुधार देखने को मिला है। मूल्य संवर्धित नितियों, बुनियादी ढांचे के विकास और प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता के संयुक्त प्रयासों से बेहतर उत्पादकता सुनिश्चित हो रही है।

इस दिशा में निम्नलिखित रणनीतिक पहलें प्रमुख हैं:

- फूड प्रोसेसिंग और निर्यात वृद्धि पर फोकस
- बेहतर लॉजिस्टिक्स और बाजार तक पहुंच
- लॉजिस्टिक्स लागत और समय में कमी
- लॉजिस्टिक्स कनेक्टिविटी में तीन गुना वृद्धि
- राज्य को "लॉजिस्टिक्स अचीवर" के रूप में स्थापित करना
- समन्वित नीतिगत हस्तक्षेप

उत्तर प्रदेश: देश का सबसे संपन्न अन्न भंडार

उत्तर प्रदेश की कृषि वृद्धि फसल उत्पादकता और उत्पादन क्षमता पर केंद्रित है, जिससे राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा में इसकी अग्रणी भूमिका मजबूत हुई है (2025)

2024-25 के अनुमान के अनुसार इन प्रमुख फसलों में अग्रणी

#1 भारत का सबसे बड़ा गेहूं उत्पादक
देश के कुल गेहूं उत्पादन में 35.3% योगदान

#2 भारत का प्रमुख चावल उत्पादक
देश के कुल चावल उत्पादन में 14.7% योगदान

कुल खाद्यान्न उत्पादन क्षमता में अग्रणी

भारत का शीर्ष खाद्यान्न उत्पादक राज्य
2024-25 के अनुमान के अनुसार 725.09 लाख मीट्रिक टन उत्पादन, जो भारत के कुल उत्पादन का 20.5% है

उत्पादन में तेज वृद्धि
2017 से 2025 के बीच कुल उत्पादन में **41.2%** की वृद्धि (2024-25 के अनुमान के अनुसार)

उत्पादकता में बड़ा उछाल
2017 से 2025 के बीच उत्पादकता में **47.7%** की वृद्धि (2024-25 के अनुमान के अनुसार)

उत्तर प्रदेश: औद्योगिकीकरण का नया दौर

उत्तर प्रदेश में औद्योगिक भूमि आवंटन की प्रक्रिया को तेज करना और निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए नियामकीय सुधार लागू करना सबसे प्रभावशाली कदमों में से एक रहा है। भूमि वितरण को सरल और तेज बनाकर, "प्लग-एंड-प्ले" इंडस्ट्रियल पार्कों को बढ़ावा देकर और निवेश मित्र जैसे सुधारों के माध्यम से अनुपालन प्रक्रियाओं को आसान बनाकर राज्य ने निवेशकों के लिए एक अनुकूल इकोसिस्टम तैयार किया है, जिससे बाधाएं कम हुई हैं और संचालन क्षमता में वृद्धि हुई है।

शिक्षा में आया बड़ा परिवर्तन: नई पहलों से मिली नई उपलब्धियां

डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म, ई-कंटेंट रिपॉजिटरी और ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रियाओं के साथ, उत्तर प्रदेश की शिक्षा सुधार नीतियां केवल आगे बढ़कर गुणवत्ता, प्रासंगिकता और परिणामों पर केंद्रित हैं, बल्कि एक कुशल, आत्मविश्वासी और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल की नींव रखती हैं।

वैश्विक पर्यटन हब बनने की ओर अग्रसर

उत्तर प्रदेश ने निर्णायक रूप से अपनी विशाल सांस्कृतिक विरासत को भविष्य के लिए तैयार एक मजबूत पर्यटन शक्ति में बदल दिया है। लक्षित सुधारों, बड़े पैमाने पर इंफ्रास्ट्रक्चर अपग्रेड और विरासत स्थलों के संवेदनशील संरक्षण के जरिए राज्य ने इतिहास, आस्था और संस्कृति के अनुभव को नए सिरे से परिभाषित किया है। यह नए, आत्मविश्वासी भारत का उभरता हुआ पर्यटन केंद्र बनता जा रहा है।

वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय हो चुके हैं यूपी के व्यंजन

प्रयागराज का संगम इनोवेशन से ही तीर्थयात्रियों के अवलोकन का केंद्र रहा है

विकास के नए प्रतिमान

पिछले कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में एक्सप्रेसवे नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है, जिससे यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आई है और प्रमुख औद्योगिक व शहरी कॉरिडोर में लॉजिस्टिक्स की दक्षता बढ़ी है। बेहतर हवाई कनेक्टिविटी और आधुनिकीकृत एयरपोर्ट्स ने उत्तर प्रदेश को पर्यटन, व्यापार और निवेश के लिए एक उभरते हुए हब के रूप में स्थापित किया है।

प्रदेश में मौजूदा विस्तारित एक्सप्रेसवे नेटवर्क

नोएडा अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH11 User: cci Time: 01-25-2026 22:55 Color:

बदलेगी बदरपुर, संगम विहार, देवली की सूरत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

- सीएम ने तीनों विधानसभा क्षेत्र में 300 करोड़ रुपये के विकास कामों का किया शुभारंभ
- बदरपुर में 85 करोड़, संगम विहार में 115 करोड़ और देवली में 104 करोड़ रुपये से होंगे काम

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को दक्षिण दिल्ली के तीन विधानसभा क्षेत्रों बदरपुर, संगम विहार और देवली में लगभग 300 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह केवल बजट का आंकड़ा नहीं, बल्कि दक्षिण दिल्ली के परिवर्तन का संकल्प है। लोगों को सड़कों, नालियों, ड्रेनेज सिस्टम, पीने के पानी, स्ट्रीट लाइटें, पार्क, डिस्पेंसरी और बरातघर आदि की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने बदरपुर विधानसभा में 85 करोड़ के विकास के कामों का शुभारंभ करते हुए कहा कि ओखला लैंडफिल को खत्म करने के लिए सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। क्षेत्र की जनता इस परिवर्तन की प्रत्यक्ष साक्षी बनेगी। उन्होंने भरोसा दिया कि विकास के कामों में पूर्ण पारदर्शिता रखी जाएगी। सभी परियोजनाएं तय समय पर पूरी होंगी। क्वॉलिटी से कोई समझौता नहीं किया जाएगा। सरकार बदरपुर को स्वच्छ, सुरक्षित, आधुनिक और दिल्ली का आदर्श विधानसभा क्षेत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

संगम विहार विधानसभा में 115 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने संगम विहार को टूटी सड़कें, ओवरफ्लो सीवर, गंदा पानी और अधूरे वादे दिए। लेकिन अब सरकार हर संकल्प को धरातल पर उतारने के लिए प्रतिबद्ध है। इन परियोजनाओं के अंतर्गत सड़कों का पुनर्निर्माण, मजबूत सीवर और ड्रेनेज सिस्टम, पेयजल व्यवस्था, गलियों, नालियों और स्ट्रीट लाइट का सुधार किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने देवली विधानसभा में 104 करोड़ रुपये के विकास के कामों की शुरुआत की। इन परियोजनाओं के जरिए नई सड़कों का निर्माण, सीवर और ड्रेनेज नेटवर्क का विस्तार, किया जाएगा।

किसी भी स्कूल ने बढ़ी फीस वापस नहीं की: AAP

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के प्राइवेट स्कूलों में बढ़ी फीस को लेकर बड़ा आरोप लगाया है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी की तरफ से पूछे गए सवालों पर शिक्षा मंत्री आशीष सूद से मिले जवाब का हवाला देते हुए यह दावा किया है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्री ने विधानसभा के पटल पर मान लिया है कि पिछले साल मनमाने ढंग से बढ़ाई गई फीस को किसी भी प्राइवेट स्कूल ने पैरेंट्स को वापस नहीं किया है। सौरभ ने कहा कि बीजेपी सरकार और निजी स्कूलों के बीच सांठगांठ का यह बड़ा खुलासा खुद शिक्षा मंत्री ने अपने जवाबों से किया है।

प्राइवेट स्कूलों में बढ़ी फीस को लेकर बड़ा आरोप

सौरभ ने एक्स पर कहा कि विधानसभा सत्र में आशीष सूद के जवाबों से निजी स्कूलों के साथ सांठगांठ का पर्दाफाश हुआ। पहला, किसी भी निजी स्कूल ने बढ़ी हुई फीस वापस नहीं की। दूसरा, निजी स्कूलों के वित्तीय ऑडिट के बावजूद सरकार ने कोई कार्रवाई नहीं की। तीसरा, डीएम की अध्यक्षता वाली कमिटी की सिफारिश के बावजूद डीपीएस स्कूल के खिलाफ छात्रों के उत्पीड़न के मामले में कोई एफआईआर दर्ज नहीं की गई।

चौथा, दिल्ली सरकार के पास अप्रैल 2025 में फीस बढ़ाने वाले निजी स्कूलों का कोई रिकॉर्ड मौजूद नहीं है। सौरभ ने कहा कि दिल्ली में बीजेपी की सरकार बनते ही 1 अप्रैल 2025 से शुरू हुए सत्र में लगभग सभी निजी स्कूलों ने अपनी फीस में 20 फीसदी से लेकर 80 फीसदी तक की हैवी बढ़ोतरी की। इसके विरोध में अभिभावकों ने जमकर आंदोलन और प्रदर्शन किए।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH12 User: anil.rana Time: 01-26-2026 00:04 Color:

एक इंजिनियर की मौत

अब लापरवाही छिपाने की कोशिश

Shyam.Vir@timesofindia.com

■ **नोएडा :** नोएडा के युवराज की जान बचाने में नाकाम जिम्मेदार अब अपने गुनाहों को बचाने की कोशिश में लगे हैं। सूत्रों के अनुसार मामले की जांच कर रही एसआईटी को अधूरी और विरोधाभाषी रिपोर्ट दी जा रही है। बयान और रिपोर्ट मेल नहीं खा रहे हैं। इसके चलते एसआईटी को रिपोर्ट तैयार करने में अधिक समय लग रहा है और ये तय समय पर शनिवार को शासन के पास दाखिल नहीं की जा सकी। इस मामले में पुलिस, एडीओआरएफ, एनडीआरएफ, फायर डिपार्टमेंट, नोएडा अथॉरिटी, मौके पर मौजूद रहे लोगों और पीड़ित परिवार के बयान दर्ज किए गए हैं। मौके पर भी एसआईटी दो बार गई।

साहस की कमी की ओर इशारा करती है यह घटना -विक्रम सिंह, पूर्व डीजीपी: पूर्व के पूर्व डीजीपी विक्रम सिंह ने कहा है कि ये कौशल की कमी, उपकरणों की कमी या साहस के अभाव की ओर इशारा करता है। इससे कहीं ज्यादा मुश्किल परिस्थितियों में भी सफल रेस्क्यू किए गए हैं। इस जैसी ने इमरजेंसी में बचाव व्यवस्था की बुनियादी खामियों को उजागर किया है। ये प्राइमरी रेस्पोन्सर्स के पास जीवनरक्षक कौशल, उपकरणों की कमी और एजेंसियों के बीच तालमेल का अभाव का सबसे बड़ा उदाहरण है।

अधूरी रिपोर्ट, विरोधाभाषी बयानों के कारण लेट होती गई जांच

बीते-पुलिस पीआरवी 12:06 बजे रवाना हुई और 9 मिनट में मौके पर पहुंच गई। पीआरवी में एक सब-इंस्पेक्टर या असिस्टेंट सब-इंस्पेक्टर और एक कांस्टेबल होता है, जो ड्राइवर की भूमिका भी निभाता है। आधे घंटे के भीतर नोलेज पार्क थाने से और पुलिसकर्मी भी पहुंच गए। सवाल यह है कि कोई भी पानी में क्यों नहीं उतरा?

विभागों ने SIT को फाइनल रिपोर्ट दी

■ **NBT रिपोर्ट, नोएडा:** नोएडा के सेक्टर-150 में हुई दर्दनाक घटना को लेकर गठित विशेष जांच टीम (SIT) की जांच अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुकी है। रविवार को सभी संबंधित विभागों ने एसआईटी को अपनी-अपनी फाइनल रिपोर्ट सौंप दी है। इस रिपोर्ट को तैयार करने में कई स्तर पर सख्तीकरण और आपसी तालमेल के बाद अंतिम रूप दिया गया है। जानकारी के मुताबिक 27 या 28 जनवरी को एसआईटी यह रिपोर्ट शासन में सौंपेगी। शनिवार रात साढ़े 11 बजे तक अथॉरिटी की टीम रिपोर्ट को फाइनल करके दफ्तर से निकली। जिसमें सबसे मुश्किल सवाल यह थे कि खतरनाक स्थिति के बावजूद साइट को सुरक्षित क्यों नहीं किया गया। बेसमेंट के गड्ढे में पानी भरने की जानकारी अथॉरिटी को कब से थी।

फ्रीज हो सकता है कंपनी का खाता

■ **NBT न्यूज, ग्रेटर नोएडा:** इस मामले में पुलिस फरार चल रहे बिल्डर कंपनी के बैंक खातों को फ्रीज करने की तैयारी कर रही है। इसके लिए बैंकों की सारा डिटेल निकल गई है। पुलिस ने इस मामले में लोटस ग्रीन बिल्डर के मालिक निर्मल सिंह के खिलाफ केस दर्ज किया था। गिरफ्तारी न होने पर अदालत से गैर-जमानती वॉरंट भी जारी कराया गया, लेकिन करीब आठ दिन बीतने के बाद भी आरोपी पुलिस की पकड़ से बाहर है। नोलेज पार्क कोतवाली पुलिस लगातार उसकी तलाश में दबिश दे रही है, लेकिन लोकेशन ट्रेस नहीं हो पा रहा है।

आप बताएं क्या है उपाय

ऐसे हादसों को रोकने के लिए क्या किया जाना चाहिए। अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप कीजिए।

'स्कूल-कॉलेज से ही सभी को मिले डिजास्टर मैनेजमेंट ट्रेनिंग'

पिछले दिनों नोएडा के सेक्टर-150 में हुए दर्दनाक हादसे में इंजीनियर युवराज की मौत ने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। माना जा रहा है कि इस घटना के पीछे सिविक एजेंसियों की गंभीर लापरवाही थी, जिसके कारण समय रहते युवराज की जान नहीं बचाई जा सकी। यह हादसा केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि सिस्टम की खामियों और प्रशासनिक उदासीनता का आईना बन गया है। इस गंभीर घटना के बाद NBT ने अपने रीडर्स से यह सवाल किया कि ऐसे हादसों को भविष्य में कैसे रोका जा सकता है। इसके जवाब में बड़ी संख्या में पाठकों ने अपने सुझाव, गुस्सा और सिस्टम के प्रति नाराजगी खुलकर जाहिर की।

जिन लोगों पर बचाव की जिम्मेदारी थी और जो मौके पर मौजूद थे, उनकी रोबाए समाज की जानी चाहिए। -*शिव कुमार गुप्ता*

स्कूल और कॉलेजों में डिजास्टर मैनेजमेंट की ट्रेनिंग अनिवार्य होनी चाहिए। -*डॉ. आर. नरूला*

रेस्क्यू टीम में ऐसे कर्मचारी हों जो बिना झिझक गंदे पानी में उतर सकें और ड्रोन के जरिए रस्सी पहुंचाई जा सके। -*लखन सिंह*

हर स्कूल में बच्चों के लिए स्विमिंग अनिवार्य हो। निर्माण स्थल छोड़ने वालों पर सख्त कार्रवाई हो और रेस्क्यू टीम को सक्षम बनाया जाए। -*एनबीटी रीडर*

युवराज मेहता की मौत एक दुर्घटना नहीं बल्कि प्रशासन और नौकरशाही द्वारा की गई हत्या है। यदि किसी वीआईपी से जुड़ा मामला होता तो हेलीकॉप्टर तुरंत तैनात हो जाता। -*एस. के. गुप्ता*

अगर यही घटना किसी विकसित देश में होती तो सिविक एक्शन फोर्स तुरंत सक्रिय हो जाती। पुलिस, फायर ब्रिगेड और एनडीआरएफ के पास जरूरी संसाधनों की कमी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। -*डॉ. एम. एस. आर्य*

नोएडा में खुले गड्ढे से हुई इस दर्दनाक घटना ने प्रशासनिक लापरवाही को उजागर कर दिया है। सड़क या निर्माण कार्य के दौरान गड्ढे खोदकर उन्हें खुला छोड़ देना आम नागरिकों की जान से खिलवाड़ है। खुदाई के दौरान मजबूत बैरिकेडिंग, चेतावनी बोर्ड, रिफ्लेक्टर और लाल लाइट अनिवार्य होनी चाहिए। तय समय में काम पूरा न होने पर गड्ढों को अस्थायी रूप से ढका जाना चाहिए और जिम्मेदार अधिकारी व ठेकेदार का नाम मौके पर अंकित होना चाहिए। नियम तोड़ने पर भारी जुर्माना, ब्लैकलिस्टिंग और आपराधिक कार्रवाई सुनिश्चित हो। -*दिनेश, साहिबाबाद*

ऐसे हादसों से बचने के लिए रात के समय सुरक्षा गार्ड की तैनाती हो, जिनके पास लाइफ जैकेट, रबर ट्यूब, ऑक्सीजन सिलेंडर, मजबूत रस्सी, प्राथमिक चिकित्सा किट और फायर ब्रिगेड, पुलिस व अस्पताल के इमरजेंसी नंबर हों। -*एनबीटी रीडर*

नोएडा की घटना ने सभी को हिला दिया है। किसी भी सोसायटी को तभी मंजूरी मिलनी चाहिए जब सभी सुरक्षा सुविधाएं पूरी हों। प्रायश्चदर्शियों की सुरक्षा मिले, नहीं तो भविष्य में कोई मदद के लिए नहीं आएगा। -*किरन पांडेय*

देश में ऐसे उपकरण विकसित किए जाएं, जो दूर तक रस्सी या जाल फेंक सकें। -एनबीटी रीडर

नोएडा में मिट्टी खनन और जलभराव के कारण ऐसे खतरनाक स्पॉट बन रहे हैं। अधिकारियों और माफिया की मिलीभगत से जाने जा रही हैं। इस पर ऐक्शन लिया जाना चाहिए। -*तुलसी नैलवाल*

ऐसे मामलों में जब तक जिम्मेदारों की सख्त जवाबदेही तय नहीं होगी, ऐसे हादसे दोहराए जाते रहेंगे। साथ ही भ्रष्ट सिस्टम को बार-बार एक्सपोज करने की भी जरूरत है। -*बलवंत बल्लभ पांडे*

नोएडा सेक्टर-150 में 17 जनवरी को गड्ढे में डूबने से हुई थी युवराज मेहता की मौत

इस मामले में सरकार ने जांच के लिए एसआईटी का गठन किया था

मुनेंद्र ने लगाई सुरक्षा की गुहार

NBT न्यूज, ग्रेटर नोएडा: युवराज मामले में अहम चश्मदीद गवाह मुनेंद्र ने शनिवार देर शाम एसआईटी के सामने बयान दर्ज कराने के बाद अपनी जान को खतरा बताते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सुरक्षा की गुहार लगाई है। उन्होंने एसआईटी को दिए बयानों में कहा है कि मौके पर मौजूद लोगों ने मदद नहीं दिखाई, जिससे युवराज की जान चली गई। वहीं, मुनेंद्र को फंसाने और अपराधी बनाने के आरोपों को नोएडा पुलिस ने निराधार बताया है। पुलिस ने कहा है कि वह 24 को बुलाए जाने पर रिश्तेदारों के साथ एसआईटी कार्यालय स्वयं उपस्थित हुआ था।

'बयान में कोई बदलाव नहीं किया'

SIT ने मुनेंद्र को शनिवार दोपहर नोएडा बयान दर्ज कराने के लिए बुलाया था। गवाह ने स्पष्ट किया कि उसने एसआईटी के सामने वही बातें रखीं, जो उसने पहले 16 जनवरी से अब तक अपने बयानों में कही थीं। किसी भी बयान में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस बीच मुनींद्र ने वायरल वीडियो पर कहा कि मुझे राजनिक के तहत फंसाए जा रहा है मेरी छवि को खराब किया जा रहा है।

मुनेंद्र

तय होने जा रही नामजद जिम्मेदारी

रिपोर्ट को लेकर सबसे अहम बात यह है कि इसमें नामजद जिम्मेदारी तय किए जाने की पूरी संभावना है। रिपोर्ट का एक हिस्सा बंद सिफारिशें में रखा गया है, जिसमें उन अफसरों और जिम्मेदार अधिकारियों के नाम शामिल हैं, जिनकी लापरवाही या चूक से सीधे जुड़ी पाई गई है।

27 या 28 जनवरी को एसआईटी यह रिपोर्ट शासन को सौंपेगी

SIT ने मुनेंद्र से ये सवाल पूछे

1. वह घटनास्थल पर क्यों मौजूद था, उसकी डिलिवरी एप्लिकेशन किस समय चालू होती है ?
2. उसने युवराज को बचाने के लिए कितनी देर तक पानी में प्रयास किया ?
3. उसके पास सुरक्षा के लिए कोई उपकरण था या नहीं ?
4. यदि युवक उसके सामने तक जीवित रहता तो वह किस तरह उसे बचाता ?

फाइलों में दबे थे खतरे के संकेत

यह बात भी सामने आई है कि हादसे से पहले कई चेतावनी संकेत मौजूद थे, लेकिन उन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। साइट पर जलभराव, खुले गड्ढे और सुरक्षा इंतजामों की कमी को लेकर पहले भी सवाल उठे थे, लेकिन विभागों ने फाइलों आगे नहीं बढ़ाई या फिर केवल खानापूर्ति की।

इन वजहों से जांच हुई सुस्त

■ शुक्रवार और शनिवार देर रात तक एसआईटी बयान दर्ज करती रही और विभागों की ओर से दाखिल रिपोर्ट को अधूरी बताते हुए फिर से लिखित जानकारियां मांगीं

■ सूत्रों का कहना है कि अथॉरिटी की ओर से गोल-मोल जवाब दाखिल किए गए, जिससे किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सके। ऐसे में दो बार फिर से जवाब मांगे गए। दस्तावेज भी लिए गए

■ पुलिस ने टाइमलाइन के साथ अपनी रिपोर्ट ठेकर खुद को क्लीन चिट देने का प्रयास किया है, पुलिस ने तमाम फोटो, विडियो, मौके के हालात के सबूत दिए हैं। मुनेंद्र को भी कठघरे में लेने का प्रयास किया

नहीं हटाया बीच रोड से हाईटेंशन टावर, हादसे में ड्राइवर का जबड़ा टूटा

द्वारका एक्सप्रेसवे से सटे सेक्टर-102 और 102ए को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर खड़े इस टावर से कई बार हादसे हो चुके हैं

■ **हिमांशु नायक, गुड़गांव :** द्वारका एक्सप्रेसवे से सटे सेक्टर-102 और 102ए को जोड़ने वाली मुख्य सड़क पर खड़ा हाईटेंशन लाइन का एक पोल लगातार हादसों को न्योता दे रहा है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी आंखें मूंदे बैठे हैं। शनिवार शाम करीब 8 बजे इसी पोल से एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन टकरा गया। हादसे में वाहन चालक गंभीर रूप से घायल हो गया, उसका जबड़ा टूट गया। गनीमत रही कि इस बार कोई जान नहीं गई, वरना स्थिति और भयावह हो सकती थी।

यह वही सड़क है, जहां से रोजाना हजारों वाहन गुजरते हैं। धनकोट रोड बंद होने के बाद इस रास्ते पर ट्रैफिक का दबाव और बढ़ गया है। शापूर जी जॉयविले सोसायटी के सामने सड़क के बीच खड़ा यह पोल कभी भी बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

खेलते समय लोहे का गेट गिरा, बच्चे की मौत

सेक्टर 37 के खाली प्लॉट में हुई घटना

■ **NBT रिपोर्ट, फरीदाबाद**

सेक्टर 37 थाना क्षेत्र के कनिष्का टावर के पास एक खाली प्लॉट में खेल रहे 5 साल के बच्चे पर लोहे का गेट गिर गया, जिसके नीचे दबने से उसकी मौत हो गई। मृतक बच्चे की पहचान मोनू के रूप में हुई है। वह पास की झुग्गियों में परिवार के साथ रहता था। जानकारी के अनुसार कनिष्का टावर के पास एक खाली प्लॉट में गेट लगा हुआ है और उसकी चार दिवारी की हुई है। इसी के पास में काली नाम की महिला चाय का ठेला लगाती है। बताया जाता है कि रविवार को काली का 5 साल का भतीजा मोनू कुछ बच्चों के साथ वहां खेल रहा था। लोहे के गेट से खेलने के दौरान अचानक गेट उसके ऊपर गिर गया, जिससे वह घायल हो गया। आसपास के लोग उसे अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह प्लॉट किसका था, अभी इसकी जानकारी नहीं हो पाई है। वहीं सदर थाना प्रभारी राकेश का कहना है कि मौके पर पुलिस टीम भेजी गई है।

इसी गेट के गिरने से हुआ हादसा

कंपनी के GM पांचवी मंजिल से कूदे, मौत

■ **NBT न्यूज, रेवाड़ी :** होंडा कंपनी के एक जनरल मैनेजर ने धारूहेड़ा की एक सोसायटी की पांचवी मंजिल से कूदकर सुसाइड कर लिया। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है। मिली जानकारी के अनुसार मूल रूप से मिजोरम के 47 वर्षीय अमित सांगवान खुशखेड़ा, राजस्थान स्थित होंडा कंपनी में महाप्रबंधक क्वालिटी के पद पर काम कर रहे थे। वे सोसायटी में अपने माता पिता के साथ रहते थे। उनकी पत्नी मिजोरम में लेक्चरर हैं।

क्रेन का तार टूटने से मजदूर पर गिरा लोहे का गर्डर, मौत

भोंडसी की फ्लावर वैली सेट्रल पार्क सोसायटी में हादसा

■ **NBT रिपोर्ट, गुड़गांव :** भोंडसी थाना एरिया की फ्लावर वैली सेंट्रल पार्क सोसायटी में लोहे का गर्डर काटकर हटाने के दौरान क्रेन का तार टूट गया, इससे गर्डर का एक बड़ा हिस्सा एक मजदूर पर गिर गया। जिससे उसकी मौत हो गई। इस हादसे से गुस्साए मजदूरों और मृतक के परिजनों ने जमकर हंगामा किया और रोड जाम कर दिया। सूचना मिलने पर भोंडसी थाने के साथ-साथ आसपास के थानों की पुलिस और एनडीए स्तर के अधिकारी मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे लोगों से बात कर उन्हें शांत कराया। मजदूरों ने बिल्डर के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

पुलिस के अनुसार, शनिवार दोपहर करीब 3:30 बजे सूचना मिली कि फ्लावर वैली सेंट्रल पार्क सोसायटी में एक मजदूर पर गर्डर गिर गया, जिससे उसकी मौत हो गई। जिसके बाद मजदूरों ने सड़क पर जाम लगा दिया है। मृतक की पहचान मुलकराज से नूंह के गांव रहुका निवासी जुनैद खान के रूप में हुई। बताया गया कि सोसायटी की सड़क पर ब्यूटीफिकेशन के नाम पर गर्डर लगाकर छत बनाई जा रही थी।

फ्रेंड के साथ लैपर्ड ट्रेल की सैर पर गई युवती से रेप का प्रयास

■ **NBT रिपोर्ट, गुड़गांव**

पुलिस ने केस दर्ज कर SUV सवार को किया अरेस्ट

चाणक्यपुरी थाना क्षेत्र में अरावली की पहाड़ियों में रविवार सुबह करीब 5 बजे अपने फ्रेंड के साथ सैर पर निकली एक युवती को एसयूवी गाड़ी सवार ने किडनैप कर लिया। आरोपी ने फ्रेंड के साथ मारपीट की और युवती का मोबाइल छीन लिया। इसके बाद कार सवार युवक पीड़िता को जबरन गाड़ी में डालकर जंगल के सुनसान एरिया में ले गया और वहां उसने रेप का प्रयास किया। सूचना पर तुरंत हरकत में आई पुलिस टीमें मौके पर पहुंच गई और आरोपी को दबोच लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। दरअसल पीड़िता और उसका फ्रेंड एक ही निजी कंपनी में जॉब करते हैं और आसपास ही रहते हैं। रविवार सुबह दोनों अरावली में लैपर्ड ट्रेल की तरफ घूमने निकल गए थे। इसी दौरान एक स्कॉर्पियो गाड़ी वहां रुकी। गाड़ी सवार युवक ने पहले युवती के फ्रेंड के साथ गालीगलौज की और विरोध करने पर उसके साथ जमकर मारपीट कर दी। फिर आरोपी ने युवती का मोबाइल छीन लिया और उसे जबरन गाड़ी में खींचकर जंगल के अंदर सुनसान स्थान पर ले गया। वहां जान से मारने की धमकी देकर युवती से रेप का प्रयास किया। पीड़िता एक रियल एस्टेट कंपनी में जॉब करती है और एक इवेंट से वापस लौट रही थी।

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL
To book your ad Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES

Ist Punya Tithi
Sh. KURIYA SINGH
2.06.1936 - 26.01.2025
we remember a life filled with wisdom, warmth, and unwavering love. May your love and blessings always be with us. Sons: Advocate Joginder Tokas, Ramgopal Singh, Bijender Tokas G/sons: Lokesh, Yogesh, Hardik Tokas.

पावन स्मृति
ब्रह्मलीन महंत श्री ताड़केश्वर गिरी जी महाराज
सोमवार 26 जनवरी 2026
20 वीं पुण्यतिथि पर परमपूज्य महाराज श्री जी को भावभीनी श्रद्धांजलि ! कार्यक्रम सुबह 9 बजे से: पंचामृत अभिषेक, आरती, हवन एवं सुंदर कांड पाठ 11 बजे: संतों के प्रवचन एवं 12 बजे भंडारा !
श्री महंत भोलागिरी जी-अध्यक्ष प्राचीन सन्यास आश्रम शिव हनुमान मंदिर (ट्रस्ट) 65 श्लोक, निकट आर. के. आश्रम मेट्रो स्टेशन, पंचकुइयां रोड, नई दिल्ली-110001

चौधरी नंद लाल
भूत पूर्व महानगर एवम निगम पार्षद
लक्ष्मी ट्रांसपोर्ट कंपनी
26.01.1930
पुन्य जन्म तिथि पर शत:शत: नमस्कार आप की याद हमेशा हमारे दिलों में छाई किसे भुलाया नहीं जा सकता। वो के चौधरी भीमा सलाहकार सदस्य DDCA (9873685650), हरीश चौधरी, नितिन, राहुल (पुत्र एवम पोते).

TO BOOK AN OBITUARY AD PLEASE CONTACT
VINOD : 99589 92088
PANKAJ : 81306 04727
TO BOOK ONLINE LOG ON TO
Ads.timesofindia.com

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective 5th June 2019

► *Placement on specified obit pages only ► This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ► ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ► TOI Capital (Delhi & NCR) Includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that ... Three words that help us cope with your loss".
The silent joy of remembering a loved one. The moments you shared together. Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+IT (Delhi/NCR)	6,600

Maximum 10 lines

REMEMBRANCE
SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

SBI
भारतीय स्टेट बैंक
परिसर और संपदा विभाग, स्थानीय प्रधान कार्यालय, महाराष्ट्र मंडल 'स्थंदन', 15 वीं मंजिल, प्लॉट नंबर 3/2 और एएम-3, एम.आई.डी.सी., खराडी नॉलेज पार्क, पिंटो नगर, पुणे - 411 014 | फोन नंबर: 020-26236546, ई-मेल: agmpe.lhomah@sbi.co.in
निविदा आईडी: MAH20251006
एसआईडीसी सातारा, नासिक में प्रशासनिक कार्यालय भवन के प्रस्तावित निर्माण के लिए परियोजना प्रबंधन सलाहकार के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई)।
भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) एसआईडीसी सातारा, नासिक, महाराष्ट्र में प्रशासनिक कार्यालय भवन के प्रस्तावित निर्माण के लिए प्रतिष्ठित और अनुभवी परियोजना प्रबंधन सलाहकार से रुचि की अभिव्यक्ति (ईओआई) आमंत्रित करता है।
पूर्व अर्हता / पात्रता मानदंड, प्रदान की जाने वाली सेवाओं का दायरा, नियुक्ति के नियम और शर्तें और आवेदन जमा करने के लिए निर्धारित प्रारूप बैंक की वेबसाइट bank.sbi से "SBI in the News" के तहत Procurement News में (https://bank.sbi/web/sbi-in-the-news/procurement-news) 26.01.2026 से 16.02.2026 तक दोपहर 3.00 बजे तक डाउनलोड किए जा सकते हैं।
निर्धारित पात्रता मानदंडों का अनुपालन करने वाली इच्छुक फर्मों को 16.02.2026 को दोपहर 3.00 बजे तक इस कार्यालय में महाप्रबंधक दलालवाडी के साथ निर्धारित प्रारूप में अपने आवेदन जमा करना सुनिश्चित करना होगा। नियत तारीख और समय के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। एसबीआई किसी भी कारण के बिना, किसी भी आवेदन को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है और इस संबंध में किसी भी पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा।
महाप्रबंधक (पी एंड ई)

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH13 User: vivek.kumar4 Time: 01-25-2026 21:37 Color:

भारत के सफर का उत्साह मनाते हुए - जो था, जो है, और जो बन रहा है।

भारत के गणतंत्र बनने से पूर्व, वह पहले से ही विचारों, कुशलताओं, और वस्तुओं का आदान प्रदान करता था। हाथ से हाथ, गांव से गांव, पीढ़ी दर पीढ़ी। और तब भी, हमारी कला ने अपने विचारों, कहानियों, और भावनाओं को जीवंत बनाए रखा। जैसे चंबा रुमाल कला, जहाँ हर धागा प्यार, उपहार और रिश्तों को एकजुट करके सिला गया है। आज, हमारे लेन देन का तरीका बदल चुका है। अनाज से लेकर क्लिक्स तक, सिक्कों से लेकर काईस तक, प्राचीन समय के आदान प्रदान से लेकर स्कैन्स तक। UPI, NETC FASTag, RuPay, IMPS और NPCI के कई प्रोडक्ट्स पेमेंट का नया तरीका बन चुके हैं, जिससे भारत रहता है #AlwaysForward.

इस गणतंत्र दिन पर, QR code SCAN करें और चम्बा रुमाल कला के ज़रिए भारत की लेनदेन और आदान प्रदान से जुड़ी यात्रा को देखें।

NPCI
भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम
NATIONAL PAYMENTS CORPORATION OF INDIA

ALWAYS FORWARD

UPI | RuPay | NETC FASTag | IMPS | AEPS | BHIM | Bharat Connect | NPCI INTERNATIONAL

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAJK2 User: vivek.kumar4 Time: 01-25-2026 21:37 Color:

Flipkart

अब पूरा देश करेगा बचत !

REPUBLIC DAY SALE
SALE ENDS 26TH JAN

Title Sponsor: intel CORE ULTRA
Associate Sponsors: OPPO Reno15 Series 5G | NOISE | moto book 60
HDFC BANK 10% discount on HDFC Bank Credit Cards and EASYEMI on Credit Cards.

मोबाइल्स

- realme P4x 5G — ~~₹17,999~~ ₹14,249 — ₹4,750 x 3 Months
- OPPO K13x (8GB) — ~~₹18,999~~ ₹12,999* — ₹2,167 x 6 Months
- Samsung Galaxy S25 Plus 5G — ~~₹99,999~~ ₹74,999 — ₹12,500 x 6 Months
- vivo T4x 5G — ~~₹17,999~~ ₹14,249* — ₹2,375 x 6 Months
- Motorola g57 power 5G — ~~₹17,999~~ ₹12,999* — ₹2,167 x 6 Months
- realme P3 Lite 5G — ~~₹12,999~~ ₹10,749 — ₹3,583 x 3 Months
- Google Pixel 9a — ~~₹49,999~~ ₹32,999* — ₹3,666 x 6 Months
- OPPO K13 5G — ~~₹22,999~~ ₹17,999* — ₹2,833 x 6 Months
- Motorola Edge 60 Pro — ~~₹36,999~~ ₹24,999* — ₹4,166 x 6 Months
- CMF by Nothing Phone 2 Pro — ~~₹22,999~~ ₹16,999* — ₹5,999 x 3 Months
- POCO M7 5G — ~~₹12,999~~ ₹10,499* — ₹1,767 x 6 Months
- Ai+ Nova 5G — ~~₹10,999~~ ₹7,499* — ₹1,417 x 6 Months
- Google Pixel 10 — ~~₹79,999~~ ₹60,999* — ₹5,083 x 12 Months
- POCO M8 — ~~₹21,999~~ ₹16,999* — ₹2,833 x 6 Months

एप्लायंसेज़

- Samsung 138 cm (55") QLED Ultra HD (4K) — ~~₹75,000~~ ₹37,740* — ₹3,103 x 12 Months
- TCL 55Q6CS 139 cm (55") Ultra HD (4K) Mini LED — ~~₹1,08,990~~ ₹36,999* — ₹6,083 x 6 Months
- MOTOROLA 165 cm (65") QLED — ~~₹88,999~~ ₹37,749* — ₹4,194 x 9 Months
- Samsung 653 L 3 Star — ~~₹1,13,000~~ ₹64,740* — ₹3,597 x 18 months
- Haier 325 L 3 Star — ~~₹54,990~~ ₹31,740* — ₹2,645 x 12 months
- Voltas Beko 472L — ~~₹84,490~~ ₹40,740* — ₹2,263 x 18 months
- Samsung 9 Kg — ~~₹50,990~~ ₹31,799* — ₹2,405 X 12 Months
- LG 9 Kg — ~~₹52,990~~ ₹32,490* — ₹2,458 X 12 Months
- Samsung 189cm (75") 4K LED — ~~₹1,28,900~~ ₹62,240* — ₹5,229 x 12 months
- Haier 108 cm (43") Ultra HD (4K) LED — ~~₹36,990~~ ₹19,740* — ₹2,137 x 9 Months
- XIAOMI F Series 108 cm (43") Ultra HD (4K) — ~~₹37,999~~ ₹18,499* — ₹2,999 x 6 Months
- Haier 6.5 Kg — ~~₹18,990~~ ₹10,699* — ₹1,180 x 9 Months
- Panasonic 1.5 Ton 3 Star — ~~₹61,800~~ ₹29,990* — ₹3,333 x 9 Months
- Lloyd 1.5 Ton 3 Star — ~~₹53,990~~ ₹26,990* — ₹4,499 x 6 Months
- LG 1.5 Ton 5 Star — ~~₹78,990~~ ₹37,990* — ₹4,194 x 9 Months

इलेक्ट्रॉनिक्स

- Dell G15 i5 HX RTX 3050 — ~~₹1,01,709~~ ₹65,990* — ₹10,999 x 6 months No Cost EMI
- ASUS Expertbook P1 i7 H — ~~₹1,39,990~~ ₹59,990* — ₹4,999 x 12 months No Cost EMI
- Motobook 60 OLED Full Metal — ~~₹93,990~~ ₹44,990* — ₹4,999 x 9 months No Cost EMI
- Lenovo LOQ i7 RTX 4050 — ~~₹1,00,990~~ ₹71,990* — ₹7,999 x 9 months No Cost EMI
- Asus Creator i5 RTX 3050 — ~~₹89,990~~ ₹53,990* — ₹5,999 x 9 months No Cost EMI
- Acer Swift Neo OLED AI — ~~₹59,999~~ ₹45,990* — ₹7,667 x 6 months No Cost EMI
- Redmi Pad 2 Pro 5G — ~~₹32,999~~ From ₹25,999* — ₹2,166 x 12 Months
- OnePlus Nord Buds 3r — ~~₹1,999~~ ₹1,499 — ₹500 x 3 Months
- CMF by Nothing Buds 2 Plus — ~~₹3,999~~ ₹2,599 — ₹867 x 3 Months
- SONY WH-CH720N — ~~₹14,990~~ ₹7,190* — ₹1,332 x 6 Months
- JBL Cinema SB580, Dolby Atmos — ~~₹36,999~~ ₹19,749* — ₹1,750 x 12 Months
- Zebronics JB 9451 — ~~₹52,999~~ ₹8,999* — ₹1,834 x 6 Months
- boAt PartyPal 300 — ~~₹20,990~~ ₹7,199* — ₹1,334 x 6 Months
- Moto Pad 60 Pro — ~~₹43,999~~ ₹21,499 — ₹1,916 x 12 Months

टू व्हीलर्स

- Bajaj Pulsar 125 — ~~₹79,048~~ ₹68,921* — ₹11,436 x 6 Months
- Chetak 3503 — ~~₹1,08,500~~ ₹1,02,499* — ₹16,918 x 6 Months

गैजेट्स

- Samsung Fit 3 — ~~₹3,299~~ ₹2,899 — ₹252 x 12 Months
- realme Watch 5 — ~~₹7,999~~ ₹3,499 — ₹669 x 9 Months
- CMF Watch Pro 2 — ~~₹4,999~~ ₹4,199 — ₹376 x 12 Months
- Ray-Ban Meta Gen 2 Glasses — ~~₹39,900~~ ₹37,900* — ₹3,159 x 12 Months
- SONY ZV-E10K — ~~₹59,999~~ From ₹59,490* — ₹4,895 x 12 Months
- PHILIPS MG3724/30 Multigroomer — ~~₹1,895~~ ₹1,469 — ₹1,469
- Godrej smart door locks — ~~₹22,499~~ ₹14,499* — ₹2,416 x 6 Months

स्मॉल होम एप्लायंसेज़

- PHILIPS 6.2 L Air Fryer — ~~₹11,995~~ ₹9,299* — ₹1,353 x 6 Months
- Atomberg 550W Mixer Grinder — ~~₹11,999~~ ₹6,999* — ₹801 x 6 Months
- Costar Coffee Maker — ~~₹13,499~~ ₹6,899* — ₹1,353 x 6 Months
- Havells 15 L Storage Geyser — ~~₹20,990~~ ₹8,290* — ₹1,327 x 6 Months
- Havells 1.5L Kettle — ~~₹3,995~~ ₹1,449* — ₹1,449
- Voltas 90L Desert Cooler — ~~₹19,990~~ ₹9,999* — ₹1,407 x 6 Months
- Atomberg Intellon 8 L Water Purifier — ~~₹28,999~~ ₹15,399* — ₹15,399
- Atomberg 5 Star Fan — ~~₹5,990~~ ₹2,619* — ₹2,619
- Narwal Freo X Robotic Floor Cleaner — ~~₹35,990~~ ₹20,789* — ₹1,857 x 12 Months

Flipkart MINUTES | Flipkart Plus | SuperCoin | super.money | Flipkart Travel | Flipkart BLACK

यहाँ दिखाए गए सभी प्रोडक्ट सिर्फ़ प्रतिनिधित्वात्मक उद्देश्य के लिए हैं और असल में प्रोडक्ट से अलग हो सकते हैं। इमेज, लोगो और प्रोडक्ट के सभी कॉपीराइट उनके संबंधित कॉपीराइट धारकों के पास सुरक्षित हैं। प्रोडक्ट/ऑफ़र/प्रमोशन की सभी कीमतें Flipkart प्लेटफ़ॉर्म पर हिस्सा लेने वाले सेलर्स/ब्रांड पार्टनर्स/बैंकिंग पार्टनर्स के द्वारा दिए जाते हैं (इसमें बिलों पर डिस्काउंट, बैंक ऑफ़र आदि शामिल हैं)। Flipkart किसी भी ऑफ़र/प्रमोशन से होने वाले फ़ुलफ़िलमेंट/लायबिलिटीज़/क्लेम के लिए ज़िम्मेदार नहीं होगा। इससे जुड़ा कोई भी दावा या विवाद सिर्फ़ संबंधित सेलर और/या पार्टनर को ही भेजा जाना चाहिए। सभी ऑफ़र/डिस्काउंट कुछ समय के लिए हैं और प्रोडक्ट की उपलब्धता पर निर्भर हैं। ऑफ़र को Flipkart/हिस्सा लेने वाले सेलर/ब्रांड के विवेकानुसार बंद या रीशेड्यूल किया जा सकता है। सभी ऑफ़र लागू नियमों और शर्तों के अधीन हैं, ऑफ़र की पूरी जानकारी के लिए कृपया www.flipkart.com पर जाएं। कीमतें और उपलब्धता बदलती रहती हैं और परिवर्तन के अधीन हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH14 User: cci Time: 01-25-2026 22:57 Color:

AI के ताज़ा अपडेट्स

'AI से डर क्यों रहा Gen-Z'

AI Image

दुनिया की टॉप रिक्रूटमेंट कंपनियों में शुमार Randstad ने एक सर्वे में कहा कि Gen-Z को AI के बढ़ते इस्तेमाल से भविष्य की चिंता सता रही है। दुनियाभर में हर 5 में से 4 कर्मचारियों को लगता है कि AI उनका रूटीन काम प्रभावित करेगा। (NBT)

फ्री में हिंदी में करें AI कोर्स

AI Image

हिंदी में फ्री में AI कोर्स करना चाहते हैं तो आज यानी सोमवार रात 12 बजे तक swayam-plus.swayam2.ac.in पर रजिस्ट्रेशन कर सकते हैं। कोर्स के लिए कोडिंग के अनुभव या किसी तकनीकी ज्ञान की जरूरत नहीं है। (NBT)

गूगल फोटोज में बना सकेंगे मीम

AI Image

Google Photos में जल्द ही AI से Memes बना सकेंगे। इस फीचर को 'Me Meme' नाम दिया गया है। गूगल के कम्युनिटी मैनेजर ने Google Photos के सपोर्ट पेज पर यह ऐलान किया। अपनी इमेज को यूजर टेम्प्लेट्स से मीम में बदल सकते हैं। (NBT)

पूछें AI से जुड़ा कोई भी सवाल, हमारे एक्सपर्ट देंगे जवाब

AI Image

लेटेस्ट जानकारी के लिए कौन सा AI ऐप बेस्ट है?- रोहित शर्मा, गुड़गांव

जवाब: ChatGPT और Grok लेटेस्ट जानकारी के लिए बेस्ट माने जा रहे हैं। अगर खबरों और करेंट अफेयर्स के बारे में जानकारी चाहते हैं तो Grok ज्यादा अच्छा रिजल्ट दे सकता है। AI के रिजल्ट को क्रॉस चेक जरूर करें।

अगर आप भी AI से जुड़ी किसी जानकारी या सवाल का जवाब चाहते हैं, तो हमें nbtreader@timesofindia.com पर ईमेल करें। हमारे एक्सपर्ट आपके सवालों के जवाब देंगे। ईमेल के सब्जेक्ट में AI जरूर लिखें।

ग्लोबल AI रैंकिंग में भारत क्यों है टॉप 3 में, यूं ही नहीं केंद्रीय मंत्री ने दावोस में IMF को दिखाया आईना...

NASSCOM के AI Adoption Index के मुताबिक, भारत में करीब 87% कंपनियां किसी न किसी तरह से AI का इस्तेमाल कर रही हैं। IT मंत्रालय का डेटा कहता है कि भारत में टेक और AI इकोसिस्टम में 60 लाख से अधिक लोग काम करते हैं।

AI Image

■ **दावोस (स्विट्जरलैंड):** में हाल ही में हुए वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) में भारत की स्थिति पर नई बहस शुरू हो गई। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टलिना जॉर्जीवा ने कहा कि AI के मामले में भारत टॉप ग्रुप में नहीं आता है, यह सेकंड लेवल वाले ग्रुप के देशों के साथ है। इसके जवाब में केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि भारत AI के पहले ग्रुप के देशों में तीसरे स्थान पर है और भारत को कमतर आंकना गलत है। उन्होंने स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी की स्टडी का हवाला देते हुए कहा कि भारत AI तैयारी और प्रसार में दुनिया में अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है। समझते हैं कि भारत AI के मामले में कैसे तीसरे नंबर पर है और क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने किस आधार पर सेकंड लेवर के देशों के साथ भारत को रखा। **प्रदीप तिवारी की रिपोर्ट:**

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

सरकार का सपोर्ट

भारत सरकार ने AI के लिए इंडिया AI मिशन शुरू किया है।

₹10,300 करोड़ से ज्यादा का बजट है।

38,000 से ज्यादा GPU, भारत AI कंप्यूट इफ्रा पर काम शुरू कर चुका है।

एक करोड़ लोगों को AI स्किल की ट्रेनिंग का टारगेट।

भारत की डिजिटल पावर

- 143 करोड़ से ज्यादा लोग आधार से जुड़े हैं।
- दुनिया का सबसे बड़ा डिजिटल पहचान सिस्टम बना है आधार।
- इससे सरकार और टेक सिस्टम को भरोसेमंद डेटा मिलता है।
- हर महीने UPI से 2000 करोड़ से ज्यादा का डिजिटल ट्रांजैक्शन।

भारत टॉप क्यों मानता है?

- दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल आबादी यहां रहती है।
- मजबूत डिजिटल पहचान और पेमेंट सिस्टम है।
- तेजी से बढ़ता AI टैलेंट और सरकार का सपोर्ट है।

IMF के फैक्ट का बेस

- कौन से देश सबसे ज्यादा रिसर्च पेपर छाप रहे हैं।
- किस देश के पास सबसे बड़े सुपर कंप्यूटर हैं।
- किस देश में सबसे ज्यादा महंगे डेटा सेंटर्स हैं।

कैसे बंटे हैं दो ग्रुप वाले देश

ग्रुप A	ग्रुप B
सुपरकंप्यूटर, ज्यादा रिसर्च	ज्यादा यूजर और इस्तेमाल
अमेरिका	भारत
चीन	ब्राजील
UK, यूरोप	इंडोनेशिया

(फैक्ट सोर्स: स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी स्टडी, NASSCOM, PTI, PIB)

AI स्किल इंडेक्स में टॉप पर

AI स्किल इंडेक्स से तय होता है कि किस देश की कंपनियां में AI से जुड़ी स्किल्स कितनी गहराई तक फैली हुई हैं। भारत में AI स्किल अब सिर्फ टॉप कंपनियों या रिसर्च लैब तक सीमित नहीं है, बल्कि बड़ी संख्या में इंजिनियरों, डिवेलपर्स और टेक प्रोफेशनल्स तक पहुंच चुकी है। भारत में कामकाजी महिलाओं के बीच AI स्किल्स का प्रसार वैश्विक औसत से 1.7 गुना है, जो अमेरिका और इजराइल जैसे विकसित देशों से भी ज्यादा है।

ग्लोबल AI इंडेक्स

AI रिसर्च ऐंड डिवेलपमेंट, AI टैलेंट और स्किल्स, निवेश और स्टार्टअप्स, कंप्यूटिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर, सरकारी नीतियां और AI अपनाने की स्पीड के आधार पर 0 से 100 नंबर पर इसमें हर देश को आंका जाता है। इसमें भारत टॉप-3 में शामिल एकमात्र लोअर मिडल इनकम वाला देश है।

AI की तैयारी और टैलेंट

60 लाख + लोग भारत में टेक और AI इकोसिस्टम में काम कर रहे।

3 लाख + स्टार्टअप और 113 यूनिकॉर्न यहां रजिस्टर्ड है।

- अमेरिका और चीन के बाद सबसे व्यापक AI अपनाने वाला देश भारत है। AI टैलेंट बेस में भारत का स्थान दूसरा है।
- GitHub पर वैश्विक AI प्रोजेक्ट्स में भारत दूसरे स्थान पर है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है।

भारत में AI कहां इस्तेमाल हो रहा

- सरकारी योजनाओं की पहचान और टार्गेटिंग में।
- अस्पतालों में बीमारी की पहचान में।
- खेती में फसल सलाह और प्रैक्टिक मैनेजमेंट में।
- फ्रॉड पकड़ने और डिजिटल पेमेंट सिक्योरिटी में।

Siri को कितना स्मार्ट बनाएगी Gemini

बात करने के तरीके से सर्च तक में दिखेंगे बदलाव, साइंटिफिक सवालों के भी Siri देगी जवाब

AI Image

Pradeep.Tiwari@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** Apple और गूगल की हाल ही में हुई साझेदारी के बाद Siri के बात करने के तरीके से लेकर सवालों के जवाब देने तक में बड़े बदलाव दिखेंगे। खास बात यह है कि यूजर को कहीं भी गूगल या Gemini का नाम नजर नहीं आएगा। हाल ही में The Information की एक रिपोर्ट में इस पार्टनरशिप से जुड़े कई अहम खुलासे किए गए हैं। गूगल Apple को Gemini मॉडल का बेस स्ट्रक्चर देगा, लेकिन इसके बाद Apple को पूरी आजादी होगी कि वह इस मॉडल को अपने हिसाब से फाइन ट्यून करे। यानी Siri कैसे जवाब देगी, किस तरह की भाषा इस्तेमाल करेगी, कितनी औपचारिक या कितनी दोस्ताना होगी, ये सब Apple तय करेगा।

■ **डेटा:** सबसे अहम बात यह है कि Gemini आधारित सभी AI फीचर्स Apple प्राइवेट क्लाउड कंप्यूट पर ही चलेंगे। इसका मतलब है कि यूजर का डेटा गूगल तक नहीं पहुंचेगा। Siri में गूगल की किसी सर्विस या एंड्रॉयड जैसा कोई फीचर भी नहीं दिखेगा।

■ **नई Siri:** Siri दो अलग-अलग सिस्टम पर आधारित है। खुद Apple के सॉफ्टवेयर हेड ने पिछले साल माना था कि यही Siri के फेल होने की सबसे बड़ी वजह बनी। पहला कॉल लगाने जैसे सामान्य, दूसरा बातचीत जैसा सिस्टम है। इन्हें गूगल की मदद से जोड़ा जाएगा।

■ **अपडेट कब:** Apple इन AI फीचर्स को एक साथ लॉन्च करने के बजाय धीरे-धीरे अलग-अलग हिस्सों में पेश करेगा। कुछ फीचर्स मार्च-अप्रैल तक आ सकते हैं। कुछ अहंकार फीचर्स का ऐलान जून में होने वाले वार्षिक डिवेलपर कॉन्फ्रेंस में होने की उम्मीद है।

लिंक नहीं, सीधे जवाब, इमोशनल सपोर्ट भी

अभी Siri की सबसे बड़ी कमजोरी यह रही है कि वह कई सवालों पर सीधे जवाब देने के बजाय वेब लिंक दिखा देती है। Gemini फाइंड Siri इस समस्या को खत्म कर देगी। Apple को उम्मीद है कि Siri सामान्य ज्ञान या साइंटिफिक सवालों के सीधे और साफ जवाब दे सकेगी। भावनात्मक तौर पर परेशान यूजर्स को भी सपोर्ट देगी।

दिल्ली : महानगर : महाकवरेज

यमुना में अमोनिया का लेवल घटा, 40 इलाकों में खत्म होगा जलसंकट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली के 40 से अधिक इलाकों में पिछले चार दिनों से जारी पानी का संकट अब खत्म होने की उम्मीद है। दरअसल, कई दिनों बाद यमुना में अमोनिया का लेवल नॉर्मल हुआ है। ऐसे में अमोनिया का स्तर 6 PPM तक पहुंचने के बाद ठप पड़े वजीराबाद और चंद्रावल वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट्स (WTP) में पानी का उत्पादन दोबारा शुरू हो गया है। दिल्ली जल बोर्ड के अधिकारियों के अनुसार, आज से प्रभावित इलाकों में पानी की आपूर्ति सामान्य हो जाएगी।

बवाना पाइपलाइन से मिली मदद: अमोनिया के असर को कम करने के लिए जल बोर्ड ने एक विशेष रणनीति अपनाई है। बवाना वाटर रिजर्वायर से ट्रिवन पाइपलाइन के जरिए वजीराबाद प्लांट में साफ पानी लाया जा रहा है। इस पानी को यमुना के प्रदूषित पानी में क्लोरीन के साथ मिलाकर अमोनिया को डाइल्यूट (पतला) किया जा रहा है, जिससे पानी अब ट्रीटमेंट के लायक हो गया है।

कैसे गहराया था संकट?: जल बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, अमोनिया बढ़ने का सिलसिला 20-21 जनवरी की रात से शुरू हुआ था। पहले दिन अमोनिया का स्तर 3 PPM रिकॉर्ड किया गया था। दूसरे दिन यह बढ़कर 6 PPM हो गया, जो सामान्य से कहीं अधिक है। इतनी अधिक मात्रा को क्लोरीन से साफ करना असंभव था, जिस कारण वजीराबाद और चंद्रावल प्लांट में उत्पादन पूरी तरह ठप करना पड़ा। चूंकि वजीराबाद रिजर्वायर से ही चंद्रावल प्लांट को पानी भेजा जाता है, इसलिए दोनों प्लांट एक साथ प्रभावित हुए।

इन इलाकों में कल से बेहतर होगी सप्लाई

वजीराबाद प्लांट से प्रभावित क्षेत्र: मजनू का टीला, आईएसबीटी, जीपीओ, एनडीएमसी एरिया, आईटीओ, इस भवन, एलानजेपी अस्पताल, डिफेंस कॉलोनी, सीजीओ कॉम्प्लेक्स, राजघाट, डब्ल्यूएचओ, आईपी इमारजेंसी, रामलीला मैदान, दिल्ली गेट, सुभाष पार्क, गुलाबी बाग, शिमारपुर, एसएफएस फ्लैट्स, आजादपुर, शालीमार बाग, वजीरपुर, लॉरेंस रोड, मॉडल टाउन, जहांगीरपुरी, मूलचंद, साउथ एक्सटेंशन, ग्रेटर कैलाश, कुतुबी और दिल्ली कैंट का कुछ एरिया।

चंद्रावल प्लांट से प्रभावित क्षेत्र: एनडीएमसी, करोल बाग, झंडेवाला, हिदूराव, सिविल लाइंस, पटेल नगर, राजेंद्र नगर, शादीपुर।

मेट्रो कंस्ट्रक्शन साइट्स पर सेफ्टी के इंतज़ाम कड़े

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली की सड़कों पर चल रहे मेट्रो के काम के दौरान गाड़ियों और पैदल यात्रियों की सुरक्षा को लेकर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (DMRC) ने कई इंतजाम किए हैं। मेट्रो की कंस्ट्रक्शन साइट्स के आसपास करीब 20 किलोमीटर लंबी बैरिकेडिंग की गई है। ये बैरिकेड्स आमतौर से रात में नजर आई क्योंकि लगभग 17 किलोमीटर लंबी एलईडी रोप लाइट और ब्लिंकर लगाए गए हैं।

निर्माण स्थलों के पास ट्रैफिक को सुरक्षित और सुचारु रखने के लिए 270 से अधिक ट्रैफिक मार्शल चौबीसों घंटे तैनात किए गए हैं। काम चलने या आगे रास्ता बदलने की जानकारी देने के लिए पर्याप्त चेतावनी बोर्ड और संकेतक भी लगाए गए हैं। मेट्रो के फेज-IV के तहत, सड़कों पर भारी मशीनरी और क्रेनों की आवाजाही के दौरान सुरक्षा बढ़ाने के लिए विशेष 'इम्पैक्ट प्रोटेक्शन वाहन' शुरू किए गए हैं। कोहरे के लिए बैरिकेड्स पर एलईडी लाइटें और ब्लिंकर के साथ-साथ फॉग लाइट्स भी लगाई गई हैं। जहां भी सड़क डायवर्जन किए जाते हैं, वहां साफ संकेतों के साथ पर्याप्त डायवर्जन बोर्ड लगाए जाते हैं। सुरक्षा सामग्री की क्वॉलिटी और एकरूपता बनाए रखने के लिए डीएमआरसी ने टेंडर दस्तावेजों में ट्रैफिक प्रबंधन से जुड़ा अलग चैप्टर शामिल किया है, जिसका पालन ठेकेदारों के लिए अनिवार्य है।

पैदल यात्रियों और गाड़ी चलाने वालों पर फोकस

ISKCON द्वारका में स्टूडेंट्स ने कैनवास पर उतारे रंग

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर द्वारका स्थित इस्कॉन (ISKCON) श्री कृष्णमंदिर द्वारकाधीश मंदिर में एक समारोह का आयोजन किया गया। इस में दिल्ली-एनसीआर के लगभग 30 स्कूलों के 100 से भी अधिक स्टूडेंट्स शामिल हुए। दोपहर 1 बजे स्टूडेंट्स के लिए ड्राइंग प्रतियोगिता रखी गई। 8-10, 11-13 और 14-16 एज ग्रुप की पेंटिंग्स बनाई गई थीं। इन स्कूलों में मॉडर्न इंटरनैशनल स्कूल सेक्टर-19, एमएल. खन्ना डीएवी पब्लिक स्कूल सेक्टर-6, दिल्ली इंटरनैशनल स्कूल सेक्टर-23, ऑक्सफोर्ड स्कूल सहित कई अन्य स्कूलों ने हिस्सा लिया। इस प्रतियोगिता के लिए विजेता छात्रों को पुरस्कार वितरण अगले रविवार को आयोजित किया जाएगा। मंदिर प्रबंधन ने बच्चों को गणतंत्र दिवस 2026 की शुभकामनाएं दीं और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना की।

30 स्कूलों के 100 से भी अधिक स्टूडेंट्स शामिल हुए

गणतंत्र की चमक, साफ हवा की दमक

रविवार को 6.6 रहा न्यूनतम तापमान, अच्छी धूप के बाद भी चलती रही ठंडी हवा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

Photos : Jaith Kumar

बारिश और पहाड़ों पर बर्फबारी के बाद चल रही तेज बर्फीली हवाओं की वजह से राजधानी में ठंड ने एक बार फिर वापसी कर ली है। तापमान में गिरावट का दौर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार को न्यूनतम तापमान 4 से 5 डिग्री तक रह सकता है और मध्यम स्तर का कोहरा भी रहेगा। ऐसे में ठंड और कोहरे के बीच गणतंत्र दिवस परेड होगी। इससे परेड देखने में थोड़ी दिक्कत हो सकती है। हालांकि झांकियों व एयर शो से पहले कोहरा हट सकता है और धूप की वजह से विजिबिलिटी में सुधार हो सकता है।

आज मिनिमम तापमान 4 से 5 डिग्री रह सकता है

राजधानी में एक बार फिर न्यूनतम तापमान तेजी से कम हो रहा है। सुबह के समय जबर्दस्त ठंड महसूस हो रही है। अच्छी धूप निकलने के बाद भी बर्फीली तेज हवाओं की वजह से तपिश का अहसास नहीं हो रहा है और ठंड महसूस हो रही है। मौसम विभाग के अनुसार रविवार को अधिकतम तापमान 18.5 डिग्री रहा। यह सामान्य से 1.5 डिग्री कम है। वहीं न्यूनतम तापमान 6.6 डिग्री रहा। यह सामान्य से 0.9 डिग्री कम है। हवा में नमी का स्तर 54 से 90 प्रतिशत तक रहा।

पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार को आंशिक बादल छाए रह सकते हैं। रात के समय बादल घने हो जाएंगे। सुबह के समय हल्के से मध्यम कोहरा रहेगा। अधिकतम तापमान 20 डिग्री और न्यूनतम 5 डिग्री के आसपास रह सकता है। 27 जनवरी को बादल छाए रहेंगे। सुबह के समय तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होगी। हवाओं की गति 30 से 40 किमी प्रति घंटे तक रह सकती है। वहीं दोपहर बाद भी बादल गर्जने के साथ हल्की बारिश हो सकती है। 28 से 31 जनवरी के बीच बादल छाए रह सकते हैं। अधिकतम तापमान 17 से 21 डिग्री और न्यूनतम तापमान 8 से 13 डिग्री तक रह सकता है।

महज 153 रहा रविवार को दिल्ली का AQI

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** रविवार को प्रदूषण का स्तर सामान्य रहा। यह आज बढ़कर खराब हो सकता है। 23 जनवरी को हुई बारिश के बाद प्रदूषण दो दिनों तक सामान्य स्तर पर बना रहा। रविवार को इस साल का सबसे साफ दिन रहा। एक्यूआई बीते शनिवार की तुलना में भी कम रहा। सुबह से तेज बर्फीली ठंडी हवाएं चल रही थीं। इनकी वजह से प्रदूषण में लगातार कमी आ रही है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के एयर बुलेटिन के अनुसार दिल्ली का एक्यूआई 153 रहा। पूर्वानुमान के अनुसार 26 व 27 जनवरी को प्रदूषण का स्तर खराब हो सकता है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH15 User: cci Time: 01-25-2026 22:55 Color:

परदेसी जिसने भारत को ओढ़ लिया

■ रामदत्त त्रिपाठी

मार्क टली ब्रिटिश नागरिक थे, लेकिन भारत के लिए विदेशी नहीं थे। उनका जन्म कलकत्ता में हुआ था, 24 अक्टूबर 1935 को टालीगंज में। पिता चाय के बागान में अफसर थे। 9 साल तक उनकी परवरिश भारत में ही हुई। यह बात अलग है कि परवरिश वैसी ही हुई, जैसी अंग्रेज परिवारों में होती है। उनका भारतीय बच्चों से ज्यादा मिलना-जुलना नहीं था। पढ़ने के लिए ब्रिटेन भेजा गया।

कैंब्रिज में थियोलॉजी (Theology) में पढ़ाई शुरू की। शुरू में उनका रुझान धर्म की ओर था। चर्च में पादरी बनना चाहते थे, लेकिन दो साल बाद लगा कि यह काम मुश्किल है, तो विचार छोड़ दिया। उसी दौरान बीबीसी के पर्सोनेल डिपार्टमेंट में एक वैकेंसी आई थी, वह जुड़ गए। फिर 1964-65 में भारत में वैकेंसी आई तो यहां चले आए। हालांकि इससे पहले लंदन में भी हिंदी-उर्दू सर्विस में काम कर चुके थे। भारत का यह कालखंड उथल-पुथल वाला था। मार्क टली ने भारत-पाकिस्तान युद्ध, 71 की जंग कवर की।

ठेले पर खाकर गांव से रिपोर्टिंग

मार्क टली बेहद संवेदनशील थे और उतने ही आध्यात्मिक। उन्होंने 1978 का प्रयागराज कुंभ कवर किया और फिर अपनी किताब 'No full Stops in India' में इस पर लिखा भी। लेकिन, लिखने के बाद उन्होंने वह चैप्टर मुझे भेज दिया कि कहीं कोई ऐसी बात न हो, जो भावनाओं को ठेस पहुंचाए। उनमें सांस्कृतिक संवेदनशीलता थी। यह भारत का असर ही था उनपर कि जब भी वह मुश्किल महसूस करते तो हनुमान चालीसा का पाठ करने लगते।

ऑपरेशन ब्लू स्टार को उन्होंने करीब से कवर किया

जब मार्क टली की गिरफ्तारी की नौबत आई

इमरजेंसी के दौरान टली को दिक्कत आई थी। तब बीबीसी ने भारत सरकार की बात मानने से इनकार कर दिया था। वहीं, सरकार में कुछ लोगों को लगता था कि टली निगेटिव रिपोर्टिंग करते हैं। उनको गिरफ्तार करने की बात भी चली थी। हालांकि फिर उनसे भारत छोड़ने को कहा गया और वह चले गए। उनकी वापसी हुई इमरजेंसी खत्म होने के बाद और फिर से अपने काम में जुट गए। ऑपरेशन ब्लू स्टार को करीब से कवर किया। तब उनके साथी थे सतीश जैकब। ऑपरेशन शुरू होने के पहले मार्क टली स्वर्ण मंदिर के अंदर भी गए थे। उन्होंने तब ऐसी खबरें निकालीं, जिसकी भनक इंटेलिजेंस को भी नहीं थी।

जब भी मार्क टली मुश्किल महसूस करते, हनुमान चालीसा का पाठ करने लगते

एक दौर में वे यमुना के आस-पास भी टहलने जाते थे

टली ने भारत-पाकिस्तान युद्ध, 71 की जंग कवर की

अयोध्या से ऐतिहासिक कवरेज

मार्क टली का करियर बाबरी ढांचा ध्वंस का जिक्र किए बिना अधूरा है। 6 दिसंबर 1992 को मैं भी उनके साथ वहीं था। सामने बाबरी मस्जिद दिख रही थी। बार्ड तरफ भाषण स्थल था और नीचे कारसेवकों का हुजूम। करीब 12 बजे शोर हुआ और भीड़ ढांचे पर चढ़ गई। उस समय किसी गलतफहमी की वजह से कारसेवक बीबीसी और मार्क टली से नाराज थे, तो हम लोग मुख्य रास्तों से बचते हुए गांव-गांव होते फैजाबाद पहुंचे और वहां के तारघर से दिल्ली खबर पहुंचाई। मार्क टली इसके बाद वापस अयोध्या पहुंच गए, लेकिन इस बार कारसेवकों ने उन्हें पकड़ लिया।

एक महंत और एडीएम ने बीच-बचाव किया किसी तरह से। उस दिन कई अधेड़ पिटे, क्योंकि कारसेवकों को लगता था कि हर गोरा मार्क टली है।

निज़ामुद्दीन के 'अंकल जी' से लेकर 'दिल्ली का प्रेमी' तक

■ विवेक शुक्ला

सर मार्क टली बेस्ट निज़ामुद्दीन के एक बड़े बुजुर्ग थे। उन्हें इधर के दुकानदार से लेकर सब्जी वाले अंकल जी कहते थे। वे भाव-ताव के बाद ही सब्जियां खरीदते थे। इधर वे कई दशकों से अपनी मित्र और मशहूर लेखिका जिलियन राइट के साथ रह रहे थे। मार्क टली दिल से भारतवासी थे। दिल्ली से उनका रिश्ता भावनात्मक था। वे रिक्शा वर्षों के अनुभव, संवाद और अपनत्व से बना था।

महफिलों और दोस्तों के कारण दिल्ली को बना लिया अपना घर

टली बेहद खुशदिल थे। वे बीबीसी से रिटायर होने के बाद भारत में ही बस गए। टली ने एक बार इस लेखक को बताया था कि उन्होंने भारत में बसने का फैसला इसलिए लिया, क्योंकि यहां पर रोज शाम को उन्हें दोस्तों के घरों में दावतों में न्यूज मने-मने में गपशप होती। सब लोग हंसते-मुस्कुराते। फिर उन्होंने भी अपने घर में इस तरह के आयोजन शुरू कर दिए। वे सब यूरोप के बोरिंग समाज से एकदम अलग थे स्थिति थी। जाहिर है, उन महफिलों और दोस्तों के कारण दिल्ली को अपना घर बना लिया और भारत की नागरिकता ही ले ली।

वेस्ट निज़ामुद्दीन में कई दशकों तक रहे, उन्हें दिल्ली की विविधता लुभाती थी

टली को पुरानी दिल्ली की गलियों में, लुटियंस दिल्ली में और लोदी गार्डन में घूमते हुए भारत की आत्मा दिखाई देती थी। एक दौर में वे यमुना के आसपास भी टहलने जाते थे। वे कहते थे कि दिल्ली विरोधाभासों का शहर है, जहां प्राचीनता और आधुनिकता, गरीबी और सत्ता, आस्था और तर्क साथ-साथ चलते हैं। यही विविधता उन्हें सबसे अधिक आकर्षित करती थी।

टली को दिल्ली इसलिए भी प्रिय थी, क्योंकि यहां भारत की लोकतांत्रिक नब्ज धड़कती है। वे सत्ता के गलियारों तक भी पहुंचे और आम नागरिकों के दुख-सुख को भी उतनी ही संवेदनशीलता से सुना। उनकी पत्रकारिता का यही गुण था कि वे दिल्ली की राजनीति को केवल खबर नहीं बनाते थे, बल्कि उसके मानवीय पक्ष को सामने लाते थे। टली की प्रसिद्ध पुस्तक 'The Heart of India' और 'No Full Stops in India' में दिल्ली बार-बार एक संदर्भ के रूप में उभरती है। उनके लेखन में दिल्ली कोई संवेदनहीन महानगर नहीं, बल्कि एक आत्मीय शहर है, जो उन्हें सोचने, सवाल करने और समझने की प्रेरणा देता है।

वे धाराप्रवाह हिंदी बोलते थे और भारतीय परंपराओं का सम्मान करते थे। उन्होंने भारतीय समाज की जटिलताओं को नजदीक से देखा और उन्हें ईमानदारी से दुनिया के सामने रखा।

होटलों से भूजल चोरी, ₹11 करोड़ का नुकसान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पहाड़गंज के होटलों व रेस्टोरेंट में लगे अवैध ट्यूबवेल से दिल्ली जल बोर्ड को 11 करोड़ का नुकसान हुआ है। 2014 से 2024 तक इस मामले में लापरवाही बरतने वाले डीजेबी के 8 सेक्शन इंजीनियर (एसई) और एग्जीक्यूटिव इंजीनियर (ईई) पर अनुशासनात्मक कार्रवाई करने की सिफारिश भी की गई है। राजधानी के चीफ सेक्रेटरी राजीव वर्मा ने यह रिपोर्ट एनजीटी में सबमिट की है।

AI Image

डीजेबी के 8 अफसरों पर एक्शन की सिफारिश

रिपोर्ट में कहा गया है कि डीजेबी पहाड़गंज के सभी होटलों और गेस्ट हाउस को नियमित पाइपलाइन से पानी की सप्लाई करते है। यहां से वॉटर और सीवेज मैनटेनेंस चार्ज भी लिया जाता है। डीजेबी अब भी यहां से भूजल के लिए अतिरिक्त सीवर चार्ज ले रही है।

रिपोर्ट में 11 सालों में हुए भूजल दोहन के लिए एनक्वायरमेंट कंपनसेशन की गणना भी की गई है। यह 22.46 करोड़ से अधिक है। अब तक इसमें से करीब 4.34 करोड़ से अधिक की वसूली हुई है। अब भूजल कितना निकाला गया इसके आधार पर इसकी गणना की गई है। 536 होटलों पर यह लगाया गया है।

कैलास जीवन

मल्टिपर्पज आयुर्वेदिक क्रीम

एड़ियोंका फटना

पौंव धोकर, कुछ देर तक गुनगुने पानी में रखिए, नरम बनने के बाद मुलायम सुती कपड़े से सुखाएँ. फटी एड़ियों पर कैलास जीवन क्रीमसे लगाएँ. मलना नहीं. कैलास जीवन त्वचामें घुल जाएगा और फटी एड़ियों पर असर करेगा. एड़ियाँ और पौंव की त्वचा साफ, मुलायम बन जाएगी.

कील-मुहाँसे

चेहरा गुनगुने पानीसे सेकने के बाद थोकर नरम मुलायम सुती कपड़ेसे सुखाकर कैलास जीवन हल्के हाथोंसे चेहरेपर लगाइए. कील-मुहाँसों की तकलीफ से राहत मिलेगी. चेहरा साफ, कांतिमान होकर निखर आएगा.

आँखों की जलन

गुनगुने पानीसे चेहरा और आँखें साफ कीजिए. रात को सोते समय कैलास जीवन आँखों की पलकों पर हलकासा लेप लगाकर रुई की पट्टी रखिए. आँखों की जलन से आराम पाइए और शान्त एवम् गहरी निद्रा का अनुभव लिजिए.

बवासीर / फिशर्स

एक चम्मच कैलास जीवन में उतनी ही मात्रा पीसी शक्कर मिला कर रोज रात (२१ दिनों तक) सेवन किजिए तथा प्रतिदिन २-३ बार उस जगह पर लगाइए. बवासीर, फिशर्स से राहत मिलेगी. परहेज आवश्यक.

एड़ियों का फटना, मुहाँसे, हाथ पाँव और आँखों की जलन, मुँह के छाले, कटना, जलना, झुलसना, डायपर-नॅपी रॅश आदि के लिए गुणकारी।

विकार अनेक, इलाज एक... आज ही खरीदिए।

Also available on amazon Flipkart netmeds.com

Available in: 20g Tube, 30g, 60g, 120g, 230g Bottle

| Manufacturer: ASUM, Pune. 020-24486865 | Customer Care: Prashant: 91300 26070 | asumkj@gmail.com | www.asum.com |

Distributor: Delhi: Gopal Stores: 9810524934, Noida: Ajay Medical: 0120-2527981
Seelampur: Agarwal Ayurvedic: 9711251291, Saraswati Vihar: Saraswati Ayu: 27058720
Motinagar: Ishar Dass & Sons: 9313519596, Con. Circle: Nath: 9899441605,
Gaziabad - Vaishali: Shri Krishna Ayurved: 9873603747
Khan Market: Preet Medicos: 9899659582, Gurgaon: Vashishth Medical: 9873321179
Faridabad: Laxmi Ayurvedic: 9810083760
Also Available at Chandni Chowk, Bhagirath Palace, Khari Baoli.

vijay sales
Trust Matters
www.vijaysales.com
HAPPY Republic Day 26 JANUARY

PRICE ₹40,000 CASHBACK UPTO ₹1,100*
REPUBLIC DAY SALE PRICE ₹11,490
ZERO DOWN PAYMENT | EMI ₹1,436 x 8 Months

PRICE ₹45,900
REPUBLIC DAY SALE PRICE ₹20,990
ZERO DOWN PAYMENT | EMI ₹2,624 x 8 Months

hp OMNIBOOK, VICTUS, SPECTRE, OMEN, ENVY
• Cashback upto ₹15,000/-*
• Hyper X CloudX Stinger 2 Core Wired Headset @ ₹499/-*
• 1 Year Warranty + 3 Year Antivirus @ ₹1,999/-*

REFRIGERATORS
RANGE AVAILABLE FROM 190 LTRS TO 800 LTRS

Latest Models - Convertible and Inverter Technology

ON SIDE BY SIDE UPTO 20% CASHBACK* UPTO ₹20,000
ON FROST FREE UPTO 15% CASHBACK* UPTO ₹15,000
ON DIRECT COOL UPTO 5% CASHBACK* UPTO ₹2,500

WASHING MACHINES
RANGE AVAILABLE FROM 6.5 KG TO 14 KG

Latest Models with AI & Turbo Wash, Hygiene Steam, Refresh and many more multi tasking features at your finger tips!!

ON FRONT LOAD UPTO 20% CASHBACK* UPTO ₹10,000
ON TOP LOAD UPTO 15% CASHBACK* UPTO ₹5,000
ON SEMI AUTOMATIC UPTO 5% CASHBACK* UPTO ₹2,000

ICICI Bank INSTANT DISCOUNT UP TO ₹15,000* ON CREDIT CARDS NON EMI, CREDIT & DEBIT CARDS EMI
HDFC BANK INSTANT DISCOUNT UP TO ₹7,500* WITH EASYEMI ON HDFC BANK CREDIT CARDS
AMERICAN EXPRESS INSTANT DISCOUNT UPTO ₹15,000* ON AMERICAN EXPRESS EMI TRANSACTIONS

UP TO ₹30,000/- INSTANT DISCOUNT & CASHBACK ON CREDIT CARD / DEBIT CARD & PAPER FINANCE
SBI card HSBC enecard BOBCARD YES BANK pnb IDFC FIRST Bank HDB FINANCIAL SERVICES

VIJAY SALES (INDIA) PVT. LTD.

MUMBAI | PUNE | AHMEDABAD | SURAT | GANDHINAGAR | VADODARA | DELHI | GURUGRAM | NOIDA | INDIRAPURAM | FARIDABAD | GHAZIABAD | HYDERABAD | WARANGAL | ANDHRA PRADESH

SCAN FOR STORES

DELHI - Model Town III | Pitampura | Rohini (E) | Paschim Vihar | Uttam Nagar (E) | Dwarka | Rajapuri | Janakpuri | Rajouri Garden | Patel Nagar | Karol Bagh | Lajpat Nagar II | Kalkaji | Saket J-Block | Vikas Marg | Dilshad Garden | Daryaganj | Indirapuram | Ghaziabad - RDC Rajnagar | Noida | Greater Noida | Gurugram | Old Gurugram | Faridabad - Crown | Faridabad - Mewla Maharajpur | Hauz Khas | Narela | Dundahera | Najafgarh | Nangloi | Dwarka Mor | Burari | Budh Vihar | Palam Vihar | Durgapuri | Gaur Chowk | Roop Nagar

New Open - ASHOK VIHAR II: K C Goel Marg, Opposite Deep Market, Ashok Vihar II, New Delhi-110052 | ROHINI SECTOR-16: Giani Gurumukhi, Musafir Marg, Near Jhanda Chowk, New Delhi 110042
KRISHNA NAGAR: F-3/11 & F-3/12, Krishna Nagar, Delhi - 110051, Opp. Happy English School | AMOLIK PLAZA: Shop No. 19-20, Near DPS Chowk, Sector-81, Faridabad, Haryana - 121002
Mahavir Enclave: RZD-69 Mai Road, Mahavir Enclave Part - 1, Near Dashrath Puri Metro Station, New Delhi-110045

For special discounts on corporate and builder enquiries, please email us at b2b@vijaysales.com

Scan to Shop Online www.vijaysales.com

*Conditions apply. This offer includes all other discounts also. No other offer can be clubbed with this offer. Images shown are for illustrative purpose only. Offer till stocks last. Finance offer applicable at the sole discretion of Financier. #Processing Fees and other charges is applicable as per Financier Bank. For Paper Finance: Please bring Aadhaar Card, Pan Card, Electric Bill & Cancelled Cheque. Offer is based on minimum transactions slabs defined by Finance company. Convenience fees will be applicable for HDB Finance Cashback. Kindly speak to our store sales staff for the "Terms and Conditions" of all the bank offers, and for the respective Instant Discount/Cashback amounts applicable on each Bank. Upto 60% off on select brands and models only. *Cashback Applicable Select Banks & Cards. Upto off on select brands and models only.

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMA16 User: cci Time: 01-25-2026 23:02 Color:

नागरिक पुरस्कार: 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री सम्मान, विजेताओं में 19 महिलाएं भी

पद्म अवॉर्ड में BJP से लेकर लेफ्ट के पूर्व CM तक

अवॉर्ड लिस्ट

पद्म विभूषण
■ धर्मेंद्र सिंह देओल ■ एन राजम
■ केटी थॉमस ■ पी नारायणन
■ वीएस अच्युतानंदन

पद्म भूषण
■ अलवी याग्निक ■ मम्मूटी
■ कल्लीपट्टी रामासामी पलानीस्वामी ■ नीरी दत्तात्रेयुडु
■ भगत सिंह कोश्यारी
■ पीयूष पांडे (मरणोपरांत)
■ एसके एम मैहूलानंदन
■ शतावधानी आर गणेश
■ शिबू सोरेन ■ वी के मल्होत्रा
■ उदय कोटक ■ वेल्लापल्ली नटेसन ■ विजय अमृतराज

पद्म श्री
■ ए ई मुथुनायगम
■ अनिल कुमार रस्तोगी
■ अके गौड़ा एम.
■ डॉ. आर्मिडा फर्नांडिस
■ अरविंद वैद्य ■ अशोक खाड़े
■ अशोक कुमार सिंह
■ अशोक कुमार हलधर
■ बलदेव सिंह
■ भगवानदास रायकवार
■ भरत सिंह भारती
■ भिकल्या लाडक्या धिंडा
■ विश्व बंधु ■ बृज लाल भट
■ बुद्ध रश्मि मणि
■ डॉ. बुधरी ताती
■ चद्रमौली गड्डामनुरु
■ चिरंजी लाल यादव
■ चरण हेम्ब्रम ■ दीपिका रेड्डी
■ धर्मेंकलाल चुनीलाल पड़या
■ गड्डे बाबू राजेंद्र प्रसाद
■ नफरुद्दीन मेघाते जोगी
■ गंभीर सिंह योनजोन
■ गरिमेला बालकृष्ण प्रसाद
■ गायत्री बालासुब्रमणियन और रजनी बालासुब्रमणियन (जुड़वा)
■ गोपाल जी त्रिवेदी
■ गुडुरु वेंकट राव
■ एच वी हांडे ■ हैली बार
■ हरी माधव मुखर्जी
■ हरिचरण सैकिया
■ हरमनजीत कौर भुल्लर
■ इंद्रजीत सिंह सिद्धू
■ जनार्दन बापूराव बोधे
■ जोगेश देउरी ■ जूजर वासी
■ ज्योतिष देवनाथ
■ के. पजानिवेल ■ के. रामास्वामी
■ के. विजय कुमार
■ कविंद्र पुरुषस्थ
■ कैलाश चंद्र पंत
■ कलामंडलम विमला मेनन
■ केवल कृष्ण ठक्कराल
■ खेम राज सुदरियाल
■ कोल्लाकल देवकी अम्मा जी
■ कृष्णमूर्ति बालासुब्रमणियन
■ कुमार बोस
■ कुमारसामी थंगराज
■ प्रोफेसर (डॉ.) लार्स-क्रिश्चियन
■ लिथुमिला विक्टरदना खोखलोवा
■ माधवन रंगनाथन
■ मगती मुरली मोहन
■ महेन्द्र कुमार मिश्र
■ महेन्द्रनाथ रॉय
■ मंगिदाला जगदीश कुमार
■ मंगला कपूर ■ मोहन नगर
■ मीर हाजीभाई कासम भाई
■ नारायण व्यास
■ नरेश चंद्र देव वर्मा
■ निलेश विनोदचंद्र माडलेचाला
■ नुरुद्दीन अहमद
■ ओथुवार थिरुत्तनी स्वामीनाथन
■ पद्मा गुरमेट
■ पलकोंडा विजय आनंद रेड्डी
■ पेंचिला लेकपोपी
■ डॉ. प्रभाकर क्वसपथुम कोरे
■ प्रतीक शर्मा ■ प्रवीण कुमार
■ प्रेम लाल मौतम
■ प्रोसेनजीत चटर्जी
■ डॉ. पुन्नियामूर्ति नटेसन
■ आर. कृष्णन
■ आर. वी. एस. मणि
■ रबी लाल टुडु ■ रघुपत सिंह
■ रघुवीर तुकाराम खेडकर
■ राजरत्नपति कलिप्पा गौंडर
■ राजेंद्र प्रसाद ■ रामपूर्ति श्रीधर
■ राम रेड्डी मंमिटी
■ रामचंद्र मोडबोले और सुनीता मोडबोले
■ रतिलाल बोरिसागर
■ रोहित शर्मा
■ एस जी सुशीलम्मा
■ सम्युसान एस पोन्मेनर
■ सत निरंजन दास
■ सरत कुमार पात्रा
■ सरोज मंडल ■ सतीश शाह
■ सत्यनारायण नुवाल
■ संविता पुनिया
■ प्रोफेसर शकी शौक
■ शशि शेखर वेम्पति
■ श्रीयन देवबा लाड
■ शुभा वेंकटेश अय्यगर
■ श्याम सुंदर ■ सिमांचल पात्रो
■ शिउसकरी
■ डॉ. सुरेश हनामावडी
■ स्वामी ब्रह्मदेव जी महाराज
■ टी टी जगन्नाथन
■ तमा राम भील
■ तरुण भट्टाचार्य
■ तपी गुबिन ■ तृप्ति मुखर्जी
■ तिरुवरूर बक्कावल्लम
■ वेल्लिनाथन कामकोटी
■ वेम्पति कुटुम्बा शास्त्री
■ व्लादिमीर मेस्टरिरिश्विली
■ युमनाम जात्रा सिंह

Photo: Anushka Gupta

@नई दिल्ली

अच्युतानंदन, शिबू सोरेन, टी. थॉमस, भगत सिंह कोश्यारी, वीके मल्होत्रा को भी अवॉर्ड

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

पद्म अवॉर्ड की लिस्ट में BJP के पूर्व मुख्यमंत्री से लेकर विचार परिवार के लोगों को भी जगह मिली। केरल से लेफ्ट नेता और झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री का नाम भी लिस्ट में है। 131 हस्तियों को पद्म सम्मान दिए जाने का ऐलान हुआ है।

केरल के पूर्व सीएम और लेफ्ट नेता वीएस अच्युतानंदन का नाम मरणोपरांत पद्म विभूषण पाने वालों की लिस्ट में है। सीपीएम के वरिष्ठ नेता रहे वीएस अच्युतानंदन साल 2006 से 2011 तक केरल के मुख्यमंत्री रहे। अच्युतानंदन सीपीएम के पोलित ब्यूरो के सदस्य भी रहे। केरल में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

केरल से सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज के टी. थॉमस का नाम भी पद्म विभूषण पाने वालों की लिस्ट में है। बीजेपी नेता रहे और उत्तराखंड के सीएम रहे भगत सिंह कोश्यारी का नाम भी पद्म भूषण पाने वालों की लिस्ट में है। कोश्यारी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे और संघ के प्रचारक भी रहे। उत्तराखंड में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन को भी मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा। लिस्ट में उनका भी नाम है। शिबू सोरेन का पिछले साल अगस्त में निधन हुआ था। शिबू सोरेन झारखंड के तीन बार मुख्यमंत्री रहे।

बीजेपी के पूर्व नेता वीके मल्होत्रा को भी मरणोपरांत पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा। मल्होत्रा दिल्ली जनसंघ के अध्यक्ष रहे और दिल्ली बीजेपी के भी अध्यक्ष रहे थे। विज्ञापन जगत की जाने मानी हस्ती रहे पीयूष पांडे का नाम भी मरणोपरांत पद्म भूषण पाने वालों की लिस्ट में है। इन्होंने ही 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के लिए अच्छे दिन आने वाले है का नारा गढ़ा था।

लिस्ट में NRI भी

16 हस्तियों को मरणोपरांत मिलेगा अवॉर्ड

इस बार 131 हस्तियों को पद्म अवॉर्ड दिए जाएंगे। देश के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कारों में से एक पद्म सम्मान पद्म विभूषण, पद्म भूषण और पद्मश्री 3 श्रेणियों में दिए जाते हैं। इन श्रेणियों में इस बार 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार शामिल किए गए हैं। पुरस्कार विजेताओं में 19 महिलाएं हैं। इस लिस्ट में विदेशी, एनआरआई, पीआईओ, ओसीआई श्रेणी के 6 हस्तियों को भी शामिल किया गया है। सम्मान पाने वालों में 16 को मरणोपरांत इन पुरस्कार से नवाजा गया है, जिनमें बॉलीवुड स्टार धर्मेंद्र सिंह देओल को भी मरणोपरांत पद्म विभूषण सम्मान दिया गया है। पिछले साल 2025 में दो गुमनामी समेत 132 हस्तियों को पद्म पुरस्कार दिए गए थे। यह पुरस्कार विभिन्न विषयों और गतिविधियों के क्षेत्रों में दिए जाते हैं।

पद्म विभूषण, पद्म भूषण, पद्म श्री श्रेणियों में अवॉर्ड

INSV तारिणी पर लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा

लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा, दिलना को शौर्य चक्र

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

इंडियन नेवी की लेफ्टिनेंट कमांडर दिलना और लेफ्टिनेंट कमांडर रूपा और असिस्टेंट कमांडेंट विपिन विलसन को शौर्य चक्र पाने वालों की लिस्ट में शामिल है। दिलना और रूपा ने पिछले साल समंदर के रास्ते दुनिया का चक्कर लगाया था। 'INSV तारिणी' पर सवार होकर इन दो नेवी अधिकारियों ने न सिर्फ समंदर की ऊंची लहरों को चीरते हुए 25400 समुद्री मील (करीब 50000 किलोमीटर) की दूरी तय की। INSV तारिणी, 17 मीटर लंबी और 5 मीटर चौड़ी नाव है जिसमें सवार होकर नेवी की महिला अधिकारियों ने नाविका सागर परिक्रमा-2 पूरी की।

सशस्त्र बलों के 70 जवानों को वीरता पुरस्कार

इंडियन आर्मी के मेजर अर्शदीप सिंह, नायब सूबेदार डोलेश्वर सुब्बा, एयरफोर्स के ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालाकृष्णन नायर को कीर्ति चक्र से सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर सशस्त्र बलों के 70 कर्मियों को वीरता पुरस्कार देने की मंजूरी दी है।

मेजर अर्शदीप सिंह (1 असम राइफल्स)

14 मई 2025 को भारत-म्यांमार सीमा पर गश्ती दल का नेतृत्व करते हुए अचानक हमले में उन्होंने जंगल के बीच ऊंचाई पर दुश्मन ठिकाने पर साहसिक हमला किया। भारी गोलीबारी के बावजूद उन्होंने कई सशस्त्र उग्रवादियों को निष्क्रिय किया और अपनी टुकड़ी को सुरक्षित रखा। उन्हें कीर्ति चक्र देने का ऐलान किया गया है।

नायब सूबेदार दोलेश्वर सुब्बा (पैरा स्पेशल)

11 अप्रैल 2025 को किश्तवाड़ के जंगलों में आतंकवाद-रोधी अभियान के दौरान उन्होंने भारी फायर के बीच आगे बढ़ते हुए एक विदेशी आतंकवादी को नजदीक से मार गिराया और दूसरे को भी निष्क्रिय किया। उनका साहस और धैर्य असाधारण रहा। उन्हें कीर्ति चक्र देने का ऐलान हुआ है।

कर्नल सोफिया को विशिष्ट सेवा मेडल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कर्नल सोफिया कुरैशी को विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित किया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दुनिया में भारत की सैन्य शक्ति देखी तो इस ऑपरेशन की सफलता की जानकारी दुनिया के सामने रखी तो महिला अधिकारियों रखा था। भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी और भारतीय वायुसेना की विंग कमांडर व्योमिका सिंह। कर्नल सोफिया कुरैशी गुजरात के वडोदरा की रहने वाली है और इंडियन आर्मी की सिगनल कोर में ऑफिसर हैं।

देश के 10 जिलों से पहली बार चुने गए गुमनाम नायक

Maneesh.Aggarwal@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: पद्म अवॉर्ड के लिए इस बार 39 हजार से अधिक लोगों ने नॉमिनेशन किया था। पद्म सम्मान पाने वाली 131 हस्तियों के नामों की घोषणा में 48 लोग 80 साल से अधिक की उम्र वाले सुपर सीनियर सिटीजन हैं। इनमें भी 13 सुपर सीनियर सिटीजन ऐसे हैं, जो 90 साल की उम्र पार कर चुके हैं। पुरस्कार विजेताओं का चयन 30 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 84 जिलों से किया गया है। इनमें 10 जिले तो ऐसे हैं, जिन्हें आजादी के बाद पहली बार पद्म पुरस्कार मिला है। इनमें मंडावा, बैतूल, परभणी, बागेश्वर, रंगरेड्डी और दक्षिण दिनाजपुर जैसे जिले शामिल हैं।

आजादी के बाद से नॉर्थ-ईस्ट के 8 राज्यों को मिले कुल पद्म पुरस्कारों का 40% से अधिक हिस्सा पिछले 12 वर्षों में दिया गया है। यह वहां की स्वदेशी परंपराओं, भाषाओं, कला, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण को दी गई एक बड़ी पहचान है। स्वास्थ्य सेवा में समर्पित ऐसे डॉक्टरों प्राथमिकता दी गई। जिन्होंने पोलियो, कालाजार, टीबी, हीमोफीलिया और नवजात देखभाल जैसी चुनौतियों से लड़ते हुए आम लोगों की सेवा में अपना जीवन समर्पित कर दिया। पद्म सम्मान इस बार सिर्फ बड़े शहरों तक सीमित नहीं रहे। देश के भीतरी इलाकों के हीरो को भी अवॉर्ड मिला।

दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर हम बढ़ रहे : राष्ट्रपति

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर रविवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्र को संबोधित किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने किसानों को देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बताया। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में हम विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। वंचित वर्ग की योजनाओं को लगातार बढ़ाया जा रहा है। महिलाओं का सक्रिय और समर्थ होना देश के विकास के लिए जरूरी है। उनके स्वास्थ्य, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे राष्ट्रीय प्रयासों से अनेक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है।

मुर्मू ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देश को किया संबोधित

मुर्मू ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को संबोधित करते हुए संविधान, राष्ट्रीय एकता, महिला सशक्तीकरण, किसानों, युवाओं, अर्थव्यवस्था और सुरक्षा के मुद्दों को भारत की प्रगति की आधारशिला बताया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस देश के अतीत, वर्तमान और भविष्य पर आत्ममंथन का अवसर है और संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समता और बंधुत्व के आदर्श ही भारत की पहचान हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

वंदे मातरम् और नेताजी का भी जिक्र

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती और पराक्रम दिवस का उल्लेख करते हुए युवाओं से देशभक्ति और कर्तव्यबोध से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सैनिकों, किसानों, श्रमिकों, डॉक्टरों, शिक्षकों, वैज्ञानिकों, उद्यमियों और प्रवासी भारतीयों का योगदान देश के गणतंत्र को मजबूत करता है। महिला सशक्तीकरण पर विशेष बल देते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भारत के समावेशी विकास का संकेत है।

982 पुलिसकर्मियों को सेवा पदक

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बताया कि गणतंत्र दिवस पर 982 पुलिस, फायर ब्रिगेड, होम गार्ड, सिविल डिफेंस को सेवा पदकों से सम्मानित किया गया है। फायर सर्विस के 4 जवानों को गैलेंट्री अवॉर्ड मिला।

@नई दिल्ली PTI

125 गैलेंट्री मेडल

ऑपरेशन क्षेत्र
45 जम्मू-कश्मीर
35 नक्सल क्षेत्र
5 नॉर्थ ईस्ट

पुलिस फोर्स
33 जम्मू-कश्मीर पुलिस
31 महाराष्ट्र पुलिस
18 उत्तर प्रदेश पुलिस
14 दिल्ली पुलिस
12 केंद्रीय फोर्स CRPF

क्यों मिलता है गैलेंट्री मेडल

■ दुर्लभ और असाधारण साहस
■ जान-माल की रक्षा
■ आतंक रोकने या अपराधी को पकड़ने में वीरता

सेवा पदक
101 राष्ट्रपति पदक (विशिष्ट सेवा)
756 सराहनीय सेवा पदक
■ राष्ट्रपति पदक (PSM): सेवा में विशेष और विशिष्ट रेकॉर्ड पर।
■ सराहनीय सेवा पदक (MSM): कर्तव्यनिष्ठ, संसाधनशीलता और उत्कृष्ट सेवा के लिए।

31 CBI अधिकारियों को पुलिस पदक

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में एक डॉक्टर के साथ रेप और मर्डर केस की जांच करने वाले CBI अधिकारियों सहित केंद्रीय एजेंसी के 31 कर्मियों को पुलिस पदक से सम्मानित किया गया है। गुजरात कैडर के 2000 बैच के IPS अधिकारी संयुक्त निदेशक वी चंद्रशेखर को राष्ट्रपति पदक मिला है। 25 अधिकारियों को पुलिस पदक मिला है।

अनसंग हीरो

कूड़ा उठाने से किताबें सहेजने तक पद्मश्री पुरस्कार पाने वाले हीरो

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: पद्मश्री 2026 की लिस्ट इस बार उन चेहरों की कहानी कहती है, जिन्होंने बिना किसी शोर-शराबे के ग्राउंड लेवल पर बदलाव किए। नवजात बच्चों की जान बचाने वाले डॉक्टर आर्मिडा फर्नांडिस से लेकर किताबों की दुनिया बसाने वाले पूर्व बस कंडक्टर अके गौड़ा तक, कालाजार की दवा खोजने वाले BHU के प्रोफेसर श्याम सुंदर तक, यह सम्मान सेवा, समर्पण और संघर्ष का प्रतीक बना। इस बार ऐसे ही 45 अनसंग हीरोज को पद्मश्री देने का रविवार को ऐलान हुआ।

डॉ. आर्मिडा: ह्यूमन मिल्क बैंक की शुरुआत

डॉ. आर्मिडा फर्नांडिस को नवजात बच्चों और माताओं की चिकित्सीय मदद के लिए पद्मश्री दिया जाएगा। डॉ. फर्नांडिस ने 1989 में मुंबई के सायन अस्पताल में एशिया का पहला ह्यूमन मिल्क बैंक शुरू किया। इससे उन बच्चों को मां का दूध मिल सका, जो बहुत कमजोर थे या जिनकी मां दूध नहीं पिला पा रही थीं।

अंके गौड़ा: घर में बनाई लाइब्रेरी, 20 लाख किताबें

कर्नाटक के मैसूरु के पास हरलहल्ली गांव में रहने वाले 75 साल के अके गौड़ा किताबों से बेइंतहा प्यार करने वाले एक साधारण व्यक्ति हैं। किसान परिवार में जन्मे गौड़ा के पास बचपन में किताबें नहीं थीं। 20 साल की उम्र उन्होंने किताबें इकट्ठा करना शुरू किया। उनके घर की लाइब्रेरी में करीब 20 लाख किताबें हैं।

प्रो. श्याम सुंदर: कालाज़ार की दवा के जनक

BHU में मेडिसिन विभाग के प्रोफेसर डॉक्टर श्याम सुंदर ने कालाजार के निदान और उपचार में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्हें कालाजार के लिए प्रभावी तकनीक विकसित करने के लिए राष्ट्रपति की ओर से विजिटर पुरस्कार और डॉ. पीएन राजू ओरेशन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

चिरंजी लाल यादव: पीतल की नक्काशी के कलाकार

उत्तर प्रदेश के चिरंजी लाल यादव को कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पद्मश्री सम्मान मिलेगा। वह पीतल की नक्काशी (ब्रास एंबोसिंग) कला के लिए देश-विदेश में प्रसिद्ध हैं। चिरंजी ने गुरु-शिष्य परंपरा के तहत हजारों कारीगरों को ट्रेनिंग देकर इस पारंपरिक कला को नई पहचान दी।

पूर्व IPS इंदरजीत: कूड़ा उठाकर सिखाई सफाई

चंडीगढ़ में रहने वाले पंजाब के रिटायर्ड IPS इंदरजीत सिंह सिद्धू पिछले 10 वर्षों से अकेले सड़कों-गलियों पर सफाई करते हैं। इंदरजीत के इस सामाजिक जज्बे के लिए उन्हें पद्मश्री दिया जाएगा। वह 88 साल की उम्र में भी अपने आस पास के इलाकों में कूड़ा उठाते हैं। उनका बेटा अमेरिका में रहता है।

खेम राज: खेस बुनाई कला को जिंदा किया

उत्तराखंड में जन्मे, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल में काम करने वाले खेम राज सुंद्रियाल को पारंपरिक हथकरघा और बुनाई कला को बचाने और आगे बढ़ाने के लिए पद्मश्री सम्मान मिलेगा। उन्होंने टेपेस्ट्री और जामदानी बुनाई की तकनीक को हरियाणा और हिमाचल प्रदेश के हजारों कारीगरों को सिखाया।

श्रीरंग देवबा: 300% तक बढ़ा दी पैदावार

महाराष्ट्र के श्रीरंग देवबा लाड को कृषि क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पद्मश्री मिलेगा। वह प्रगतिशील किसान और कृषि नवाचारक हैं। उन्होंने 'दादा लाड कॉटन तकनीक' विकसित की, जिससे कपास की पैदावार में 300% तक बढ़ोत्तरी संभव हुई। इस तकनीक से किसानों की आय में 40% से अधिक की वृद्धि हुई है।

रामचंद्र-सुनीता: आदिवासियों के डॉक्टर

रामचंद्र मोडबोले और सुनीता मोहबोले को चिकित्सा क्षेत्र में सेवा के लिए संयुक्त रूप से पद्मश्री सम्मान मिलेगा। महाराष्ट्र से ताल्लुक रखने वाले यह दंपती पिछले 35 साल से छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में आदिवासी समुदायों के बीच रहकर काम कर रहे हैं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMA17 User: rajesh.mishra Time: 01-25-2026 23:17 Color:

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1. 1. 2026 के लिए 131 पद्म सम्मान का ऐलान हुआ है। इनमें कितने पद्म विभूषण हैं?
A. 5 B. 10 C. 2

2. ऐस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला को किस सम्मान के लिए चुना गया?
A. शौर्य चक्र B. अशोक चक्र C. कीर्ति चक्र

3. साल 2026 के लिए कितने शुरवीरों को कीर्ति चक्र के लिए चुना गया?
A. पांच B. चार C. तीन

4. राष्ट्रीय मतदाता दिवस किस तारीख को मनाया जाता है।
A. 26 जनवरी को B. 25 जनवरी को C.24 जनवरी को

5. इस बार रिपब्लिक डे के चीफ गेस्ट कहां से है?
A. यूरोपीय यूनियन B. यूनाइटेड किंगडम C. यूनाइटेड स्टेट्स

कल के जवाब

A1 B. ईरान A2 B. इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन A3 C. USS अब्राहम लिंकन A4 C. X A5 A. BMC चुनाव

लकी विनर्स

1. डी.डी. भाटिया, दिल्ली
2. सुशील कुमार गोयल, दिल्ली
3. अशोक शर्मा, नई दिल्ली

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

'मन की बात' में कहा – मतदाता बनना अहम पड़ाव, इसका जश्न मनाएं

वोटर ही लोकतंत्र की आत्मा, असली भाग्य विधाता: मोदी

■ NBT रिपोर्ट/पीटीआई, नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लोगों से लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि वोटर होना सिर्फ एक संवैधानिक अधिकार नहीं है, बल्कि एक अहम जिम्मेदारी भी है, जो हर नागरिक को भारत के भविष्य को संवारने में अपनी बात रखने का मौका देती है।

नैशनल वोटर्स डे के मौके पर MY-Bharat वॉलंटियर्स को लिखे एक पत्र में पीएम ने वोटरों को भारत की विकास यात्रा का 'भाग्य विधाता' बताया। मन की बात कार्यक्रम के 130वें एपिसोड में उन्होंने कहा कि जैसे जन्मदिन को पूरे उत्साह से मनाया जाता है, वैसे ही जब कोई युवा पहली बार मतदाता बनता है तो पूरे मोहल्ले, गांव या शहर को मिलकर उसका अभिनंदन करना चाहिए। प्रधानमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि मतदाता ही लोकतंत्र की असली ताकत और आत्मा होते हैं। प्रधानमंत्री ने जन-भागीदारी के उदाहरण देते हुए उत्तर प्रदेश की तमसा नदी के पुनरुद्धार और आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में जल संरक्षण अभियान का उल्लेख किया। मन की बात में पीएम मोदी ने भारतीय संस्कृति की वैश्विक पहचान पर भी प्रकाश डाला। इसके साथ ही युवाओं के बीच लोकप्रिय हनजन कवबिन को अध्यात्म और आधुनिकता का सुंदर संगम बताया।

FILE

PM का संदेश

- उगली पर लगी स्याही है सम्मान का मेडल
- नारी शक्ति की भागीदारी है बेहद जरूरी
- सिर्फ अधिकार नहीं, देश को गढ़ने का फर्ज है वोट
- स्कूलों और कॉलेजों में नए वोटर्स के लिए हो सम्मान समारोह
- राष्ट्रीय मतदाता दिवस के मौके पर MY-Bharat वॉलंटियर्स को लिखा पत्र
- 25 जनवरी: हर साल नैशनल वोटर्स डे मनाया जाता है।

'टॉप क्वॉलिटी हो भारत की पहचान'

प्रधानमंत्री मोदी ने इंडस्ट्री और स्टार्टअप्स से अपील की कि वे क्वॉलिटी पर ध्यान दें और संकल्प ले कि वे जो भी बनाएं, वह दुनिया में सबसे बेहतरीन हो। कहा कि भारतीय प्रोडक्ट्स का नाम आते ही लोगों के दिमाग में शानदार क्वॉलिटी की बात आनी चाहिए। उन्होंने इंडस्ट्री से 'जीरो डिफेक्ट' सम्मान बनाने का आग्रह किया। उन्होंने उन युवाओं की भी जमकर तारीफ की, जिन्होंने 2016 में शुरू हुए स्टार्टअप सफर में पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया।

> वोट देना केवल एक राजनीतिक अभिव्यक्ति नहीं है, यह चुनाव की लोकतांत्रिक प्रक्रिया में नागरिकों के भरोसे को दिखाता है। यह नागरिकों की अपनी उम्मीदों को जाहिर करने का एक जरिया भी है। –द्रौपदी मुर्मु राष्ट्रपति

> हाल के दिनों में चुनाव आयोग जैसी संस्थाओं पर काफी दबाव रहा है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि हम इनकी आजादी की रक्षा करें ताकि लोकतंत्र सिर्फ जिंदा न रहे, बल्कि फले-फूले। –मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

> चुनाव आयोग बीजेपी के इशारे पर विपक्ष को कुचल रहा है और देश के लोकतंत्र की बुनियाद को खत्म कर रहा है। –ममता बनर्जी, सीएम, पश्चिम बंगाल

लालू की मौजूदगी में तेजस्वी को कमान, BJP ने ली चुटकी

■ पीटीआई, पटना : आरजेडी नेता तेजस्वी यादव को रविवार को पार्टी का नेशनल वर्किंग प्रेसिडेंट नियुक्त कर दिया गया। तेजस्वी यादव आरजेडी के संस्थापक लालू प्रसाद के छोटे बेटे हैं। इस फैसले के साथ ही पार्टी की कमान सौंपने की प्रक्रिया पर आधिकारिक मुहर लग गई है। 36 साल के तेजस्वी यादव बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। उनके नाम का ऐलान पटना में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में किया गया।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी की इस बैठक में तेजस्वी की मां और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और बड़ी बहन मीसा भारती (पाटलिपुत्र से सांसद) भी शामिल हुईं। चर्चा थी कि मीसा भारती भी इस पद की रेस में थीं।

हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में पार्टी को करारी हार का सामना करना पड़ा है। 243 सीटों वाली विधानसभा में आरजेडी को सिर्फ 25 सीटें मिलीं। तेजस्वी ही महागठबंधन के मुख्यमंत्री उम्मीदवार थे। टिकट बंटवारे से लेकर गठबंधन के साथियों (कांग्रेस और लेफ्ट) के साथ सीटों के तालमेल में उनकी मुख्य भूमिका रही थी।

PTI

पटना के मौर्या होटल में रविवार को हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में तेजस्वी यादव को कार्यकारी अध्यक्ष बनाने का ऐलान किया गया।

आरजेडी पर घुसपैठियों का कब्जा: रोहिणी आचार्य

बैठक से ठीक पहले पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने गंभीर आरोप लगाए। रोहिणी ने कहा कि पार्टी की कमान अब घुसपैठियों और साजिशकर्ताओं के हाथों में चली गई है, जिनका इकलौता मकसद 'लालूवाद' को खत्म करना है। सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म X पर अपनी पोस्ट में उन्होंने लिखा, पार्टी की असली कमान विशेषियों के भेजे हुए घुसपैठियों और साजिशकर्ताओं के हाथों में है। उनका एकमात्र मकसद 'लालूवाद' को नष्ट करना है।

'फेल प्रॉडक्ट' की ताजपोशी : BJP

BJP ने इसे परिवारवाद के एक फेल प्रॉडक्ट (नाकाम मोहरे) और पुराने जंगलराज की ताजपोशी करार दिया है। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि 2025 के बिहार चुनावों में मिली करारी हार के बावजूद तेजस्वी यादव को यह इनाम दिया गया है, क्योंकि आरजेडी भ्रष्टाचार और अपराध पर टिकी एक 'पारिवारिक कंपनी' है।

उत्तराखंड: UCC से बढ़ा शादियों का रजिस्ट्रेशन

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून : उत्तराखंड में 27 जनवरी को समान नागरिक संहिता (UCC) लागू हुए पूरा एक साल हो जाएगा। राज्य सरकार का दावा है कि इस एक साल के दौरान राज्य में शादियों के रजिस्ट्रेशन के तरीके में बहुत बड़ा बदलाव आया है। अब यह प्रक्रिया पहले के मुकाबले काफी आसान और सुविधाजनक हो गई है।

राज्य सरकार के आंकड़ों के मुताबिक, UCC लागू होने के बाद से अब तक उत्तराखंड में कुल 4 लाख 74 हजार 447 शादियों का रजिस्ट्रेशन किया जा चुका है। अब नए नियम के तहत शादीशुदा जोड़े कहीं से भी ऑनलाइन अपनी शादी रजिस्टर करा सकते हैं। पहले के कानून में यह मजबूरी थी कि पति-पत्नी को तय तारीख पर दो गवाहों के साथ खुद सब-रजिस्ट्रार के दफ्तर जाना पड़ता था।

UCC से पहले उत्तराखंड में 'अनिवार्य विवाह पंजीकरण अधिनियम, 2010' के तहत शादियां रजिस्टर होती थीं। इसमें सारा काम ऑफलाइन होता था। सरकार का दावा है कि UCC आने के बाद अब हर दिन औसतन 1400 शादियों का रजिस्ट्रेशन हो रहा है।

क्या कहते हैं आंकड़े

- 4,74,447: UCC लागू होने के बाद कुल रजिस्टर्ड शादियां।
- 1400: प्रतिदिन शादियों के रजिस्ट्रेशन का नया औसत।
- 67: पुराने कानून के समय रोजाना होने वाले रजिस्ट्रेशन का औसत।
- 316: अब तक जारी किए गए ऑनलाइन तलाक प्रमाणपत्र।
- 68: लिव-इन रिलेशनशिप के लिए हुए रजिस्ट्रेशन।
- 02: लिव-इन रिलेशनशिप खत्म करने के प्रमाणपत्र।
- 05 दिन: सर्टिफिकेट जारी होने का औसत समय।

UCC इफेक्ट

- 27 जनवरी को UCC लागू हुए एक साल पूरा होगा।
- अब शादियों का रजिस्ट्रेशन पूरी तरह से ऑनलाइन हो गया है।
- रजिस्ट्रेशन के लिए अब गवाहों के साथ दफ्तर में हाजिर होने की जरूरत खत्म।
- लिव-इन रिलेशनशिप में भी लोग रजिस्ट्रेशन करा रहे हैं।

'जितना जुल्म होगा, उतनी ही मजबूत होऊंगा'

PTI

■ NBT रिपोर्ट, प्रयागराज : प्रयागराज माघ मेले में पत्त रहा शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और मेला प्रशासन के बीच विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। शनिवार की शाम शंकराचार्य के कैंप में कुछ युवकों ने घुसने की कोशिश की थी और नारे लगाए थे। इस मामले में शंकराचार्य के मेला प्रभारी की ओर से शिकायत दी गई है। वहीं इस विवाद के बाद शंकराचार्य और मुखर हो गए हैं। उन्होंने रविवार को कहा, हमारे ऊपर आक्रमण इसलिए किया गया है, क्योंकि हम गो-रक्षा की बात कर रहे हैं। हम इनकी आंख की किरकिरी बन गए हैं, लेकिन कितना भी परेशान करें, मैं पीछे नहीं हटूंगा। हमारे ऊपर जितना जुल्म होगा, उतनी ही मजबूती से कदम उठाऊंगा।

इस बीच रविवार को बड़ी संख्या में इलाहाबाद यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स शंकराचार्य के समर्थन में पहुंचे और नारेबाजी की। स्टूडेंट्स ने कहा कि शंकराचार्य का अपमान सनातन धर्म का अपमान है।

कल्याण में UBT के 'लापता' पार्षदों के लगे पोस्टर

■ NBT रिपोर्ट, कल्याण: कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के चुनाव संपन्न होने के बाद से शिवसेना (UBT) के 11 में से 4 नगरसेवक एक सप्ताह से संपर्क में नहीं हैं। कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया है कि उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे), इन चार नगरसेवकों के लापता होने के पीछे जिम्मेदार हो सकती हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं ने शहरभर में पोस्टर लगाकर इन नगरसेवकों को लापता घोषित किया है। इन पोस्टरों में अपील की गई है कि यदि किसी को इनके बारे में कोई भी जानकारी मिले, तो वह तुरंत संपर्क करें। पार्टी नेताओं ने पुलिस में लिखित शिकायत भी दर्ज कराई है। हालांकि, शिवसेना (यूबीटी) का आरोप है कि पुलिस गंभीर नहीं है।

तमिलनाडु में हिंदी की जगह नहीं, न कभी होगी: स्टालिन

■ पीटीआई, चेन्नै : डीएमके अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने रविवार को राज्य के उन 'भाषा शहीदों' को नमन किया, जिनकी बीते वक्त में हिंदी विरोधी आंदोलन के दौरान मौत हो गई थी। उन्होंने जोर देकर कहा कि तमिलनाडु में हिंदी के लिए कभी कोई जगह नहीं रही और न ही भविष्य में होगी। AIADMK प्रमुख पलानीस्वामी और तमिलगा वेत्री कड़गम के नेता विजय ने भी श्रद्धांजलि दी।

स्टालिन ने कहा, 'यह एक ऐसा राज्य है जिसने अपनी भाषा (तमिल) को अपनी जान की तरह प्यार किया है। हिंदी थोपे जाने के खिलाफ हम सभी मिलकर संघर्ष किया और जब भी इसे थोपने की कोशिश हुई, उसी तीव्रता के साथ विरोध किया गया।' स्टालिन ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'तमिलनाडु में हिंदी के लिए न पहले कोई जगह थी, न अब है और न ही कभी होगी।'

FILE

तमिलनाडु के CM एम.के. स्टालिन

सीएम ने 1965 में हिंदी विरोधी आंदोलन से जुड़ा एक विडियो भी शेयर किया। इस विडियो में आंदोलनकारियों के साथ-साथ डीएमके के दिग्गज नेताओं सी.एन. अन्नादुराई और एम. करुणानिधि के योगदान का भी जिक्र किया गया है। स्टालिन ने कहा कि 'हिंदी विरोधी आंदोलन की अगुवाई करके तमिलनाडु ने इस उपमहाद्वीप की विभिन्न भाषाई जातियों के अधिकारों और उनकी पहचान की रक्षा की है।'

WinZO ऐप पर ED का शिकंजा

■ पीटीआई, नई दिल्ली: प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने रविवार को बताया कि उसने ऑनलाइन गेमिंग ऐप WinZO और उसके मालिकों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। आरोप है कि कंपनी ने कंप्यूटर प्रोग्राम (बॉट्स) और AI का इस्तेमाल करके गेम के तरीकों में गड़बड़ी की। इसकी वजह से खिलाड़ियों को 734 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ।

बयान के मुताबिक, ED के बेंगलुरु दफ्तर ने 23 जनवरी को मनी लॉन्ड्रिंग (PMLA) के तहत एक स्थानीय कोर्ट में यह शिकायत दर्ज कराई। चार्जशीट में Winzo, इसके डायरेक्टर पावन नंदा और सौम्या सिंह राठौर और अमेरिका-सिंगापुर में मौजूद इनकी सहायक कंपनियों को आरोपी बनाया गया है। ED के अनुसार, WinZO अपने ऐप के जरिए 100 से ज्यादा गेम खिलाता था।

'न्यायपालिका की आजादी सुरक्षित'

■ पीटीआई, पणजी : भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत ने रविवार को कहा कि कानून को न तो बदलाव का विरोध करना चाहिए और न ही बिना सोचे-समझे हर नई चीज को अपना लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो कानून बदलाव के साथ नहीं ढलता, वह शुद्ध नहीं रह पाता। वहीं, जो कानून बिना सोचे-समझे हर नई चीज को अपना लेता है, वह अपनी नैतिकता खोने का जोखिम उठाता है। पणजी में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए सीजेआई ने साफ किया कि भारतीय न्यायपालिका की आजादी पर कोई खतरा नहीं है।

NEET छात्रा केस में DNA प्रोफाइल

■ भाषा, पटना : पटना में NEET कैंडिडेट की तैयारी कर रही स्टूडेंट की मौत के मामले की जांच कर रही पुलिस ने रविवार को कहा कि स्टूडेंट के कपड़ों की फॉरेंसिक जांच में वीर्य के अंश पाए गए हैं, जो उसके यौन उत्पीड़न का संकेत देते हैं। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस फॉरेंसिक रिपोर्ट में पाए गए वीर्य के अंशों से 'डीएनए प्रोफाइल' हासिल करेगी।

क्रेच से ले गया बच्चा, जान ली

■ NBT न्यूज, चंडीगढ़: पंचकूला में एक साल के मासूम बच्चे का अपहरण कर उसकी गला घोंटकर हत्या कर दी गई। बच्चे का शव शनिवार रात सुखोमाजरी गांव के पास झाड़ियों में मिला। आरोपी की पहचान पिंजौर निवासी अजय के रूप में हुई है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

बंगाल में एकला चलो की तैयारी में कांग्रेस, लेफ्ट ने भी बनाई दूरी

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: पश्चिम बंगाल में होने वाले विधानसभा चुनावों में कांग्रेस अकेले मैदान में उतरने की तैयारी में है। संकेत हैं कि इस बार लेफ्ट फ्रंट के साथ कांग्रेस का पुराना गठबंधन टूट सकता है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के मुताबिक, फिलहाल लेफ्ट के साथ किसी तरह की औपचारिक बातचीत नहीं हुई है और राज्य इकाई के अधिकांश नेता अकेले चुनाव लड़ने के पक्ष में हैं। ऐसे में केंद्रीय नेतृत्व से अंतिम फैसला भी इसी दिशा में हो सकता है।

लेफ्ट फ्रंट के भीतर भी कांग्रेस से गठबंधन को लेकर खास उत्साह नहीं दिख रहा है। सीपीआई के एक वरिष्ठ नेता और सांसद का कहना है कि लेफ्ट फ्रंट की अधिकतर पार्टियां इस बार पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने के पक्ष में हैं।

कांग्रेस के सूत्रों के अनुसार, बंगाल इकाई का एक वर्ग मानता है कि गठबंधन में रहकर पार्टी का विस्तार संभव नहीं है। लंबे समय से जिन इलाकों में कांग्रेस चुनाव नहीं लड़ पाई, वहां उसकी पकड़ और कमजोर हुई है। ऐसे में पार्टी मार्च- अप्रैल में संभावित विधानसभा चुनावों को संगठन मजबूत करने के मौके के रूप में देख रही है।

केरल में भी राजनीतिक हालात अलग, लेकिन चुनौतीपूर्ण हैं। यहां कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ और वाम दल मुख्य प्रतिद्वंद्वी हैं। बीजेपी इसी मुद्दे पर कांग्रेस को घेरती रही है कि बंगाल में वह लेफ्ट से गठबंधन करती है, जबकि केरल में उन्हीं के खिलाफ चुनाव लड़ती है।

सीपीएम के एक नेता के अनुसार, सीताराम येचुरी की मौजूदगी में कांग्रेस से गठबंधन की संभावना ज्यादा रहती थी, लेकिन अब उनके निधन के बाद सीपीएम केरल इकाई का प्रभाव बढ़ा है और वहां कांग्रेस से गठबंधन के पक्ष में माहौल नहीं है। सीपीएम के अंदर भी मजबूत धड़ा कांग्रेस से सीट शेयरिंग जारी रखने को नुकसानदेह मानता है। सीपीएम के नेताओं का तर्क है कि बिहार में कांग्रेस को ज्यादा सीटें देने से महागठबंधन को नुकसान हुआ। उनका कहना है कि सीपीएम तो कांग्रेस के पक्ष में वोट ट्रांसफर करा सकती है, लेकिन कांग्रेस से ऐसी अपेक्षा नहीं है।

कांग्रेस की दुविधा: TMC को प्रतिद्वंद्वी माने या BJP को रोकने की कोशिश करे।

TMC लगातार तीन बार सत्ता में

लेफ्ट-कांग्रेस गठबंधन 2016 से चला आ रहा था। 2019 के लोकसभा चुनाव में दोनों अलग हुए, लेकिन 2021 विधानसभा और 2024 लोकसभा चुनाव में फिर साथ आए। तृणमूल कांग्रेस लगातार तीन बार सत्ता में रहकर सबसे मजबूत ताकत बनी हुई है, जबकि बीजेपी दूसरी सबसे बड़ी चुनौती के रूप में उभरी है। कांग्रेस के सामने रणनीतिक दुविधा है कि वह तृणमूल को मुख्य प्रतिद्वंद्वी माने या बीजेपी को रोकने की कोशिश करे। 2011 में तृणमूल के साथ 42 सीटें जीतने वाली कांग्रेस, 2016 में लेफ्ट के साथ 44 सीटों पर आई, लेकिन 2021 में 92 सीटों पर चुनाव लड़ने के बावजूद एक भी सीट नहीं जीत सकी और वोट शेयर महज 3% रह गया।

भारत के सबसे बड़े FTA का ऐलान कल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार यूरोपियन यूनियन (EU) के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (FTA) का ऐलान मंगलवार को भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन में होगा। गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने के लिए EU के शीर्ष नेता दिल्ली में हैं। कॉमर्स ऐंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि दोनों पक्ष एक-दूसरे के लिए फायदेमंद फ्री ट्रेड एग्रीमेंट करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इससे दोनों पक्षों के बिजनेस और लोगों को तरक्की होगी। सूत्रों के मुताबिक, इस समझौते से कृषि, डेयरी और फर्मास्यूटिकल्स से जुड़े कुछ मुद्दों को अलग रखा गया है।

गणतंत्र दिवस समारोह और शिखर सम्मेलन के लिए आए EU के टॉप लीडर

गणतंत्र दिवस समारोह और इंडिया-EU समिट के लिए यूरोपियन काउंसिल के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा रविवार को नई दिल्ली पहुंचे। काउंसिल ने कहा, 'मंगलवार को होने वाली 16वें इंडिया-EU समिट के लिए प्रेजिडेंट कोस्टा नई दिल्ली पहुंचे। यह समिट EU-इंडिया की रणनीति साझेदारी को मजबूत बनाने और अहम नीतिगत क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने का एक अवसर होगी।' EU की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन (Ursula von der Leyen) 24 जनवरी को ही भारत आ गई थीं।

गोयल ने EU के ट्रेड कमिश्नर मारो सेफकोविच के X पर पोस्ट के जवाब में कहा, 'इस बात की खुशी है कि हमारे और हमारी टीमों के बीच पिछले सालभर में लगातार रचनात्मक संवाद ने हमें एक सार्थक परिणाम के निकट ला दिया है।' सेफकोविच ने कहा, 'मैं यह बात विश्वास के साथ कह रहा हूं कि हम FTA पर बातचीत पूरी करने के करीब हैं।' एक अधिकारी ने बताया, 'इस समझौते में भारत अपना एग्री सेक्टर में EU को कोई रियायत नहीं देने जा रहा है। इसी तरह EU के कार्बन टैक्स और डीफॉरेस्टेशन एक्ट से जुड़े मुद्दे भी पूरी तरह नहीं सुलझे हैं। हालांकि ओवर ऑल भारत के लिए अब तक का सबसे बड़ा व्यापार समझौता होने जा रहा है।' इससे पहले गोयल ने भी इस FTA को 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा था।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को नई दिल्ली में यूरोपीय संघ के एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा और वॉन डेर लेयेन से मुलाकात की।

US सांसदों के साथ जयशंकर की बात

■ पीटीआई, नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने रविवार को तीन सदस्यीय अमेरिकी कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल के साथ व्यापार और सुरक्षा सहित भारत-अमेरिका संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। यह चर्चा दोनों देशों के बीच संबंधों में जारी तनाव की पृष्ठभूमि में हुई। बैठक में मौजूद अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि वार्ता 'सार्थक' रही और इसका उद्देश्य सुरक्षा, व्यापार और प्रौद्योगिकियों के क्षेत्रों में द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करना था।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHBP User: cci Time: 01-25-2026 23:00 Color:

N.B.T. AI टाइम मशीन

जब हुआ पूर्ण स्वराज का सपना साकार

आज ही के दिन 1950 में हमने अपना संविधान लागू कर खुद को 'सप्रभु लोकतांत्रिक गणराज्य' घोषित किया। डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने देश के पहले राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली। पहली गणतंत्र दिवस परेड राजपथ के बजाय इर्विन स्टेडियम (अब नैशनल स्टेडियम) में हुई थी। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो (Sukarno) मुख्य अतिथि थे। तिरंगा फहराने के साथ हमने पूर्ण स्वराज का अपना सपना साकार किया था।

NBT

भविष्य में लोकतंत्र होगा और मज़बूत

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में भारत का गणतंत्र अधिक सहभागी होगा। लोकतंत्र में नागरिक केवल मतदाता नहीं, बल्कि नीति-निर्माण के सक्रिय भागीदार होंगे। संविधान अपने मूल मूल्यों- न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे को बनाए रखते हुए डाटा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की पीढ़ियों के अधिकारों को समेटेगा। सामाजिक समता व्यवहार में दिखाई देगी और शासन ज्यादा पारदर्शी होगा। भारत का गणतंत्र लोकतांत्रिक मूल्यों का मजबूत उदाहरण बनेगा।

AI image

SPEED News

ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली

खामेनेई कथित रूप से बंकर में शिफ्ट हो गए हैं। यह कदम संभावित अमेरिकी हमलों के बीच उठाया गया है। उनके बेटे कामकाज संभाल रहे हैं।

File

कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने लोगों से देश

में बनी चीजें खरीदने की अपील की है। ये बयान चीन से डील पर ट्रंप की 100 फीसदी टैरिफ धमकी के बाद आया है।

ट्रंप ने ब्रिटिश सैनिकों की तारीफ में कहा कि US का मजबूत बंधन

कभी टूट नहीं सकता। इससे पहले उन्होंने अफगान में गैर NATO सैनिकों पर सवाल उठाया था।

AI image

कनाडा में भारतीय मूल के शख्स की गोली

मारकर हत्या कर दी गई। दिलराज गिल (28) की मौके पर ही मौत हो गई। वह ड्रग केस से दोषी पाया गया था।

SPEED News पर आप अपनी राय हमें 9220747220 पर वट्सऐप करके बताएं।

प्राइवेसी को लेकर Meta पर केस

■ आईएएनएस, नई दिल्ली: अमेरिका में मेटा कंपनी के खिलाफ एक मुकदमा दायर किया गया है, जिसमें दावा किया गया है कि वट्सऐप की प्राइवेसी से जुड़े दावे गलत हैं। आरोप है कि मेटा और वट्सऐप यूजर्स की निजी चैट को स्टोर करते हैं, उनका विश्लेषण करते हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें देख भी सकते हैं। हालांकि, मेटा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा है कि यह मुकदमा बिल्कुल बेबुनियाद है। यह मुकदमा अमेरिका की सैन फ्रांसिस्को जिला अदालत में दायर किया गया है।

अमेरिका की एक अदालत में मुकदमा दायर किया गया है

मनाली में 15 Km लंबा जाम, फंसे हज़ारों टूरिस्ट

PTI

बर्फबारी बनी आफत

मौसम विभाग ने कहा, 26 से 27 जनवरी को बर्फबारी होगी

बुजुर्ग, बच्चे और पर्यटक सबसे ज्यादा परेशान हैं

■ **हाल की** भारी बर्फबारी ने पहाड़ों में जनजीवन पूरी तरह ठप कर दिया है। सड़कों पर मोटी बर्फ और फिसलन के कारण यातायात रुका हुआ है, कई महिंद्रा जाम में फंसी रहीं और लोग घंटों तक अपनी कारों में ही फंसे रहे। जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के राष्ट्रीय राजमार्ग प्रभावित हैं, जिससे राशन और जरूरी सामान की सप्लाई बाधित हो गई है। मनाली में 15 किलोमीटर का जाम लग गया। कई इलाकों में बिजली भी चली गई है, जिससे ठंड और बढ़ गई है। कई लोगों को रात कारों में बितानी पड़ी। प्रशासन ने अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी है। मौसम विभाग ने 26 से 27 जनवरी शाम तक ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी का अनुमान जताया है।

गाड़ी फंसी रही, कई लोगों को कारों में रात बितानी पड़ी

मनाली के पास 10Km NH बंद

मनाली के पास नैशनल हाइवे का करीब 8-10 किलोमीटर हिस्सा बंद है, जिससे सैकड़ों पर्यटक फंस गए हैं। कई पर्यटकों को गाड़ी छोड़कर गहरी बर्फ में 10-20 किलोमीटर तक पैदल चलना पड़ा, जिससे बच्चों और बुजुर्गों को भारी परेशानी हुई।

मुसीबत बरकरार: गाड़ियां फंसने की वजह से कई लोगों को 20 किमी. तक पैदल चलना पड़ा।

लंबा जाम: ताजा बर्फबारी की वजह से मनाली में जीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।

कश्मीर में फंसे शख्स को बचाया

J&K पुलिस ने रविवार को शोपियां जिले में बर्फ में फंसे एक शख्स को सुरक्षित बचा लिया। इसके अलावा बडगाम जिले में दो महिलाओं को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाने में भी पुलिस ने मदद की। खराब मौसम के बावजूद पुलिस की समय पर कार्रवाई से जान बचाई जा सकी।

उत्तराखंड में कई इलाकों में अलर्ट

उत्तराखंड की ऊंचाई वाले इलाकों में लिए हिमस्खलन (बर्फ दरकना) की चेतावनी जारी की गई है। अधिकारियों ने कई जिलों में अलर्ट घोषित किया और सवेदनशील क्षेत्रों में आवाजाही सीमित कर दी। पर्यटकों, ट्रेकर्स और स्थानीय निवासियों को अनावश्यक यात्रा से बचने की सलाह दी गई है।

कटरा-श्रीनगर के बीच स्पेशल ट्रेन

बर्फबारी से सड़क और हवाई यातायात प्रभावित होने से उत्तरी रेलवे के जम्मू मंडल ने अगले सप्ताह कटरा से श्रीनगर के बीच विशेष आरक्षित ट्रेन चलाने का फैसला किया है। पिछले दो दिनों से बंद जम्मू-श्रीनगर नैशनल हाइवे को रविवार को आंशिक रूप से खोला गया। कश्मीर में उड़ान सेवाएं भी बाधित रहीं।

आप सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं!

मुंबई के स्टेशन पर प्रोफेसर की हत्या, 12 घंटे में आरोपी अरेस्ट

PTI

रविवार को प्रो. आलोक का अंतिम संस्कार किया गया। परिजन भावुक दिखे।

■ **भाषा, मुंबई**

प्रो. आलोक सिंह

पुलिस ने कहा, कहासुनी के बाद आरोपी ने की हत्या

राजकीय रेलवे पुलिस (GRP) ने मुंबई में मलाड रेलवे स्टेशन पर एक प्रोफेसर की चाकू से हत्या के मामले में 27 वर्षीय आरोपी को वारदात के 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

बोरीवली जीआरपी के अनुसार, शनिवार शाम हुई हत्या के सिलसिले में आरोपी ओंकार शिंदे को पश्चिमी उपनगर के कुरार इलाके से पकड़ा गया।

अधिकारी ने बताया कि एनएम कॉलेज के प्रोफेसर आलोक कुमार सिंह और शिंदे के बीच लोकल ट्रेन से उतरते समय मामूली कहासुनी हुई, जिसने बाद में हिंसक रूप ले लिया। जानकारी के अनुसार, महिला को पहले ट्रेन से उतारने देने से आरोपी नाराज हो गया था। आरोपी ने मलाड रेलवे स्टेशन के प्लैटफॉर्म 1 पर सिंह के पेट में चाकू घोंप दिया और उन्हें खून से लथपथ छोड़कर फरार हो गया। सिंह को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारी के अनुसार, आरोपी स्टेशन पर मौजूद भीड़ का फायदा उठाकर मौके से भाग गया, लेकिन सीसीटीवी फुटेज की मदद से उसकी पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

अधिकारी ने बताया कि शिंदे को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत गिरफ्तार किया गया है और मामले की जांच जारी है।

बदरी-केदार में गैर हिंदुओं की एंट्री रोकने पर विचार

FILE

अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा, अर्धकुंभ से पहले इस पर फैसला आ सकता है

■ **NBT रिपोर्ट, हरिद्वार**

श्री बदरीनाथ और श्री केदारनाथ मंदिर कमिटी (बीकेटीसी) के अध्यक्ष हेमंत द्विवेदी ने कहा कि कमिटी के स्तर पर केदारनाथ और बद्रीनाथ धाम के अधिसूचित क्षेत्रों में गैर-हिंदुओं की एंट्री पर बैन का विचार किया जा रहा है। केदारनाथ क्षेत्र के लिए इस प्रस्ताव में पूरी घाटी के उस इलाके को ही शामिल करने पर विचार किया जा सकता है, जहां से यात्रा शुरू होती है। इस बारे में बीकेटीसी सरकार से इस बारे में बात कर सकती है।

हेमंत द्विवेदी ने कहा, जहां सनातन आस्था से जुड़े अनुष्ठान, धार्मिक गतिविधियां और श्रद्धालुओं की आवाजाही ज्यादा होती है, वहां विशेष प्रावधानों की जरूरत है। उन्होंने संकेत दिया कि शासन स्तर पर भी अर्धकुंभ से पूर्व इस मामले पर कोई फैसला सामने आ सकता है। सरकार इस पर विचार हो रहा है। हेमंत द्विवेदी का कहना है कि वन क्षेत्रों और पर्वतीय इलाकों में अवैध निर्माणों पर सरकार ने सख्ती दिखाई है। देवभूमि की सांस्कृतिक पहचान पर जोर देते हुए हेमंत द्विवेदी ने कहा कि उत्तराखंड को देश-दुनिया में देवभूमि के रूप में जाना जाता है, जहां चारधाम सहित अनेक प्राचीन देवालय हैं और पवित्र नदियों का उद्गम भी यहीं से होता है। उन्होंने राज्य की धार्मिक विरासत को विशेष संरक्षण देने की जरूरत दोहराई। हरिद्वार डाम कोठी में आयोजित एक कार्यक्रम में हेमंत द्विवेदी ने कहा कि अर्धकुंभ करोड़ों सनातन श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़ा महा आयोजन है, ऐसे में तीर्थ स्थलों की पवित्रता और धार्मिक स्वरूप बनाए रखने के लिए नीतिगत स्तर पर ठोस फैसले की उम्मीद है।

30-35 अज्ञात पर FIR

मसूरी में बाबा बुल्लेशाह की मज़ार तोड़ी, विडियो वायरल

■ **NBT रिपोर्ट, देहरादून:** उत्तराखंड के मसूरी में एक प्राइवेट स्कूल की जमीन पर बनी बाबा बुल्लेशाह की मजार तोड़ दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी के अनुसार, शनिवार देर शाम हुई घटना के बाद मौके पर बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और विरोध प्रदर्शन करने लगे। मामले में 30-35 अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। बाबा बुल्लेशाह कमिटी ने इस घटना पर गहरा आक्रोश जताया और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है। घटना का एक विडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। विडियो में कुछ युवक मजार को तोड़ते हुए और धार्मिक नारे लगाते नजर आ रहे हैं, जिसके बाद शहर में एक बार फिर तनाव का माहौल बना हुआ है।

बाबा बुल्लेशाह कमिटी ने आक्रोश जताया है

कुछ दिन पहले कुछ हिंदूवादी संगठनों ने इसी मजार को लेकर धरना-प्रदर्शन किया था, जिसके बाद प्रशासन के हस्तक्षेप से हालात काबू में आ गए थे। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे विडियो में मजार को नुकसान पहुंचाते हुए युवक दिखाई दे रहे हैं। बढ़ रहे तनाव को ध्यान में रखा पुलिस प्रशासन ने विडियो और उसमें शामिल लोगों की पहचान की जांच शुरू कर दी है।

बाबा बुल्ले शाह समिति के अध्यक्ष रजत अग्रवाल ने बताया, मजार को नुकसान पहुंचाने के साथ ही मजार की सभी लाइटें तोड़ दी गई हैं। कहा, कुछ लोग जानबूझकर शहर का माहौल खराब करने की कोशिश कर रहे हैं।

ओडिशा में नॉन वेज बैन का आदेश वापस

■ **पीटीआई, कोरापुट:** जन आक्रोश के बाद ओडिशा में कोरापुट के कलेक्टर मनोज सत्यवान महाजन ने गणतंत्र दिवस पर मांस, चिकन, मछली, अंडे और अन्य मांसाहारी खाने की बिक्री पर रोक संबंधी आदेश रविवार को वापस ले लिया। यह आदेश 23 जनवरी को जारी किया गया था, जिसमें तहसीलदारों, बीडीओ और नगर निकायों को अपने-अपने क्षेत्र में प्रतिबंध लागू करने के निर्देश दिए गए थे। इसके बाद विरोध हुआ था। ताजा आदेश में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि यह निर्देश जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस तैयारी समिति के सुझाव पर जारी हुआ था।

कोरापुट में गणतंत्र दिवस पर बैन से जुड़े आदेश के बाद विरोध हुआ था

10 लाख की आबादी पर स्टडी

कोविड के बाद गर्भ में मौत के मामले बढ़े

AI image

- कोविड से पहले प्रति हजार जन्म पर 13 मौत
- कोविड के बाद प्रति हजार वर्ष पर 18 स्टिलबर्थ के मामले

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** हाल में ही प्रकाशित एक स्टडी के मुताबिक कोविड-19 के बाद भारत में गर्भ के आखिरी महीनों में बच्चों की मौत (स्टिल बर्थ) के मामले पहले से कहीं अधिक बढ़ गए हैं। यह खुलासा बीएमसी जर्नल में छपी उस स्टडी में हुआ है, जिसे पब्लिक हेल्थ फाउंडेशन ऑफ इंडिया की शोधकर्ता डॉ. राखी डांडोना ने लीड किया है। ये स्टडी 21 जनवरी को प्रकाशित हुई है।

यह स्टडी 9 राज्यों के 2.4 लाख से ज्यादा घरों पर आधारित है। जिसमें करीब 10 लाख की आबादी को कवर किया गया। इन घरों में 59,639 जन्म दर्ज हुए, लेकिन इनमें से 878 मामलों में बच्चा गर्भ में ही दम तोड़ गया।

तस्वीर कितनी गंभीर?

रिसर्च के मुताबिक, हर 1,000 जन्म पर 5 बच्चों की मौत डिलीवरी के दौरान हो रही है। इससे साफ है कि खतरा सिर्फ घर पर प्रसव तक सीमित नहीं है, बल्कि अस्पताल पहुंचने के बाद भी खतरा है।

BP, एनीमिया वजहें?

सबसे परेशान करने वाली बात यह रही कि हर तीन में से सिर्फ एक परिवार को ही डॉक्टरों ने बताया कि नवजात की मौत क्यों हुई। जहां वजह बताई गई, उसमें हाई ब्लड प्रेशर, खून की कमी, संक्रमण या बच्चा गर्भ में ही मर जाना जैसी बातें सामने आईं।

बैद्यनाथ
स्थापना - 1917
असली आयुर्वेद

Scan to buy

हर महीने का सहारा,
हर महिला की सखी

33 पोषक तत्वों युक्त जड़ी-बूटियों से बना टॉनिक

अशोक — जलन और सूजन में सहायक
शतावरी — हार्मोन संतुलन और थकान में लाभकारी
अश्वगंधा — तनाव में राहत, ऊर्जा में बढ़ोतरी
अनंतमूल — रक्त को साफ रखने में मददगार

*See pack for more information Radicle/Baidyanath / JAN 2026

www.baidyanath.co.in 1800-102-8384 contact@baidyanath.co.in

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: MahanagarBook2 Edition: 1 Page: PP2NBMA1 User: cci Time: 01-25-2026 14:12 Color:

WATCH GOD WATCHDOG

NBT नवभारत टाइम्स

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

एजेंसी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का ऐंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

लाल किले से कर्तव्य पथ तक 'किलेबंदी' ज़मीन से आसमान तक 'पहरा'

गणतंत्र दिवस परेड की जगह पर CCTV कंट्रोल रूम बनाया गया है। परेड रूट पर नजर रखने के लिए 1,000 से ज्यादा HD कैमरे भी लगाए गए हैं

गणतंत्र दिवस के भव्य समारोह की सुरक्षा के लिए पूरी तैयारी, बॉर्डर भी भी कड़ी नज़र

Vishal.Sharma3@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली: आज गणतंत्र** दिवस के भव्य समारोह की सुरक्षा के लिए पूरी दिल्ली में किलेबंदी है। सटे हुए बॉर्डर एरिया छावनी में तब्दील हैं। लाल किले से लेकर कर्तव्य पथ तक पूरा एरिया सील रहेगा। परेड देखने जा रहे हैं तो सुरक्षा नियमों का ध्यान रखें।

लाल किला के पास फिदायीन हमले को देखते हुए खुफिया इनपुट है कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अलगाववादी संगठन की निगाहें देश में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी फैलाने की फिराक में हैं। खासकर जैश ए मोहम्मद के फिदायनी हमला कर सकते हैं। खुफिया एजेंसियों के इनपुट पर सुरक्षा एजेंसियों की संदिग्ध लोगों खासकर बांग्लादेशी/रोहिंग्या ग्रुप से जुड़ी हर गतिविधी पर पैनी नजर है।

गणतंत्र दिवस परेड की जगह पर CCTV कंट्रोल रूम बनाया गया है। परेड रूट पर नजर रखने के लिए 1,000 से ज्यादा HD कैमरे लगाए गए हैं। मेटल डिटेक्टर के अंदर छह CCTV कंट्रोल रूम बनाए गए हैं। जिनमें से एक कर्तव्य पथ पर है। यह कंट्रोल रूम फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम (FRS) से भी जुड़ा हुआ है, जिसमें रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए संदिग्धों का डेटा सिस्टम में फीड किया गया है।

पूरी दिल्ली में 70 कंपनी पैरा मिलिट्री फोर्स की तैनात है। जंक्शन शूटरों के लिए 500 कवरिंग पॉइंट्स बनाए गए हैं। जिनमें दिल्ली से सटे यूपी, हरियाणा बॉर्डर एरिया भी शामिल हैं। यमुना में दिल्ली पुलिस के कमांडो, गोताखोरों की टीम के साथ लगातार गश्त पर रहेंगे, ताकि किसी भी घुसपैठ की कोशिश को नाकाम किया जा सके।

दिल्ली पुलिस की अपील

किसी तरह के संदिग्ध शख्स या पब्लिक मूवमेंट वाली जगहों पर लावारिस सामान देखें तो पुलिस को इत्तला दें। पुलिस का सहयोग करें।

परेड देखने आएं, ये न लाएं

1. खाने पीने की चीजें
2. थैला, ब्रीफकेस
3. रेडियो, ट्रांजिस्टर, टेप रिकॉर्डर,
4. कैमरा, दूरबीन, हैंडीकैम
5. थर्मस, पानी की बोतल, कैन, छाता, सिग्नैल्स, टॉर्चज
6. ज्वलनशील पदार्थ, माचिस
7. डिजिटल डायरी, आईपैड, टैबलेट, पेन ड्राइव
8. सिगरेट, बीड़ी, लाइटर
9. शराब, ड्रग्स, स्पे
10. नुकीला हथियार, पेचकस

फेक न्यूज पर अब डिजिटल वार, AI संग सेना भी तैयार

ऑपरेशन सिंदूर से लिया बड़ा सबक, सेना को जल्द मिलेगा स्वदेशी AI सिस्टम

Poonam.Pandey@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेना एक ऐसे मोर्चे पर भी लड़ रही थी जो दिखता नहीं था लेकिन असर बेहद गहरा था, फेक न्यूज और दुष्प्रचार का मोर्चा। पाकिस्तान की तरफ से झूठे वीडियो, भ्रामक दावे और डिसइन्फॉर्मेशन सोशल मीडिया पर लगातार फैलाए जा रहे थे। इनका मकसद न सिर्फ भ्रम पैदा करना था, बल्कि सैन्य अभियानों और संस्थानों की साख को भी नुकसान पहुंचाना था। भारतीय सेना और दूसरी एजेंसियों ने मिलकर इस दुष्प्रचार का जवाब दिया। कई सोशल मीडिया हैंडल ब्लॉक किए गए, लेकिन इस लड़ाई में वक्त और संसाधन दोनों लगे।

खुद चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान यह स्वीकार कर चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान करीब 15 फॉर्ट वक्त फर्जी और झूठी खबरों का जवाब देने में चला गया। अब फेक न्यूज से निपटने के लिए सेना को जल्द ही एक पूरी तरह स्वदेशी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) आधारित सिस्टम मिलने वाला है।

दुष्प्रचार और फेक न्यूज के बढ़ते खतरे को देखते हुए भारतीय सेना ने भारतीय विज्ञान संस्थान (IISc), बेंगलुरु के साथ एक एमओयू पर साइन किए हैं। इस एमओयू के तहत सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर फैलने वाली मिसइन्फॉर्मेशन, डिसइन्फॉर्मेशन और भ्रामक कंटेंट की पहचान, निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए एक पूरी तरह AI सिस्टम विकसित किया जाएगा।

सेना के अधिकारियों ने कहा कि सूचना के बढ़ते प्रवाह को देखते हुए यह महसूस किया गया कि अब तकनीकी समाधान जरूरी है।

AI Image

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की तरफ से झूठे विडियो फैलाए जा रहे थे

भारतीय सेना ने IISc, बेंगलुरु के साथ एक एमओयू पर साइन किए

निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए एक पूरी तरह AI सिस्टम विकसित किया जाएगा

सबसे बड़ी चुनौती है फेक न्यूज की पहचान

फेक न्यूज से लड़ाई की सबसे बड़ी चुनौती उसकी पहचान है। सोशल मीडिया का दायरा इतना बड़ा और तेज है कि मैन्युअल तरीके से यह पता लगाना मुश्किल हो जाता है कि कहां और किस तरह की गलत जानकारी फैलाई जा रही है। इसके अलावा किसी विदेशी सिस्टम के इस्तेमाल से डेटा और सूचना के कॉम्प्रोमाइज होने का खतरा भी बना रहता है। इन चुनौतियों से निपटने के लिए पूरा प्लान बनाने की जरूरत और भी ज्यादा गंभीर हो गई थी यही वजह है कि सेना ने पूरी तरह स्वदेशी समाधान पर भरोसा जताया है। इस जरूरत को ध्यान में रखते हुए तैयार किए जा रहे AI आधारित सिस्टम को IISc बेंगलुरु अपने औद्योगिक साझेदार Indy Astra के सहयोग से विकसित करेगा। इस प्रोजेक्ट की खासियत यह है कि इसका डिजाइन, विकास और संचालन पूरी तरह देश में ही होगा। इससे न सिर्फ डेटा सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित होगी बल्कि सूचना संप्रभुता भी बनी रहेगी। माना जा रहा है कि इस कदम से मजबूती मिलेगी।

जेजे क्लस्टर में पानी की परेशानी दूर करेगी NDMC

AI Image

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** नई दिल्ली नगर पालिका परिषद (एनडीएमसी) के अधिकार क्षेत्र में आने वाली जेने क्लस्टर में रहने वाले हजारों लोगों को अब पीने के पानी के लिए वॉटर टैंकर पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। एनडीएमसी ने हर घर जल योजना-अमृत 2.0 के तहत 34 जेने क्लस्टर में पानी के कनेक्शन देने की योजना बनाई है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत विनय मार्ग पर स्थित जेने क्लस्टर में 24 घंटे सातों दिन पानी की सप्लाई करने की योजना पर काम शुरू किया जा चुका है।

एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि हर घर जल योजना-अमृत 2.0 एक व्यापक प्रोजेक्ट है। इस प्रोजेक्ट के तहत पीने के पानी सप्लाई में सुधार के साथ साथ बरसाती पानी की निकासी और सीवेज सिस्टम को मजबूत बनाया जाएगा। इसके लिए अत्याधुनिक तकनीक की भी मदद ली जा रही है। उन्होंने बताया कि यह प्रोजेक्ट इसी साल शुरू किया गया और इसे साल के आखिर तक करने पूरा कर लिया जाएगा। चहल ने बताया कि पानी की जर्नर लाइनों को बदलने का काम भी शुरू किया जा चुका है।

बजट 2026 काउंटडाउन

PM मुद्रा योजना में बढ़ सकती है कर्ज की सीमा

File Photo

मुद्रा योजना के तहत दिए जाने वाले कर्ज को शुरुआती श्रेणी में दोगुना किया जा सकता है

Akhilesh.Singh1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** इस बार के आम बजट में प्रधानमंत्री मुद्रा योजना के तहत दिए जाने वाले कर्ज में बढ़ोतरी का कदम उठाया जा सकता है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार का फोकस रोजगार के मौके बढ़ाने पर है, जिसे देखते हुए मुद्रा योजना के तहत दिए जाने वाले कर्ज को शुरुआती श्रेणी में दोगुना किया जा सकता है।

8 अप्रैल 2015 को शुरू की गई इस योजना के तहत शिशु कैटिगरी में 50 हजार रुपये तक, किशोर कैटिगरी में 50 हजार से 5 लाख रुपये तक, तरुण कैटिगरी में 5 लाख से 10 लाख रुपये तक और तरुण प्लस कैटिगरी में 10 लाख से 20 लाख रुपये तक का लोन दिया जाता है। ये लोन मैन्युफैक्चरिंग, ट्रेडिंग, सर्विस सेक्टर और कृषि से जुड़ी गतिविधियों के लिए दिए जाते हैं और इनके लिए कुछ भी गिरवी नहीं रखना होता है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2024-25 के आम बजट में कर्ज की अधिकतम सीमा बढ़ाकर 20 लाख रुपये करने की घोषणा की थी। इसके अनुसार अक्टूबर 2024 में तरुण प्लस की नई कैटिगरी में 20 लाख रुपये तक के लोन की व्यवस्था की गई थी।

शिशु कैटिगरी में लोन लिमिट दोगुनी करने पर विचार

हालांकि बड़ी श्रेणियों में मिलने वाले कर्ज की सीमा पिछले 10 वर्षों से जस की तस है, जबकि इस दौरान कोई भी उद्यम शुरू करने के लिए फाइनैंसिंग की जरूरत बढ़ चुकी है। एक अधिकारी ने बताया, 'इस योजना में लोन की लिमिट बढ़ाई जा सकती है। शुरुआती श्रेणी में इसे दोगुना किया जा सकता है।'

नागरिक आवास योजना-2026

25 पर्सेंट डिस्काउंट पर मिलेंगे DDA फ्लैट्स

AI Image

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

सरकारी कर्मचारियों के बाद अब आम लोगों के लिए भी डीडीए ने इस साल की पहली बड़ी हाउसिंग स्कीम उतार दी है। इसमें आम लोगों को भी 25 प्रतिशत डिस्काउंट पर डीडीए के फ्लैट्स मिलेंगे। हाउसिंग स्कीम में एचआईजी, एमआईजी, एलआईजी और ईडब्ल्यूएस के भी फ्लैट्स शामिल हैं। कुल 1720 फ्लैट्स नरेला और सिरसपुर में उतारे गए हैं। अधिकांश फ्लैट्स नरेला में हैं।

डीडीए के अनुसार यह स्कीम अफोर्डेबल हाउसिंग का हिस्सा है। बीते काफी समय से प्रीमियम स्कीमों के अलावा भी इस तरह की स्कीम की डिमांड लोगों से मिल रही थी।

कितने फ्लैट्स है इस स्कीम में: डीडीए के अनुसार इस स्कीम में 1301 फ्लैट्स नरेला और 411 फ्लैट्स सिरसपुर में हैं। सिरसपुर के सभी फ्लैट्स एलआईजी कैटेगिरी हैं। वहीं नरेला में 298 एचआईजी, 459 एमआईजी, 481 एलआईजी और 63 ईडब्ल्यूएस के फ्लैट्स हैं।

किस कैटिगरी के कितने फ्लैट

कैटिगरी	कहां	कितने	कीमत (डिस्काउंट के साथ)
एचआईजी	नरेला	298	1.13 करोड़ से 95.88 लाख
एमआईजी	नरेला	459	82.22 से 66.28 लाख
एलआईजी	नरेला	481	15.26 से 15.32 लाख
एलआईजी	सिरसपुर	411	11.51 से 11.71 लाख
ईडब्ल्यूएस	नरेला	63	9.60 से 9.69 लाख

नॉटिफिकेशन जारी, पानी का कनेक्शन, कब्जाजारी शामिल नहीं है।

कैसे करें अप्लाई

रकीम में रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया शुरू शुरू हो चुकी है। फ्लैट्स की बुकिंग 28 जनवरी से शुरू होगी। फ्लैट्स की बुकिंग डीडीए के पोर्टल eservices.dda.org.in से होगी। पहले आओ पहले पाओ के आधार पर यह फ्लैट्स मिलेंगे। रजिस्ट्रेशन के लिए 2500 रुपये का शुल्क लगेगा। यह नॉन रिफंडेबल होगा। एचआईजी फ्लैट्स की बुकिंग के लिए दस लाख रुपये बुकिंग अमाउंट, एमआईजी के लिए चार लाख, एलआईजी के लिए एक लाख और ईडब्ल्यूएस के लिए 50 हजार रुपये का बुकिंग अमाउंट है।

एम्स में हार्ट सर्जरी में आई बड़ी गिरावट, कई साल की वेटिंग

सितंबर में बना था नया रेकॉर्ड, फिर आने लगी कमी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:**

देश के सबसे बड़े मेडिकल इंस्टीट्यूट एम्स दिल्ली में हार्ट सर्जरी की संख्या में कमी आ रही है। पिछले कुछ महीनों में सर्जरी की संख्या में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है, यह स्थिति तब है जब यहां सर्जरी के लिए सालों की वेटिंग है। जबकि एम्स के कार्डियक थोरेसिक वैस्कुलर सर्जरी (CTVS) विभाग को पिछले साल सितंबर में दुनिया के बेस्ट स्पेशलाइज्ड अस्पताल में शामिल किया गया था, दिल्ली ही नहीं पूरे देश से मरीज यहां पर हार्ट की कॉम्प्लेक्स सर्जरी के लिए आते हैं।

दरअसल, सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एम्स कार्डियक सर्जरी विभाग औसतन रोज सर्जरी होती है। इसलिए यहां पर कुल सर्जरी की संख्या में इजाफा भी हुआ था। अगस्त में यहां पर लगभग 370 सर्जरी की गई थी, जो सितंबर में 400 के पार पहुंच गया था, जो अपने आप में एक रिकॉर्ड है। पहली बार एक महीने में 400 से ज्यादा सर्जरी इस विभाग में की गई थी। लेकिन इसके बाद सर्जरी में कमी आनी शुरू हुई। अक्टूबर में मामूली कमी रही, लगभग 390 के आसपास रहा। नवंबर में यह कम होकर लगभग 350 पर आ गया। दिसंबर में इसमें और कमी दर्ज की गई, जो लगभग 320 से 325 आ पहुंचा। अब इस नए साल के 15 जनवरी तक लगभग 100 से 105 सर्जरी बताई जा रही है।

दिसंबर में 325 और 15 जनवरी तक 100 ही सर्जरी

सूत्रों का कहना है कि इस विभाग ने एम्स में एक नया ट्रेंड शुरू किया है, जहां पर सर्जन रोज सर्जरी करते हैं। लेकिन अब फिर से इसमें कमी आना, न सवाल उठा रहा है।

पूरे देश से एम्स में हार्ट की कॉम्प्लेक्स सर्जरी के लिए मरीज आते हैं।

प्रशासन की तरफ से जवाब नहीं आया

पिछले साल सितंबर में पत्रिका न्यूजवीक की रैंकिंग में एम्स के कार्डियक सर्जरी विभाग को 48वीं रैंकिंग मिली थी, जो बड़ी उपलब्धि रही है। सर्जरी की कमी के सवाल पर एम्स की मीडिया प्रोटोकॉल ने कहा कि सर्जरी में कमी नहीं आई है, लेकिन जब पूछा गया कि कमी नहीं आई है तो कितनी सर्जरी हो रही है, इसकी संख्या उपलब्ध कराए, इसके बाद प्रशासन की तरफ से जवाब नहीं आया।

छिड़ी बहस यूजीसी (प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टिट्यूशन) रेगुलेशंस सरकार के सामने एक और चुनौती

UGC के नए रेगुलेशन पर विवाद क्यों?

Bhupender.Sharma@timesofindia.com

■ **NEET PG** की कटऑफ मार्क्स 40 किए जाने के बाद देश में छिड़ी नई बहस के बाद अब सरकार के सामने UGC के नए रेगुलेशन भी चुनौती बनते दिख रहे हैं। वैसे यूजीसी के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में भी याचिका दाखिल हो गई है और राजनीतिक तौर पर यह मुद्दा आने दिनों में गर्मा सकता है। उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता की पृष्ठभूमि को आधार बनाते हुए सरकार ने पुराने नियमों में संशोधन करके यूजीसी (प्रमोशन ऑफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन) रेगुलेशंस 2026 जारी किए हैं और इसी रेगुलेशन में 3 (C) को भेदभावपूर्ण बताते हुए गैर- संवैधानिक घोषित करने की मांग देश की सर्वोच्च अदालत से की गई है। सरकार के स्टैंड पर सबकी नजर रहेगी क्योंकि छात्रों के एक वर्ग ने इस रेगुलेशन को वापस लिए जाने की मांग करते हुए चेतावनी भी दी है।

अभी तक क्या थी व्यवस्था?

यूजीसी ने उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे अनुसूचित जाति और अनुसूचित जन जाति के छात्रों के लिए कुछ खास नियम बना रखे हैं। पहली बार एससी- एसटी के छात्रों के साथ OBC (अन्य पिछड़ा वर्ग) की जातियों से आने वाले छात्रों को भी शामिल किया गया है। 13 जनवरी को अधिसूचित Promotion of Equity in Higher Education Institutions Regulations, 2026 के नियम 3(सी) को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। आरोप कि यह सामान्य वर्ग के छात्रों और शिक्षकों के खिलाफ भेदभाव को बढ़ावा देता है।

■ नए रेगुलेशन पर कैसे शुरू हुआ विवाद?

यूजीसी ने उच्च शिक्षण संस्थानों में जातिगत भेदभाव को रोकने के उद्देश्य के साथ 13 जनवरी 2026 को नया रेगुलेशन नोटिफाई किया। यूजीसी का दावा है कि इससे एससी, एसटी और ओबीसी छात्रों के खिलाफ होने वाले जातिगत भेदभाव को रोकने में मदद मिलेगी। यूजीसी ने यूनिवर्सिटी के प्रमुख की जवाबदेही भी तय की है और हर शिकायत पर एक्शन के लिए तय समय- सीमा के भीतर कार्रवाई करना अनिवार्य किया है। नियमों का पालन न करने पर यूनिवर्सिटी के खिलाफ भी कड़े एक्शन का प्रावधान है। रेगुलेशन नोटिफाई होने के बाद देश के कई हिस्सों में शुरू हुआ विवाद बढ़ता गया और सोशल मीडिया पर भी हैशटैग ट्रेंड होने लगा। बीते शनिवार को इन नियमों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है।

■ रेगुलेशन में 3 (C) को लेकर क्या आपत्ति?

नए रेगुलेशन में 3 (C) को परिभाषित करते हुए कहा गया है कि जाति आधारित भेदभाव का अर्थ अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों एवं अन्य पिछड़े वर्गों के सदस्यों के खिलाफ जाति या जनजाति के आधार पर भेदभाव। जबकि जनवरी 2025 के यूजीसी के ड्राफ्ट रेगुलेशन में दी गई 3 (C) की परिभाषा में ओबीसी का जिक्र नहीं था।

■ नए रेगुलेशन की क्या है खास बातें?

कोई भी उच्च शिक्षा संस्थान भेदभाव के किसी भी रूप की अनुमति नहीं देगा या उसे नजरअंदाज नहीं करेगा। यह सुनिश्चित करना संस्थान के प्रमुख का कर्तव्य होगा कि इन रेगुलेशंस का पूरी तरह से पालन हो और इस उद्देश्य के लिए उसके पास सभी आवश्यक शक्तियां होंगी।

कार में बाइक ने मार दी टक्कर, एक की हुई मौत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

एनएच-9 पर 21 जनवरी को सड़क किनारे खड़ी खराब बोलेरो पिकअप में पीछे से बाइक सवार ने टक्कर मार दी। घायल को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान खोड़ा कॉलोनी गाजियाबाद यूपी निवासी 55 वर्षीय जगदीश प्रसाद मौर्य के तौर पर हुई। आशंका जताई जा रही है कि कोहरे के कारण बाइक सवार को गाड़ी दिखाई नहीं पड़ी होगी और बोलेरो पिकअप में टक्कर मार दी होगी। हालांकि पिकअप चालक ने बिना इंडिकेटर जलाए और बिना पार्किंग लाइट जलाए लापरवाही से गाड़ी छोड़ कर चला गया था। इस आधार पर उसके खिलाफ बीएनएस की धारा 281/106 के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

21 जनवरी को पांडव नगर इलाके की है घटना

पुलिस अधिकारी ने बताया कि 21 जनवरी को एलबीएस अस्पताल में 55 वर्षीय जगदीश प्रसाद के एमएलसी की सूचना मिली थी। पुलिस वाले अस्पताल पहुंचे तो एमर्जेंसी का पता चला। उसके बाद उनके परिवार को सूचना दी गई। पुलिस वाले एनएच-9 गाजीपुर बॉर्डर से सराय काले खां की तरफ जाने वाली सड़क पोल नंबर 121 व 122 के बीच संजय झील के पास पहुंचे। जांच में पता चला कि पिकअप चालक गाड़ी खराब होने पर लापरवाही से गाड़ी छोड़ कर मैकेनिक को खोजने चला गया था। उसके लापरवाही के कारण बाइक सवार की मौत हो गई।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: MahanagarBook2 Edition: 1 Page: PP2NBMA2 User: cci Time: 01-25-2026 15:35 Color:

राष्ट्रों के बीच मित्रता स्थायी भावनाओं पर नहीं, बल्कि साझा हितों पर आधारित होती है।
हेनरी किसिंजर, अमेरिकी राजनीतिज्ञ

एक क़दम दूर

भारत और यूरोपीय यूनियन का रिश्ता ऐतिहासिक मुकाम से बस एक कदम दूर है। आज जब देश अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है और उसमें यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष एंतोनियो लूईस सांतोस दा कोस्टा और यूरोपीय कमिशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन भी शामिल हैं, तो उम्मीद कर सकते हैं कि वह एक कदम का फासला भी तय हो जाएगा। लंबे समय से अटके फ्री ट्रेड एग्रीमेंट को फाइनल करने का यही सही समय और मौका है।

EU से ट्रेड डील जल्द

दुनिया की जरूरत । इस मुक्त व्यापार समझौते को 'मदर ऑफ ऑल डील्स' कहा जा रहा है यानी सभी समझौतों से बढ़कर। भारत-EU मिलकर ग्लोबल GDP का करीब एक चौथाई बनाते हैं और दोनों के पास 1.9 अरब के करीब की विशाल आबादी है। यह समझौता केवल इन दोनों के लिए ही नहीं, आज की वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए पूरी दुनिया की जरूरत है।

सहमति से सहयोग । उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने कहा है कि बहुध्रुवीय व्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय कानून और लोकतंत्र जैसे मूल्य चुनौती के दौर से गुजर रहे हैं। ऐसे में भारत को यूरोप ऐसे साझेदार के रूप में देख रहा है, जिससे संतुलन स्थापित करने में मदद मिल सकती है। यूरोपीय कमिशन की अध्यक्ष ने दबाव डालकर नहीं, बल्कि भर्जी से सहयोग की बात कही है। यह लहजा आज के संदर्भ में और भी महत्वपूर्ण हो जाती है, खासकर अमेरिका को लेकर।

अमेरिकी दबाव का सामना । भारत और यूरोप, दोनों ही अमेरिका की दबाव वाली नीति का सामना कर रहे हैं। अमेरिका के साथ भारत की डील अटकी हुई है। हालांकि अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने संकेत दिए हैं कि भारत पर लगा अतिरिक्त 25% टैरिफ हट सकता है, पर उन्हें यूरोप के साथ FTA पर नाराजगी भी है। यह तब है, जब खुद अमेरिका के मुताबिक भारत ने रूस से तेल खरीदना बिल्कुल बंद कर दिया है। ग्रीनलैंड को लेकर नाराजगी अमेरिका की यूरोप से भी है। ट्रंप ने 8 यूरोपीय देशों पर 10% अतिरिक्त टैरिफ की धमकी दी थी, पर यूरोप की एकजुटता के सामने उन्हें पीछे हटना पड़ा।

बराबरी का दर्जा । भारत का संविधान सभी को बराबर का दर्जा देता है, जिसमें बिना किसी भेदभाव के हर नागरिक को आगे बढ़ने का मौका और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार मिला है। दुनिया में भी भारत इसी व्यवस्था का पक्षधर रहा है, जहां महाशक्तियों के दबाव में नहीं, साझा हितों के आधार पर नीतियां बनाई जाएं। 26 जनवरी इन बातों को मजबूती से स्थापित करने का अवसर है।

नश्तर

एक ऐतिहासिक सपना

साहब मंच से उतरे। सभा से बाहर निकलते ही वाले थे कि भक्त ने माला पहनाते हुए कहा, 'ऐतिहासिक भाषण दिया आपने।' साहब ने मुस्कुराहट को होंठों और गालों के पीछे समेटा और बोले, 'ऐतिहासिक रैली। ऐतिहासिक भीड़। ऐतिहासिक इंतजाम।' चैनलों पर पट्टियां चलने लगीं- ऐतिहासिक, ऐतिहासिक, ऐतिहासिक। मुझे कक्षा 3 में पढ़ने वाले अपने बच्चे की चिंता हुई, जिस तेजी से इतिहास बन रहा है 10वीं में पहुंचते-पहुंचते उसकी इतिहास की किताब और मोटी हो जाएगी।

सौरभ श्रीवास्तव

रैली से निकलकर घर पहुंचा। सोशल मीडिया खोला और एक कविता में कविता तलाशने लगा। नीचे कमेंट पढ़ा- ऐतिहासिक कविता। गुस्से में मोबाइल फेंकने वाला था पर याद आया अभी किस्तें पूरी नहीं हुई हैं। खिड़की से गुनगुनी धूप आ रही थी। धूप सेंकते-सेंकते आंख लग गई। सपना सीधे कक्षा-6 में ले गया। परीक्षा की तैयारी का समय था। किताब से निकल कर एक शरबोर सामने आ गए। बोले, 'चेतक वाली कविता मत याद करना।' पूछने पर बोले, 'मैंने अपने घोड़े को वर्तमान में यह पता करने भेजा है कि इतना ज्यादा और तेजी से इतिहास कैसे बन रहा है। पहले मैं और चेतक दूसरे चैप्टर में आते थे। अब अंत में पहुंच गए हैं। आगे ऐतिहासिक भाषण, ऐतिहासिक जनसभाएं, ऐतिहासिक फैसले भर रे जा रहे हैं। इससे पहले कि मैं इतिहास से बाहर हो जाऊं, पता तो कर लूं कि ऐसा क्यों हो रहा है?' मैंने पूरे अदब से कहा, 'देखिए, चेतक की घोड़े के रूप में वापसी की उम्मीद कम ही है।' अब क्यों... पूछने की बारी उस शरबोर की थी। 'वर्तमान में घोड़े, गधे बराबर हैं।' मैंने यह कहा ही था कि वह बहुत निराश हो गए और सिर झुकाकर जाने लगे। जाते-जाते रुके और मेरे कंधे पर हाथ रखते हुए बोले- 'मेरा पाठ भी मत याद करना। इतिहास में ही रही, पर मैं गधे की सवारी नहीं कर पाऊंगा। बाकी मेरे पाठ वाले पन्नों पर कुछ न कुछ ऐतिहासिक आ ही जाएगा।' मैं लगातार कोशिश कर रहा था कि यह बुरा सपना टूट जाए पर ऐसा हो नहीं रहा था।

एकदा

संकलन : रेनू सैनी

नेताजी का युद्ध घोष

5 जुलाई 1943 का दिन इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित हो गया। उस दिन सिंगापुर टाउन हॉल के सामने वाले मैदान में नेताजी सुभाषचंद्र बोस ने पहली बार सुप्रीम कमांडर के रूप में आजाद हिंद फौज की सलामी ली। इसके बाद फौज में जोश एवं आत्मविश्वास का संचार करते हुए बोले, 'हथियारों की ताकत और खून की कीमत से तुम्हें आजादी प्राप्त करनी है।' पूरी फौज ने उनकी बात का हाथ हिलाकर समर्थन किया। नेताजी के शब्द फौज के हर जवान के दिलो-दिमाग में कुर्बानी का जज्बा भर रहे थे, 'मेरे वीरो! तुम्हारा युद्धघोष होना चाहिए- दिल्ली चलो! आजादी की इस लड़ाई में हममें से कितने बचेंगे, मैं नहीं जानता, पर मैं यह जानता हूं कि अंत में हम जीतेंगे और जब तक हमारे बचे हुए योद्धा दिल्ली के लालकिले पर परचम नहीं लहरा लेते, हमारा मकसद पूरा नहीं होगा।' उनके वक्तव्य के दो शब्द - दिल्ली चलो - एक प्रमुख नारा बनकर उभरे। यह नारा और इससे उपजा जोश आजाद हिंद फौज के जवानों तक सीमित नहीं रहा। इसने समस्त देशवासियों को आजादी के लिए मर-मिटने को प्रेरित किया। इस साझा संकल्प का ही परिणाम था कि 15 अगस्त 1947 को अपना देश आजाद हुआ।

Subrata Dhar

कार्नी की दावोस स्पीच में जो सचाइयां हैं, पश्चिम उससे अभी भी नजरें चुरा रहा है

अपना भाग्य विधाता ख़ुद बने भारत

कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की दावोस स्पीच ने दुनिया का ध्यान खींचा है। इसमें उन्होंने कहा, 'अमेरिकी नेतृत्व से कई फायदे हुए। खासकर पर व्यापार, खुले समुद्रों, मार्गों, स्थायी वित्तीय तंत्र और सामूहिक सुरक्षा जैसे लाभ...वैसे, हमें यह भी पता था कि जिस नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय विश्व व्यवस्था की कहानी हमें सुनाई गई, वह आंशिक रूप से झूठी थी।'

अमिताभ आचार्या

देर क्यों । इस सिलसिले में उन्होंने चेक लीडर वैक्लाव हैवेल की कम्युनिस्ट सिस्टम के बारे में कही गई बात की याद दिलाई। हैवेल ने कहा था कि वह एक तरह से झूठ के अंदर जीना था। कार्नी ने कहा, 'अब अमेरिकी नेतृत्व वाली विश्व व्यवस्था को लेकर भी जो भ्रम था, वह टूटने लगा है।' कार्नी और दूसरे पश्चिमी देशों से यही पूछने को जी कर रहा है कि आखिर यह बात समझने में आपको इतनी देर क्यों लगी?

डबल स्टैंडर्ड्स । कार्नी की स्पीच को लेकर आज बातें हो रही हैं तो उसकी वजहें भी हैं। कनाडा G-7, नैटो का संस्थापक सदस्य है। अमेरिका उसका सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। सच कहूं तो डॉनल्ड ट्रंप से असंतोष बढ़ने के बावजूद पश्चिमी देश इस विश्व व्यवस्था के खत्म होने की घोषणा से बचते रहे। न ही उन्होंने इसके झूठ, दिखावे और डबल स्टैंडर्ड्स का जिक्र किया। यह विश्व व्यवस्था न ही उदारवादी थी, न ही इसमें वसुधैव कुटुम्बकम् का भाव था और ना इसमें अमन-चैन कायम रहा।

पश्चिम का फायदा । मैंने 2014 में अपनी किताब 'The End of American World Order' में लिखा था कि इस विश्व व्यवस्था से पश्चिमी देशों को बाकी दुनिया के मुकाबिल अधिक फायदा हुआ। ग्लोबल साउथ ने बहुत हिंसा देखी। उधर, अमेरिका, यूरोप और अन्य पश्चिमी सहयोगी मुल्कों में शांति बनी रही। यही नहीं, इस विश्व व्यवस्था ने जो गैर-बराबरी पैदा की, उसी के कारण ट्रंप जैसे पॉपुलिस्ट लीडर्स का उभार हुआ।

झूठी उम्मीद । चीन और भारत जैसे गैर-पश्चिमी शक्तियों के उभरने से यूं भी उस विश्व व्यवस्था के दिन लद चुके थे। मगर इस सचाई से पश्चिमी देश नजरें चुरा रहे थे। अभी भी वह पूरी तरह से इसे मान नहीं पाए हैं। वे आज भी दबी आवाज में यह कहते हुए सुने जा सकते हैं कि जब ट्रंप राष्ट्रपति नहीं रहेंगे, तो पुराना सिस्टम फिर से आ जाएगा।

नई व्यवस्था के चैलेंज । पुरानी विश्व व्यवस्था के खत्म होने से नई के उभरने का अवसर बना है। आज कई जानकार (इनमें भारतीय एक्सपर्ट्स भी शामिल हैं) कह रहे हैं कि मल्टिपोलर यानी बहुध्रुवीय विश्व बनने जा रहा है। कार्नी ने इस शब्द का प्रयोग नहीं किया। उन्होंने मिडल-पावर वर्ल्ड की बात की। मुझे लगता है कि बहुध्रुवीय विश्व की भी अपनी हदें हैं और उसमें भी विरोधाभास होंगे। दो विश्व युद्ध से पहले का इतिहास देखें तो यह समझना आसान है कि बहुध्रुवीय दुनिया में भी चुनिंदा देशों का दबदबा होगा। इस विश्व व्यवस्था में भी कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और हां, डेनमार्क दोयम दर्जे के देश ही होंगे।

गलती नहीं करनी । भारत पहले ही मिडल पावर से अगले पायदान की ओर कदम बढ़ा रहा है, फिर भी शी जिनपिंग या ट्रंप जैसे नेता इसे स्वीकार नहीं कर रहे। खैर, इतना तय है कि आने वाले वर्षों में ट्रंप या अमेरिका के समर्थन के बगैर और उसके ऐलानों के बावजूद अंतरराष्ट्रीय सहयोग का नया चेहरा दिखेगा। अमेरिका पहले ही संयुक्त राष्ट्र से प्रतिस्पर्धा करने वाले संस्थान खड़े कर रहा है। इसकी एक मिसाल, ट्रंप का बोर्ड ऑफ पीस है। यह बोर्ड सिर्फ गाजा के बारे में नहीं है बल्कि ट्रंप इसके जरिये अपनी वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करना चाहते हैं। भारत को इसमें शामिल होने का प्रस्ताव ठुकरा देना चाहिए, इसी में उसका भला है।

कई मंचों की जरूरत । अव्वल तो इसमें पाकिस्तानी नेताओं के साथ फोटो खिंचवाने की मजबूरी होगी। बिलियन डॉलर की जॉइनिंग फीस देनी होगी। सबसे बड़ी बात कि यह संयुक्त राष्ट्र से मुकाबला करेगा, जिसका भारत संस्थापक और अहम सदस्य है। यह बोर्ड ब्रिक्स और G20 की अथॉरिटी को भी चुनौती देगा, जिन्हें भारत महत्वपूर्ण मानता है। हमारा हित बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में है। भारत जैसे उभरते और कनाडा जैसे मिडल पावर को कई मंच तैयार करने होंगे, जिनकी आपस में प्रतिस्पर्धा न हो। जैसे, यूरोपीय संघ ने अर्जेंटीना, बोलिविया, ब्राजील, पराग्वे और उरुग्वे के साथ व्यापार समझौता किया है। भारत को भी दुनिया के सबसे बड़े ट्रेडिंग ग्रुप RCEP से जुड़ने के बारे में फिर से सोचना चाहिए।

नया वर्ल्ड ऑर्डर बनेगा

- कनाडा के पीएम मार्क कार्नी ने सच कहा, जिसे यूरोप को भी मानना होगा
- चीन-अमेरिका कभी नहीं चाहेंगे कि भारत बड़ी शक्ति बने
- बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था में भारत की भलाई, उसका ही प्रयास करना होगा

(लेखक ने हाल में 'The Once and Future World Order: Why Global Civilization Will Survive the Decline of the West' नाम की किताब लिखी है)

THE SPEAKING TREE
और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

बाहरी बदलावों का नहीं, दृष्टि बदलने का समय है वसंत

देवेंद्रराज सुथार

प्रकृति की तरह ही मनुष्य का जीवन भी ऋतुओं से गुजरता है। कहीं ठहराव है तो कहीं उथल-पुथल। कभी ऐसा समय भी आता है जब सब कुछ भीतर से बदलने लगता है। वसंत को अक्सर बाहरी सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है, पर उसका वास्तविक अर्थ बाहरी नहीं, आंतरिक बदलाव होता है। यह दृष्टि के बदलने का समय है।

वसंत आते ही वृक्ष फिर से हरे हो जाते हैं। पर ध्यान देने की बात यह है कि वे अपनी पुरानी पत्तियों को पकड़े नहीं रहते। जो सूख चुका है, उसे गिरने दिया जाता है। ऐसा ही हमारे जीवन के साथ भी होता है। जिसे हम अपना सबसे प्रिय समझते हैं, वह जीवन से दूर हो जाता है तो दुखी होकर हम शोक मनाते रहते हैं। जीवन में नया तभी आएगा, जब पुराने को जाने देने का साहस होगा। जो मन बीती हुई हानियों, अपमानों और असफलताओं को पकड़े रहता है, वह भीतर से शीतलता बना रहता है, चाहे बाहर पौराग्य कुछ भी हो।

AI Image

इस ऋतु में फूल खिलते हैं, पर वे किसी से आग्रह नहीं करते कि उन्हें देखा जाए। उनकी सुगंध स्वतः फैलती है। यही अनासक्ति है - पूरा देना, पर मान्यता की मांग के बिना। मनुष्य जब कर्म करता है और फल की प्रतीक्षा में उलझ जाता है, तब वही कर्म उसे थका देता है। अगर वही कर्म स्वभाव बन जाए तो उसमें रस पैदा होता है।

एक साधु से किसी ने पूछा - आप इतने प्रसन्न कैसे रहते हैं? उन्होंने कहा - मैं जो आता है, उसे रोकता नहीं और जो जाता है, उसे पकड़ता नहीं। वसंत भी यही सिखाता है। यह ऋतु ठहराव की नहीं, प्रवाह की है। जो बहना सीख लेता है, वह टूटता नहीं।

रिश्तों में भी यही सत्य लागू होता है। जहां अधिकार है, वहां भय है। जहां अपेक्षा है, वहां तनाव है। और जहां स्वीकार है, वहां सहजता है। वसंत का प्रेम बांधता नहीं, मुक्त करता है। वही प्रेम टिकता भी है। अंततः यह ऋतु हमें यह समझाने आती है कि जीवन को जीने का सही तरीका पकड़ना नहीं, खिलना है। जब मनुष्य अपने भीतर इस सत्य को उतार लेता है, तब उसे बाहरी परिस्थितियां कम प्रभावित करती हैं।

समय से संवाद कर आगे बढ़े हमारा संविधान

भारत का संविधान उस समय जन्मा, जब देश विभाजन के घावों से कराह रहा था, सांप्रदायिक न्यूनतम थी और लोकतंत्र एक साहसिक प्रयोग माना जाता था। इसके बावजूद संविधान निर्माताओं ने ऐसे भारत की कल्पना की जहां न्याय, स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व केवल शब्द न होकर जीवन के मूल्य बनें। डॉ. भीमराव आंबेडकर ने संविधान को 'एक सामाजिक दस्तावेज' कहा था, जो समाज की विषमताओं को पहचानता है और उन्हें दूर करने का मार्ग सुझाता है।

अक्षरा राजरत्नम्

लगातार विकास । 26 जनवरी 1950 को लागू हुआ संविधान एक स्थिर विधिक संहिता नहीं, ऐसा ढांचा था जिसे समय, समाज और संवैधानिक विवेक के साथ विकसित होना था। 76 वर्षों की यात्रा में यह विकास मुख्य रूप से न्यायालयों की व्याख्याओं के माध्यम से हुआ है। संविधान ने जानबूझकर स्वतंत्र न्यायपालिका को केंद्र में रखा, ताकि लोकतंत्र बहुमत की इच्छा तक सीमित न रह जाए। यह दृष्टि 1973 के ऐतिहासिक केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य मामले में स्पष्ट रूप से सामने आई, जहां सर्वोच्च न्यायालय ने मूल संरचना सिद्धांत प्रतिपादित किया। इस निर्णय ने स्थापित किया कि संविधान में संशोधन संभव है, पर उसकी बुनियादी आत्मा को बनाए रखना होगा।

न्यायिक व्याख्याएं । इसी तरह, 1978 में मेनका गांधी बनाम भारत संघ के निर्णय ने अनुच्छेद 21 को एक संकीर्ण 'जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता' से आगे बढ़ाकर गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार बना दिया। इसके बाद शिक्षा, स्वच्छ पर्यावरण, निजता और आजीविका जैसे अधिकार इसी अनुच्छेद की न्यायिक व्याख्या से विकसित हुए। 2017 का पुट्टास्वामी निर्णय, जिसमें निजता को मौलिक अधिकार घोषित किया गया, यह दर्शाता है कि संविधान नई तकनीकी और सामाजिक वास्तविकताओं से संवाद करने में सक्षम है।

संतुलन कायम किया । भारतीय संविधान ने अधिकारों और सीमाओं - दोनों को विधिक रूप से संतुलित किया है। समय के साथ उसका अर्थ विकसित हुआ है। यह विकास संवैधानिक विवेक का स्वाभाविक विस्तार है। एस.आर. बोम्मई बनाम भारत संघ (1994) जैसे निर्णयों ने संघीय ढांचे को संविधान की मूल संरचना का हिस्सा मानकर केंद्र और राज्यों के बीच संतुलन को न्यायिक संरक्षण दिया।

साझा जिम्मेदारी । फिर भी, न्यायालय स्वयं को संविधान का अंतिम उद्देश्य नहीं मानते। निर्णयों में स्पष्ट किया गया है कि विधायिका, कार्यपालिका और नागरिक समाज - सभी से संवैधानिक नैतिकता अपेक्षित है। डॉ. आंबेडकर की यह चेतावनी आज भी उतनी ही प्रासंगिक है कि संविधान उन लोगों के आचरण से जीवित रहता है, जो उसे लागू करते हैं। भारतीय संविधान ने टकराव के क्षणों में भी संवाद का रास्ता छोड़ा। न्यायालयों की व्याख्याओं के माध्यम से वह आज भी स्वयं को परखता, सुधारता और आगे बढ़ता है।

कॉमनरूम

कांटे की बात

जजों का तबादला और नियुक्ति न्यायपालिका का काम है। इसमें सरकार का दखल नहीं हो सकता। किसी जज को एक हाई कोर्ट से दूसरे में सिर्फ इसलिए क्यों भेजा जाए, क्योंकि उसने सरकार के खिलाफ कुछ असहज आदेश दिए हों?

जस्टिस उज्ज्वल भुयान

डेटा Window

वंदे मातरम @150

AI Image

इस साल गणतंत्र दिवस के मौके पर कर्तव्य पथ पर हुई परेड की मुख्य थीम रही 'वंदे मातरम्' गीत। यह साल राष्ट्र गीत के गौरवशाली 150 वर्ष पूरे होने का है।

क्रांति की धुन

- 40 साल तक अंग्रेजों ने प्रतिबंध लगाए रखा।
- 5000 से अधिक प्रतियां आनंदमठ की छपी हुई।
- 5 स्वतंत्रता आंदोलनों का नारा बना।

दुनिया में लोकप्रिय

- 7000 गीतों में दूसरा सबसे लोकप्रिय गीत चुना गया वर्ल्ड सर्विस पोल में।
- 10 से अधिक प्रमुख भारतीय भाषाओं और कई क्षेत्रीय भाषाओं में अनुवाद।

देशभर में उत्सव

- 120 से अधिक शहरों में 235 जगहों पर प्रस्तुति हुई।
- 1923 को वंदे मातरम् वाली ऐतिहासिक पेंटिंग का प्रदर्शन।

1876 बंकिम चंद्र चटर्जी ने आनंदमठ में 'वंदे मातरम्' लिखा।

1896 रवींद्रनाथ टैगोर ने कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन में गाया।

1905 बंग-भंग आंदोलन के दौरान 'स्वराज' का सशक्त नारा।

1938 सुभाष चंद्र बोस ने कांग्रेस अधिवेशन में प्रस्तुति कराई।

1950 राष्ट्र गीत बना, जन गण मन' के बराबर दर्जा।

जनता जंक्शन

इरफान

मॉडर्न टेक्नॉलजी बदल रही इलाज का तरीक़ा

डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसुस

बीता वर्ष 2025 वैश्विक स्वास्थ्य के क्षेत्र में उपलब्धियों के साथ-साथ गहरी चुनौतियों का भी साक्षी रहा। बहुपक्षवाद, विज्ञान और एकजुटता की अभूतपूर्व परीक्षा हुई, जिसने इस बुनियादी सत्य को रेखांकित किया कि अंतरराष्ट्रीय सहयोग कोई विकल्प नहीं है। 2026 और आने वाले वर्षों में हर व्यक्ति को अच्छी और सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए यह सहयोग अनिवार्य है।

ऐतिहासिक महामारी समझौता

वैश्विक स्वास्थ्य के क्षेत्र में 2025 की संभवतः सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि रही महामारी समझौता (Pandemic Agreement)। यह भविष्य में महामारियों से दुनिया को सुरक्षित बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य नियमों में संशोधन लागू हुए। इनमें 'महामारी आपात स्थिति' के लिए एक नया चेतावनी स्तर शामिल है, जिसका उद्देश्य वैश्विक सहयोग को मजबूत करना है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और भागीदारों ने 2025 के दौरान टीकों की सुरक्षा, प्रभावशीलता और उपयोग को सुदृढ़ करने के लिए निरंतर प्रयास किए। हम 2026 में भी इसे प्राथमिकता बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। टीकाकरण सार्वजनिक स्वास्थ्य के इतिहास में सबसे प्रभावशाली हस्तक्षेपों में एक है, जो हर वर्ष लाखों जानें बचाता है। पिछले वर्ष मोटापे से निपटने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। दुनिया भर में एक अरब से अधिक लोग मोटापे के साथ जी रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने मोटापे के लिए GLP-1 उपचारों के उपयोग पर अपनी पहली मार्गदर्शिका जारी की, जिसमें यह स्वीकार किया गया है कि मोटापे के लिए आजीवन देखभाल की आवश्यकता होती है। लेकिन प्रमाण-आधारित उपकरण, यदि सबको उपलब्ध करवाए जाएं, तो ये जीवन की गुणवत्ता को बढ़ा सकते हैं।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस, रोबॉटिक्स, जीनोमिक्स और उन्नत डेटा विज्ञान सहित डिजिटल प्रौद्योगिकियों में तीव्र प्रगति भी स्वास्थ्य सेवाओं को बदल रही है। 2026 में, विश्व स्वास्थ्य संगठन अपने सदस्य देशों को इन इनोवेशन को हेल्थ सिस्टम में शामिल करने और उन्हें व्यापक रूप से लागू किए जा सकने वाले समाधानों में बदलने में सहायता करता रहेगा। वर्ष 2000 से अब तक विश्व भर में, स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच और वित्तीय सुरक्षा में लगभग एक-तिहाई आबादी के लिए सुधार हुआ है, लेकिन प्रगति ठहर गई है। आज भी 4.6 अरब लोग आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं से वंचित हैं, और हर चार में से एक व्यक्ति स्वास्थ्य-खर्चों के कारण वित्तीय कठिनाइयों का सामना करता है।

AI Image

स्वास्थ्य सेवाओं पर हमले

2025 में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 79 देशों में 48 आपात स्थितियों में सहायता की और 3 करोड़ से अधिक लोगों तक मदद पहुंचाई। WHO का काम सूडान में हैजा टीकाकरण अभियानों से लेकर गाजा से गंभीर रूप से बीमार और घायलों को विदेशों में इलाज के लिए स्थानांतरित करने तक फैला हुआ था। 2026 में हमें सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज और सभी के लिए एक स्वस्थ विश्व सुनिश्चित करने हेतु सामूहिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देनी होगी। ऐसा करके, हम 1948 में स्थापित विश्व स्वास्थ्य संगठन की उस दृष्टि को साकार कर सकते हैं, जहां सर्वोच्च स्वास्थ्य स्तर कुछ लोगों का विशेषाधिकार नहीं, बल्कि सभी का अधिकार हो।

(लेखक विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक हैं)

रीडर्स मेल
www.edit.nbt.in

वर्चस्व की कवायद

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने जो बोर्ड ऑफ पीस बनाया है, वह वैश्विक शांति से ज्यादा वर्चस्वपरक महत्वाकांक्षा और वर्चस्व के विस्तार का प्रयास है। इसे अब तक की सबसे प्रभावशाली विश्व संस्था करार देना भी उसी जल्दबाजी का संकेत है जो संस्थागत सहमति की चिंता किए बगैर व्यक्ति-केंद्रित व्यवस्था को बढ़ावा देने की इच्छा से पैदा हुई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य राष्ट्रों की इस नई पहल से दूरी भी गौर करने लायक है। यह बताती है कि इस पहल को लेकर उन देशों के मन में गहरा संदेह है।

अमृतलाल मारू, ईमेल से

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

[illegible]

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: MahanagarBook2 Edition: 1 Page: PP2NBMA3 User: cci Time: 01-25-2026 13:18 Color:

गाजर, पालक और नारियल से सजा 2026 का तिरंगा थाल

तिरंगे के पकवानों में सेहत की एंट्री

इस रिपब्लिक डे पर तिरंगे के पकवान सिर्फ़ दिखने में ही आकर्षक नहीं, बल्कि सेहत के लिहाज़ से भी बेहतर हो गए हैं। 2026 में ट्राई-कलर फूड का ट्रेंड आर्टिफिशियल रंगों से हटकर नेचुरल सामग्री पर आधारित है। केसरिया रंग के लिए गाजर, हल्दी और शकरकंद, सफ़ेद के लिए नारियल, काजू और दही और हरे रंग के लिए पालक, तुलसी और हर्ब्स का इस्तेमाल बढ़ गया है।

सरोज धूलिया

इस साल ट्राई-कलर फूड में सबसे बड़ा बदलाव यह है कि रंग अब पूरी तरह नेचुरल हैं। आर्टिफिशियल कलर्स की जगह असली स्वाद और सेहत ने ली है। तिरंगा ढोकला इसका खूबसूरत उदाहरण है। केसरिया, सफ़ेद और हरे रंगों में सजा यह ढोकला नेचुरल सामग्रियों से तैयार किया गया है, जिस पर राई, करी पत्ता और हींग का हल्का-सा तड़का स्वाद को और निखार देता है। इसके साथ परोसी जा रही तिरंगा फ्रूट लस्सी तीन आकर्षक ग्लासों में सर्व की जा रही है, जो रंगों के साथ-साथ ताज़गी का अहसास भी देती है।

खानदानी रानसम्बन्नी परंपरा से जुड़े कॉर्पोरेट शेफ महाराज भवर सिंह बताते हैं, 'दिन जब खास हो, तो सेलिब्रेशन भी खास होना चाहिए। इसी सोच के साथ हमने 'देश की थाली' लॉन्च की है। इस खास थाली में तिरंगा ढोकला, तिरंगा फ्रूट लस्सी और तिरंगी पुलाव शामिल हैं। पुलाव में टमाटर-मिर्च से बना केसरिया चावल, सादा सफेद चावल और पालक से तैयार हरा चावल परोसा जाता है। साथ में मुलायम तिरंगी खांडवी और स्वादिष्ट चटनियां थाली को पूरा करती हैं।' उनका कहना है कि यह थाली सिर्फ़ भोजन नहीं, बल्कि स्वाद, रंग और संस्कृति के ज़रिए आज़ादी का एक यादगार उत्सव है।

फर्मेंटेड और गट-फ्रेंडली ट्विस्ट

इस साल ट्राई-कलर प्लेट्स में मिलेट्स, क्विनोआ, ब्राउन राइस और हाई-प्रोटीन एलिमेंट्स साफ़ नज़र आ रहे हैं। ट्राई-कलर मिलेट पास्ता, सुपरफूड सलाद और फर्मेंटेड डोसा जैसी चीज़ें शामिल होने के बाद कह सकते हैं कि देशभक्ति अब हेल्दी चॉइस के साथ सेलिब्रेट की जा रही है।

फूड ब्लॉगर नितिन कुमार बताते हैं, 'ट्राई-कलर सलाद या राइस बाउल में मिलेट्स (ज्वार/बाजरा) और प्रोटीन रिच एलिमेंट्स जोड़कर हेल्दी वर्जन बनाए जा रहे हैं। इडली/डोसा जैसे फर्मेंटेड बेस को तिरंगे के तीन रंगों में तैयार करना गट हेल्थ के लिए भी अच्छा माना जा रहा है। इसके अलावा, हर्ब-बेस, मलाईदार सॉस और क्रंची सब्जियों के साथ ट्राई-कलर पास्ता, सलाद या राइस क्लासिक डिजाइन को रोजमर्रा के कंफर्ट फूड में बदल रहे हैं।'

थीम कई तरह की

तिरंगा थीम केक: केसरिया, सफेद और हरे रंग की लेयरिंग। पैटर्न या क्रीम/फ्रॉस्टिंग।

मातृभूमि वंदन थीम: केक पर तिरंगे का डिजाइन या फोटो केक।

सैनिक/पुलिस थीम: सेना या पुलिस की वर्दी, वाहन और ड्यूटी से जुड़े डिजाइन।

देशभक्ति थीम: अशोक चक्र, भारत का नक्शा, जय हिंद या हैप्पी रिपब्लिक के जैसे संदेश।

मीन ऑफ इंडिया थीम: केक पर भारत का नक्शा, तिरंगे रंगों की आर्टवर्क और अशोक चक्र।

डेजर्ट भी हुए स्मार्ट

केक और मिठाइयों में भी बदलाव दिख रहा है। हैवी क्रीम के बजाय नो-बेक ट्राई-कलर चॉकलेट जार, लो-शुगर मिठाइयां और मिनी पोर्शन ट्रेंड में हैं। मिठास कम है, लेकिन प्रेजेंटेशन पूरी तरह इंस्टा-रेडी है। फूड बिजनेस चलाने वाली शेफ शिवानी बहुगुणा कहती हैं, 'केक बनाते समय एक हिस्से में संतरे का रंग, दूसरे में हरा रंग और तीसरे हिस्से को बिना रंग के रखें। ट्राई-कलर केक में सिर्फ रंग नहीं, स्वाद, सेहत और प्रेजेंटेशन का संतुलन जरूरी है। रंग नेचुरल रखें–केसरिया के लिए गाजर/संतरा, सफेद के लिए वनीला, हरे के लिए पालक या पिस्ता ट्राई कर सकते हैं।'

> इस बार तिरंगा ढोकला, तिरंगा फ्रूट लस्सी और तिरंगी पुलाव भी लाए गए हैं। इसके अलावा, भी कई नई डिशेज इसमें आपको मिलेंगी। यह सिर्फ़ भोजन नहीं, बल्कि स्वाद, रंग और संस्कृति के ज़रिये आज़ादी का उत्सव है। - शेफ महाराज भवर सिंह, खानदानी राजधानी

> केक बनाते समय एक हिस्से में संतरे का रंग, दूसरे में हरा और तीसरे को बिना रंग के रखें। ट्राई-कलर केक में सिर्फ रंग नहीं, स्वाद और प्रेजेंटेशन का संतुलन जरूरी है। - शेफ शिवानी बहुगुणा, फूड बिजनेस से जुड़ी

पार्टी-फ्रेंडली फिंगर फूड

2026 में ट्राई-कलर स्नैक्स छोटे, शेयर-फ्रेंडली और स्टाइलिश हो गए हैं–जैसे पालक कबाब, चीज़ बॉल्स और गाजर कटलेट को मिनी फॉर्म में परोसना। यह तिरंगा अब थाली से निकलकर पार्टी प्लेट तक पहुंच चुका है। शिवानी कहती हैं कि 2026 का ट्राई-कलर फूड दिखाता है कि यह अब सिर्फ़ परंपरा निभाने का तरीका नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल का हिस्सा बन गया है। नेचुरल इंग्रेडिएंट्स, हेल्थ-कॉन्शस चॉइस और स्मार्ट प्रेजेंटेशन–यही इस साल का असली तिरंगा है। कह सकते हैं, 2026 में ट्राई-कलर फूड सिर्फ़ देखने में नहीं, सोच में भी देशभक्त हो गया है।

मौसम में अचानक बदलाव कर रहा बीमार

बुखार, जुकाम, गले में खराश के मरीज़ बढ़े

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली में बदलते मौसम का असर अब लोगों की सेहत पर साफ दिखने लगा है। सुबह बारिश और ठंडी हवाएं, दोपहर में हल्की गर्मी और शाम को अचानक ठंड बढ़ने से बुखार, जुकाम, खांसी और गले में खराश के मामले बढ़ रहे हैं।

हारका के मणिपाल अस्पताल के इंटरनल मेडिसिन डॉक्टर डॉ. तापस कुमार बोले के अनुसार, तापमान और नमी में बार-बार बदलाव से शरीर को मौसम के मुताबिक ढलने का समय नहीं मिल पाता। ऐसे मौसम में सर्दी-जुकाम, खांसी, गले में खराश और बुखार के मामले तेजी से बढ़ते हैं। अस्थमा, सीओपीडी और एलर्जी के मरीजों को सांस लेने में दिक्कत बढ़ रही है। अचानक मौसम बदलने से ब्लड प्रेशर भी बिगड़ सकता है।

शालीमार बाग स्थित फोर्टिस अस्पताल के पीडियाट्रिक्स विभाग के हेड डॉ. विवेक जैन बताते हैं कि मौसम के उतार-चढ़ाव से इम्युनिटी कमजोर होती है। ऐसे में बच्चे और बुजुर्ग जल्दी बीमार पड़ रहे हैं। यथार्थ अस्पताल के डॉ. संजय गुप्ता के अनुसार, हाल के हफ्तों में ओपीडी में आने वाले मरीजों की संख्या में 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है। डॉक्टरों ने पर्याप्त पानी पीने, संतुलित भोजन करने, भीड़भाड़ में मास्क पहनने और लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की सलाह दी है।

लक्षण क्या है?

- हल्का या तेज बुखार
- नाक बहना या बंद रहना
- गले में खराश या दर्द
- खांसी, थकान
- छोटे बच्चों में चिड़चिड़ापन और खाने में कमी

बचाव कैसे?

- बच्चों को मौसम के अनुसार कपड़े पहनाए
- ठंडा पानी या दूसरी खाने की ठंडी चीजों से परहेज करें
- गुनगुना पानी पीएं
- हाथों की साफ-सफाई का ध्यान रखें
- संतुलित खाना और पर्याप्त नींद जरूरी है

आउटर रिंग रोड पर केशोपुर डिपो से हैदरपुर तक बनेगा फ्लाईओवर

3 मिनट में पढ़ें — NBT

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली में जाम से राहत दिलाने के लिए आउटर रिंग रोड पर केशोपुर बस डिपो के पास स्थित IFC सलीमेंटी ट्रेन से हैदरपुर तक नया फ्लाईओवर बनाने का फैसला किया है। PWD को इस फ्लाईओवर के निर्माण के लिए फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश दिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि इस फ्लाईओवर के बनने से नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली के कई इलाकों के ट्रैफिक को राहत मिलेगी। फ्लाईओवर बनाने की यह परियोजना आउटर रिंग रोड पर मौजूद प्रमुख बॉटलनेक्स को दूर करने, अलग-अलग इलाकों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर करने और रोजाना ऑफिस जाने वाले लोगों, सार्वजनिक परिवहन, कमर्शियल गाड़ियों और आपातकालीन सेवाओं की आवाजाही को आसान बनाने में अहम भूमिका निभाएगी। प्रस्तावित फ्लाईओवर से केशोपुर, हैदरपुर, पंजाबी बाग, पीतमपुरा, शालीमार बाग, रोहिणी और नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली के आसपास के इलाकों के लाखों यात्रियों को राहत मिलेगी। PWD मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने बताया कि इस फ्लाईओवर निर्माण की योजना दिल्ली के उन लाखों नागरिकों की रोजमर्रा की परेशानियों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है, जो वर्षों से ट्रैफिक जाम झेल रहे हैं।

उन्होंने कहा कि हैदरपुर, पंजाबी बाग, पीतमपुरा, शालीमार बाग और पूरी रोहिणी बेल्ट पर भारी ट्रैफिक का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसलिए जाम से राहत दिलाने के लिए यह फैसला किया गया है। दिल्ली को जाम मुक्त बनाने की दिशा में सरकार लगातार काम कर रही है।

मंत्री ने कहा कि अधिकारियों को इस फ्लाईओवर के निर्माण के लिए फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा गया है।

उसके बाद इसके आगे की प्रक्रिया तेजी से पूरी की जाएगी, जिससे आउटर रिंग रोड के सभी प्रमुख चोक-पॉइंट्स को जाम से राहत मिलेगी। फिजिबिलिटी स्टडी के लिए कंसलटेंसी सर्विसेज के लिए भी मंजूरी दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि आउटर रिंग रोड से जुड़ा हर बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट तकनीकी मंजूरी, पारदर्शिता और तय समय सीमा के आधार पर ही आगे बढ़ेगा।

File Photo

योजना आउटर रिंग रोड पर मौजूद प्रमुख बॉटलनेक्स को दूर करेगी इलाकों के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होगी

- केशोपुर, हैदरपुर, पंजाबी बाग, पीतमपुरा, शालीमार बाग, रोहिणी और नॉर्थ-वेस्ट दिल्ली के आसपास के इलाकों के यात्रियों को जाम से मिलेगी राहत
- PWD को फ्लाईओवर के निर्माण के लिए फिजिबिलिटी रिपोर्ट तैयार करने का निर्देश

DSCI: कैंसर मरीज़ों की वेटिंग होगी कम

Abhishek.Gautam1
@timesofindia.com

File Photo

■ **नई दिल्ली :** दिल्ली स्टेट कैंसर इंस्टिट्यूट (DSCI) में अब मरीजों को इलाज के लिए लंबा इंतजार करना नहीं पड़ेगा। यहां जल्द ही आधुनिक हाई-एनर्जी लीनियर एक्सीलेटर लगाया जाएगा, जिससे इलाज की तस्वीर बदल जाएगी। यह मशीन इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड की मदद से लगाई जा रही है। इस मशीन के जरिए मरीजों को भी सुविधा मिलेगी। दावा है कि इस मशीन के आने से कैंसर के मरीजों की लंबी वेटिंग कम होगी। साथ ही मरीजों को रेफर भी नहीं करना पड़ेगा।

जानकारी के मुताबिक, 21 जनवरी 2026 को दिल्ली सचिवालय में DSCI और IOCL के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता IOCL की सीएसआर पहल के तहत हुआ है। इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग, कैंसर इंस्टिट्यूट और IOCL के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। क्लिनिकल ऑन्कोलॉजी विभाग की प्रमुख डॉ. प्रज्ञा शुक्ला ने कहा कि यह पहल सरकारी सहयोग से संभव हो पाई है और इसका पूरा लाभ समाज के सबसे जरूरतमंद मरीजों को दिया जाएगा।

डॉ. प्रज्ञा के अनुसार, यह हाईटेक मशीन कैंसर ट्यूमर को बेहद सटीक तरीके से निशाना बनाती है, जिससे आसपास के हेल्दी ऑर्गन्स को कम नुकसान पहुंचता है। डॉक्टरों के मुताबिक, इससे रेडिएशन थैरेपी ज्यादा सुरक्षित और प्रभावी होगी और मरीजों के इलाज के नतीजे पहले से कहीं बेहतर होंगे।

डीएससीआई के निदेशक ने कहा कि यह मशीन ख़ासतौर पर आर्थिक रूप से कमजोर कैंसर मरीजों के लिए बड़ी राहत साबित होगी। उन्हें महंगे प्राइवेट अस्पतालों में इलाज कराना मुश्किल होता है। यह मशीन मार्च तक अस्पताल में आ जाएगी।

- जल्द ही आधुनिक हाई-एनर्जी लीनियर एक्सीलेटर लगाया जाएगा
- यह हाईटेक मशीन कैंसर ट्यूमर को बेहद सटीक तरीके से निशाना बनाती है, जिससे आसपास के हेल्दी ऑर्गन्स को कम नुकसान पहुंचता है
- मरीजों को रेफर भी नहीं करना पड़ेगा

दिल्ली की खबरों के लिए टेलीग्राम पर फॉलो करें
t.me/nbtdilli

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: MahanagarBook2 Edition: 1 Page: PP2NBMA4 User: abhishek.singh2 Time: 01-25-2026 11:18 Color:

REPUBLIC DAY SPECIAL

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs.
READER ENGAGEMENT INITIATIVE

।। श्री मत्यै नमः ।।
श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा लोक पुण्यार्थ न्यास (विश्व का सबसे बड़ा गोसेवा संस्थान)
की तरफ से गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

हर छोटा कदम लाता है बड़ा बदलाव

पड़ोस स्तर पर बनाए गए फीडिंग ज़ोन से लेकर डिजिटल अपनाने के प्लेटफ़ॉर्म तक, जानवरों की भलाई अब लोगों के नेतृत्व वाली, संवेदनशील और सहानुभूतिपूर्ण पहलों के माध्यम से आगे बढ़ रही है, जो न केवल उन्हें सुरक्षित और पोषित बनाती हैं, बल्कि समाज में सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना भी जगाती हैं।

Artha.Neog
@timesofindia.com

भारत के शहरों और छोटे कस्बों में, दयालुता का दायरा बढ़ रहा है। फुटपाथ पर रखे हुए छायादार पानी के बर्तन, परिचित गलियों में बनाए गए फीडिंग ज़ोन, और उन घरों में जगह जहां एक बचाए गए जानवर के लिए जगह बनाई गई है। आज पशु कल्याण केवल संस्थानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि आम लोग छोटे और सोच-समझकर किए गए कामों के माध्यम से इसे आकार दे रहे हैं। सुरक्षित सड़कों से लेकर तकनीक-सक्षम गोद लेने के प्लेटफॉर्म तक ये रोजमर्रा के प्रयास यह बदल रहे हैं कि इंसान और जानवर कैसे साथ रहते हैं और इसी दौरान गहरी सामाजिक और भावनात्मक कड़ियां भी बन रही हैं।

एक प्रमुख बदलाव यह है कि समुदाय साझा सार्वजनिक जगहों पर जानवरों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में सक्रिय हो रहे हैं। रेजिडेंट वेल्फेयर असोसिएशन फीडिंग जोन बना रहे हैं, अत्यधिक गर्मियों में पानी के बर्तन लगा रहे हैं, और स्थानीय पशु चिकित्सकों के साथ नसबंदी और टीकाकरण अभियान चला रहे हैं। ये उपाय उनके संघर्ष को कम करते हैं, सार्वजनिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं और शिकायत की भावना को जिम्मेदारी में बदल देते हैं।

PICS: ISTOCK

कई भारतीय शहरों में दुकानदार और सड़क विक्रेता भी अनौपचारिक रूप से अपने पड़ोस के जानवरों को 'गोद लेने' लगे हैं। उन्हें खाना देना, चोटों पर नजर रखना और नुकसान से बचाना ये काम धीरे-धीरे आम हो रही हैं। एक हाउसिंग सोसाइटी के सदस्य कहते हैं, "जैसे ही हमने उन्हें बाहरी या अलग समझना बंद किया, जानवर शांत हो गए। इससे निवासियों का सड़क के प्रति दृष्टिकोण बदल गया। ये अब जिम्मेदार महसूस करते हैं, न कि परेशान करते हैं।"

मुख्य बातें

- ***सामुदायिक पहल और अनौपचारिक गोद लेना:*** *भारत के शहरों में लोग और सड़क के जानवर अब नए तरीके से साथ रह रहे हैं, जहां समुदाय द्वारा लागू सुरक्षा उपाय और पड़ोस के जानवरों को अपनाना आम हो रहा है।*
- ***जानवरों को गोद लेना एक सामाजिक-भावनात्मक प्रयास:*** *यह बच्चों और वयस्कों में सहानुभूति, जिम्मेदारी और दया को मजबूती प्रदान करता है।*
- ***तकनीक ने पशु कल्याण की पहुंच बढ़ाई:*** *सोशल मीडिया और स्थानीय ऐप अब घायल जानवरों को आपातकालीन बचाव के लिए तेजी से प्रतिक्रिया देने वाले नेटवर्क के रूप में काम कर रहे हैं।*

तकनीक ने भी पशु कल्याण की पहुंच को बढ़ाया है। सोशल मीडिया और स्थानीय ऐप्स अब घायल जानवरों, खोए हुए पालतू जानवरों या आपातकालीन बचाव के लिए तेजी से प्रतिक्रिया देने वाले नेटवर्क के रूप में काम करते हैं। गोद लेने के पोर्टल और स्वयंसेवक संचालित सोशल मीडिया पेज बेघर जानवरों को संभावित परिवारों से जोड़ते हैं, जिससे भूगोल और सामाजिक सीमाएं टूट जाती हैं। जो प्रक्रिया पहले धीमी और भरोसे पर आधारित थी, अब तेजी और पारदर्शी हो गई है, जिससे गोद लेने की दर बढ़ी और शेल्टर पर दबाव कम हुआ।

भारत में जानवरों को गोद लेने के भावनात्मक और सामाजिक प्रभाव को भी समझा जा रहा है। एक बचाए गए जानवर को घर लाना अक्सर घर में दिनचर्या, सहानुभूति और भावनात्मक स्थिरता लाता है। यह सच है कि जानवरों की देखभाल बच्चों में जिम्मेदारी और दया की भावना बढ़ाती है। जबकि बड़े को शहरों में अकेलेपन और लंबी वर्किंग ऑवर्स के बीच भावनात्मक तौर पर उनसे खुद को जोड़ पाते हैं। कई नए गोद लेने वालों के लिए यह अनुभव अनपेक्षित रूप से परिवर्तनकारी साबित होता है। पहली बार गोद लेने वाले सुदीप गर्ग कहते हैं, "गोद लेने से केवल जानवर का जीवन नहीं बदला बल्कि हमारे घर का माहौल भी बदल गया। इससे हमें धैर्य, बेहतर दिनचर्या और बिना शर्त देखभाल करना सिखाया, जिसकी उम्मीद हमें नहीं थी।"

वर्कप्लेस और शैक्षणिक संस्थान भी छोटे लेकिन महत्वपूर्ण तरीकों से योगदान दे रहे हैं। शेल्टर जानवरों का समर्थन करते हैं, कॉलेज गोद लेने के दिन आयोजित करते हैं और हाउसिंग सोसाइटीज वेलफेयर समूहों को जागरूकता सत्र के लिए बुलाते हैं। मिलकर ये छोटे-छोटे प्रयास एक बड़े सामाजिक और सांस्कृतिक बदलाव की ओर इशारा करते हैं। आज पशु कल्याण केवल बचाव तक सीमित नहीं है; यह एक साझा सामाजिक प्रथा बनता जा रहा है।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

राकेश बिन्दल
राष्ट्रीय अध्यक्ष,
श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

नरेश गोयल
चेयरमैन, गंगेश ग्रुप

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा

गोसेवार्थ सहयोग के प्रकार

1. एक गोमाता की सेवार्थ गोग्रास राशि प्रतिवर्ष	: रु. 21,000/-
2. हरा घास - चारा की एक गाड़ी	: रु. 31,000/-
3. सूखे घास की एक गाड़ी	: रु. 1,01,000/-
4. अक्षय भू-दान प्रति एक बीघा की राशि	: रु. 2,51,000/-
5. जीवन के साथ भी - जीवन के बाद भी, आजीवन गोसेवक	: रु. 2,51,000/-
6. गुड़ की एक गाड़ी की राशि	: रु. 4,51,000/-
7. पौष्टिक आहार की एक गाड़ी की राशि	: रु. 5,00,000/-
8. बीमार गोवंश की दवाईयाँ प्रतिमाह	: रु. 15,00,000/-
9. 73 हजार गोवंश सेवार्थ एक दिन का पौष्टिक आहार, हरा-सूखा घास चारा	: रु. 51,00,000/-

गोशाला निर्माण सहयोग के प्रकार

1. चारा - दाना संग्रहालय 50'X100'	: 31 लाख
2. गोआवास शेड गोष्ठ सहित 50'X100'	: 21 लाख
3. गोआवास शेड 36'X80'	: 6 लाख
4. गोगृह, चारा-दाना नाद (गमाण) सहित 40'X100'	: 11 लाख
5. ग्वाल आवास 20'X16'	: 3.51 लाख

(300 ग्वाल गृह की आपना आवश्यकता है।)

आप द्वारा दिये गये दान पर आयकर अधिनियम 80 (G) एवं CSR के तहत छूट प्राप्त है।

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

CONTINENTAL Milkose (India) Ltd.
we manufacture, you sell...

एस.एस. अग्रवाल
(चेयरमैन)

dhanuka
77th गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएँ।

We work to support India's food and nutrition security, farmer prosperity, and environmental responsibility by supplying quality, compliant agri-inputs (plant medicine) and by training farmers on the safe and effective adoption of new technologies. We promote responsible purchase practices by encouraging product authentication (QR-code verification) and purchase through authorized channels with a valid invoice (Pukka bill), helping reduce the risk of counterfeit or spurious products. Our goal is to help improve yield and produce quality, enhance farm income, and contribute to the vision of Viksit Bharat 2047.

"यह दिवस हमारे लोकतंत्र की निरंतरता और देश की सामूहिक यात्रा का प्रतीक है। इस अवसर पर हम राष्ट्र की उन्नति, स्थिरता और समृद्धि की कामना करते हैं।"

डॉ. आर. जी. अग्रवाल, चेयरमैन एमेरिटस
धानुका एग्रीटेक लिमिटेड
Website: www.Dhanuka.com
+91-0124 4345000, headoffice@dhanuka.com

इंडिया का प्रणाम हर किसान के नाम®

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ
श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा

प्रधान कार्यालय : श्री कामधेनु शक्तिपीठ
श्री गोधाम महातीर्थ आनन्दवन पथमेड़ा, सांचोर, राजस्थान-343041, 7665095555

प्रशासनिक कार्यालय : श्री मनोरमा गोलोकतीर्थ
अर्बुदारण्य वृजधाम, केसुआ, रेवदर, सिरोही. राजस्थान-307512, 8209930427

वित्तीय कार्यालय : श्री सुरभि शक्तिपीठ
भाट टोलनाका, कदम्ब विला के सामने, भाटगांव, गांधीनगर-382428, 7073000760

सम्पर्क कार्यालय : श्री वेदलक्षण गोमाता भवन
विनोबाकुंज, रोहिणी सेक्टर-9, दिल्ली-110085, 7073000156

BANK ACCOUNT DETAILS
NAME - SHRI GODHAM MAHATEERTH PATHMEDA LOK PUNYARTH NYAS
BANK OF BARODA A/C - 08490100023827 | IFSC - BARB0ASHRAM (FIFTH CHARACTOR IS ZERO)
Branch : Ashram Road, Ahmedabad
एकाउन्ट एवं रसीद सम्पर्क सेवा : 7073000250
Scan QR To Donate
संस्थागत सम्पर्क : 7742093179, 7665059999, 7073000151
www.godhampathmeda.org Godham Pathmeda Official

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

गणतंत्र दिवस
की आप सभी को हार्दिक
शुभकामनाएं
डॉ.वेद प्रकाश टंडन
अध्यक्ष, कमल, वंदना, गुरुग्राम और ट्रिनिटी ग्रुप ऑफ एजुकेशनल इंस्टीट्यूट्स, दिल्ली राजधानी अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय राजलीला महोत्सव एसोसिएशन
प्रांत प्रमुख, दिल्ली, नीजो नीता
प्रभारी, शिक्षा प्रकोष्ठ, भारतीय जनता पार्टी, दिल्ली प्रदेश
VANDANA INTERNATIONAL SCHOOL
GURUGRAM GLOBAL HIGHTS SCHOOL
Tiny Tulips School
RSM BHUL
affiliated with GOODPLU

गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ । श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा

सत्य भूषण जैन
संरक्षक

धर्मपाल सिंघला
संरक्षक

शुभम गुप्ता
गौ सेवक

यस पाल गुप्ता
राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य
श्री गोधाम महातीर्थ पथमेड़ा

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: MahanagarBook2 Edition: 1 Page: PP2NBMA5 User: cci Time: 01-25-2026 12:04 Color:

NBT Delhi Times OF INDIA
masala mix
MONDAY, JANUARY 26, 2026 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

आर्यन खान बोले, बिल्कुल मुश्किल नहीं पापा के साथ काम करना

Kaushik Naik

Pics: Social Media

रिपब्लिक डे स्पेशल

नेहा धूपिया

'बचपन में हम इस दिन साइकल पर झंडा लगाते थे'

रेखा खान

गणतंत्र दिवस सिर्फ आम लोगों के लिए ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड के सितारों के लिए भी बहुत मायने रखता है। इसी दिन देश का संविधान लागू हुआ था और आज हम अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहे हैं। क्योंकि यह दिन हमें बतौर नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ अपने कर्तव्यों की भी याद दिलाता है, इसलिए इस खास मौके पर हमने सिलेब्रेटी से जाना कि गणतंत्र दिवस की उनके जीवन में कितनी अहमियत है।

'टीवी पर आज भी परेड देखते हैं'

नेहा धूपिया ने हमसे बातचीत में कहा कि उन्हें अपने देश के गणतंत्र पर नाज है और इस दिन की उनके बचपन से भी डेर सारी यादें जुड़ी हुई हैं। वह कहती हैं, 'मैं आर्मी बैकग्राउंड से हूं और मुझे याद है कि हम बचपन में 26 जनवरी की तैयारियों में जोर-शोर से हिस्सा लिया करते थे। साइकल में झंडा लगाना और परेड देखने का अपना अलग ही एक उत्साह होता था। आज भी मैं टीवी पर उस परेड को देखती हूं। मैं मानती हूं कि गणतंत्र दिवस अपने संविधान को अपनाने का प्रतीक है, जो देश के लोकतंत्र और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।'

अपने बारे में नहीं, देश के बारे में सोचना सीखें: भूमि पेडनेकर

भूमि पेडनेकर कहती हैं कि इस गणतंत्र दिवस पर हमें खुद का सोचना बंद करके देश के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए। उन्होंने कहा, 'हम सभी भारतीय हैं और हमें यह बात याद रखनी होगी कि हमारे एक-एक वोट में बहुत ताकत है। चूंकि आज गणतंत्र दिवस है, तो कहीं न कहीं अब हमारी बारी है कि हम देश को आगे रखें।' भूमि ने एक नागरिक के तौर पर अपनी जिम्मेदारी पर कहा, 'मैं बस यही चाहती हूं कि मैं अपनी फिल्मों के जरिए निडर होकर समाज को कोई भी मैसेज दे सकूं।'

शाहिद को भारत की विविधता में दिखती है ताकत

मुझे लगता है कि आज अगर हम भारत जैसे गणतंत्र राष्ट्र में जी रहे हैं और जिस तरह की आजादी हमें मिली है, वह बहुत ही बेशकीमती है। हमारा संविधान हमें उस तरह के जीवन को जीने की आजादी देता है, जो हम जीना चाहते हैं। हमें इस पर गर्व होना चाहिए। हम एक विविधतापूर्ण देश हैं, यही खूबी हमारे भारत को अनोखा बनाती है। अपने देश की एक खूबी यह भी है कि कुछ कदम चलने पर हमारी बोली, पहनावा और खान-पान बदल जाते हैं। हमारी विविधता ही हमारी सबसे बड़ी ताकत है। भारत जितना विविध कोई दूसरा देश नहीं है। हमें इसका सम्मान करना चाहिए और उसे संजो कर रखना चाहिए।

दिल्ली : महानगर : महाकवरेज

केशवपुरम। मंगोलपुरी। सुल्तानपुरी। किराड़ी। बवाना। बुराड़ी। भलस्वा। निरंकारी कॉलोनी। प्रशांत विहार। सरस्वती विहार। रानी बाग। सुखदेव विहार। श्रीनिवासपुरी। अमर कॉलोनी। राज नगर। सीतापुरी। मटियाला। डाबड़ी। कैलाशपुरी। छावला। हसनपुर। मयूरविहार। आईपी एक्सटेंशन। गिटो रोड। सिंघू बॉर्डर ⇨⇨

6 साल बाद 'जश्न-ए-बचपन' और 'बाल संगम' की भारंगम में हो रही है वापसी

Katyayani.Upreti
@timesofindia.com

कोविड-19 की महामारी के बाद से ही दोनो फेस्टिवल नहीं हो रहे थे

27 जनवरी से 20 फरवरी तक 25वे भारत रंग महोत्सव का होगा आयोजन

■ **नई दिल्ली:** नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा (एनएसडी) के बच्चों के मशहूर फेस्टिवल्स की वापसी इस नए साल में हो रही है। 'जश्न-ए-बचपन' और 'बाल संगम' - एनएसडी के 25वें भारत रंग महोत्सव के साथ नन्हे रंगमंच प्रेमियों के बीच होंगे। कोविड-19 के बाद से ही दोनों फेस्टिवल नहीं हो रहे थे। 27 जनवरी से 20 फरवरी तक भारत रंग महोत्सव चलेगा और इसी बीच इन दोनों उत्सव के साथ बच्चों के लिए कई नाटक और प्रस्तुतियों थिएटर लवर्स के बीच होंगी।

जश्न-ए-बचपन इंटरनैशनल थिएट्रिकल थिएटर फेस्टिवल है, जो देश के विभिन्न क्षेत्रों और भाषाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उन थिएटर ग्रुप के काम को पेश करता है, जो बच्चों के साथ और बच्चों के लिए रंगमंच मेरो के साथ एक्टिव है। भारत समेत दुनियों के कई कोनों से नाटक शामिल होते हैं। वहीं, बाल संगम एनएसडी के थिएटर इन एजुकेशन कंपनी का नैशनल फेस्टिवल है, जो पारंपरिक और लोक कलाओं का संगम है। इन फेस्टिवल में पारंपरिक कलाकार परिवारों, गुरु-शिष्य परंपराओं और संस्थानों से जुड़े बच्चे पेश करते हैं। देशभर से कई फोक ग्रुप इस फेस्टिवल में बाल कलाकारों की प्रस्तुतियों को लेकर पहुंचते हैं।

'जश्न-ए-बचपन' और 'बाल संगम' हर साल बारी-बारी से हर साल होते थे, एक साल एक फेस्ट, दूसरे साल दूसरा। जश्न-ए-बचपन आखिरी बार 2018 में और बाल संगम 2019 में हुआ था। इसके बाद कोविड आया और कोविड के बाद भी एनएसडी इसे शुरू ही नहीं कर पाया।

नैशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के डायरेक्टर चितरंजन त्रिपाठी ने कहा, इन दोनों ही फेस्टिवल की वापसी हो रही है। इस बार भारत रंग महोत्सव का 25वां साल है तो इस खास साल के साथ हम इन दोनों महोत्सव को झंडी के साथ जोड़कर ला रहे हैं ताकि बच्चों - खासकर लोक और ट्राइबल क्षेत्रों के बाल कलाकारों को एक जीवंत और समावेशी मंच मिल सके। हमें बच्चों के नाटकों की एंट्री मिली है और हमारी थिएटर एजुकेशन विंग, संडे क्लब के करीब 16 नाटक और स्कूल स्तर की परफॉर्मेंस भी उत्सव का हिस्सा बनेंगी। आने वाले साल में हम तय करेंगे कि इसे नवंबर में करना है या भारत रंग महोत्सव के साथ। हालांकि, हमारा इरादा है कि इसे पहले की तरह नवंबर में करें।

9 महीने में पकड़े 9000 जानवर, गौशालाओं में भेजा

Rajesh.Saroha@timesofindia.com

- डेयरी मालिक सुबह दूध निकालने के बाद गायों को सड़क पर छोड़ देते हैं
- दिल्ली में गौशालाओं की कमी की समस्या आ रही है सामने

■ **नई दिल्ली :** MCD के पशु विभाग ने अप्रैल 2025 से दिसंबर 2025 के बीच 8,900 से ज्यादा आवारा जानवरों को पकड़कर दिल्ली की अलग-अलग गौशालाओं में भेजा है। इसके बाद अब विभाग के सामने सबसे बड़ी परेशानी यह खड़ी हो गई है कि पकड़े गए जानवरों को रखा कहां जाए। इसकी वजह यह है कि दिल्ली में इस समय सिर्फ 4 गौशालाएं ही काम कर रही हैं और इनमें पहले से ही क्षमता से ज्यादा जानवर मौजूद हैं। जानकारी के मुताबिक जानवरों को कभी हरेवली की गोकल गौशाला भेजा जाता है तो कभी रेवला खानपुर के गौसदन में। सूत्रों ने बताया कि अब इन दोनों गौशालाओं ने भी नई गायें को लेने से मना कर दिया है। ऐसे में दिल्ली की छोटी-बड़ी सड़कों से आवारा जानवर पकड़ने का अभियान लगभग ठप हो गया है।

सड़क पर घूम रही हर गाय आवारा नहीं: दिल्ली में आवारा जानवरों की समस्या लगातार बढ़ रही है। इन जानवरों की वजह से ट्रैफिक की आवाजाही प्रभावित होती है और आए दिन सड़क हादसे भी होते हैं। MCD के एक अधिकारी ने बताया कि सड़क पर दिखने वाली कई गायें पूरी तरह आवारा नहीं होतीं। आसपास के डेयरी मालिक सुबह दूध निकालने के बाद गायों को सड़क पर छोड़ देते हैं। दिनभर वे गायें इधर-उधर घूमती रहती हैं और शाम को दूध निकालने के समय डेयरी मालिकों के कर्मचारी उन्हें वापस ले जाते हैं।

गौशालाओं की भारी कमी: एक बड़ी समस्या दिल्ली में गौशालाओं की कमी भी है। हरेवली की गोकल गौसदन और सुल्तानपुर डबास की श्रीकृष्ण गौशाला काफी समय पहले ही फुल हो चुकी हैं। रेवला खानपुर की मानव गौसदन की हालत भी यही है। कुछ समय पहले तक सुरहेड़ा की डाबर हरे कृष्ण गौशाला में जानवर भेजे जा रहे थे, लेकिन मई 2025 में वहां के मैनेजमेंट ने दिल्ली सरकार को पत्र लिखकर बताया कि उनकी गौशाला में पहले से ही क्षमता से ज्यादा जानवर हैं। कुछ समय से गोपाल गौशाला और मानव गौसदन में जानवर भेजे जा रहे थे, अब इन गौशालाओं ने भी हाथ खड़े कर दिए हैं। पशु विभाग का कहना है कि अब सरकार ने घुम्मन हेड़ा में कई साल से बंद गौशाला को दोबारा शुरू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

1988 में परेड में शामिल होने का वो अनुभव

परमवीरों और बोफोर्स तोप वाली उस परेड का अनुभव था बेहद खास

कड़ी चयन प्रक्रिया और महीनों की कठिन मेहनत के बाद ही इस कैंप का टिकट हासिल होता है

Sanjeev.Kumar11@timesofindia.com

■ **किसी भी** एनसीसी कैडेट से पूछिए कि उसके लिए 'आरडी कैंप' (Republic Day Camp) के क्या मायने हैं। उसकी आंखों में तुरंत एक अलग चमक दिखेगी। राष्ट्रीय राजधानी में हर साल जनवरी के पूरे महीने चलने वाले इस कैंप का हिस्सा बनना हर कैडेट का सपना होता है, लेकिन यह सौभाग्य केवल चुनिंदा कैडेटस को ही मिलता है। कड़ी चयन प्रक्रिया और महीनों की कठिन मेहनत के बाद ही इस कैंप का टिकट हासिल होता है। आरडी कैंप में गतिविधियों और प्रतियोगिताओं की कमी नहीं होती, लेकिन हर कैडेट की निगाहें सिर्फ एक लक्ष्य पर टिकी रहती थीं-राजपथ (अब कर्तव्य पथ) की मुख्य परेड के लिए चुना जाना।

सन 1988 में जब मैं अपने राज्य का प्रतिनिधित्व करते हुए दिल्ली में आरडी कैंप पहुंचा, तो वह अहसास ही अलग था। उन दिनों परेड में एनसीसी की आर्मी, नेवी, एयरफोर्स और गर्ल्स विंग की कुल चार टुकड़ियां शामिल होती थीं। चयन की राह बेहद कठिन थी। सेना, अर्धसैनिक बलों और पुलिस की चुनिंदा टुकड़ियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए हर कोई जी-तोड़ मेहनत करता था। एनसीसी बीचन और गर्ल्स बैंड की धुन जब हवा में फैलती, तो हमारी रगों में नया जोश दौड़ जाता। मार्च-पास्ट में हिस्सा लेने वाले कैडेटस एनसीसी सॉन्ग-'हम सब भारतीय हैं'-की धुन पर कदमताल करते और फिर सारी थकान पलभर में मिट जाती।

उस वर्ष गणतंत्र दिवस परेड की शुरुआत तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा 'अमर जवान ज्योति' पर पुष्पांजलि अर्पित करने से हुई थी। परेड में शामिल सभी टुकड़ियों ने राजपथ पर बने मुख्य मंच के पास राष्ट्रपति आर वेंकटरमण को सलामी दी थी। श्रीलंका के राष्ट्रपति जेआर जयवर्धने समारोह के मुख्य अतिथि थे। सुबह 10 बजे शुरू होने वाली परेड की तैयारी तड़के 4 बजे ही शुरू हो जाती। जनवरी में कड़ाके की सर्दी में गैरिसन परेड ग्राउंड के टेंटों में रहते हुए वर्दी को कांच जैसा चमकाने की जद्दोजहद हर रोज होती। बूटों की चमक से लेकर नेवी की पी-कैप का सही कोण-सब कुछ 'परफेक्ट' होना जरूरी था। बीचन कैडेटस के लिए अपनी राइफल को संभालना और उसकी देखभाल करना जान की हिफाजत करने जैसा था।

श्रीलंका के राष्ट्रपति जेआर जयवर्धने मुख्य अतिथि थे

तड़के ही विजय चौक पर तैनात होना और सेना के अस्त्र-शस्त्रों को करीब से देखना हम सभी कैडेटस में अभाधरण रोमांच भर देता था। साल 1988 की वह परेड कई मायनों में खास थी। एनसीसी अपनी स्थापना की 40वीं वर्षगांठ मना रहा था। उसी वर्ष देश ने अपने दो वीर सपूतों-मेजर आर परमेश्वरन (मरणोपरांत) और नायब सूबेदार बाना सिंह-को 'परमवीर चक्र' से सम्मानित होते देखा। साल 1972 से 1987 के बीच किसी को परमवीर चक्र से नहीं नवाजा गया था, इसलिए यह क्षण और भी विशेष था। सूबेदार बाना सिंह से मिलना हम सभी कैडेटस के लिए गर्व और प्रेरणा से भरा पल था। इतना ही नहीं, उस साल पहली बार 'बोफोर्स तोप' ने परेड का हिस्सा बनकर दुनिया का ध्यान आकर्षित किया।

गणतंत्र दिवस

...ताकि समझ सकें स्वतंत्रता और कर्तव्य

गणतंत्र दिवस की परेड से जुड़ी हर भारतीय की अपनी एक कहानी है। हमने अपने रीडर्स से 26 जनवरी की परेड से जुड़े उनके खास अनुभव साझा करने को कहा है। जिस पर हमें रोजाना ढेरों रिस्पॉन्स मिले और उन्हीं में से कुछ चुनिंदा रिस्पॉन्स आज हम यहां छाप रहे हैं।

'परेड के बाद शिवाजी पार्क का मेला देखते थे'

हम करोल बाग में रहते थे और वहां से सुबह पैदल चल कनॉट प्लेस पहुंचा करते थे। वहां से हम गणतंत्र दिवस की परेड और झांकियों का आनंद लिया करते थे। वो बचपन की यादें अभी भी मन में जीवित हैं। परेड के बाद वहीं शिवाजी पार्क में मेला देख कर घर आते थे। *-मीरा जैन*

'हमेशा याद रहेगी 1961 की वो 26 जनवरी'

1961 में मैं 8-10 साल की उम्र में बड़े भाई और परिवार के साथ परेड देखने गया था। आगे बैठने के लिए सुबह अंधेरे में ही चले गए। वहां पानी की नहर पर जमी हुई काई घास की तरह दिख रही थी। हम दोनों भाई उसमें जा गिरे। उसके बाद से हम अजमेरी गेट के पास ही परेड देखने लगे। *-हर किशन*

RDAY लाइव ▶

कर्तव्य पथ पर एक साथ उठते कदम और अनुशासन में सजी ये पवित्रता सिर्फ परेड की तैयारी नहीं, बल्कि गणतंत्र दिवस की यादों की शुरुआत भी है। 26 जनवरी से जुड़ा आपका अनुभव क्या है। क्या आप कभी इस परेड का हिस्सा रहे हैं या दर्शक दीर्घा में बैठकर इसे लाइव देखा है? अपनी यादें, किस्से और एहसास हमारे साथ साझा करें।

अपने अनुभव आप हमें 9220747220 पर वॉट्सऐप कर सकते हैं या फिर nbtreader@timesofindia.com पर मेल कर सकते हैं। सब्जेक्ट में RDay जरूर लिखें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAJK3 User: cci Time: 01-25-2026 22:00 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 26 जनवरी 2026 > माघ 6 शक संवत 1947 माघ शुक्ल अष्टमी, विक्रम संवत 2082 WATCH GOD WATCHDOG वर्ष 80, संख्या 22 > पेज 30* > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in

गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं

NBT नवभारत टाइम्स

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

सभी देशवासियों को 77वें

गणतंत्र दिवस

की हार्दिक शुभकामनाएं

“ गणतंत्र दिवस की सार्थकता तभी है जब देश के हर नागरिक को समानता का अधिकार मिले। पंजाब में हमने यह सुनिश्चित किया है कि अच्छी शिक्षा और बेहतरीन इलाज पर सिर्फ अमीरों का नहीं बल्कि हर आम आदमी का मौलिक हक हो। स्वास्थ्य और शिक्षा ही एक सशक्त राष्ट्र की नींव हैं। आइए इस गणतंत्र दिवस पर एक शिक्षित और स्वस्थ भारत बनाने का संकल्प लें। ”

जय हिंद!

भगवंत सिंह मान

मुख्यमंत्री, पंजाब

सूचना एवं लोक संपर्क विभाग, पंजाब

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: MahanagarBook2 Edition: 1 Page: PP2NBMA6 User: cci Time: 01-25-2026 12:58 Color:

दिल्ली में भी 'घूमर घूमर घूमर', 'आपणी गणगौर' 15 मार्च को

एक हज़ार राजस्थानी परिवारों की महिलाएं करेंगी खास नृत्य

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

घूमर की लय से मार्च में दिल्ली झूम उठेगी। राजस्थान के 77वें स्थापना दिवस के अवसर पर 15 मार्च को दिल्ली में बड़ा सांस्कृतिक कार्यक्रम 'आपणी गणगौर' का आयोजन किया जाएगा। राजस्थान फाउंडेशन के दिल्ली चैप्टर के अध्यक्ष मीए अरके किला ने बताया कि राजस्थान सरकार ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने इस वर्ष से 30 मार्च के स्थान पर हिंदू तिथि के अनुसार राजस्थान दिवस मनाने का निर्णय लिया है।

राजस्थान के 77वें स्थापना दिवस पर कार्यक्रम

इसके तहत इस आयोजन का सबसे विशिष्ट और आकर्षण कार्यक्रम आराध्य सेवा केंद्र छतरपुर में 15 मार्च को दोपहर 2 बजे से 'गणगौर महोत्सव' और 'महाघूमर' होगा, जिसमें लगभग 1000 राजस्थानी परिवारों की महिलाएं सामूहिक रूप से घूमर नृत्य प्रस्तुत करेंगी।

किला ने बताया कि यह महाघूमर ना केवल ऐतिहासिक होगी , बल्कि दिल्ली-एनसीआर में रह रहे हजारों प्रवासी राजस्थानी (एनएनआर) परिवारों, विशेषकर महिलाओं के लिए प्रेरणादायी भी सिद्ध होगी। कार्यक्रम में लगभग 10,000 से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

उन्होंने बताया कि इस अवसर पर राजस्थान के विकास पर एक परिचर्चा और पैनल डिस्कशन भी होगा। राजस्थान दिवस के सांस्कृतिक कार्यक्रमों में 30 दल भाग लेंगे, जिनमें टॉप तीन दलों को 51 हजार, 31 हजार और 21 हजार रुपये नकद राशि से नवाजा जाएगा। घूमर नृत्य और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले दलों के लिए राजस्थानी मित्र मण्डल और राजस्थान फाउंडेशन के साथ रजिस्ट्रेशन का लिंक 1 फरवरी से एक्टिव होगा।

आराध्य सेवा केंद्र छतरपुर में 15 मार्च को दोपहर 2 बजे से 'गणगौर महोत्सव' और 'महाघूमर' होगा

काव्य कौथिक में कुसुम को साहित्य सम्मान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

हर रोज गढ़वाली भाषा की एक पनल (पहेली) लिखने वाले पनलकार जगमोहन सिंह राजा 'जगमोरा' की ओर से मासिक साहित्यिक संगोष्ठी की कड़ी में रविवार को इस संगोष्ठी का पहला वार्षिकोत्सव मनाया गया।

इस अवसर पर गढ़वाल भवन, दिल्ली में 'बहुभाषा काव्य कौथिग' संपन्न हुआ, जिसमें हिंदी, नेपाली, गढ़वाली, कुमाऊंनी एवं जौनसारी जैसी पांच भाषाओं के लगभग 100 कवियों/साहित्यकारों की काव्य गोष्ठी हुई।

काव्य कौथिग में डॉ हेमा जोशी 'हिमांशु' की दो पुस्तकों- 'विज्ञान कथा: एक परिचय और 'कंदाली धूर' के विमोचन के साथ उत्तराखंड की लोक कला 'पंडावानी की मर्मज्ञ डॉ० कुसुम भट्ट को साहित्य सम्मान दिया गया।

साहित्यकार सुशील बुड़ाकोटी 'शैलांचली' ने संगोष्ठी के एक वर्ष की यात्रा पर संक्षिप्त वक्तव्य दिया। दिल्ली विश्वविद्यालय के शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ वीरेंद्र सिंह नेगी ने कहा कि इस तरह के भाषा, संस्कृति, साहित्य के त्रिवेणी सम्मगम हमें जड़ों से जोड़ने में सहायक होंगे। मास्टर रुद्र धनशाला, गणेश खुगशाल 'गणी' ने भी अपनी बात रखी।

आजीवन सम्मान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: गढ़देशीय भाई मंडल पूर्वी दिल्ली की ओर से एक फरवरी को कड़कड़डूमा के गढ़वाल सदन में वरिष्ठ आजीवन सदस्य सम्मान दिए जाएंगे। मंडल के अध्यक्ष विनोद कुमार नौटियाल और महासचिव कमल सिंह रावत है। नब्बे प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले मेधावी छात्रों का भी सम्मान होगा। मंडल के भूतपूर्व अध्यक्षों का भी सम्मान किया जाएगा। बच्चों की ओर से इस अवसर पर उत्तराखंडी सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाएगा।

हिमाचल प्रदेश ने मनाया स्टेडहुड डे

हिमाचल प्रदेश ने रविवार को अपना पूर्ण राज्यत्व दिवस मनाया। इस मौके पर हिमाचल से लेकर दिल्ली तक कई रंगारंग कार्यक्रम भी हुए, जिनमें प्रदेश की संस्कृति की झलक दिखी। 1956 से केंद्र शासित प्रदेश रहने के बाद 25 जनवरी 1971 को हिमाचल को पूर्ण राज्य का दर्जा मिला था। हिमाचल प्रदेश का गठन 15 अप्रैल 1948 को हुआ था।

पालम-द्वारका में उत्तराखंड महोत्सव

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: पालम की उत्तराखंड जन विकास समिति अगामी 7 और 8 फरवरी को पालम द्वारका महोत्सव कराने जा रही है। कार्यक्रम द्वारका सेक्टर 7 में दादा देव मेला ग्राउंड में होगा। महोत्सव के पहले दिन 7 फरवरी को महिलाओं और बच्चों के कार्यक्रम सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक होंगे। वहीं 8 फरवरी कोपर्वतीय कला संगम की ओर से दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक प्रस्तुति दी जाएगी।

गंगेश गुंजन को मैसाम सम्मान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: मैथिली साहित्य महासभा (मैसाम) द्वारा मैथिली के प्रसिद्ध साहित्यकार गंगेश गुंजन को मैसाम सम्मान 2026 से सम्मानित किया जाएगा। मैसाम के महासचिव आशीष नौरज और अरुण कुमार मिश्र ने कहा कि यह निर्णय मैसाम 2026-28 की पहली कार्यकारिणी बैठक में लिया गया। बैठक में अध्यक्ष हेमंत झा, सूर्य नारायण यादव, निवेदिता मिश्र झा, अरुण कुमार मिश्र, राहुल झा वत्स, आनंद दास, कविता पाठक झा, संजय झा, सरोज झा, राहुल झा, प्रेम चौधरी, संजीव सिन्हा, पवन ठाकुर, उज्ज्वल कुमार झा और अखिलेश मिश्र उपस्थित थे।

गंगेश गुंजन

दिल्ली में वसंत पंचमी का जश्न, मैथिल समाज ने भी की मां सरस्वती की पूजा

मैथिल विधि-विधान से की पूजा, आयोजित किए सांस्कृतिक कार्यक्रम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में रह रहे मिथिला समाज के लोगों ने विगत वर्षों की भांति इस बार भी वसंत पंचमी पर मां सरस्वती का पूजा धूम धाम से किया। मैथिल विधि-विधान के साथ पूजा करने के साथ ही इस दौरान मैथिल कलाकारों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति कर माहौल को भक्तिमय बना दिया।

विनोद नगर में विद्यापति मैथिल युवा मंच ने लगातार 24वें साल मूर्ति स्थापित कर पूजा का आयोजन किया। इस दौरान स्थानीय मैथिल बच्चों ने विभिन्न प्रकार के मनोरंजक और ज्ञानवर्धक कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। विनोद नगर में ही मैथिल युथ परिषद ने मां सरस्वती की विधिवत पूजा अर्चना की। संस्था के अध्यक्ष मुरारी एम झा ने बताया कि उत्कृष्ट योगदान देने वाले कुछ लोगों का सम्मान भी किया गया। मैथिल समाज, ग्रेटर नोएडा वेस्ट ने भी लगातार छठे साल पूजा का आयोजन किया। मिथिलांगन ने देवेश्वरी भवन, नजफगढ़ रोड में जक्रिंग श्याम विहार में मिथिलांचल सरस्वती पूजा समिति ने पूजा का आयोजन किया।

गुलमोहर एनक्लेव में एल एण्ड एस अकेडमी एजुकेशनल सोसायटी और लैग्वेज पैनथियन ने अध्यक्ष भोला झा गुरुजी के नेतृत्व में पूजा का आयोजन किया। इंद्रप्रस्थ मैथिल मंच, रोहिणी ने भी लगातार 24वें वर्ष वृहत स्तर पर पूजा का आयोजन किया। संस्था के संस्थापक एवं ट्रस्टी सुनीत ठाकुर ने बताया कि पूजा एक दिन पहले अधिवास और सुन्दरकाण्ड पाठ से ही प्रारंभ हो जाती है।पूजा के बाद सवा लाख पुष्पाहुति दी जाती है।

TIMES interact
Connecting People, Connecting Needs
To book your ad
Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free)
Scan QR Code

ऑटो
प्री ओन्ड व्हीकल्स
मारुति
MARUTI CIAZ White, Automatic, 97K KM, 1st owner, Mint cond looks new, Nov 2016 registration, Rs 390000. Ins 25-26 paid, Owner leaving S Delhi arup97@gmail.com 9818906547

व्यक्तिगत
नाम परिवर्तन
I, Sameer Verma R/o C4- 2404, Cleo County, Sector 121, Noida - 201301 have changed my minor daughter's name from Aishwarya Verma to Aisshwarya Verma.

मैं मक्रम , पिता नन्दलाल डंग निवासी 29/3 वेस्ट पटेल नगर, नयी दिल्ली -110008 ने भविष्य के सभी उद्देश्यों के लिए अपना नाम मक्रम से मक्रम डंग कर लिया है

I, Pawan Kumar Virmani, S/o Lt. Shri Ved Prakash, Amolik Sankalp Tower Nine Flat no 903, sector 85 Greater Faridabad Haryana 121002.I have changed my name to Pawan Virmani for all purpose vide affidavit dated 12/11/2025,sworn before Notary Name Uday Bir.

मैं, रिण्या सरिन, यह घोषणा करती हूँ कि मैंने अपने नाबालिग पुत्र आयु 10 वर्ष का नाम निधान अली से बदलकर निधान सरिन कर दिया है, पिता: मोहम्मद अफ़ज़ल अली एवं माता: रिण्या सरिन, निवासी: R -87/2, प्रथम तल, मंडाला टाउन-III , उत्तर पश्चिम दिल्ली - 110009

मैं, रिण्या सरिन, यह घोषणा करती हूँ कि मैंने अपनी नाबालिग पुत्री आयु 3 वर्ष का नाम रिया अली से बदलकर रिया सरिन कर दिया है, पिता: मोहम्मद अफ़ज़ल अली एवं माता: रिण्या सरिन, निवासी: R-87/2, प्रथम तल, मंडाला टाउन-III, उत्तर पश्चिम दिल्ली - 110009

I, Mohd. Kashif Kamal, S/o Kamal Mohd. Zakir, R/o 16/67-68, 3rd Floor, PVT No. B-3, Gali No. 2, Joshi Road, Karol Bagh., Delhi - 110005, have changed my name to Kashif Kamal for all future purposes vide affidavit dated 22-01-2026, IN-DL39360084067877

THE TIMES OF INDIA
Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

भर्ती
भर्ती-रिक्त पदों की स्थिति
प्रशासन
कार्यालय सहायक
चाहिए द्विलिंगम ईवेंटमूवल प्रॉपर्ट्स ऑफिस वर्क हेतु Female Staff, जो कंप्यूटर जानती हो।वसंतकुंज के पास वाले को महिला/सामर्थ कर्मी : 7838715008, 8012635788.

चिकित्सा
चिकित्सा
REQUIRED experienced qualified doctors for upcoming multi speciality clinic at prime location in Noida Extension on revenue sharing basis . Reqd. Consultant 1. ENT, 2. General Physician, 3. Ortho- pedist . Interested Doctors may respond with resume and proposed time slots or daily basis/Half day basis. Please mail at linearns4@gmail.com or WhatsApp 9717606022

अन्य रिक्तियां
चालक
कमलो दिन के रु. 1000 तक (फर्ट डाइव / फुल डाइव) भारत टैक्सी माइक चलाएं। जॉइन करने के लिए भारत टैक्सी ड्राइवर टेम डाउनलोड करें या कॉल करें - 011 -66801000

टेंडर और नोटिस
निविदाएं (टेंडर्स)
RAMADA BY WYNDHAM GURGAON CENTRAL
TENDER NOTICE
Tenders are invited for the supply and services of following items contract for annual FY 2026-2027 for - RAMADA BY WYNDHAM GURGAON CENTRAL, Sector-44, Gurgaon
PERISHABLES:
(A) Vegetables & Fruits - Indian & Imported (B) Dairy Products and Milk (C) Indian & Imported Cheese (D) Fresh Mutton (E) Sea Food-Fresh & frozen (F) Egg (G) French Fries, Frozen Green Peas, Corn & Other Frozen Items (H) Ice-Creams & Kulfi (I) Frozen Pork & Meat- Indian & Imported (J) Indian Provision / Groceries (K) Imported Grocery (L) Bakery Products (M) Cold Cuts (N) Soft Beverage.
OTHERS:-
(A) Office Printing & Stationery (B) LPG, Charcoal, Gel Fuel (C) Cleaning Supplies, Garbage bags & Carry bags (D) Engineering items including Hardware, Sanitary ware & Plywood items etc. (E) General Supply (F) Staff Uniform (G) Chemical Supply (H) Guest & Paper Supplies. (I) Plants & Pots (J) Electrical items.
SERVICES :-
(A) Upholstery work (B) Tentage Rental (C) Transport Services (D) Paint & Polishing Services (E) AMC related to Hotel (F) IT Products (G) Cartridge Refilling (H) Dry Catering for Outdoor Catering (I) Housekeeping Services including Glass Cleaning / Marble Polishing / Horticulture Services (J) Fire extinguisher & Refilling (K) Motor Rewinding. (L) AMC of Kitchen Equipments
Specification & Tender for each item can be obtained from The Ramada by Wyndham Gurgaon Central, Sector-44, Gurgaon-122003, Purchase Office Samar Nayak / Sabuja, Contact No. 9582220908, 9650000000, 8010283336 on all working days between 10:00 AM to 4:00 PM from 27th Jan, 2026 to 15th Feb 2026 on DD/Cheque/Bank Transfer payment of Rs. 1500/- plus 18% GST (Rs. 1770/-) in favour of " RAMADA GURGAON CENTRAL" For each set. (Non-Refundable).
Email: pro@ramadagurgaoncentral.com & store@ramadagurgaoncentral.com
Sealed Tender will be received till 04:00 PM on 15th Feb, 2026
Terms & Condition : The Management reserves the right to accept or reject any tender in part or whole without assigning any reason thereof.

HEALTH & WELLNESS
विवाहित जीवन में पायें नई खुशियाँ नया जोश नई उमंग
SEX समस्या
आयुर्वेदिक सलाह लें
समय 10 - 7 तक
आकाश दवाखाना
एक्सप्रेस टावर आकाश सिनेमा के पास आजाद पुर दिल्ली
9953396533
8860003863

SEX Problems?
स्थायी इलाज के लिए
चेतन आयुर्वेदा
बदरपुर दरियागंज भजनपुरा छतरपुर
3083, Main Road, Daryaganj N.D.-8
9817469817

SEX PROBLEM
बचपन की गलतियों के कारण आयी सभी सेक्स समस्याओं के समाधान के लिए हमारी सलाह द्वारा दवा का सेवन करें और 15 दो दिन में फर्क देखें
सिर्फ ₹955 मात्र
घर बैठे दवा मंगवायें
सन्यासी आयुर्वेदा
2284,मोहिया पुल पीछे,पुरानी दिल्ली
• मंगोलपुरी • कालकाजी
फ्री सलाह: 8527001155

TIMES interact
BOOK YOUR CLASSIFIED ADS
FOR PROPERTY ADS PLEASE CONTACT SUNIL : 9999499496

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL
PROPERTY
BUSINESS
RECRUITMENT, EDUCATION
CHANGE OF NAME, LOST & FOUND
SHOPPING
TENDER, PUBLIC NOTICE
SERVICES, VEHICLES, TRAVEL
BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS
Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
Central Delhi2 + Ghaziabad	Sunil Srivastava	99994 99496
South Delhi + Faridabad	Raghav Arora	99999 95460
West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518
East Delhi + Noida	Sumit Negi	98992 68321

REPUBLIC DAY SPECIAL
TIMES interact

Kas Madhu
खांसी नज़ला जुकाम
Mfr : TULISON PHARMA
118-H, East Moti Bagh, Sarai Rohilla, Delhi-7, Ph: 011-23897278
E-mail : tulisonpharma@gmail.com Visit us: www.kasmadhu.in
ISO 9001:2015 & G.M.P Certified Co
खांसी की गुणकारी औषधि बच्चों व बुजुर्गों सभी के लिए हानिरहित, हर्बल कफ़ सिरप
कासमधु®
हर्बल कफ़ सिरप
केश जीवन तेल®
आँवला, हिना, ब्राह्मी के गुणों से युक्त
चिपचिपाहट रहित हर्बल हेयर ऑयल
बालों का टूटना, झड़ना रोके एवं मुलायम, चमकदार व सुंदर बाल बनाने में सहायक

PROPERTY FOR SALE
1. NARAINA -Corner 252 sq yrd 4bed att. bath luxurious flrs ready to shift Ground FLR, basement, independent stilt prkg.
2. PATEL NAGAR - independent 200 yards free hold opposite to gurudwara.
3. NEA/OPP TO GANGA RAM HOSPITAL 500 sq. Yrd luxurious floors 2 lifts stilt parking ready to shift free hold.
4. RAJINDER NAGAR - Floors flats under construction/ready to shift many options available.
5. PUSA/PATEL ROAD - commercial offices free hold under booking/ready to shift.
6. NEW ROHTAK ROAD/ RAMJAS ROAD ready to shift/ under construction many options available.
7. Rajendra Place - commercial offices available
Rajinder Kumar Bidaney
9810546993, 9958315584
TO BOOK YOUR TRAVEL ADS PLEASE CALL
AMAN : 9312633518
TO BOOK ONLINE LOG ON TO timesofindia.com

FARM HOUSE, LANDS DELHI & NCR
SALE - PURCHASE - RENT
DELHI, HARYANA, RAJASTHAN
Westend Green Rajokari, Chattarpur, Vasant Kunj, Bijswan , Gurgaon , Sohna ITC Classic, Agricultural Land, Industrial, Warehouse, Institutional, School, Hotel, Resort, College - Lands.
1 ACRE TO 100 ACRES
CONTACT- HARIRAM
9810408343

• RBI BONDS
• 8% Shriram/ PNB / Bajaj
• 1 Crore Govt LIC Schemes 52000/- P.M.
Gift Plan by Nana Nani, Dada Dadi to Grand Child
"जिन्दगी के साथ भी जिन्दगी के बाद भी"
TAX SAVINGS-TAX FREE PLANS
LIC Sanjay Nidhi Jain (Since 1988)
(M) 9654066136
• NOIDA • GURGAON • DELHI • INDIRAPURAM

FARM LAND
In Gurgaon
20 Minutes Distance From DLF Parvana Highrise/ Beautiful Location / Green Surrounding / Sweet Water / Best For Farm House
One Plot in DLF-1, 500 Yards Cost Rs 25 Cr
One Acare Farm In 18 Cr Can Be Double In A Year
Call : DEEPARUL ESTATE 9811068621

Happy Republic Day
26th January
Hotel Jageer Palace, (Mansarover Garden)
Hotel JP Grand, (Mansarover Garden)
Hotel JP Tower, (Mansarover Garden)
Hotel Vishwakarma Palace (Rohini)
Hotel Jageer Palace (Bawana)
ilios (Rooftop café in Rajouri Garden)
9891197777
HOTEL JAGEER PALACE (NEW DELHI)
www.hoteljageerpalace.com
ilios KITCHEN & BAR IS NOW OPEN IN GURUGRAM

BOOK YOUR SHOPPING ADS
FOR BOOKING PLEASE CONTACT
Aman Pasricha 9312633518
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE
SCAN TO BOOK

BOOK YOUR PERSONAL ADS
FOR BOOKING PLEASE CALL AMIT : 9811790649
TO BOOK ONLINE LOG ON TO timesofindia.com
SCAN QR CODE

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD1 User: cci Time: 01-24-2026 22:40 Color:

नई दिल्ली / एमसीआर > 26 जनवरी-1 फरवरी 2026 > वर्ष 2, संख्या 4 > पेज 6 > मूल्य ₹6.00

नए टैबलेट में कहां होगा पैसा वसूल?
नए मिड-सेगमेंट टैबलेट में OnePlus, Redmi, Realme की टक्कर। सही कीमत में सही फीचर कहां पाएं?
देखें PG-5

NBT Wealth
नवभारत टाइम्स

रिटायरमेंट बाद क्या हो टैक्स की रणनीति?
रिटायरमेंट के बाद बदलते इनकम स्रोतों और निवेशों में छोटी गलतियां भी टैक्स नोटिस, पेनल्टी की वजह बन सकती हैं।
देखें PG-4

पंजाब एण्ड सिंध बैंक
कार लोन
7.30% ब्याज दर
8879840089 पर मिस्ड कॉल दें

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या फायदा आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

चांदी की तेज़ी आगे भी जारी या अब थमने का है वक्त?

पिछले डेढ़ साल में चांदी ने रिकॉर्ड तेजी दिखाई है, लेकिन 2026 में निवेशकों के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि यह रफ्तार बनी रहेगी या ठहराव आएगा? मजबूत मांग, सप्लाई की कमी और ग्रीन एनर्जी जैसे फैक्टर सपोर्ट दे रहे हैं, वहीं ETF फ्लो, डॉलर की चाल और सट्टेबाजी जोखिम बढ़ा सकती है। ऐसे में चांदी में निवेश अब धैर्य, अनुशासन और सही रणनीति की परीक्षा है। सही स्ट्रैटजी क्या होगी?
देखें PG-3

₹50,000 की सैलरी में स्मार्ट निवेश और सुरक्षित भविष्य!

पहली नौकरी और ₹50,000 की सैलरी युवा प्रोफेशनल्स के लिए सिर्फ खर्च की आजादी नहीं, बल्कि सही फाइनैंशल नींव रखने का मौका है। एक्सपर्ट का कहना है कि सही बजटिंग, SIP, बीमा और इमरजेंसी फंड के संतुलन से कर्ज से बचते हुए बड़ी संपत्ति बनाई जा सकती है। यानी छोटी शुरुआत, अनुशासन और सही निवेश विकल्प भविष्य में बड़ा कॉर्पस और आर्थिक सुरक्षा दे सकते हैं।
देखें PG-2

डायरेक्ट म्यूचुअल फंड का दम

खुद निवेश, ज्यादा रिटर्न

सुदेश रंजन
Sudesh.Ranjan@timesofindia.com

अगर आप म्यूचुअल फंड की बुनियादी समझ रखते हैं और लंबी अवधि के निवेशक हैं, तो डायरेक्ट प्लान आपके लिए बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। इसमें कमीशन नहीं होता और एक्सपेंस रेश्यो कम रहता है, इसलिए ज्यादा रिटर्न की गुंजाइश रहती है। हालांकि, इसके लिए निवेशक को खुद जिम्मेदारी लेनी होती है।

अधिकतर निवेशक सीधे शेयर बाजार में पैसा लगाने से कतराते हैं। वजह साफ है कि जोखिम ज्यादा है। लेकिन दूसरी ओर वे यह भी जानते हैं कि बैंक एफडी जैसे विकल्पों से लंबे समय में महंगाई (Inflation) को मात देना मुश्किल है। ऐसे में सबसे संतुलित विकल्प म्यूचुअल फंड का बचता है, जहां जोखिम और रिटर्न के बीच बेहतर संतुलन मिलता है। लेकिन यहां सवाल उठता है कि डायरेक्ट प्लान लें या रेगुलर प्लान?

पहले म्यूचुअल फंड में निवेश सिर्फ ब्रोकर या डिस्ट्रीब्यूटर के जरिए होता था। रेगुलर प्लान में डिस्ट्रीब्यूटर का कमीशन शामिल रहता है, जो टोटल एक्सपेंस रेश्यो (TER) बढ़ाता है और रिटर्न घटाता है। निवेशकों के हित में SEBI ने 1 जनवरी 2013 से डायरेक्ट प्लान शुरू करने का निर्देश दिया। डायरेक्ट प्लान में निवेशक बिना किसी डिस्ट्रीब्यूटर के सीधे फंड हाउस से निवेश करता है। इसमें कमीशन नहीं होता, इसलिए TER कम रहता है और लंबे समय में रिटर्न ज्यादा हो सकता है। डायरेक्ट प्लान में निवेशक किसी AMC की वेबसाइट, थर्ड पार्टी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म जैसे Groww, Zerodha, PaisaBazaar या RTA जैसे CAMS और Karvy के जरिए SIP या एकमुश्त निवेश कर सकता है। हालांकि, डायरेक्ट प्लान में सही फंड चुनने की जिम्मेदारी निवेशक की खुद की होती है।

असली फर्क क्या है?

डायरेक्ट और रेगुलर प्लान में फंड मैनेजर, पोर्टफोलियो, निवेश रणनीति सब कुछ एक जैसा होता है। फर्क सिर्फ दो चीजों में होता है:

1. टोटल एक्सपेंस रेश्यो (TER):
रेगुलर प्लान में TER ज्यादा होता है, क्योंकि इसमें डिस्ट्रीब्यूटर का कमीशन शामिल रहता है। डायरेक्ट प्लान में यह खर्च कम होता है।

2. नेट असेट वैल्यू (NAV):
कम TER की वजह से डायरेक्ट प्लान का NAV यानी नेट असेट वैल्यू समय के साथ ज्यादा तेजी से बढ़ता है।

डायरेक्ट प्लान किसे चुनना चाहिए?

- जो निवेशक खुद रिसर्च कर सकते हैं।
- जो लंबी अवधि के लिए निवेश करते हैं।
- खर्च कम कर ज्यादा रिटर्न चाहते हैं।
- डायरेक्ट प्लान में सलाह नहीं मिलती, फंड चयन, टाइमिंग खुद समझनी होती है, यानी गलत फंड में निवेश का खतरा भी है।

डायरेक्ट vs रेगुलर: कहां कम खर्च?

HDFC Mid-Cap Fund
(19 जनवरी 2025 तक)

प्लान	TER	NAV
डायरेक्ट प्लान	0.71%	222.78
रेगुलर प्लान	1.36%	201.64

ICICI Prudential Large Cap Fund

प्लान	TER	NAV
डायरेक्ट प्लान	0.84%	124.45
रेगुलर प्लान	1.40%	113.01

यहां स्पष्ट है कि रेगुलर प्लान से डायरेक्ट प्लान का एक्सपेंस रेश्यो करीब 0.5% से 0.80% कम है। यह छोटा अंतर ही लंबे समय में बड़ी रकम बन जाता है।

कहां मिलता है ज्यादा रिटर्न?

HDFC Mid-Cap Fund (3 साल की SIP)

	डायरेक्ट प्लान (₹5,000 SIP)	रेगुलर प्लान (₹5,000 SIP)	डायरेक्ट प्लान (₹10,000 SIP)	रेगुलर प्लान (₹10,000 SIP)
सालाना ग्रोथ (CAGR)	26.04%	25.23%	26.04%	25.23%
कुल निवेश	₹1,80,000	₹1,80,000	₹3,60,000	₹3,60,000
कुल रिटर्न	₹94,474	₹90,735	₹1,88,949	₹1,81,469
कुल राशि	₹2,74,474	₹2,70,735	₹5,48,949	₹5,41,469

ICICI Prudential Large Cap Fund (3 साल की SIP) *(NAV, रिटर्न के आंकड़े 19 जनवरी तक के। यहां सिर्फ उदाहरण के लिए दिए गए हैं।)*

	डायरेक्ट प्लान (₹5,000 SIP)	रेगुलर प्लान (₹5,000 SIP)	डायरेक्ट प्लान (₹10,000 SIP)	रेगुलर प्लान (₹10,000 SIP)
सालाना ग्रोथ (CAGR)	17.89%	17.23%	17.89%	17.23%
कुल निवेश	₹1,80,000	₹1,80,000	₹3,60,000	₹3,60,000
कुल रिटर्न	₹59,491	₹56,900	₹1,18,981	₹1,13,801
कुल राशि	₹2,39,491	₹2,36,900	₹4,78,981	₹4,73,801

Reader's Choice

डायरेक्ट म्यूचुअल फंड के बारे में जानकारी देती यह स्टोरी हमारे पाठक आर. के. मित्तल की डिमांड पर छापी गई है। अगर आप भी किसी विषय पर जानकारी चाहते हैं तो हमें NBTwealth@timesofindia.com पर मेल करें। सबसे ज्यादा 'Reader's choice' लिखेंगे। हम उस विषय पर जरूरी हर जानकारी आपको देंगे।

GRIP®
www.gripinvest.in

इस गणतंत्र दिवस,
बॉन्ड्स में निवेश करें
और पाएं
12.5%* तक का फिक्स्ड रिटर्न
+
0.25% अतिरिक्त कमाएं
(ब्रोकरेज रिवर्सल के जरिए#)

GRIP®

Download on the App Store
GET IT ON Google Play
Scan to download the app

सेबी पंजीकृत ब्रोकर संख्या: INZ000312836
केवल ₹1,000 से निवेश करना शुरू करें

असीकरण: *प्लेटफॉर्म पर मौजूद इन्वेंट्री पर 8-12.5% तक की ब्याज दरें मिलती हैं
ऋण प्रतिभूतियों / नगर निगम ऋण प्रतिभूतियों / प्रतिभूतिकृत ऋण साधनों में निवेश भुगतान में देरी और / या चूक सहित जोखिमों के अधीन है. ऑफर से संबंधित सभी दस्तावेज़ों को ध्यान से पढ़ें. अधिक जानकारी के लिए, कृपया https://www.gripinvest.in/ पर जाएं. ग्रिप ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड, SEBI पंजीकरण संख्या INZ000312836, NSE मार्केट 90319। पंजीकृत पता - 106, II F, न्यू एसियाटिक बिल्डिंग, H ब्लॉक, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली 110001. #नियम एवं शर्तें लागू.

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD2 User: cci Time: 01-24-2026 22:40 Color:

पहली नौकरी में खर्च, निवेश, बचत का संतुलन

50,000 सैलरी कहां-कितना निवेश करें?

मृत्युंजय त्रिपाठी
Mrityunjay.Tripathi
@timesofindia.com

पहली सैलरी सिर्फ खर्च की आजादी नहीं, बल्कि भविष्य की दिशा तय करने का मौका भी देती है। यदि आपकी शुरुआती सैलरी 50 हजार है, तो भी सही बजट और अनुशासित निवेश से आप कर्ज के जाल में फंसे बिना और महंगाई के दबाव से दबे बिना न सिर्फ अच्छी जिंदगी जी सकते हैं, बल्कि रिटायरमेंट के लिए भी जरूरी पैसे जोड़ सकते हैं।

Gain Guide

पहली नौकरी जीवन के सबसे रोमांचक अनुभवों में से एक है। हाथ में आई पहली सैलरी न केवल आर्थिक आजादी का अहसास कराती है, बल्कि देरों सपने पूरे करने का हौसला भी देती है। लेकिन, विशेषज्ञों का मानना है कि यही वह समय है जब तय होता है कि एक युवा 'संपत्ति निर्माता' (Wealth Creator) बनेगा या फिर 'किस्तों का कैदी' (Debt Trap Victim)।

विशेषज्ञों का कहना है कि यदि आपकी शुरुआती सैलरी 50,000 है, तो आप सुविधाजनक स्थिति में हैं। भारत के मध्यम वर्गीय परिवेश में यह एक सम्मानजनक राशि है, जिसे अगर सही ढंग से मैनेज किया जाए, तो यह आपको समय से पहले रिटायर होने और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने में मदद कर सकती है।

बजटिंग की कला: 50-30-20 नियम अपनाएं

ज्यादातर युवा सैलरी आने के बाद खर्च करना शुरू करते हैं और महीने के अंत में जो बचता है, उसे निवेश करने की सोचते हैं। बैंकिंग और बीमा निवेश में 32 वर्षों का अनुभव रखने वाले पुर्णेन्दु उपाध्याय कहते हैं कि खर्च के बाद बचे रुपये से निवेश करना सबसे गलत तरीका है। सही तरीका है आय से पहले ही निवेश का हिस्सा अलग कर खर्च करना। इसे लागू करने के लिए 50-30-20 नियम सबसे प्रभावी है। 50,000 की सैलरी पर इसका गणित इस प्रकार होगा:

50% अपनी जरूरतों के लिए रखें

सैलरी के 50% यानी 25,000 को वैसे खर्च के लिए रखें, जिन्हें टाला नहीं जा सकता, जिनके बिना आपका गुजारा संभव नहीं है। जैसे यदि आप दूसरे शहर में है, तो किराया और बिजली आपकी आय का एक बड़ा हिस्सा ले सकता है। भोजन और ग्रॉसरी पर खर्च होना ही है। ट्रांसपोर्ट यानी ऑफिस आने-जाने का पेट्रोल या मेट्रो का खर्च भी इसमें शामिल है और यूटिलिटी बिल जैसे मोबाइल रेंटल, इंटरनेट और अन्य जरूरी सब्सक्रिप्शन भी।

30% अपनी इच्छाओं पर खर्च करें

विशेषज्ञों का मानना है कि निवेश के चक्कर में अपनी खुशियों का गला नहीं घोंटना चाहिए। 15,000 इसके लिए रखना चाहिए। इसमें शामिल है मनोरंजन, जैसे कि सिनेमा, नेटफ्लिक्स, या वीकेंड पर दोस्तों के साथ बाहर जाना। शॉपिंग यानी नए कपड़े या कोई गैजेट लेना और ट्रैवलिंग जिसमें साल में एक-दो बार छोटी ट्रिप की प्लानिंग हो सकती है।

20% बचत और निवेश में लगाएं

10,000 वह हिस्सा है जो भविष्य में आपके लिए काम करेगा। पुर्णेन्दु उपाध्याय के अनुसार, यह न्यूनतम सीमा है। इसे ज्यादा से ज्यादा बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। हालांकि यदि आप किराये के घर में रहते हैं तो जरूरी खर्च का हिस्सा बढ़ सकता है और ऐसे में अन्य हिस्सों पर तय सीमा में खर्च या निवेश की रणनीति प्रभावित हो सकती है। लेकिन यदि आप अपने माता-पिता के साथ रहते हैं और किराया नहीं देना पड़ता, तो बचत-निवेश को 40% (20,000) तक ले जाना चाहिए। तारेश भाटिया कहते हैं कि शुरुआत कम से कम 20-30% निवेश से करना चाहिए। 50,000 की सैलरी में 10,000-15,000 की SIP सही कदम है।

निवेश का स्मार्ट बंटवारा करें

अक्सर युवा अपनी पूरी बचत को एक ही म्यूचुअल फंड या बैंक खाते में छोड़ देते हैं। तारेश भाटिया का कहते हैं कि ₹10,000 को तीन हिस्सों में बांटें। यह मॉडल आपकी बचत को मकसद (Purpose) देता है, जिससे आपकी वित्तीय नींव कभी डगमगाती नहीं।

50% वेल्थ क्रिएशन के लिए: ₹5,000 आपके 'अमीर बनने' के सपने को पूरा करने के लिए है। यह लंबी अवधि में महंगाई को मात देने और बड़ा फंड (Corpus) बनाने के लिए जरूरी है। इसे हाइब्रिड/फ्लाइड इक्विटी म्यूचुअल फंड्स, इंडेक्स फंड्स या ब्लू-चिप स्टॉक्स में लगाएं। इस पैसे को कम से कम 7-10 साल तक न छुएं।

30% भविष्य के बड़े लक्ष्यों के लिए: ₹3,000 उन लक्ष्यों के लिए है जो तय है, जैसे रिटायरमेंट, घर या उच्च शिक्षा। इसके लिए PPF (पब्लिक प्रॉविडेंट फंड), NPS (नैशनल पेंशन स्कीम) या 'टारगेट मैच्योरिटी फंड्स' का चुनाव करें। यहां जोखिम कम और टैक्स बेनिफिट्स ज्यादा होने चाहिए, ताकि आपके अनिवार्य लक्ष्यों पर बाजार की अस्थिरता का असर न पड़े।

20% इमरजेंसी फंड के लिए: इमरजेंसी फंड निवेश नहीं, बल्कि आपकी 'मेटल पैसा' है। इसका उद्देश्य होता है नौकरी जाने, बीमारी या अचानक आए किसी बड़े खर्च के समय आपके निवेश (SIP आदि) को टूटने से बचाना। हर महीने ₹2,000 तब तक अलग करें जब तक कि आपके पास आपके 12 महीने के खर्च (लगभग ₹2.5 लाख से ₹3 लाख) के बराबर की राशि जमा न हो जाए। इसे एक अलग सेविंग अकाउंट या 'लिक्विड फंड' में रखें जहां से पैसा कुछ ही घंटों में निकाला जा सके।

10,000 को कहां और कैसे लगाएं?

तारेश भाटिया के अनुसार, शुरुआती दौर में पोर्टफोलियो का ढांचा सरल होना चाहिए। बहुत ज्यादा पेचीदा निवेश विकल्पों में पड़ने के बजाय, सही असेट एलोकेशन (संपत्ति का सही बंटवारा) अपनाना चाहिए।

इक्विटी म्यूचुअल फंड में 60% लगाएं: युवाओं के लिए इक्विटी सबसे बड़ा वरदान है। उम्र कम है, तो आप बाजार के उतार-चढ़ाव को झेल सकते हैं। इसलिए शुरू में इक्विटी/ इक्विटी म्यूचुअल फंड में ज्यादा हिस्सा यानी ₹6,000 लगा सकते हैं।

इंडेक्स फंड: यदि शेयर बाजार के बारे में ज्यादा नहीं जानते, तो निफ्टी 50 इंडेक्स फंड में निवेश करें। यह टॉप 50 कंपनियों में पैसा लगाता है।

फ्लेक्सी कैप फंड: यह बड़ी, मध्यम और छोटी कंपनियों में पैसा लगाने की आजादी देता है, जिससे जोखिम कम और रिटर्न अमूमन बेहतर होती है।

सुरक्षित निवेश और डेट में 30% रखें: बाजार की गिरावट में मानसिक शांति बनी रहे, इसके लिए करीब ₹3,000 सुरक्षित विकल्पों में लगा सकते हैं।

PPF: यह लंबी अवधि (15 साल) के लिए शानदार है। इसमें टैक्स छूट मिलती है और ब्याज दर भी बचत खाते से बेहतर होती है।

डेट MF: यह उन लक्ष्यों के लिए अच्छा है, जो आपको अगले 3-5 साल में पूरे करने हैं।

गोल्ड या कमोडिटी में 10% रखें

सोना केवल आभूषण नहीं, बल्कि एक 'हेज' (सुरक्षा) है। जब शेयर बाजार गिरता है, तब अक्सर सोने की कीमतें बढ़ती हैं। इसलिए ₹1,000 यहां भी काम पर लगाना चाहिए।

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGB): फिजिकल गोल्ड के बजाय सरकारी गोल्ड बॉन्ड लें। इसमें सोने की कीमत का फायदा तो मिलता ही है, साथ ही साल में 2.5% ब्याज भी मिलता है।

निवेश से पहले खुद को तैयार करें

निवेश का मतलब यह नहीं कि आप सीधे म्यूचुअल फंड ऐप डाउनलोड करें और पैसा डाल दें। तारेश भाटिया के अनुसार, निवेश की इमारत खड़ी करने से पहले जमीन तैयार करनी पड़ती है।

इमरजेंसी फंड: मान लीजिए आपकी नौकरी चली जाती है या कोई अचानक मेडिकल जरूरत आ पड़ती है। ऐसे समय में आप अपना निवेश (SIP) नहीं तोड़ना चाहेंगे। अपने 6 महीने के खर्च के बराबर राशि (₹1.5 लाख से ₹2 लाख) जमा करें। इसे सेविंग अकाउंट या लिक्विड फंड में रखें ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत निकाला जा सके।

टर्म इंश्योरेंस: एजुकेशन लोन है या माता-पिता आप पर निर्भर हैं, तो टर्म इंश्योरेंस भी प्राथमिकता हो। 25 साल की उम्र में ₹1 करोड़ का टर्म कवर करीब ₹800-1000 महीना में मिल जाता है।

हेल्थ इंश्योरेंस: अस्पताल का बिल सालों की बचत को साफ कर सकता है। कंपनियां सुप इंश्योरेंस देती हैं, लेकिन अपनी एक निजी पॉलिसी (कम से कम ₹5-10 लाख का कवर) जरूर रखें।

अगर एजुकेशन लोन है

तारेश भाटिया कहते हैं कि यदि एजुकेशन लोन की ब्याज दर 8-9% है और निवेश पर 12% की उम्मीद है, तो भी सारा पैसा निवेश न करें। एक हिस्सा लोन के प्री-पेमेंट में लगाएं। कर्ज मुक्त होना भी एक तरह का रिटर्न ही है, क्योंकि यह आपके भविष्य की कैश-फ्लो को बढ़ाता है।

महंगाई साइलेंट किलर है

पुर्णेन्दु उपाध्याय के अनुसार, आज ₹50,000 में चल रही जीवनशैली के लिए 20 साल बाद ₹1.5 लाख से ₹2 लाख चाहिए होंगे। इसलिए निवेश ऐसा होना चाहिए जो 10-12% रिटर्न दे। केवल बैंक FD या सेविंग अकाउंट का 5-6% रिटर्न महंगाई के सामने कमजोर पड़ जाता है।

क्या करें?

- यदि आप 25 साल की उम्र में ₹10,000 की SIP शुरू करते हैं, तो 12% रिटर्न के साथ 60 साल की उम्र तक आपके पास ₹6.5 करोड़ हो सकते हैं। लेकिन अगर आप सिर्फ 5 साल की देरी करते हैं और 30 साल की उम्र में शुरू करते हैं, तो यही राशि घटकर ₹3.5 करोड़ रह जाएगी। यानी 5 साल की देरी की कीमत ₹3 करोड़ है।
- हर साल जब आपकी सैलरी 10% बढ़े, तो अपनी SIP भी 10% बढ़ाएं। इसे 'स्टेप-अप' कहते हैं, जो आपके लक्ष्य को बहुत जल्दी पूरा कर सकता है।
- निवेश को इच्छाशक्ति पर न छोड़े। बैंक में ऑटो-डेबिट सेट करें ताकि निवेश रुके नहीं।

क्या न करें?

- 'क्विक मनी' वाले स्कीमबॉट देखकर ऑप्शन ट्रेडिंग में न फंसे। 10 में से 9 व्यक्तिगत ट्रेडर इसमें पैसा गंवाते हैं।
- बैंक आपको आपकी सैलरी से 3 गुना ज्यादा लिमिट का क्रेडिट कार्ड देंगे। इसे अपनी आय न समझें। क्रेडिट कार्ड का बिल न भर पाने पर 36% से 42% तक सालाना ब्याज लगता है, जो आपको कर्ज के दलदल में धकेल सकता है।
- आईफोन या महंगी बाइक किश्तों पर लेना पहली नौकरी की सबसे बड़ी गलती है। कोई भी ऐसी चीज जो समय के साथ अपनी कीमत खोती है, उसे कर्ज पर न ले।
- निवेश करने से पहले रिसर्च करें या किसी प्रोफेशनल से पूछें।

निवेश में रकम से ज्यादा आदत अहम है। ₹50,000 में से ₹10,000 बचाने का अनुशासन सीख लेने पर, भविष्य में ₹5 लाख की सैलरी पर भी आर्थिक सुरक्षा बनी रहती है। - *तारेश भाटिया, CFP, द रिएलेस अकादमी के फाउंडर*

निवेश लंबी दौड़ है। बाजार उतार-चढ़ाव दिखाएगा, लेकिन धैर्य रखने वाला ही जीतता है। पहली सैलरी से इमरजेंसी फंड, बीमा और SIP का ढांचा बनाना सुरक्षा और बोध देनी देता है। - *पुर्णेन्दु उपाध्याय, बैंकिंग और बीमा विशेषज्ञ*

कर्ज़ कोई लाइलाज मर्ज़ नहीं, धीरे-धीरे ही सही, इलाज की शुरुआत ज़रूरी

आखिरी EMI के बाद की जिंदगी को निवेश और आत्मनिर्भरता की सुबह समझिए

दो दूनी चार

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari
@timesofindia.com

कर्ज आज की युवा पीढ़ी की सबसे बड़ी फाइनेंशल चुनौती बन चुका है। क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन और EMI की जकड़न न सिर्फ जेब, बल्कि दिमाग पर भी असर डालती है। कर्ज से बाहर निकल सकते हैं, बशर्ते सही शुरुआत हो।

प्रॉपर्टीज काम करें, ट्यूशन पढ़ाएं या किसी स्किल से साइड इनकम बनाएं। थोड़ी अतिरिक्त कमाई EMI का दबाव घटाती है। कर्ज खत्म होते ही EMI की रकम को निवेश में लगाएं, ताकि ब्याज देने वाला पैसा अब आपकी संपत्ति बढ़ाए।

आज के समय में रंग लोगों के सामने सबसे बड़ी फाइनेंशल समस्याओं में से एक है, कर्ज का सही मैनेजमेंट। बड़ी संख्या में युवा क्रेडिट कार्ड बकाया, पर्सनल लोन, EMI, कार लोन और कभी-कभी एजुकेशन लोन के बोझ तले दबे हुए हैं। आगे चलकर होम लोन भी जुड़ जाता है। कर्ज में जीना मानसिक रूप से थका देने वाला और आत्मसम्मान को चोट पहुंचाने वाला अनुभव भी हो सकता है। कर्ज कोई अपराध नहीं है, लेकिन इसमें फंसे रहना एक चेतावनी है।

लोन की कई किस्में हो सकती हैं। एजुकेशन लोन एक आवश्यक जरूरत के लिए लिया गया लोन है। इसी तरह घर या कार खरीदने से पहले लोग कुछ न कुछ जोड़-घटाना करते हैं। भावनाएं जरूर जुड़ी होती हैं, कभी माता-पिता का दबाव, कभी समाज या रिश्तेदारों का। फिर भी ये आमतौर पर जल्दबाजी में लिए गए फैसले नहीं होते। जब बात क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन की आती है, तब असली समस्या शुरू होती है। बहुत से लोग क्रेडिट कार्ड को मैटेन करने का तरीका नहीं समझते और कंपनी ब्याज की चोट में आ जाते हैं। अगर आपके ऊपर क्रेडिट कार्ड का बकाया है तो सबसे पहला नियम है, कार्ड का इस्तेमाल तुरंत बंद करें। बकाया होने के बाद की गई हर खरीद पर भारी ब्याज लगता है।

अक्सर कर्ज का कारण केवल जरूरत नहीं, बल्कि हमारी आदतें और परिस्थितियां भी होती हैं। दोस्तों के पास बड़ी कार या महंगा फोन देखकर उसे किस्तों पर लेना आम स्वभाव है। कभी-कभी भावनाएं हमें घाटे देने वाले असेट से चिपके रहने पर मजबूर करती हैं। लेकिन अगर आपके पास कुछ सोने के गहने या कोई ऐसी संपत्ति है जिसका उपयोग नहीं हो रहा है, तब उपाय है। आप 15-20% के ब्याज पर पर्सनल लोन की EMI भर रहे हैं, तो उस लोन को हटाना या उसके बदले गोल्ड लोन लेना समझदारी भरा निर्णय हो सकता है। कर्ज कम करके जो सुकून मिलता है, वह किसी भी बैलेंस शीट से बढ़कर है।

कर्ज कोई अपराध नहीं, लेकिन उसमें फंसे रहना खतरे की घंटी है। सही योजना, अनुशासन और छोटे-छोटे फैसलों से कर्ज धीरे-धीरे खत्म किया जा सकता है। असली जीत EMI खत्म होने की नहीं, बल्कि मानसिक आजादी लौटने की होती है।

पर्सनल लोन अक्सर लापरवाही से नहीं, बल्कि भावनात्मक या पारिवारिक मजबूरियों के कारण लिए जाते हैं। बीमारी, पारिवारिक जिम्मेदारियां, अचानक खर्चे। ऐसे समय में कोई प्रोसेसिंग फीस या ब्याज दर नहीं देखता, बस पैसे चाहिए होते हैं। अलग तरह के लोन की ब्याज दरें अलग-अलग होती हैं। होम लोन पर कम ब्याज लिया जाता है, क्योंकि घर गिरवी होता है। कार लोन का ब्याज होम लोन से ज्यादा होता है, क्योंकि कार की कीमत घटती है। पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड का ब्याज सबसे ज्यादा है, क्योंकि बैंक के लिए ये असुरक्षित लोन हैं। बैंक जितना ज्यादा जोखिम लेता है, उतना ही अधिक ब्याज आपसे वसूलता है। इसे ही रिस्क प्रीमियम कहते हैं।

कर्ज से आजादी एक दिन में नहीं मिलती, लेकिन हर सही कदम आपको उस दिन के करीब जरूर ले जाता है। इसे खत्म करने की प्रक्रिया कई चरणों में पूरी होती है। पहला कदम है, लिस्ट बनाना। आपको किस-किसको कितना देना है, इसकी लिस्ट होनी चाहिए। एक तरफ लोन का फ्लो रखें। जैसे- क्रेडिट कार्ड बकाया, पर्सनल लोन, कार लोन, एजुकेशन लोन। दूसरी लिस्ट बनाएं, जिसमें आपका कैश फ्लो हो। जैसे- सैलरी, साइड इनकम, सेविंग। ये दोनों लिस्ट मिलकर आपका रोडमैप बनाती हैं।

अक्सर लोग पूछते हैं कि पहले कौन-सा लोन चुकाएं? हाई इंटरेस्ट वाला या लो बैलेंस वाला? ये सवाल लोन लेने से पहले अच्छे लगते हैं। हिसाब किताब के नजरिये से यह बेहतर है कि सबसे पहले उस कर्ज को खत्म किया जाता है, जिसकी ब्याज दर सबसे अधिक है (जैसे क्रेडिट कार्ड)। इससे आप लंबी अवधि में बहुत सारा ब्याज बचा पाते हैं। वैसे जब आप पहले से ही दबाव में हैं, तब सबसे जरूरी है मानसिक शांति। इसके लिए सबसे पहले सबसे छोटे कर्ज को चुकाएं। जब एक छोटा लोन खत्म होता है, तो मिलने वाली मानसिक जीत आपको बड़े लोन से लड़ने की ताकत देती है। जिस लोन को बंद करने से आपको सबसे ज्यादा राहत मिले, वही से शुरुआत करें। शुरुआती जीत आपको आगे बढ़ने की ताकत देगी।

कर्ज चुकाने का मतलब यह नहीं कि आप इंसान नहीं रहेंगे। लेकिन अनावश्यक खर्चे कम करने ही होंगे। बार-बार बाहर खाना, इमेशनल शॉपिंग पर ब्रेक जरूरी है। कर्ज को सिर्फ पैसों की समस्या समझना भूल है। यह ध्यान, समय और कर्ज का अदृश्य टैक्स है। EMI केवल खाते से नहीं कटती, निर्णय क्षमता से भी कटती है। युवा कर्ज को खर्च नहीं, बल्कि भविष्य की आजादी की कीमत मानकर देखें। ये करने से खर्च का हर रुपाइज, हर लोन एक सवाल बनेगा। ये पूछेगा, क्या हम आजादी खरीद रहे हैं या गिरवी रख रहे हैं? और किसका कंट्रोल मजबूत कर रहे है।

बेसिक बातें

हेल्थ इंश्योरेंस में इनकर्ड क्लेम रेश्यो क्या है?

रिजु मेहता
RijuMehta
@timesofindia.com

हेल्थ इंश्योरेंस लेते समय सिर्फ सस्ता प्रीमियम न देखें। यह जरूर देखें कि कंपनी क्लेम कितने देती है (CSR) और कितने पैसे के क्लेम देती है (ICR), क्योंकि असली काम पॉलिसी का बीमारी के वक्त ही पता चलता है।

इनकर्ड क्लेम रेश्यो (Incurred Claim Ratio) यह बताता है कि किसी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी ने एक साल में ग्राहकों से मिले कुल प्रीमियम में से कितना पैसा इलाज के क्लेम चुकाने में खर्च किया। इसे प्रतिशत में बताया जाता है। मान लीजिए किसी इंश्योरेंस कंपनी ने एक साल में 100 करोड़ का प्रीमियम इकट्ठा किया और उसी साल 75 करोड़ के क्लेम चुकाए, तो उस कंपनी का ICR 75% होगा।

ICR निकालने का फॉर्मुला

ICR = (कुल चुकाए गए क्लेम ÷ कुल मिला प्रीमियम) × 100

हर साल IRDAI अपनी रिपोर्ट में सभी हेल्थ इंश्योरेंस कंपनियों का ICR जारी करता है। ICR यह समझने में मदद करता है कि कंपनी क्लेम देने में कितनी उदार है, उसकी फाइनेंशल हालत मजबूत है या नहीं और भविष्य में पॉलिसी चल पाना सुरक्षित रहेगा या नहीं।

- अगर ICR 100% से ज्यादा है तो इसका मतलब है कि कंपनी जितना प्रीमियम कम रही है, उससे ज्यादा क्लेम चुका रही है। यह संकेत देता है कि कंपनी घाटे में है, और आगे चलकर प्रीमियम बढ़ सकता है।
- अगर ICR 50% से कम है, तो इसका मतलब है कि कंपनी क्लेम बहुत कम चुका रही है। यह इशारा करता है कि क्लेम पास करना मुश्किल हो सकता है।
- विशेषज्ञों के अनुसार, 60% से 90% के बीच का ICR सबसे बेहतर माना जाता है। यह दिखाता है कि कंपनी क्लेम भी ठीक से दे रही है, और आर्थिक रूप से भी स्थिर है।

CSR क्या होता है?

क्लेम सेटलमेंट रेश्यो (CSR) यह बताता है कि कंपनी के पास जितने क्लेम आए, उनमें से कितने क्लेम पास किए गए। अगर किसी कंपनी के पास 100 क्लेम आए और उसने 90 क्लेम पास कर दिए, तो उसका CSR 90% होगा।

पॉलिसी लेते समय क्या देखें?

सिर्फ CSR देखना काफी नहीं है। साथ में ICR देखना भी जरूरी है। अच्छा यह है कि CSR अच्छा हो, और ICR 60%-90% के बीच हो। यह संकेत देता है कि कंपनी क्लेम देती भी है, और लंबे समय तक टिकने लायक भी है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD3 User: cci Time: 01-24-2026 22:40 Color:

वैश्विक तनाव, कमजोर रुपया और विदेशी निवेशकों की बिकवाली के बीच जल्दबाज़ी में खरीदारी से बचने की सलाह

रिस्की हो सकता है बजट से ठीक पहले गिरते चाकू को पकड़ना

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Singh1
@timesofindia.com

वैश्विक तनाव, कमजोर रुपया, विदेशी बिकवाली और बजट से पहले की अनिश्चितता ने बाजार की चाल कठिन बना दी है। ओवरसोल्ड संकेत हैं, लेकिन विशेषज्ञ सतर्क रुख अपनाने की सलाह दे रहे हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयानों से बढ़े वैश्विक तनाव, रुपये में कमजोरी, कंपनियों के कमजोर तिमाही नतीजों और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के बीच शेयर बाजार में पिछले हफ्ते 4 महीनों की सबसे बड़ी साप्ताहिक गिरावट दिखी। विशेषज्ञों का कहना है कि वैश्विक परिदृश्य इस सप्ताह के लिए भी अहम बने रहेंगे, वहीं आम बजट से ठीक पहले के इन दिनों में तेज उतार-चढ़ाव दिख सकता है, जिसका निवेशकों को सतर्कता बरतनी चाहिए।

पिछले हफ्ते की शुरुआत गैप-अप ओपनिंग के साथ हुई थी, लेकिन बाद में बिकवाली बढ़ती गई। बीच के दिनों में कुछ वापसी होती दिखी, लेकिन शुक्रवार को फिर से करीब 1% की गिरावट आ गई और निफ्टी 50 ने हफ्ते का समापन 25048.65 के लेवल के साथ किया। इस तरह इसमें करीब 2.5% की साप्ताहिक गिरावट दर्ज की गई। एंजल वन के टेक्निकल एनालिस्ट राजेश भोसले ने कहा, ' पिछले 15 दिनों में निफ्टी 1300 अंकों से ज्यादा गिरा है। इस महीने 26300 के ऊपर नहीं टिक पाने के बाद शॉर्टिंग टॉप फॉर्मेशन बन गया है। यह तेजड़ियों के लिए ठीक स्थिति नहीं है।'

नियोनीत इनवेस्टमेंट्स लिमिटेड के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'ग्लोबल बॉन्ड यील्ड्स में बढ़ोतरी और यूरोपीय देशों के खिलाफ US की धमकियों से भी निवेशक सुरक्षित असेट्स की ओर मुड़े। कंपनियों के नतीजों का मिलाजुला माहौल रहा। प्रमुख बैंकिंग और IT कंपनियों के नतीजों से बाजार का उत्साह घटा, हालांकि सेलेक्टिव वैल्यू बाइंग ने कुछ सपोर्ट दिया।'

इन पर रहेगी नज़र

इस हफ्ते रिलायंस, SBI कार्ड्स एंड पेमेंट सर्विसेज, एशियन पेंट्स, एक्सिस बैंक, टाटा कंस्यूमर प्रोडक्ट्स, अंबुजा सीमेंट, वोडाफोन आइडिया, बजाज ऑटो, मैरिको और डाबर इंडिया जैसी कंपनियों के तिमाही नतीजे आएंगे। साथ ही, 1 फरवरी को पेश किए जाने वाले आम बजट पर भी निगाह रहेगी। नियोजीत इनवेस्टमेंट्स के विनोद नायर ने कहा, 'निवेशकों की नजर अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों के बारे में गाइडेंस पर रहेगी, साथ ही यहां आम बजट को देखते हुए पॉजिशनिंग भी अहम होगी। तिमाही नतीजों का सीजन है, लिहाजा चुनिंदा शेयरों में हलचल संभव रह सकती है। कहने का मतलब है कि सेंटिमेंट सतर्कता वाला है, जिस पर वैश्विक घटनाक्रम, कंपनी ट्रेंड्स, तिमाही नतीजों का साया है।'

किधर जाएगा निफ्टी?

एंजल वन के राजेश भोसले ने कहा, 'इंडिकेटर फ्रंट पर RSI ओवरसोल्ड टेरिटरी में है और 20 से नीचे आ चुका है। ऐसे में आमतौर पर तेज टर्नअराउंड दिखता है, लेकिन अभी जिस तरह बड़े दायरे में बिकवाली हो रही है, उसे देखते हुए गिरते चाकू को पकड़ना रिस्की हो सकता है। बेहतर होगा कि कोई भी एग्रेसिव लॉन्ग पोजिशन लेने से पहले हालात पलटने का इंतजार किया जाए। बजट वाले इस हफ्ते में वोलैटिलिटी ज्यादा रह सकती है।' उन्होंने कहा, 'निफ्टी के लिए 24900 पर सपोर्ट है। इसके नीचे बड़ा सपोर्ट 24600-24500 जोन में बन सकता है, जहां अक्टूबर-नवंबर रैली की शुरुआत में कई बॉटम बने थे। हालिया तेज गिरावट को देखते हुए ऊपर की ओर दमदार रेजिस्टेंस साफ नहीं दिख रहा, पर पिछले हफ्ते 25350-25450 के हाई जोन में रेजिस्टेंस दिख रहा है।'

क्या खरीदें-बेचें?

एंजल वन के राजेश भोसले ने हिंदुस्तान यूनीलीवर (टारगेट प्राइस ₹2550) को खरीदने और MFSL (TP ₹1500) को बेचने की सलाह दी है। वेदांता ने ऊर्जनीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक (TP ₹82) और APL अपोलो ट्यूब्स (TP ₹2300) को बाय रेटिंग दी है। वहीं, एमके ग्लोबल ने HPCL (TP ₹570), उज्जीवन स्मॉल फाइनेंस बैंक (TP ₹72), इंडियन बैंक (TP ₹1000), बंधन बैंक (TP ₹180) और इंटरग्लोब एविएशन (TP ₹6300) को खरीदने की सलाह दी है। उसने सारदा (TP ₹1150) और यो डिजिट (TP ₹290) को बेचने की सलाह दी है।

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Quant Small Cap Fund(G)	22.03
Nippon India Small Cap Fund(G)	20.42
Kotak Nifty PSU Bank ETF	20.38
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	20.37
Nippon India Small Cap Fund(G)	20.28

21 Jan 2016 to 21 Jan 2026 — % ANNUALISED RETURNS As on: 22 Jan 2026

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग-अलग कैटेगरी के आधार पर सबसे ज्यादा और सबसे कम रिटर्न वाले टॉप 5 फंड्स की सूची है, ताकि निवेशक प्रदर्शन को आसानी से समझ सकें।

अव्वल | फिसड्डी

Equity: Large Cap 3-year returns

17.63	10.43
Nippon India Large Cap Fund(G)	PGIM India Large Cap Fund(G)
16.73	10.98
DSP Large Cap Fund-Reg(G)	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)
16.72	11.35
WOC Large Cap Fund-Reg(G)	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)
16.69	11.61
ICICI Pru Large Cap Fund(G)	Union Largecap Fund-Reg(G)
16.57	12.10
Invesco India Largecap Fund-Reg(G)	Axis Large Cap Fund-Reg(G)

Equity: Flexi Cap 3-year returns

20.96	1.52
Motilal Oswal Flexi Cap Fund	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)
20.56	10.02
HDFC Flexi Cap Fund(G)	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)
20.54	10.99
Parag Parikh Flexi Cap Fund-Reg(G)	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)
19.40	11.53
Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	Navi Flexi Cap Fund-Reg(G)
19.32	11.77
Invesco India Flexi Cap Fund-Reg(G)	PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)

Equity: Mid Cap 3-year returns

25.11	11.67
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	Quant Mid Cap Fund(G)
24.56	11.89
Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)
24.51	14.09
HDFC Mid Cap Fund-Reg(G)	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)
24.15	15.50
WOC Mid Cap Fund-Reg(G)	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)
23.59	16.43
Nippon India Growth Mid Cap Fund	SBI Midcap Fund-Reg(G)

Equity: Small Cap 3-year returns

27.74	11.49
Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	PGIM India Small Cap Fund-Reg(G)
22.38	12.23
ITI Small Cap Fund-Reg(G)	SBI Small Cap Fund-Reg(G)
22.29	12.77
Mahindra Manulife Small Cap Fund	Kotak Small Cap Fund(G)
21.72	12.91
Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)	Tata Small Cap Fund-Reg(G)
18.79	14.07
Nippon India Small Cap Fund(G)	Canara Rob Small Cap Fund-Reg(G)

Hybrid: Aggressive 3-year returns

18.17	9.97
ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	Quant Aggressive Hybrid Fund(G)
16.90	10.37
JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	PGIM India Aggressive Hybrid Equity
16.71	10.67
BOI Mid & Small Cap Equity & Debt	Trib Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)
15.74	10.67
Mahindra Manulife Aggressive Hybrid	Groww Aggressive Hybrid Fund
15.50	10.78
DSP Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	HDFC Hybrid Equity Fund(G)

ANNUALISED RETURNS IN % As on: 22 Jan 2026

क्या करें निवेशक?

चांदी आगे बढ़ेगी या थमेगी रफ्तार

अजय सुरेश केडिया
NBTWealth
@timesofindia.com

चांदी की ऐतिहासिक बाजार सिर्फ सट्टेबाजी का नतीजा नहीं, बल्कि मजबूत संकेतों का परिणाम है। कई संकेत अब भी मौजूद हैं, लेकिन बाजार के पक्ष पर सम्मान करना भी जरूरी है। चांदी उन्हें इनाम देती है जो संकेतों को समय पर समझते हैं, लेकिन सिर्फ वही सुरक्षित रखते हैं, जो धैर्य और अनुशासन बनाए रखते हैं।

इंसान ने जब से व्यापार करना शुरू किया है, तब से संकेतों (Signals) को समझना उसकी सबसे बड़ी ताकत रहा है। पुराने समय में व्यापारी सितारों की चाल देखकर समुद्री यात्रा तय करते थे, किसान मौसम के संकेतों से फसल बोते थे। आज भी वही नियम लागू होता है। हरी बत्ती आगे बढ़ने का संकेत देती है, लाल बत्ती रुकने को कहती है और पीली बत्ती सावधान रहने की चेतावनी देती है। संकेतों को नजरअंदाज करने से नतीजे नहीं बदलते, बल्कि नुकसान बढ़ जाता है। यही बात फाइनैंशल मार्केट्स पर भी लागू होती है।

बाजार सिर्फ कीमतों के जरिए नहीं बोलता, बल्कि उससे पहले कई संकेत देता है। कीमत तो आखिर में दिखने वाला नतीजा होती है। असली जानकारी छुपी होती है नीतियों में बदलाव, सप्लाई की स्थिति, मांग के ट्रेंड, जियो-पॉलिटिकल घटनाओं, करेंसी मूवमेंट और निवेशकों के व्यवहार में। जो निवेशक इन संकेतों को समय रहते समझ लेते हैं, वे बाजार के उतार-चढ़ाव को बेहतर तरीके से संभाल पाते हैं। जो इन्हें नजरअंदाज करते हैं, वे अक्सर अचानक आए झटकों से हैरान रह जाते हैं।

पिछले डेढ़ साल में बुलियन मार्केट, खासतौर पर चांदी ने बहुत मजबूत संकेत दिए हैं। इस दौरान चांदी करीब 250% चढ़ चुकी है और सोना भी लगभग दोगुना हो गया है। इतनी बड़ी तेजी किसी एक वजह से नहीं आती। इसके पीछे कई बड़े कारण एक साथ काम करते हैं। यह समझने के लिए कि चांदी आगे कहां खड़ी है और यह आगे कहां जा सकती है, इन संकेतों को क्रम से समझना जरूरी है।

चांदी की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है, लेकिन ऊंचे स्तरों पर जोखिम बढ़ा है, इसलिए समझना होगा कि हर गिरावट खरीद का मौका नहीं होती।

250% चांदी चढ़ी है पिछले डेढ़ साल में, जबकि इसी अवधि में सोना लगभग 100% बढ़ा है।

2025 में वैश्विक चांदी की मांग करीब 1.15 अरब औंस रही, जबकि सप्लाई सिर्फ 1.06 अरब औंस, यानी लगभग 9.5 करोड़ औंस की कमी।

ऊंचे भाव पर एकमुश्त दांव लगाने के बजाय चरणबद्ध निवेश और जोखिम प्रबंधन ही चांदी में सुरक्षित मुनाफे की कुंजी है।

2026 में चांदी की बुनियादी स्थिति मजबूत है, लेकिन तेज रिटर्न की जगह अब उतार-चढ़ाव और ठहराव का दौर देखने को मिल सकता है।

यह तेजी अचानक नहीं आई

आज अगर वैश्विक बाजार में चांदी करीब 95 डॉलर प्रति औंस के आसपास और भारत में लगभग 3,35,500 प्रति किलो तक पहुंच चुकी है, तो इसे रातों-रात बनी तेजी मानना गलत होगा। इस उछाल की नींव पिछले दो से तीन साल में धीरे-धीरे तैयार हुई थी।

चांदी की सप्लाई पहले से ही सीमित थी, जबकि मांग लगातार बढ़ रही थी। इंडस्ट्रियल इस्तेमाल बढ़ा, ग्रीन एनर्जी और इलेक्ट्रिक वीकल्स में चांदी की खपत तेज हुई, सेंट्रल बैंकों और निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी और जियो-पॉलिटिकल तनावों ने कीमती धातुओं को सुरक्षित निवेश का दर्जा दिलाया। इन सभी कारणों ने मिलकर चांदी को उस मुकाम तक पहुंचाया, जहां वह आज खड़ी है। चीन द्वारा निर्यात पर लगाए गए नियंत्रण और भारत में MCX पर बढ़ता ट्रेडिंग वॉल्यूम भी तेजी के संकेत थे। इन सभी कारणों ने मिलकर 2025 को चांदी के लिए एक निर्णायक साल बना दिया। असल सवाल कभी यह नहीं था कि चांदी की कीमत बढ़ेगी या नहीं। सवाल यह था कि यह बढ़ोतरी कब होगी और कितनी तेज होगी।

जब संकेतों को नज़रअंदाज़ करना मुश्किल था

2025 तक आते-आते चांदी के संकेत बहुत साफ थे। यह साफ-साफ बता रही थी कि बाजार में कुछ बड़ा बदल रहा है। सबसे बड़ा संकेत था स्ट्रक्चरल सप्लाई डेफिसिट यानी ढांचागत आपूर्ति की कमी। 2025 में दुनिया में चांदी की मांग करीब 1.15 अरब औंस तक पहुंच गई, जबकि सप्लाई सिर्फ लगभग 1.06 अरब औंस रही। यानी करीब 9.5 करोड़ औंस की कमी। यह कमी कोई एक साल की बात नहीं थी। 2021 से 2025 के बीच कुल मिलाकर 75 से 80 करोड़ औंस की चांदी की कमी हो चुकी थी। यह कमी पुराने स्टॉक्स को खत्म करती जा रही थी। सोने के मुकाबले चांदी की एक बड़ी कमजोरी यह है कि इसकी सप्लाई कीमत बढ़ने पर भी जल्दी नहीं बढ़ती। करीब 70-72% चांदी तांबा, सीसा और जिंक की खदानों से निकलती है, यानी यह बाय-प्रोडक्ट है। अगर चांदी महंगी हो भी जाए, तब भी सिर्फ चांदी के लिए नई खदानें जल्दी नहीं खुलतीं। इसका मतलब यह हुआ कि सप्लाई फंसी हुई थी और मांग बढ़ती जा रही थी। ऐसे हालात में कीमतों का ऊपर जाना स्वाभाविक था।

ये रहे तेज़ी के बड़े कारण

2025 में चांदी की तेजी के पीछे कई मजबूत वजहें रहीं। सोलर एनर्जी में बूम से 420 गीगावॉट से ज्यादा इंस्टॉलेशन हुआ और भारी मात्रा में चांदी की खपत बढ़ी। इलेक्ट्रिक वेहिकल्स (EV) की बिक्री 1.7 करोड़ से ज्यादा रही, जिससे ऑटो सेक्टर में चांदी की मांग 9 करोड़ औंस के ऊपर पहुंच गई। इलेक्ट्रॉनिक्स, AI, डेटा सेंटर्स और 5G टेक्नॉलजी ने भी खपत बढ़ाई। इसके साथ ही डॉलर कमजोरी, ब्याज दर कटौती की उम्मीद और सोना महंगा होने से निवेशकों का झुकाव चांदी की ओर गया, जिससे तेजी को और बल मिला।

2026: क्या संकेत अभी मज़बूत हैं?

- सवाल है कि 2026 में क्या वही हालात रहेंगे, क्योंकि बाजार और तेजी के कारण समय के साथ बदलते हैं।
- 2026 में चांदी मजबूत है, पर तेजी धीमी हुई है, क्योंकि रीसाइक्लिंग बढ़ी है और स्टॉक्स की कमी घट रही है।
- सोलर, EV से चांदी की मांग मजबूत है, लेकिन सोलर में कम खपत वाले विकल्प भविष्य में जोखिम हो सकते हैं।
- ETF में निवेश की गति धीमी हुई है, जो तेजी के बाद बाजार में ठहराव का संकेत दे रही है।

इन रेड फ्लैग्स पर रखें नज़र

1. ETF से 1.5-2 करोड़ औंस से ज्यादा निकासी होने पर चांदी की कीमत 15-30% गिर सकती है।
2. अगर US फेड सख्त रहा और डॉलर मजबूत हुआ, तो चांदी की कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है।
3. फ्यूचर्स मार्केट में सट्टेबाजी ज्यादा बढ़ जाती है, तो मुनाफावसूली से तेज गिरावट आ सकती है।
4. सोलर सेक्टर में चांदी की खपत 5-10% घटने पर लंबे समय की मांग पर असर पड़ सकता है।
5. अगर चीन अपने निर्यात प्रतिबंधों में ढील देता है, तो बाजार में अचानक सप्लाई बढ़ सकती है।

निवेशकों को क्या करना चाहिए?

- चांदी की लंबी अवधि की कहानी मजबूत है, पर 2026 में रणनीति अहम है। यह साल भागने का नहीं, बल्कि सोच-समझकर कदम रखने का है।
- ऊंची कीमतों पर एकमुश्त निवेश से बचें, चरणबद्ध SIP बेहतर है। इतिहास बताता है कि बड़ी तेजी के बाद लंबा कंसॉलिडेशन या करेक्शन आता है।

(लेखक केडिया अडवाइजरी के डायरेक्टर हैं।)

माइक्रोकैप स्टॉक्स छिपे हुए हीरे, पर हाथ काले होने का जोखिम भी!

सुधा श्रीमाली
Sudha.Shrimali
@timesofindia.com

माइक्रोकैप में निवेश करना कोयले की खान से हीरा खोजने जैसा है। रही हीरा मिल गया तो किस्मत चमक जाती है, लेकिन गलत चुनाव हाथ काले कर सकता है। आइए माइक्रोकैप की इस जोखिम भरी दुनिया को समझते हैं।

एक साल में जहां लार्ज-कैप यानी बड़ी कंपनियों के शेयर सुस्त या औसत रिटर्न दे रहे हैं, वहीं निवेशकों का रुझान माइक्रोकैप स्टॉक्स की ओर बढ़ा है। वित्त वर्ष 2026 में निफ्टी माइक्रोकैप 250 इंडेक्स का कुल प्रदर्शन भले सीमित रहा हो, लेकिन इसके कुछ चुनिंदा शेयरों ने 200% से ज्यादा का छप्परफाड़ रिटर्न दिया। हालांकि हर कहानी सफल नहीं रही। Lumax Auto Technologies जैसे शेयर मल्टीबैगर बने, तो Felix Industries जैसे मामलों में रेड फ्लैग्स के बाद निवेशकों को भारी नुकसान झेलना पड़ा। यानी माइक्रोकैप स्टॉक्स दोधारी तलवार हैं।

क्या होते हैं माइक्रोकैप स्टॉक्स?

माइक्रोकैप शेयर बाजार की सबसे छोटी लिस्टेड कंपनियां होती हैं। मार्केट कैपिटलाइजेशन के लिहाज से देखें तो आमतौर पर 100 करोड़ रुपये से लेकर 9,500 करोड़ रुपये के आसपास वाली कंपनियां इस श्रेणी में आती हैं।

इन कंपनियों की खासियत यह होती है कि ये अभी अपनी विकास के शुरुआती चरण में होती हैं। चूंकि इनके बारे में बाजार में जानकारी कम होती है और बड़े एनालिस्ट इन्हें कवर नहीं करते, इसलिए अगर कोई मजबूत फंडामेंटल वाली कंपनी मिल जाए, तो वह भविष्य की रिलायंस या इंफोसिस बन सकती है। लेकिन, इनका छोटा आकार ही इनकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है, क्योंकि थोड़ा सा भी आर्थिक झटका इन्हें बाजार से बाहर कर सकता है।

छप्परफाड़ रिटर्न, तो नुकसान भी: FY26 में माइक्रोकैप सेगमेंट में भारी उथल-पुथल देखी गई। एक तरफ 75 माइक्रोकैप स्टॉक्स ने 20% से 200% तक का रिटर्न दिया, तो दूसरी तरफ इतने ही स्टॉक्स की मार्केट वैल्यू 37% या उससे ज्यादा गिर गई। यानी यह सेगमेंट ऊपर से भले ही शांत दिखे, लेकिन अंदर से बेहद अस्थिर है। इंफ्रास्ट्रक्चर और लॉजिस्टिक्स सेक्टर के कई माइक्रोकैप शेयरों में 65% तक का करेक्शन देखा गया। आज हालात यह हैं कि इन शेयरों में लिक्विडिटी (खरीद-फरोख्त की मात्रा) इतनी कम है कि निवेशक चाहकर भी अपना पैसा निकाल नहीं पा रहे हैं। ये शेयर अब 'गले की हड्डी' बन चुके हैं।

गहरी रिसर्च, एक्टिव मैनेजमेंट ज़रूरी

सूरजा डेल्थ के प्रमुख कीर्तन शाह के मुताबिक, माइक्रोकैप सेगमेंट ऊपर से शांत है, लेकिन अंदर से बेहद अस्थिर। निफ्टी 50 जैसे लार्ज-कैप इंडेक्स सिंगल-डिजिट रेंज में टिके हैं, वहीं निफ्टी माइक्रोकैप 250 इंडेक्स सालाना आधार पर 8-10% गिर चुका है। शाह इसे रिटेल निवेशकों के लिए दोधारी तलवार बताते हैं। Ambit Global के सुनील सर्मा भी आगाह करते हैं कि इतिहास साबुकल में माइक्रोकैप ने करीब 19% निगेटिव रिटर्न दिया है, इसलिए 2026 में पैसिव नहीं, एक्टिव मैनेजमेंट जरूरी होगा।

कहां है कमाई के मौके?

कीर्तन शाह के अनुसार, इतनी अस्थिरता के बाद भी कुछ ऐसे क्षेत्र हैं, जहां माइक्रोकैप कंपनियां कमाल कर सकती हैं...

एनर्जी और ट्रांसमिशन से जुड़ी माइक्रोकैप कंपनियां पावर ग्रिड इंफ्रास्ट्रक्चर से मजबूती पा रही हैं। गांवों में बढ़ता खर्च FMCG और टू-व्हीलर एक्सेसरीज बनाने वाली कंपनियों के पक्ष में है, जबकि हिफेन सप्लायर माइक्रोकैप्स की ऑर्डर बुक मजबूत हुई है।

निवेश के बड़े जोखिम

- इन माइक्रोकैप शेयरों में सबसे बड़ा खतरा लिक्विडिटी का होता है, क्योंकि इनमें ट्रेडिंग वॉल्यूम बेहद कम रहता है।
- गवर्नेंस भी बड़ी समस्या है, क्योंकि कई छोटी कंपनियों में पारदर्शिता की कमी रहती है। वैल्यू रिसर्च के मुताबिक, फेलिक्स इंडस्ट्रीज में शेयर कीमतों की गिरावट के साथ कैश फ्लो और सदिग्ध लोन को छिपाए रखा, सच सामने आते ही शेयर 64% टूट गया।
- पंप-एंड-डंप जैसी गतिविधियां भी यहां आम हैं।

क्या रणनीति अपनाएं?

फाइनैंशल प्लानर कार्तिक झवेरी माइक्रोकैप में निवेश में सख्त अनुशासन की सलाह देते हैं।

- कंपनी के फंडामेंटल्स, मैनेजमेंट और बिजनेस मॉडल की गहरी रिसर्च जरूरी है।
- स्टॉक रिसर्च संभव न हो तो एक्टिवली मैनेज्ड स्मॉल-कैप फंड बेहतर विकल्प हो सकता है।
- माइक्रोकैप में निवेश पोर्टफोलियो का सिर्फ 5-10% ही रखें।
- मजबूत कैश फ्लो, लगातार मुनाफा और जायज वैल्यूएशन पर खास ध्यान दें।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD4 User: cci Time: 01-24-2026 22:39 Color:

रिटायरमेंट का पहला साल

टैक्स से जुड़ी इन 6 गलतियों से बचें

रिटायरमेंट के बाद होने वाली ज्यादातर टैक्स गलतियां जानबूझकर टैक्स चोरी की नहीं होती, बल्कि बदली हुई इनकम स्थिति और रिपोर्टिंग नियमों की सही जानकारी न होने से होती है। अगर आप रिटायर होने वाले है या हाल ही में रिटायर हुए है, तो पहले साल में कुछ गलतियों से बचना बेहद जरूरी है।

रिजु मेहता
Rju.Mehta
@timesofindia.com

पहले साल की सही टैक्स समझ आगे की पूरी रिटायरमेंट लाइफ को तनावमुक्त और सुरक्षित बना सकती है, जबकि छोटी चूक बड़ी परेशानी बन सकती है।

पेंशन, ब्याज और रिटायरमेंट बेनिफिट्स की टैक्स समझ गलत हुई तो टैक्स बोझ बढ़ सकता है।

अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि रिटायरमेंट के बाद टैक्स से जुड़ी परेशानियां अपने-आप कम हो जाएंगी, क्योंकि तब सैलरी आनी बंद हो जाती है। लेकिन सच्चाई यह है कि रिटायरमेंट का पहला साल टैक्स के नजरिये से सबसे ज्यादा संवेदनशील होता है। इस साल सैलरी की जगह पेंशन, बैंक ब्याज, ग्रेच्युटी, पीएफ, एनपीएस और कभी-कभी पार्ट टाइम इनकम जैसे कई स्रोत एक साथ शुरू हो जाते हैं। जानकारी की कमी में की गई छोटी-छोटी गलतियां टैक्स नोटिस, पेनल्टी और अनावश्यक मानसिक तनाव की वजह बन सकती हैं।

सही जानकारी, समय पर रिटर्न फाइलिंग और समझदारी से की गई योजना से न सिर्फ टैक्स बचाया जा सकता है, बल्कि नोटिस, पेनल्टी और मानसिक तनाव से भी राहत मिलती है। अगर रिटायरमेंट का पहला साल सही तरीके से संभाल लिया जाए, तो आगे की जिंदगी कहीं ज्यादा सुरक्षित और सुकून भरी हो सकती है। अगर आप भी जल्द ही रिटायर होने वाले हैं, तो इनकम टैक्स डिपार्टमेंट से पेनल्टी और नोटिस से बचने के लिए पहले साल में होने वाली कुछ आम गलतियों को नजरअंदाज न करें।

रिटायरमेंट बेनिफिट्स पर टैक्स

इन्कम/निवेश	टैक्स की स्थिति
ग्रैच्युटी	■ पेमेंट ऑफ ग्रैच्युटी एक्ट के तहत 20 लाख रुपये तक टैक्स फ्री (पुराना टैक्स सिस्टम), 25 लाख रुपये तक टैक्स फ्री (नया टैक्स सिस्टम)। ■ तय सीमा से ज्यादा रकम पर टैक्स स्लैब के हिसाब से टैक्स। ■ सरकारी कर्मचारियों के लिए पूरी ग्रैच्युटी टैक्स फ्री।
पेंशन	■ अनकम्यूटेड पेंशन (हर महीने मिलने वाली पेंशन) पूरी तरह 'सैलरी इनकम' मानकर टैक्सेबल। ■ कम्यूटेड पेंशन सरकारी कर्मचारियों के लिए पूरी तरह टैक्स फ्री। ■ प्राइवेट कर्मचारियों के लिए ग्रैच्युटी मिलने पर एक-तिहाई कम्यूटेड पेंशन टैक्स फ्री, ग्रैच्युटी के बिना आधी पेंशन टैक्स फ्री।
फैमिली पेंशन	■ 'अन्य स्रोतों से आय' के रूप में टैक्सेबल। ■ 25,000 रुपये या पेंशन के एक-तिहाई, जो भी कम हो, उतनी छूट।
NPS	■ निकासी पर 60% कॉर्पस टैक्स फ्री। ■ एन्युटी से मिलने वाली रकम पूरी तरह टैक्सेबल। ■ सेक्शन 80CCD(1B) के तहत NPS में पर्सनल योगदान पर छूट (सिर्फ पुराने टैक्स सिस्टम में)।
एन्युटी इनकम	■ पूरी तरह टैक्सेबल, 'अन्य स्रोतों से आय' या 'सैलरी इनकम' के रूप में।
EPF	■ 5 साल की सेवा के बाद मच्योरिटी पूरी तरह टैक्स फ्री। ■ नौकरी छोड़ने के बाद EPF पर मिलने वाला ब्याज पूरी तरह टैक्सेबल। ■ समय से पहले निकासी पर, 50,000 रुपये से ज्यादा रकम पर 10% TDS (PAN के साथ), 20–30% (PAN के बिना)।
PPF	■ EEE स्टेटस यानी निवेश, ब्याज और मच्योरिटी तीनों टैक्स फ्री। ■ सेक्शन 80C के तहत 1.5 लाख रुपये तक निवेश पर छूट (पुराना टैक्स सिस्टम)।

गलती की कितनी कीमत?

गलती	पेनल्टी / ब्याज / टैक्स	सेक्शन के तहत
इनकम टैक्स रिटर्न न भरना	तय तारीख के बाद रिटर्न भरने पर 5,000 रुपये तक जुर्माना। ■ कुल इनकम 5 लाख रुपये से कम होने पर 1,000 रुपये।	139(1)
टैक्स भुगतान में देरी	बकाया टैक्स पर 1% प्रति माह (साधारण ब्याज)	234A, 234B, 234C
इनकम कम दिखाना	कम दिखाए गए टैक्स पर 50% पेनल्टी	सेक्शन 270A
गलत इनकम रिपोर्ट करना	गलत रिपोर्ट की गई इनकम पर 200% पेनल्टी	सेक्शन 270A
जानबूझकर टैक्स चोरी	25 लाख से कम टैक्स चोरी पर 3 माह से 2 साल तक जेल। ■ 25 लाख से ज्यादा चोरी पर 6 माह से 7 साल तक जेल। ■ चोरी किए गए टैक्स का 100% से 300% तक जुर्माना।	सेक्शन 276C

ये गलतियां न करें

इनकम टैक्स रिटर्न फाइल न करना

बहुत से रिटायर्ड लोग सोचते हैं कि सैलरी नहीं आ रही तो रिटर्न भरने की जरूरत नहीं है। जबकि अगर बैंक या किसी फाइनैंशल संस्थान ने आपकी इनकम पर TDS काट लिया है, तो रिटर्न फाइल किए बिना वह पैसा वापस नहीं मिल पाएगा।

■ सीनियर सिटिजन को भी ITR फाइल करना जरूरी है, अगर आय छूट सीमा से ज्यादा हो। देर से रिटर्न पर 5,000 तक जुर्माना है, जबकि 5 लाख रुपये तक की आय पर 1,000 रुपये पेनल्टी होती है।

■ 75 साल से ऊपर के कुछ सीनियर सिटिजन को सेक्शन 194P के तहत ITR से छूट है, अगर इनकम पेंशन और उसी बैंक से मिलने वाला ब्याज है और बैंक ने पूरा टैक्स काट लिया हो।

क्या करें? हर साल जांचें कि कुल इनकम टैक्स छूट सीमा से ऊपर तो नहीं है। अगर TDS कटा है, तो रिटर्न जरूर फाइल करें ताकि रिफंड मिल सके और टैक्स रिकॉर्ड साफ रहे।

रिटायरमेंट बेनिफिट्स को पूरी तरह टैक्स फ्री मान लेना

बहुत लोगों को लगता है कि रिटायरमेंट पर मिलने वाली हर रकम टैक्स फ्री होती है, जबकि ऐसा नहीं है। सरकारी कर्मचारियों की ग्रैच्युटी पूरी तरह टैक्स फ्री होती है, लेकिन प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों के लिए इसकी एक सीमा तय है जिससे ज्यादा पर टैक्स देना होता है।

■ नौकरी के बाद EPF ब्याज, NPS की एन्युटी, अनकम्यूटेड पेंशन और लीव एनकैशमेंट पूरी तरह टैक्स फ्री नहीं होते। कई मामलों में इन पर टैक्स है।

क्या करें? रिटायरमेंट से पहले ही ग्रैच्युटी, पीएफ, एनपीएस, पेंशन और लीव एनकैशमेंट की टैक्स स्थिति समझ लें और उसी हिसाब से टैक्स प्लानिंग करें।

सभी इनकम सोर्स को रिटर्न में नहीं दिखाना

रिटायरमेंट के बाद डिविडेंड, सीनियर सिटिजन सेविंग स्कीम, पोस्ट ऑफिस या NSC ब्याज जैसी कई इनकम जुड़ जाती हैं, जो अक्सर छूट जाती हैं। इनकम कम दिखाने पर देय टैक्स का 50% और गलत रिपोर्टिंग पर 200% तक पेनल्टी लग सकती है।

■ कुछ स्कीम में ब्याज खाते में आए बिना भी टैक्सेबल है। कंसल्टेंसी, फ्रीलांस IT के दायरे में है। विदेशी अकाउंट के बारे में बताना जरूरी है।

क्या करें? हर साल अपनी सभी इनकम सोर्स की लिस्ट बनाएं और उसे फॉर्म 26AS और AIS से मिलान करें, ताकि कोई इनकम छूट न जाए।

टैक्स की योजना बनाए बिना बड़ी रकम निकाल लेना

रिटायरमेंट के पहले साल में निवेशित इनकम बंद हो जाती है। ऐसे में कई लोग एक साथ बड़ी रकम निकाल लेते हैं, जिससे कुल इनकम बढ़ जाती है और वे ऊंचे टैक्स स्लैब में पहुंच जाते हैं।

■ निकासी को अलग वित्तीय वर्षों में बांटकर हर साल बेसिक टैक्स छूट का फायदा लेना समझदारी है। पति और पत्नी दोनों की संयुक्त टैक्स प्लानिंग से भी टैक्स बोझ कम किया जा सकता है।

क्या करें? निकासी की योजना पहले बनाएं और MF में सिस्टमैटिक विदड्रॉल प्लान जैसे विकल्प अपनाएं। फाइनेंशल अडवाइजर या टैक्स प्रोफेशनल से सलाह ले सकते हैं।

हर साल बैंक में फॉर्म 15H जमा नहीं करना

सैलरी बंद होते ही बैंक ब्याज और पेंशन पर TDS काटना शुरू कर देते हैं। यदि कुल इनकम टैक्स सीमा से कम है, तो फॉर्म 15H हर साल बैंक को देना जरूरी है। यह सीनियर सिटिजन के लिए सेल्फ-डिक्लेरेशन है, जिससे TDS रोका जा सकता है।

■ फॉर्म 15H हर साल अप्रैल में हर बैंक या वित्तीय संस्थान को अलग-अलग देना है। टैक्स कटने पर रिफंड तो मिलता है, लेकिन कैश फ्लो प्रभावित होता है।

क्या करें? हर वित्त वर्ष की शुरुआत में यह सुनिश्चित करें कि आप अपने सभी बैंकों और वित्तीय संस्थानों में फॉर्म 15H समय पर जमा करें, ताकि बेवजह TDS कटने से बचा जा सके।

सीनियर सिटिजन वाली छूट न लेना

60 साल की उम्र पूरी होते ही टैक्स कैटेगरी बदल जाती है और सीनियर सिटिजन को कई खास छूट और डिडक्शन मिलते हैं। सही टैक्स व्यवस्था न चुनने पर टैक्स देनदारी बढ़ सकती है, क्योंकि अधिकतर छूट पुरानी टैक्स व्यवस्था में ही मिलती हैं।

■ ओल्ड रिजीम में सीनियर सिटिजन को सेक्शन 80D के तहत मेडिकल इंश्योरेंस प्रीमियम पर 50 हजार रुपये तक की छूट और सेक्शन 80TTB के तहत सेविंग अकाउंट, FD ब्याज पर 50 हजार रुपये तक की छूट मिलती है। पेंशन पर स्टैंडर्ड डिडक्शन का लाभ भी दोनों रिजीम में अलग-अलग है।

क्या करें? पुराने और नए टैक्स सिस्टम दोनों में टैक्स कैलकुलेशन करके देखें और वही विकल्प चुनें, जिसमें आपकी कुल टैक्स देनदारी कम हो।

पूरे पैसे होने पर भी होम लोन लेना ठीक है?

टैक्स, इंश्योरेंस या निवेश को लेकर कोई सवाल है? भेजिए हमें। हमारे एक्सपर्ट देंगे आपके सवालों के सटीक, आसान और भरोसेमंद जवाब, हर हफ्ते इसी कॉलम में।

सुशील अग्रवाल
NBTwealth
@timesofindia.com

Q गोल्ड ETF और फिजिकल गोल्ड में टैक्स के लिहाज से कौन बेहतर है? - ऋचा प्रसाद, गुड़गांव

■ टैक्स के लिहाज से गोल्ड ETF फिजिकल गोल्ड से अधिक फायदेमंद है क्योंकि इस पर खरीदते समय GST (3%) नहीं लगता और होल्डिंग पीरियड 12 महीने का है। फिजिकल गोल्ड में GST लगता है, जबकि इसका भी होल्डिंग पीरियड 12 महीने का ही है। हालांकि, गोल्ड ETF पर ब्रोकरेज और AMC शुल्क लगते हैं, जबकि फिजिकल गोल्ड पर मेकिंग चार्ज और स्टोरेज और प्यूरिटी का इंश्योर होता है। लेकिन दोनों पर LTCG के बाद 12.5% टैक्स लगता है।

Q होम लोन के ब्याज और प्रिंसिपल पर कितना टैक्स फायदा मिलता है? क्या पूरे पैसे हों तब भी टैक्स बचाने के लिए होम लोन लेना ठीक है? - प्रीतम अस्थाना, ग्रेटर नोएडा

■ होम लोन के ब्याज और प्रिंसिपल दोनों पर टैक्स फायदा मिलता है। प्रिंसिपल के रीपेमेंट पर सेक्शन 80C के तहत 1.5 लाख तक और ब्याज के रीपेमेंट पर सेक्शन 24(B) के तहत 2 लाख तक की कटौती (सेल्फ-ऑक्यूपाइड प्रॉपर्टी के लिए) मिलती है, और कुछ मामलों में (जैसे पहली बार घर खरीदने वालों के लिए) अतिरिक्त लाभ भी है। लेकिन, यह सब न्यू रिजीम में संभव नहीं है। हम यह मानकर जवाब दे रहे कि आप घर किराए पर देने के मामले में यह नहीं पूछ रहे हैं क्योंकि उस स्थिति में जवाब अलग हो सकता है।

■ यदि आपके पास पूरा पैसा है तो होम लोन अच्छा विकल्प तभी हो सकता है, जब आप अपने पैसे पर होम लोन के इंटरेस्ट रेट से ज्यादा इंटरेस्ट कमा सकते हैं। उदाहरण के लिए यदि आपने 8% की दर पर होम लोन लेकर टैक्स छूट ले लिया लेकिन अपना पैसे बैंक एफडी में 6% पर रखा तो टैक्स की छूट के फायदे से ज्यादा ब्याज की हानि हो जाएगी। होमलोन आपकी फाइनैंशल लिक्विडिटी पर भी असर डालता है। सिर्फ टैक्स बेनिफिट के लिए होम लोन लेना समझदारी नहीं होगी।

Q मेरी उम्र 62 साल है। बैंक FD से सालाना करीब 45,000 ब्याज मिलता है, जिस पर TDS कट जाता है। मेरी कुल इनकम टैक्स फ्री लिमिट से कम है। क्या मुझे हर साल ITR फाइल करना जरूरी है या सिर्फ फॉर्म 15H देना काफी है? - रश्मि मिश्रा, लखनऊ

■ अगर आपकी कुल आय टैक्सेबल लिमिट से कम है, तो सिर्फ फॉर्म 15H देना ही पर्याप्त है। ध्यान रखें कि फॉर्म 15H हर वित्त वर्ष में समय पर बैंक को देना जरूरी होता है। अगर आपने समय पर 15H दे दिया, तो बैंक को TDS काटने की जरूरत नहीं होगी। लेकिन अगर TDS पहले ही कट चुका है, तो उसका रिफंड पाने के लिए ITR फाइल करना ही पड़ेगा।

Q मेरी आय सिर्फ पेंशन और सेविंग अकाउंट के ब्याज से है। बैंक ने फिर भी TDS काट लिया। क्या मैं बैंक से सीधे रिफंड मांग सकता हूं या ITR फाइल करना पड़ेगा? - प्रशांत पांडे, नई दिल्ली

■ बैंक सीधे TDS का रिफंड नहीं देता। कटा हुआ TDS वापस पाने के लिए आपको इनकम टैक्स रिटर्न (ITR) फाइल करना ही होगा। ध्यान रखने वाली बात यह है कि सेविंग अकाउंट के ब्याज पर TDS नहीं कटता। अगर बैंक ने TDS काटा है, तो इसका मतलब है कि आपकी पेंशन की आय टैक्सेबल लिमिट से ऊपर जा रही है। ऐसी स्थिति में ITR फाइल करना जरूरी हो जाता है।

(लेखक चार्टर्ड अकाउंटेंट और टैक्स विषयों के जानकार हैं।)

अपने सवाल ई-मेल करें

पर्सनल फाइनैंस से जुड़ा कोई भी सवाल है, कोई बात समझ में नहीं आ रही है तो हमें बताएं। ई-मेल करें NBTwealth@timesofindia.com पर और सब्जेक्ट में 'Wealth QA' लिखना न भूलें। ई-मेल में अपना और शहर का नाम भी लिखें।

काम की खबरें

AI Image

अटल पेंशन योजना अब 2030-31 तक जारी रहेगी

असंगठित क्षेत्र के कामगारों को बुढ़ापे में गारंटीड पेंशन देने वाली अटल पेंशन योजना (APY) को केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2030-31 तक जारी रखने का फैसला किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में योजना को फंडिंग सपोर्ट बढ़ाने की मंजूरी दी गई है। सरकार जागरूकता बढ़ाने और संचालन से जुड़ी गतिविधियों के लिए भी जरूरी फंड देती रहेगी। 9 मई 2015 से लागू इस योजना में 60 साल की उम्र के बाद 1,000 से 5,000 रुपये तक मिनिमम मासिक पेंशन मिलती है। यह पेंशन अंशदान के आधार पर तय होती है।

सरकारी GIC, नाबार्ड और RBI कर्मियों का बढ़ा वेतन

केंद्र सरकार ने सरकारी जनरल इंश्योरेंस कंपनियों, नैशनल बैंक फॉर एग्रीकल्चरल एंड रूरल डिवेलपमेंट (NABARD) और RBI कर्मचारियों, पेंशनभोगियों को तोहफा दिया है। सरकारी GIC में वेज रिवीजन 1 अगस्त 2022 से प्रभावी होगा, जिसमें 14% वेतन बढ़ोतरी शामिल है। 1 अप्रैल 2010 के बाद जॉइन करने वालों के लिए NPS कॉन्ट्रिब्यूशन 10% से बढ़ाकर 14% होगा। नाबार्ड कर्मियों के वेतन में 1 नवंबर 2022 से 20% इजाफा होगा। RBI कर्मियों की पेंशन, फैमिली पेंशन बेसिक के 10% तक बढ़ी है।

पॉलिसी चुनने से लेकर रिन्यूअल तक, हर कदम पर सही स्ट्रैटजी से बन सकता है बचत का मौका

मेडिकल इंश्योरेंस प्रीमियम घटा सकते हैं ये 7 उपाय

अभिषेक मिश्र
Abhishek.Mishra1
@timesofindia.com

इलाज के बढ़ते खर्च के साथ हेल्थ इंश्योरेंस का प्रीमियम भी हर साल जेब पर भारी पड़ता जा रहा है। हालांकि सही प्लानिंग और कुछ समझदारी भरे फैसलों से बिना कवरेज घटाए प्रीमियम को कंट्रोल में रखा जा सकता है, बशर्ते पॉलिसी को समझकर चुना जाए।

हेल्थ इंश्योरेंस पर GST हटाए जाने के बाद भी प्रीमियम महंगा हो रहा है। इसकी सबसे बड़ी वजह मेडिकल इन्फ्लेशन यानी इलाज पर बढ़ने वाला खर्च है। फिर हर साल नई और एडवांस्ड मेडिकल टेक्नोलॉजी भी आती है। इन पर हॉस्पिटल काफी खर्च करते हैं। इससे भी इलाज की लागत बढ़ती है। भारत में मेडिकल इन्फ्लेशन सालाना करीब 15% बढ़ रही है। बीमा कंपनियां अपनी फाइनैंशल स्टैबिलिटी के लिए भी प्रीमियम बढ़ाती हैं। पॉलिसी लेने वालों की उम्र और बीमारी की भी प्रीमियम बढ़ाने में भूमिका है। बीमा नियामक IRDAI भी समय-समय पर नियम बदलता है और कवरेज की शर्तें बढ़ाता है, जिससे ग्राहकों को ज्यादा प्रीमियम देना पड़ता है। हालांकि कुछ स्मार्ट तरीके अपनाकर आप इसे कम रख सकते हैं।

कवरेज जरूरी

"हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम को कम करने की बजाय हमेशा बेहतर कवरेज पर ध्यान देना चाहिए। इंश्योरेंस और समझदारी जरूरी है। गलत जानकारी से प्रीमियम कम हो या न हो, मगर क्लेम सेटलमेंट में बहुत दिक्कत आती है। - तरंग भाटिया, सर्टिफाइड फाइनैंशल प्लानर

स्मार्ट बनें

"प्रीमियम कम करने के लिए स्मार्ट तरीका अपनाएं। स्लैब टर्म पॉलिसी, को-पेमेंट, सुपर टॉप-अप का इस्तेमाल करें। हेल्दी लाइफ स्टाइल से भी प्रीमियम कम हो सकता है। ग्राहकों को नो-क्लेम बोनस के बारे में भी जानना चाहिए। - अभिषेक कुमार, संस्थापक, सहज मनी

कैसे कम कर सकते हैं प्रीमियम?

■ सही अडवाइजर चुनें

सबसे पहले सही अडवाइजर चुनें। दि रिधनेस अडाटमी के संस्थापक CFP तरेश भाटिया बताते हैं कि हेल्थ इंश्योरेंस साधारण प्रॉडक्ट नहीं है। सही अडवाइजर महज पॉलिसी बेचने के बजाय उम्र, मेडिकल हिस्ट्री और जरूरतों को समझकर सही कवरेज यानी सम अश्योर्ड की रकम तय करेगा। आपकी जिम्मेदारी यह है कि अडवाइजर को अपनी बीमारियों, दवाओं और आदतों के बारे में सच बताएं।

■ बेस पॉलिसी संग टॉप-अप

बेस पॉलिसी के साथ टॉप-अप लेना प्रीमियम कम रखने का असरदार तरीका है। इससे कम खर्च में ज्यादा कवरेज मिलता है। इलाज का खर्च हर साल लगभग 15% बढ़ रहा है। सहज मनी के संस्थापक अभिषेक कुमार के अनुसार, 10 लाख कवर के लिए 5 लाख बेस पॉलिसी और 5 लाख टॉप-अप सस्ता पड़ता है। टॉप-अप तब लागू होता है जब बेस सम अश्योर्ड खत्म हो जाए।

■ पॉलिसी की समीक्षा करें

प्रीमियम कम रखने के लिए पॉलिसी की सालाना समीक्षा जरूरी है। बदलती जरूरतों और नए प्रॉडक्ट्स के हिसाब से कवरेज अपडेट करें। भाटिया का कहना है कि बीमा कंपनियां अक्सर गैर-जरूरी ऐड-ऑन और राइडर्स जोड़ देती हैं, जिससे प्रीमियम बढ़ता है।

■ फैमिली फ्लोटर प्लान जरूरी

अभिषेक के मुताबिक, अलग-अलग पॉलिसी की बजाय फैमिली फ्लोटर प्लान लें। इसमें पूरा परिवार कवर होता है और नो-क्लेम बोनस से प्रीमियम घटता या कवरेज बढ़ता है।

■ को-पेमेंट भी सही तरीका

अगर आप को-पेमेंट चुनते हैं और इलाज का कुछ खर्च खुद उठाने को तैयार हैं, तो प्रीमियम कम हो सकता है। कई बीमा कंपनियां फिटनेस के आधार पर भी छूट देती हैं।

■ मल्टी ईयर पॉलिसी चुनें

मल्टी ईयर हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी 2–3 साल के लिए ली जाती हैं, जिससे प्रीमियम लॉक हो जाता है। अगर प्रीमियम ज्यादा बढ़े या सर्विस संतोषजनक न हो, तो पॉलिसी को दूसरी कंपनी में पोर्ट किया जा सकता है।

■ ऑनलाइन तुलना करें

ग्राहकों को प्रीमियम की तुलना करनी चाहिए। अभिषेक का कहना है कि कई वेबसाइट पर आपको अलग-अलग कंपनियों की कवरेज की लागत पता चल जाएगी। आपको हिडेन चार्जेस का भी पता चलेगा।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD5 User: mrityunjay.tripathi Time: 01-24-2026 23:16 Color:

सही रणनीति ज़रूरी अगर बजट में अपना घर चाहिए

60 से 70 लाख में 2 BHK फ्लैट NCR में मिलना हो सकता है मुश्किल | इसी बजट में मिल सकता है घर अगर एरिया कम लिया जाए

लोकेश के. भारती
Lokesh.Bharti
@timesofindia.com

दिल्ली-NCR के रियल एस्टेट में 5 बरस पहले तक यह स्थिति थी कि एक लोअर मिडल क्लास फैमिली भी अपने घर का सपना देख सकती थी। लेकिन आज स्थिति यह है कि लोअर तो छोड़िए, अपर मिडल क्लास के लिए भी ढंग का घर खरीदना आसान नहीं रह गया है। ऐसे में मिडल क्लास के लिए क्या विकल्प रह गए हैं और आगे वाले 3-5 बरसों में क्या स्थिति रहने वाली है, आइए जानते हैं।

कम कीमत वाला घर भी गलत EMI प्लानिंग से भविष्य की बचत, निवेश और जीवनशैली पर बड़ा असर डाल सकता है।

सवेंश एक प्राइवेट कंपनी में मैनेजर हैं। उनके साथ पत्नी और एक 2 साल की बेटी भी है। सवेंश 1100 से 1200 वर्ग फीट का कोई 2 बीएचके फ्लैट लेना चाह रहे थे, लेकिन बजट 60 से 70 लाख रुपये के करीब था। गुड़गांव में प्रॉपर्टी की कीमतों को देखकर उन्होंने एरिया बदलना बेहतर समझा और अपना फोकस नोएडा और नोएडा एक्सटेंशन की ओर किया। ग्रेटर नोएडा उनके लिए ज्यादा दूर हो जाता। नोएडा एक्सटेंशन में भी इस कीमत पर किसी सोसायटी में घर खोजना मुश्किल हो रहा था। ज्यादातर ऐसे फ्लैटों की कीमत 1 करोड़ से ज्यादा ही थी। वह किसी वजह से गाजियाबाद नहीं जाना चाह रहे थे। फिर फैसला किया कि फ्लैट की साइज थोड़ी कम कर दी जाए। वैसे भी सवेंश के माता-पिता अपना घर छोड़कर नहीं आने वाले। अब फिर से उन्होंने फ्लैट देखना शुरू किया। इस बार उन्होंने 700 से 900 वर्ग फीट एरिया देखना शुरू किया। गुड़गांव में तो नहीं, लेकिन नोएडा और नोएडा एक्सटेंशन में उन्हें ऐसा घर मिल गया। 65 लाख में करीब 800 वर्ग फीट का छोटा 2 बीएचके, जिसमें छोटा हॉल, 2 टॉइलेट-बाथरूम, 2 बालकनी और किचन भी था।

यहां समझने वाली बात यह है कि अगर सवेंश और उनकी पत्नी इसे जिद पर अड़े रहते कि हमें बड़ा फ्लैट ही लेना है तो मुमकिन है कि उनका अपना घर आज भी नहीं होता या अगर होता तो बहुत ज्यादा कर्ज लेना पड़ता। वैसे कर्ज तो इसमें भी कुछ लेना पड़ा, लेकिन ज्यादा नहीं। बजट अब भी उनकी पकड़ में है। यह ध्यान रखने वाली बात है कि आने वाले बरसों में भले ही पिछले 5 बरस जितनी प्रॉपर्टी की कीमत न बढ़े, लेकिन ठीक-ठाक वृद्धि फिर भी हो सकती है। ऐसे में अभी घर खरीद सकते हैं तो खरीद लेनी चाहिए।

बजट के बाहर हो फ्लैट तो क्या करें?

बड़े घर सभी को अच्छे लगते हैं। हम सोचते हैं कि घर हलन्ना बड़ा हो कि कोई संबंधी, दोस्त आए तो देखकर वाह-वाह करे। वहीं अगर घर का आकार छोटा हो तो हमें लगता है, वे हंसी उड़ाएंगे। लेकिन इस बात को समझना जरूरी है कि घर की साइज हम दूसरों की वाहवाही लेने के लिए तय नहीं कर सकते। जरूरी यह समझना है कि हम घर पर कितना खर्च करना अफोर्ड कर सकते हैं। हमें घर की ईएमआई के अलावा बच्चों की पढ़ाई, खानपान पर खर्च, अगर मेडिकल कंडिशन है तो इस पर खर्च, ट्रांसपोर्ट पर खर्च आदि को भी ध्यान में रखना होगा। साथ ही कुछ सेविंग भी होनी चाहिए। ऐसे में 3 विकल्प बचते हैं- घर की साइज छोटी कर दें, घर को मुख्य शहर से दूर कर दें या फिर घर हो न लें और रेंट पर ही रहें। तीनों विकल्प ही सही हैं, लेकिन हर एक को अपने परिवार की स्थिति, सोर्स ऑफ इनकम और सबसे अहम फ्यूचर प्लैनिंग को ध्यान में रखकर फैसला करना चाहिए।

अपने घर में जाना ही है, तो...

साइज़ छोटी कर दें: फ्लैट की कीमत आपके बजट से बाहर जा रही हो, तो घर की साइज को थोड़ा छोटा करना भी उपाय हो सकता है। यानी 1100-1200 वर्ग फीट के बड़े 2 या 3 बीएचके की जगह 200-300 वर्ग फीट कम एरिया वाला फ्लैट चुनें। इससे NCR में 1 करोड़ से ऊपर वाली प्रॉपर्टी 70-75 लाख रुपये के दायरे में आ सकती है।

कुछ दूर देखें: अगर नोएडा एक्सटेंशन या फिर गुड़गांव के अहम हिस्सों में प्रॉपर्टी महंगी लग रही है तो उस दायरे से बाहर कुछ दूर चले जाएं। कीमतें अपने आप कम हो जाएंगी। अभी कनेक्टिविटी कम हो सकती है, लेकिन बाद में सुधरेगी ही। फ्यूचर को ध्यान में रखकर प्रॉपर्टी ले सकते हैं। मुरादाबाद, सोनीपत आदि सही विकल्प हो सकते हैं।

...तो रेंट पर रहना भी बुरा नहीं

घर खरीदना बजट से बाहर हो, तो रेंट पर रहना भी गलत नहीं है। भारत में रेंटल यील्ड कम है, जबकि एफडी या SIP से बेहतर रिटर्न मिल सकता है। उदाहरण के लिए, नोएडा एक्सटेंशन में 2 BHK का किराया 20-25 हजार है, जबकि 1 करोड़ के फ्लैट पर 80 लाख लोन की EMI 55 हजार से ज्यादा पड़ती है। इस अंतर को निवेश करने से लंबे समय में अच्छा फंड बन सकता है।

> घरों की कीमतें बढ़ रही हैं। कभी कुछ कम, तो कभी ज्यादा चलता रहता है। अभी भी घर का सपना लोगों का सच हो सकता है। सच तो यह है कि रियल एस्टेट का बाजार अभी एंड यूजर्स के लिए सबसे ज्यादा मुफीद है।
> -निखिल हांडेलिया, एमडी हांडेलिया ग्रुप एंड सचिव क्रेडाई, एनसीआर

> अगर नोएडा, गुड़गांव के मुख्य इलाकों में अगर फ्लैट खरीदना अफोर्ड नहीं कर पा रहे हैं तो टीयर-2, 3 शहरों जैसे मुरादाबाद, सोनीपत आदि जगहों पर 2 बीएचके प्रॉपर्टी 50-60 लाख रुपये में मिल सकती है। पैसे कम हों तो कुछ दूर जाना समझदारी ही है।
> -पंयूष लोहिया, डायरेक्टर, लोहिया वर्ल्डवाइस

इन नए टैबलेट में आपके लिए कौन-सा परफेक्ट है?

गैजेट गुरु

आकृति राणा

निमिष दुबे
NBTwealth
@timesofindia.com

नए साल की शुरुआत के साथ टैबलेट बाजार में भी हलचल तेज हो गई है। OnePlus, Redmi और Realme ने अपने नए मिड-सेगमेंट टैबलेट उतारे हैं, जिनका सीधा मुकाबला Apple के किफायती iPad से है। आपके लिए कौन-सा टैबलेट सबसे बेहतर है?

25 हजार के आसपास OnePlus, Redmi और Realme के नए टैबलेट मिल रहे हैं।

नए साल बाजार में आ गए हैं तीन नए टैबलेट। तीनों ऐसे ब्रांड से हैं, जो अपने स्मार्टफोनों के लिए काफी जाने जाते हैं- OnePlus, Redmi और Realme। OnePlus ने OnePlus Pad Go 2 बाजार में उतारा है, Redmi ने पेश किया है Redmi Pad 2 Pro, तो Realme लेकर आया है Realme Pad 3. तीनों टैबलेट मिड सेगमेंट के हैं, तीनों ने Apple के सबसे सस्ते iPad पर निशाना साधा है, और तीनों के दाम 25 हजार रुपयों के आसपास शुरू होते हैं। क्या खास है इनमें और इनमें से कौन आपकी टैबलेटीय कसौटी पर खरी उतरती है, आइए पता लगाते हैं!

Redmi Pad 2 Pro

नाम का टैबलेट, काम की नोटबुक!

कहने को तो Redmi Pad 2 Pro एक टैबलेट है, लेकिन इसकी असली ताकत यह है कि यह नोटबुक की तरह काम कर सकता है। इसका बड़ा कारण है Redmi का खास कीबोर्ड कवर, जो मात्र 3,999 रुपये में टैबलेट को लगभग लैपटॉप जैसा अनुभव देता है। बड़ा डिस्प्ले और फिजिकल कीबोर्ड इसे पढ़ाई, ऑफिस वर्क और नोट्स बनाने के लिए उपयोगी बनाते हैं। टैबलेट के तौर पर भी Redmi Pad 2 Pro काफी दमदार है। इसमें 12.1 इंच का LCD डिस्प्ले मिलता है, जिसका रेजोल्यूशन 1600 x 2560 है और यह 120 Hz रिफ्रेश रेट और डॉल्बी विजन को सपोर्ट करता है। चार स्पीकर डॉल्बी एटमॉस के साथ आते हैं और 3.5 mm ऑडियो जैक भी मौजूद है, जो आजकल कम देखने को मिलता है। क्वालकॉम स्नैपड्रैगन 7s Gen 4 प्रोसेसर इसे इस सेगमेंट के सबसे पावरफुल टैबलेट्स में शामिल करता है। यह मल्टीटास्किंग और हल्की-फुल्की गेमिंग आसानी से संभाल लेता है। कैमरा सेटअप में पीछे 13 मेगापिक्सल और सामने 8 मेगापिक्सल का कैमरा है। 12,000 mAh की बैटरी 33 W चार्जिंग के साथ 12 से 15 घंटे तक का बैकअप देती है।

Rs 24,999

OnePus Pad Go 2

मल्टीमीडिया मनोरंजन के लिए शानदार

Rs 25,999

OnePlus Pad Go 2 स्मार्टफोनों की तरह सादा डिजाइन लेकिन दमदार परफॉर्मेंस पर फोकस करता है। इसमें तड़क-भड़क कम है, पर काम के मामले में यह भरोसेमंद टैबलेट है। 12.1 इंच का LCD डिस्प्ले 120 Hz रिफ्रेश रेट, 2800 x 1980 रेजोल्यूशन और डॉल्बी विजन सपोर्ट के साथ आता है। चार स्पीकर इसे फिल्में, वीडियो और वेब सीरीज देखने के लिए शानदार बनाते हैं। 10,050 mAh की बैटरी घंटों का मनोरंजन देती है और 33W चार्जिंग सपोर्ट भी मिलता है। मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 अल्ट्रा प्रोसेसर रोजमर्रा के काम और हल्की गेमिंग आसानी से संभाल लेता है। OxygenOS 16 साफ-सुथरा अनुभव देता है।

Realme Pad 3

लंबी रेस का थोड़ा छोटा घोड़ा

Rs 26,999

Realme Pad 3 तीनों में सबसे महंगा जरूर लेकिन साइज में सबसे कॉम्पैक्ट और फीचर्स के मामले में काफी दमदार भी है। इसमें 11.61 इंच का डिस्प्ले मिलता है, जिसका रेजोल्यूशन 2800 x 2000 है, जो इस सेगमेंट में सबसे ज्यादा है। 120 Hz रिफ्रेश रेट स्क्रीन को स्मूद बनाता है। यह टैबलेट सिर्फ 6.6 mm पतला और 578 ग्राम वजनी है, इसलिए इसे कैरी करना आसान है। इसकी सबसे बड़ी ताकत 12,200 mAh की बैटरी है, जो 45 W फास्ट चार्जिंग के साथ 15 घंटे से ज्यादा चल सकती है। मीडियाटेक डायमेंसिटी 7300 मैक्स प्रोसेसर रोजमर्रा के काम और क्वेज्अल गेमिंग संभाल लेता है। फिंगरप्रिंट स्कैनर और एड्रॉयड 16 इसे और आकर्षक बनाते हैं।

हाइब्रिड और डीजल की लड़ाई में कौन बनेगा किंग?

पर्सनल फाइनैंस के नजरिए से देखें तो बड़ी 7-सीटर कार खरीदना अब सिर्फ पसंद का नहीं, बल्कि टेक्नॉलजी में निवेश का फैसला बन गया है। एक तरफ सालों से भरोसेमंद डीजल है, दूसरी तरफ कम रनिंग कॉस्ट और भविष्य-सुरक्षित हाइब्रिड तकनीक। ऐसे में सही विकल्प चुनना आसान नहीं।

हाइक्रॉस

Gear UP

खालिद अमीन
Khalid.Amin
@timesofindia.com

हाइब्रिड तकनीक कम खर्च और भविष्य की नीतियों में सुरक्षित, जबकि डीजल गाड़ियां अब भी ताकत, टॉर्क और माइलेज के भरोसे आकर्षित कर रही हैं।

क्या XUV7X0 हाइक्रॉस को टक्कर दे सकती है?

कीमत: 14.96-24.92 लाख (एक्स-शोरूम)

महिंद्रा की XUV7X0 ड्राइविंग के शौकीनों की गाड़ी है। इसका 2.2 लीटर डीजल इंजन सेगमेंट का सबसे पावरफुल माना जाता है। पिकअप, एक्सिलरेशन और हाईवे पर स्टेबिलिटी इसे 'ड्राइवर की एसयूवी' बनाते हैं। टेक्नोलॉजी के मामले में भी ADAS और ट्रिपल स्क्रीन सेटअप इसे बेहद मॉडर्न बनाते हैं।

■ कमजोर कड़ी है कि शहर में माइलेज 13-14 km/l के आसपास रहता है। ट्रैफिक में यह न तो उतनी स्मूद है और न ही हाइक्रॉस जितनी शांत। हाइक्रॉस आधा समय इलेक्ट्रिक मोड पर चल जाती है, XUV7X0 हर वक्त फ्यूल जलाती है।

■ फ्यूल खर्च, मेंटेनेंस, डीजल नियमों और रिसेल में XUV7X0 पीछे है। ड्राइविंग शौक वालों के लिए ठीक, लेकिन माइलेज और भविष्य सुरक्षा चाहने वालों के लिए हाइक्रॉस बेहतर निवेश है।

भरोसे और माइलेज का नया कॉम्बिनेशन

कीमत : 26.30 से 31.30 लाख रुपये (एक्स शोरूम)

टोयोटा इनोवा हाइक्रॉस में एमयूवी का कार्कट और एसयूवी का रोड प्रेजेंस दोनों हैं। लुक मजबूत है, ऊंचा बोनट, चौड़ा फ्रंट और लंबा वीलबेस इसे सड़क पर अलग पहचान देते हैं। अंदर बैठते ही प्रीमियम का एहसास होता है। पैनोरमिक सनरूफ, वेंटिलेटेड सीट्स, बड़ा टचस्क्रीन, ADAS, 360 डिग्री कैमरा, JBL साउंड सिस्टम, सेकंड रो में ओटोमन सीट्स और मल्टी-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, यह सब इसे लग्जरी के करीब ले जाता है।

■ असली गेम चेंजर है इसका हाइब्रिड सिस्टम। 2.0 लीटर पेट्रोल इंजन के साथ इलेक्ट्रिक मोटर का कॉम्बिनेशन करीब 184 बीएचपी की पावर देता है। सिटी ड्राइविंग में यह 50% समय इलेक्ट्रिक मोड पर चलती है। न स्टार्ट की आवाज, न वाइब्रेशन, न खड़खड़ाहट। स्मूदनेस एक्स फैक्टर है। माइलेज में हाइक्रॉस डीजल को सीधी चुनौती देती है। शहर में 20-22 km/l और हाईवे पर 18-19 km/l का माइलेज इसे विश्वसनीय बनाता है।

■ इसमें फ्यूल कॉस्ट कम है, डीजल जैसी सरकारी पाबंदियों का खतरा नहीं है, टोयोटा की भरोसेमंद इंजीनियरिंग, लंबी अवधि में बेहतर वैल्यू। इन्हीं वजहों से कीमत ज्यादा होने के बावजूद हाइक्रॉस की डिमांड लगातार बनी हुई है।

क्या टाटा सफारी चुनौती दे पाएगी?

बड़ा साइज, ऊंची ड्राइविंग पोजिशन और मजबूत रोड प्रेजेंस के साथ टाटा सफारी आज भी 'रियल एसयूवी' चाहने वालों की पहली पसंद है। 2.0 लीटर का डीजल इंजन भरपूर टॉर्क देता है, ऑटोमैटिक आसान है और फुल लोड में भी गाड़ी कमजोर नहीं पड़ती। सिटी ड्राइविंग में यह शोर और वाइब्रेशन देता है, जबकि हाइक्रॉस बिल्कुल शांत और स्मूद है। माइलेज में भी फर्क साफ है- सफारी 14-16 km/l, वहीं हाइक्रॉस 20 km/l से ऊपर जाती है।

कीमत: 14.66-25.96 लाख (एक्स-शोरूम)

■ पर्सनल फाइनैंस के नजरिए से सफारी की सबसे बड़ी कमजोरी है डीजल पर निर्भरता। NCR में 10 साल की लिमिट, भविष्य में सख्त नियमों की आशंका और ज्यादा फ्यूल-मेंटेनेंस खर्च इसे लॉन्ग टर्म इन्वेस्टमेंट के तौर पर थोड़ा रिस्की बनाते हैं।

■ हां, कीमत के मामले में सफारी मजबूत है। कम बजट में बड़ी और ताकतवर 7-सीटर चाहने वालों के लिए यह आज भी आकर्षक सौदा है। लेकिन माइलेज, स्मूदनेस और फ्यूचर सेफ्टी के मामले में हाइक्रॉस उससे एक कदम आगे निकल जाती है।

MCX
METAL & ENERGY
Trade with Trust
MCX INVESTOR PROTECTION FUND

Both payments go through.
Only one is verified.

Can you spot the difference before you tap "Pay"?

UPI apps confirm whether a UPI ID is technically valid.
SEBI Check helps verify whether the payment details belong to a registered intermediary.

#SEBICheck #SEBIvsScam

Payment tab karo jab SEBI Check karo

Read the Risk Disclosure Document (RDD) carefully before transacting or investing in Commodity Derivatives Market

Scan QR code to visit SEBI Check and verify intermediaries
Scan QR code to view MCX Investor Awareness Videos

Issued in Public Interest by Multi Commodity Exchange Investor Protection Fund

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD6 User: cci Time: 01-24-2026 22:41 Color:

क्रिप्टो में FIU के नए KYC नियम क्यों ज़रूरी हैं?

Crypto Class

अभय अग्रवाल
NBTwealth
@timesofindia.com

भारत में क्रिप्टोकरेंसी संचालित फाइनैंशल सिस्टम की ओर बढ़ रही है। FIU-IND द्वारा नियमों को सख्त करना इसी बदलाव का संकेत है, जिसका मकसद भरोसा, पारदर्शिता और सुरक्षा को मजबूत करना है।

भारत का क्रिप्टोकरेंसी इकोसिस्टम इस समय अहम बदलाव के दौर में है। फाइनैंशल इंटेलिजेंस यूनिट ऑफ इंडिया यानी FIU-IND ने क्रिप्टो से जुड़ी कंपनियों के लिए KYC यानी ग्राहक की पहचान और कंप्लायंस यानी नियमों के पालन से जुड़े मानकों को सख्त किया है। लेकिन इस सख्ती को क्रिप्टो निवेश में कठिनाई के रूप में नहीं, बल्कि अलग तरह से देखा जाना चाहिए। यह कदम सिर्फ एक रेगुलेटरी बदलाव नहीं है, बल्कि यह साफ संकेत देता है कि भारत में क्रिप्टो को अब मेनस्ट्रीम फाइनैंस सिस्टम के करीब लाया जा रहा है।

अब तक क्रिप्टो को आम तौर पर एक जोखिम भरा और कम पारदर्शी सेक्टर माना जाता रहा है। अलग-अलग प्लैटफॉर्म्स पर अलग नियम होने से भ्रम की स्थिति बनी रहती थी। मेरा मानना है कि FIU की पहल इस असमानता को खत्म करने की दिशा में बड़ा कदम है, जिससे यूजर की सुरक्षा बढ़ेगी और सिस्टम में भरोसा मजबूत होगा।

सही दिशा में सही कदम: भारत में क्रिप्टो यूजर्स की संख्या बहुत बड़ी है, लेकिन असली ताकत भरोसे से आती है। FIU का यह कदम दिखाता है कि क्रिप्टो को जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ाने की कोशिश हो रही है। सख्त KYC नियम रुकावट नहीं, बल्कि एक मजबूत और टिकाऊ क्रिप्टो इकोसिस्टम की नींव हैं। कुल मिलाकर, FIU का यह फैसला क्रिप्टो इंडस्ट्री को रोकने वाला नहीं, बल्कि उसे सही दिशा में ले जाने वाला कदम है।

बैंकिंग जैसे नियम, सोच भी वही

पारंपरिक बैंकिंग और फिनटेक सेक्टर में PAN वेरिफिकेशन, आधार आधारित पहचान, वीडियो KYC, बैंक अकाउंट की जांच और पैसों के स्रोत की जानकारी पहले से जरूरी है। इन प्रक्रियाओं का मकसद मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकी फंडिंग और फाइनैंशल फ्रॉड को रोकना होता है। अब यही मानक क्रिप्टो प्लैटफॉर्म्स पर लागू होने से सिस्टम में जरूरी अनुशासन आएगा।

क्रिप्टो को फाइनैंशल सिस्टम से जोड़ना

एक जैसे KYC और कंप्लायंस नियम होने से क्रिप्टो एक्सचेंज और सर्विस प्रोवाइडर्स एक दायरे में काम करेंगे। उनका तालमेल बैंकिंग चैनलों और पेमेंट सिस्टम से बेहतर होगा, जिससे यूजर्स के लिए भी ट्रांजैक्शन सुरक्षित होंगे।

बिटकॉइन पर चढ़ी भरोसे की परत

सख्त KYC नियम यह सुनिश्चित करते हैं कि लेन बिटकॉइन वैध और पारदर्शी तरीकों से खरीदे। पहचान और पैसे के स्रोत की जांच से गलत इस्तेमाल कम होगा और ईमानदार निवेशकों की सुरक्षा होगी।

P2P और शैडो प्लैटफॉर्म्स पर लगाम

लंबे समय से बिना नियमों वाले P2P (Peer-to-Peer) ट्रांजैक्शन और शैडो प्लैटफॉर्म्स चुनौती बने हुए हैं। इनका इस्तेमाल कई बार टैक्स और KYC से बचने के लिए किया जाता है। FIU की सख्ती ऐसे रास्तों को रोककर यूजर्स को नियमों वाले प्लैटफॉर्म्स की ओर ले जाएगी।

नियम वही, अमल बढ़ा

FIU जिन प्रक्रियाओं पर जोर दे रहा है, उनमें से ज्यादातर पहले भी गाइडलाइंस के रूप में थीं। फर्क यह है कि अब सख्ती से अमल कराया जा रहा है। जो प्लैटफॉर्म ग्राहक की पूरी पड़ताल करते रहे हैं, उनके लिए यह राहत ही है।

सेवाएं बेहतर होंगी

जब KYC और कंप्लायंस का ढांचा एक जैसा होता है, तो बैंक, फिनटेक और क्रिप्टो प्लैटफॉर्म्स में सहयोग आसान होता है। इससे संस्थागत भरोसे बढ़ता है और यूजर्स को भी बेहतर सेवाएं मिलती हैं। यह मजबूत यवनैस का रास्ता है।

(लेखक FIU-रजिस्टर्ड बिटकॉइन प्लैटफॉर्म GetBit के CEO हैं।)

FII बिकवाली और जियो-पॉलिटिकल जोखिमों के बीच नई रणनीति ज़रूरी

इस समय बाज़ार में कहां-कहां हैं मौक़े?

मृत्युंजय राय
NBTwealth
@timesofindia.com

शेयर बाजार की मौजूदा सुस्ती और वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों के मन में सबसे बड़ा सवाल यही है कि अब आगे क्या किया जाए। इंडिपेंडेंट गवाह है कि ऐसे दौर डर के नहीं समझदारी से चुने गए निवेश अवसरों के होते हैं।

शेयर बाजार में पिछले हफ्ते पैनिक का माहौल दिखा। ब्रॉडमार्केट में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयर तो बहुत ही दबाव में आ गए। निवेशक बाधुम हैं। यह सिलसिला सितंबर 2024 से ही शुरू हो गया था। तब से विदेशी निवेशकों की बिकवाली का सिलसिला कमोबेश जारी है। इधर रुपये ने डॉलर के मुकाबले 91 का लेवल भी पार कर लिया है। इससे विदेशी निवेशकों का मूड और खराब हुआ है। अगले रविवार को बजट पेश होगा, जिसे लेकर निवेशकों के मन में कुछ आशाएं जरूर होंगी। इस सिलसिले में एक सवाल पूछा जा रहा है कि क्या कुछ ऐसे उपायों की घोषणा बजट में की जा सकती है, जिससे विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी फिर से बढ़ेगी? उनके मन में यह सवाल भी है कि वह कौन से एक चीज है, जो हमारे मार्केट का मिजाज बदल सकती है? लेकिन आज वे उदास हैं तो उसकी वजह भी साफ दिख रही है।

सितंबर 2024 में निफ्टी 500 इंडेक्स ने नया शिखर छुआ था। उसके बाद से उसने MSCI वर्ल्ड इंडेक्स को अंडरपरफॉर्म किया है। ब्रॉडमार्केट पर अप्रैल 2025 से अभी तक भारतीय इंडेक्स कहीं ज्यादा कमजोर हुआ है, जबकि अगस्त 2021 से सितंबर 2024 तक निफ्टी 500 इंडेक्स का प्रदर्शन MSCI वर्ल्ड इंडेक्स से काफी अच्छा रहा था। इमर्जिंग मार्केट्स की तुलना में भी निफ्टी 500 इंडेक्स का सितंबर 2024 के बाद ऐसा ही हाल रहा है। इन इंडेक्स में सबसे अधिक वेटेज चीन, भारत और ताइवान के बाजारों का है। चीन और ताइवान के बाजारों का वेटेज करीब 48% है।

सवाल यह है कि जब वर्ल्ड और इमर्जिंग मार्केट्स अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं तो भारतीय बाजार क्यों सुस्त पड़े हुए हैं। इसकी वजह है अनिश्चितता। मार्केट बुरी खबरों को जल्दी पचा सकता है, लेकिन अनिश्चितता उसे बिल्कुल नहीं सुहाती। इसका निवेशकों पर क्या असर होता है, आइए उसे समझते हैं।

बैंकिंग, माइनिंग और रेयर अर्थ स्टॉक्स मजबूत

अभी के बाजार में भी PSU बैंक मजबूत बने हुए हैं। यही नहीं, पूरे बैंकिंग सेक्टर में निवेश के मौके हैं। माइनिंग और रेयर अर्थ स्टॉक्स में भी मजबूती बनी हुई है। निवेशकों के एक वर्ग के बीच वैल्यू स्टॉक्स भी पॉपुलर हो रहे हैं। आगे चलकर अगर अमेरिका के साथ भारत अच्छा व्यापार समझौता कर पाता है (यूरोपीय संघ के साथ ऐसे समझौते के वह पहले ही करीब है) तो मार्केट का मूड बहुत कम समय में बदल सकता है। याद रखिए कि भारतीय बाजार ने पहले भी कंसॉलिडेशन का लंबा दौर देखा है। अक्टूबर 2010 से फरवरी 2014 के बीच इसमें कंसॉलिडेशन का दौर चला था, जिसके पूरा होने के बाद बाजार ने शानदार तेजी देखी।

अनुमान लगाना बहुत मुश्किल हो जाता है। इससे शेयरों में उतार-चढ़ाव बढ़ जाता है। जब मार्केट की सिचुएशन ऐसी होती है, तब निवेशकों को इससे दूर रहने में ही अपनी भलाई दिखती है।

फिर ये अनिश्चितताएं कई तरह की होती हैं। अगर यह साइक्लिकल, ग्रोथ या मौद्रिक नीति से जुड़ी हो तो मार्केट के पास उनसे निपटने के लिए पिछले तजुर्बे होते हैं। मगर जब कोई स्ट्रक्चरल (ढांचागत) अनिश्चितता होती है तो हालात बेहद गंभीर हो जाते हैं। ऐसी अनिश्चितता से सामना तब होता है, जब जियो-पॉलिटिकल या व्यापार से जुड़े बदलाव होते हैं। अभी ऐसी ही स्थिति बनी हुई है। अमेरिका बार-बार भारत से जल्द व्यापार समझौते की बात तो कर रहा है, लेकिन अभी तक इसकी कोई पक्की टाइमलाइन डोनल्ड ट्रंप ने नहीं दी है। दावोस में भी वह टाइमलाइन की बात पर खामोश रहे।

ऐसा भी नहीं है कि सरकार और रिजर्व बैंक ने इकॉनमी और मार्केट को मजबूत करने के लिए कदम नहीं उठाए हैं। सरकार ने पिछले बजट में 12 लाख रुपये तक की इनकम को टैक्स फ्री किया था। कुछ महीने पहले गुड्स ऐंड सर्विसेज टैक्स के स्लैब में भी कमी की गई। इन कदमों का मकसद खपत (कंजम्पशन) को बढ़ावा देना है, जो लंबे समय से भारतीय अर्थव्यवस्था का आधार रही है। सरकार की सोच यह भी है कि कंजम्पशन बढ़ने से प्राइवेट सेक्टर इन्वेस्टमेंट बढ़ाएगा, जिससे जियो-पॉलिटिकल और ट्रेड से जुड़ी अनिश्चितताओं के बीच अर्थव्यवस्था को सपोर्ट मिलेगा। GDP के हालिया आंकड़े मजबूत रहे हैं और मौजूदा वित्त वर्ष में रिजर्व बैंक को इसकी दर 7.4% रहने की उम्मीद है। इसके बावजूद मार्केट पर दबाव बना हुआ है। इसलिए बजट में निवेशकों की नजर अगले साल की अनुमानित ग्रोथ और राजकोषीय घाटे के आंकड़ों पर भी होगी। निवेशक इस बात से भी अनजान नहीं हैं कि अक्सर नीतियों का असर दिखने में वक्त लगता है। फिर इनसे सेक्टर विशेष में निवेश के मौके भी बनते हैं।

(लेख में दी गई जानकारियां उदाहरण के तौर पर इस्तेमाल की गई हैं। इन्हें पढ़कर किसी भी तरह के निवेश का फैसला न करें)

काम की तारीखें

इन IPOs में मौका

IPO (Initial Public Offering) वह प्रक्रिया होती है, जिसके तहत कोई निजी कंपनी पहली बार आम लोगों को अपने शेयर बेचती है और शेयर बाजार में लिस्टेड कंपनी बन जाती है। IPO के बाद कंपनी के शेयर स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेड होने लगते हैं और आम निवेशक भी हिस्सा ले सकते हैं।

AI Image

- **Shayona Engineering Limited** [22-27 Jan] ₹140-₹144
- **Hannah Joseph Hospital Limited** [22-27 Jan] ₹67-₹70
- **Kasturi Metal Composite** [27-29 Jan] ₹61-₹64
- **NFP Sampoorna Foods** [27-30 Jan] ₹52-₹55
- **Kanishk Aluminium India Limited** [28-30 Jan] ₹73-₹73
- **CKK Retail Mart Ltd.** [30 Jan-3 Feb] ₹155-₹163

आईपीओ में निवेश जोखिम के अधीन है। प्रतिभूति बाजार जोखिमों के अधीन है। पूंजीबाजार में निवेश, जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले कृपया प्रतिभूति बाजार में भाग लेने वाले मध्यस्थों से परामर्श लें। यह सामग्री केवल सूचना के उद्देश्य से है। इसे निवेश, वित्तीय, कानूनी, कर या अन्य सलाह के रूप में न समझा जाए। इसमें व्यक्त विचार, राय और अनुमान किसी विशेष व्यक्ति के लिए उपयुक्त नहीं हैं। निवेश, कर या वित्तीय निर्णय लेने से पहले अपने सलाहकार से परामर्श लें। हम, हमारे समूह की कंपनियां या कर्मचारी इस सामग्री में दी गई जानकारी के आधार पर किए गए निवेश या निर्णय के परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। हम इस सामग्री में दी गई जानकारी की सटीकता, पूर्णता, वैधता, समयबद्धता या उपयुक्तता की गारंटी नहीं देते हैं। भूतकाल में प्रदर्शन भविष्य के प्रदर्शन का संकेत नहीं है। भविष्य के प्रदर्शन, रिटर्न, जोखिम और लागत के बारे में बयान अनुमानित हैं और इनमें जोखिम, अनिश्चितताएं और धारणाएं शामिल हैं। हम इस सामग्री में दी गई जानकारी को अद्यतन करने की जिम्मेदारी नहीं लेते हैं। इस सामग्री में दी गई जानकारी, राय और अनुमान बिना सूचना के बदल सकते हैं। इसमें त्रुटियां, गलतियां या छूटे हुए तथ्य हो सकते हैं। हम, हमारे समूह की कंपनियां या कर्मचारी इस सामग्री में दी गई जानकारी के आधार पर किए गए निवेश या निर्णय के परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। निवेशक अपने जोखिम पर निवेश करें। प्रतिभूति बाजार में निवेश, जोखिमों के अधीन है। निवेश करने से पहले कृपया प्रतिभूति बाजार में भाग लेने वाले मध्यस्थों से परामर्श लें। यह सामग्री केवल सूचना के उद्देश्य से है। इसे निवेश, वित्तीय, कानूनी, कर या अन्य सलाह के रूप में न समझा जाए। इसमें व्यक्त विचार, राय और अनुमान किसी विशेष व्यक्ति के लिए उपयुक्त नहीं हैं। निवेश, कर या वित्तीय निर्णय लेने से पहले अपने सलाहकार से परामर्श लें। हम, हमारे समूह की कंपनियां या कर्मचारी इस सामग्री में दी गई जानकारी के आधार पर किए गए निवेश या निर्णय के परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। हम इस सामग्री में दी गई जानकारी की सटीकता, पूर्णता, वैधता, समयबद्धता या उपयुक्तता की गारंटी नहीं देते हैं। भूतकाल में प्रदर्शन भविष्य के प्रदर्शन का संकेत नहीं है। भविष्य के प्रदर्शन, रिटर्न, जोखिम और लागत के बारे में बयान अनुमानित हैं और इनमें जोखिम, अनिश्चितताएं और धारणाएं शामिल हैं। हम इस सामग्री में दी गई जानकारी को अद्यतन करने की जिम्मेदारी नहीं लेते हैं। इस सामग्री में दी गई जानकारी, राय और अनुमान बिना सूचना के बदल सकते हैं। इसमें त्रुटियां, गलतियां या छूटे हुए तथ्य हो सकते हैं। हम, हमारे समूह की कंपनियां या कर्मचारी इस सामग्री में दी गई जानकारी के आधार पर किए गए निवेश या निर्णय के परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। निवेशक अपने जोखिम पर निवेश करें।

ग्रेगरी ने जिम पर लिखी है 'The Man Who Solved the Market'

बंपर रिटर्न कमाने का ये है फॉर्म्युला!

किताब लाजवाब

मृत्युंजय राय
Mrityunjay.Ray
@timesofindia.com

शेयर बाजार में परफेक्ट फॉर्म्यूला ढूंढने की कोशिश सदियों से जारी है, लेकिन कुछ नाम ऐसे हैं जिन्होंने इस असंभव को संभव कर दिखाया। गणित, डेटा और एल्गोरिदम की ताकत से जिम सिमन्स ने बाजार को समझने और मात देने का अनोखा तरीका विकसित किया।

शेयर बाजार में क्या कोई ऐसा फॉर्म्यूला है, जो रिटर्न की गारंटी दे सके? इसकी तलाश हर छोटे-बड़े निवेशक, फंड मैनेजर, वेंचर कैपिटल फर्मों और हेज फंड्स को रही है। मगर शायद ही कोई ऐसा फॉर्म्यूला तलाश पाया है। वॉरेन बफेट, चार्ली मंगर, राकेश झुनझुनवाला, राधाकिशन दमानी जैसे जिन लोगों ने लॉन्ग टर्म इन्वेस्टिंग से काफी पैसा बनाया, निवेशकों की निगाह में उनका दर्जा बहुत ऊपर है। इन्वेस्टिंग से तो फिर भी कई नाम मिल जाएंगे, जिन्होंने लंबे वक्त में अच्छा रिटर्न हासिल किया। लेकिन ट्रेडिंग से बड़ी रकम बनाने वाले कम ही नाम मिलते हैं। ऐसे ही एक नाम हैं जिम सिमन्स (Jim Simons)। इन्हीं जिम सिमन्स के बारे में ग्रेगरी जकरमैन (Gregory Zuckerman) ने 'The Man Who Solved the Market' नाम की किताब में लिखा है। यह किताब जिम सिमन्स की जिंदगी के बारे में है। वह एक गणितज्ञ थे, जिन्होंने रेनांसा टेक्नॉलॉजीज नाम की कंपनी शुरू की और उसे मार्केट की दुनिया में शिखर तक पहुंचाया।

ग्रेगरी लिखते हैं कि जिम सिमन्स को बचपन से ही गणित में महारत मिली हुई थी। उन्होंने मेसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलॉजी से पढ़ाई की, फिर बर्कले से 23 साल की उम्र में PhD। इसके बाद वह डिफेंस एनालिसिस इंस्टिट्यूट से जुड़े। वहां उन्होंने शीत युद्ध के दौर में सोवियत संघ के कम्युनिकेशंस को डिकोड करने का दायित्व निभाया। जिम सिमन्स ने इसके लिए पैटर्न रेकग्निशन का इस्तेमाल किया। भविष्य के जिस जिम सिमन्स को दुनिया ने जाना, उसे गढ़ने में इन तजुर्बों ने बेहतरा मदद की। इस काम के दौरान उनकी यह समझ बनी कि बहुत सारे डेटा से काम की बात कैसे निकालते हैं। आगे चलकर जब वह फाइनैंस की दुनिया में आए तो इन स्किल्स ने उनकी काफी मदद की।

शीत युद्ध के दौर में उन्होंने वियतनाम वॉर के दौरान भी कोड ब्रेकिंग का काम किया। उनके इस काम की अकादमिक जगत में काफी आलोचना हुई। इससे खीझकर जिम सिमन्स ने 1970 के दशक में फाइनैंस की दुनिया में कदम रखा। शुरुआती ट्रेडिंग में उन्हें कुछ कामयाबी मिली। मगर उनकी असली सफलता का सफर इस समझ से शुरू हुआ कि मार्केट्स में भी छुपे हुए पैटर्न होते हैं। इन्हें पकड़ने के लिए मैथमेटिकल मॉडल बनाए जा सकते हैं। 1978 में उन्होंने Monemetrics कंपनी शुरू की, जिसका नाम आगे बदलकर रेनांसा टेक्नॉलजीज हो गया। इस कंपनी में उन्होंने कुछ गणितज्ञों की भर्ती की। इनकी मदद से मार्केट डेटा का इस्तेमाल करके रेनांसा ने प्रेडिक्टिव एल्गोरिदम बनाए। यह एल्गोरिदम यह संकेत देता था कि किसी इंक्विटी की कीमत आने वाले दिनों में कैसी रह सकती है।

जिम की कंपनी रेनांसा ने प्रेडिक्टिव एल्गोरिदम बनाया। यह संकेत देता था कि किसी इंक्विटी की कीमत आने वाले दिनों में कैसी रह सकती है।

MIT के गणितज्ञ जिम सिमन्स ने रेनांसा टेक्नॉलजीज और मैडैलियन फंड के जरिए ऐसा क्वांट मॉडल बनाया, जिसने सालों तक असाधारण रिटर्न देकर शेयर बाजार की सोच बदल दी।

निमा ने 1988 में मैडैलियन फंड (Medallion Fund) शुरू किया। यह फंड हैरतंगेज रिटर्न के लिए चर्चा किया जाता है। 1988 से लेकर 2018 तक इस फंड ने सालाना 66% का रिटर्न जेनरेट किया। इस फंड में जिन लोगों ने पैसा लगाया था, उनसे जिम सिमन्स की कंपनी अच्छी फीस भी वसूलती थी। इसके बावजूद निवेशकों को सालाना 39% का शुद्ध रिटर्न मिला। इसके असर को आसान शब्दों में समझना हो तो जिस निवेशक ने मैडैलियन फंड में 1988 में 1 डॉलर लगाया था, उसकी वैल्यू 2018 में 20,000 डॉलर हो गई थी।

रेनांसा में पार्टिशिन स्टॉक एनालिस्टों की भर्ती नहीं की जाती थी। इसमें फिजिक्स, मैथ्स और कंप्यूटर साइंस में PhD करने वालों को नियुक्ति में प्रायॉरिटी मिलती थी। 1993 में तो जिम सिमन्स ने आईटी कंसॉल्टिंग कंपनी IBM से स्पीच रेकग्निशन एक्सपर्ट्स तक की भर्ती की। इन्हें मार्केट के आंकड़ों को देखकर उनमें छिपे हुए संकेतों को पहचानने के काम में लगाया गया। रेनांसा ने अपने एंप्लॉयीज की विशेषज्ञता का फायदा उठाकर ट्रेडिंग से अच्छा पैसा बनाया। लगातार मुनाफा कमाने के सिस्टम की वजह से रेनांसा के कर्मचारियों को नॉन डिस्क्लोजर एग्रीमेंट साइन करना होता था ताकि वे इसकी जानकारी लीक न कर सकें। गोपनीयता बनाए रखने के लिए ही कंपनी को वॉल स्ट्रीट के बजाय लॉन्ग आइलैंड से चलाया जाता था।

रेनांसा को मार्केट की इस बाजी के दौरान झटके भी लगे। पहला शॉक 1987 के वॉल स्ट्रीट क्रैश की वजह से लगा। उसके कुछ स्टार ट्रेडरों के जाने से भी कंपनी की कामयाबी के बने रहने को लेकर सवाल किए गए। जिम सिमन्स को निजी जिंदगी में भी दुखों का सामना करना पड़ा। 1996 में बाइक एक्सीडेंट में उनके बेटे पॉल और 2003 में कार क्रैश में बेटी ऑड्री का देहांत हो गया। 2008 के वित्तीय संकट ने भी रेनांसा के सामने चुनौती पेश की, लेकिन मार्केट के धुरंधरों होने पर मैडैलियन की वैल्यू 50% बढ़ चुकी थी।

1993 में इस फंड को बाहरी निवेशकों के लिए बंद कर दिया गया। इसके बाद मैडैलियन ने सिर्फ अपने एंप्लॉयीज का पैसा ही मैनेज किया। जिम सिमन्स ने 2010 में कंपनी का CEO पद छोड़ दिया, लेकिन वह 2021 तक इसके चेयरमैन बने रहे। कहते हैं कि शेयर बाजार की दुनिया में जिम सिमन्स जो फलसफा लेकर आए, उसे ने क्वांट क्रांति को जन्म दिया। यानी जिस क्वांट इन्वेस्टमेंट का शेर पिछले कुछ वर्षों से आप सुन रहे हैं, वह उन्हीं की देन है। यह बात भी सही है कि शेयर बाजार में जीत का कोई तय फॉर्म्युला किसी के पास नहीं है, लेकिन कहते यह भी हैं कि जिम सिमन्स ने जो कमाल किया, वह ऐसे किसी फॉर्म्युले से कम नहीं।

(लेखिका एस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल

(26 जनवरी-1 फरवरी 2026)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth
@timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)

इस सप्ताह की शुरुआत से ही आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होती दिखेगी। धन कमाने के नए मौके मिल सकते हैं और आपकी बात करने की कला भी फायदा दिला सकती है। निवेश से भी लाभ के संकेत है। नेटवर्किंग आपके लिए खास तौर पर काम आएगी। बैंकिंग, शिक्षा, इंश्योरेंस, टिफेंस, सोलर पावर, हेल्थ और डेटा एनालिटिक्स जैसे क्षेत्रों से जुड़े लोगों को इस सप्ताह अच्छा धन लाभ मिल सकता है।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)

सप्ताह के पहले दो दिन खर्च पर थोड़ा कंट्रोल रखने की जरूरत है, नहीं तो बेवजह पैसे निकल सकते हैं। इसके बाद समय धीरे-धीरे आपके पक्ष में आएगा। आपकी समझदारी और बातचीत की क्षमता से धन कमाने के मौके बनेंगे। निवेश भी सर्वोत्तम परिणाम दे सकता है। IT, फार्मा, ऑटोमोबाइल, एयरलाइन्स, केमिकल और डेटा एनालिटिक्स से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह आर्थिक रूप से बेहतर रह सकता है।

मिथुन (22 मई-21 जून)

सप्ताह की शुरुआत निवेश से जुड़े अच्छे समाचार के साथ हो सकती है। धन कमाने के कई अवसर सामने आएंगे। शेयर बाजार और प्रॉपर्टी से भी लाभ के योग है। हालांकि सप्ताह के बीच में खर्च बढ़ सकता है, इसलिए सावधानी रखें। सप्ताह के अंत तक हालात फिर से आपके पक्ष में होंगे। बैंकिंग, इंश्योरेंस, शिक्षा, IT, केमिकल और मेटल सेक्टर से जुड़े लोगों को फायदा मिल सकता है।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)

इस सप्ताह भाग्य और मेहनत दोनों आपका साथ देंगे। किसी अनुभवी व्यक्ति की सलाह या मदद से आपको आर्थिक फायदा हो सकता है। आपकी समझदारी और व्यवहार कुशलता से धन लाभ के रास्ते खुलने के आसार दिख रहे हैं। हालांकि सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकता है, इसलिए पहले से योजना बनाएं। शेयर बाजार, प्रॉपर्टी, सोलर पावर, हेल्थ सेक्टर, सोना-चांदी और डेयरी से जुड़े कामों में लाभ के संकेत हैं।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)

सप्ताह की शुरुआत से ही भाग्य आपके लिए अच्छे संकेत दे रहा है। आपके लिए अचानक धन लाभ के मौके बन सकते हैं। सप्ताह आगे बढ़ने के साथ आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी। शेयर बाजार या पैतृक संपत्ति से लाभ संभव है। टिफेंस, बैंकिंग, ट्रेडिंग, सोलर और ग्रीन एनर्जी, हेल्थ, शिक्षा और सोना-चांदी से जुड़े क्षेत्रों में इस सप्ताह धन वृद्धि के अच्छे योग बन रहे हैं।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)

सप्ताह की शुरुआत में निवेश को लेकर सतर्क रहें, नहीं तो खर्च बढ़ सकता है। बुधवार से हालात अचानक बेहतर होंगे और भाग्य साथ देगा। बिजनेस द्वारा या काम से जुड़ी यात्रा से धन लाभ हो सकता है। सप्ताह के दूसरे हिस्से में निवेश से अच्छे नतीजे मिलेंगे। सप्ताह के अंत में किसी जानकार या एक्सपर्ट की सलाह से आपको फायदा होगा। कुल मिलाकर यह सप्ताह मेहनत का फल देने वाला साबित होगा।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)

इस सप्ताह धन बढ़ने के कई मौके मिलेंगे। आय सोच-समझकर निवेश करेंगे और उसका लाभ भी पाएंगे। जीवनसाथी से आर्थिक सहयोग मिल सकता है। सप्ताह की शुरुआत में बिजनेस डील फायदेमंद रहेगी। हालांकि बीच में खर्च बढ़ सकता है, इसलिए सावधानी जरूरी है। सप्ताह के अंत में अचानक धन लाभ और सुख-समृद्धि के योग बनेंगे। बैंकिंग, शिक्षा, इंश्योरेंस और हेल्थ सेक्टर से लाभ संभव है।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नवं.)

सप्ताह की शुरुआत में धन लाभ के खास योग बन रहे हैं। आर्थिक स्थिति में मनचाहा सुधार दिख सकता है। पुराने कर्ज से राहत मिलने के संकेत हैं। जीवनसाथी का सहयोग भी मिलेगा। हालांकि सप्ताह के अंत में खर्च बढ़ सकता है, इसलिए समझकर चलें। इस सप्ताह आपको लेदर प्रोडक्ट्स, डेयरी प्रोडक्ट्स, हाइड्रोलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, हेल्थ सेक्टर, सर्जिकल इक्विपमेंट्स आदि सेक्टर से विशेष धन लाभ प्राप्त होने के योग है।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)

जैसे-जैसे सप्ताह आगे बढ़ेगा, धन लाभ के मौके बढ़ते जाएंगे। शुरुआत में अचानक पैसा मिलने के योग है। निवेश और शेयर बाजार से फायदा हो सकता है। कर्ज से छुटकारा मिलने की संभावना भी है। जूनियर सहयोगियों से मदद मिलेगी। जीवनसाथी का आर्थिक सहयोग भी मिल सकता है। बैंकिंग, इंश्योरेंस, शिक्षा, सोना-चांदी और डेटा एनालिटिक्स से जुड़े कामों में लाभ दिखता है।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)

सप्ताह की शुरुआत में खर्च बढ़ सकता है, इसलिए सावधानी रखें। बुधवार के बाद हालात बेहतर होंगे और धन लाभ के संकेत मिलेंगे। अचानक कोई अच्छी खबर मिल सकती है। शेयर बाजार या सट्टे से भी फायदा हो सकता है, लेकिन जोखिम सोच-समझकर लें। सप्ताह के अंत तक आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। IT, फार्मा, बैंकिंग, मीडिया, टिफेंस और केमिकल सेक्टर से जुड़े लोगों को लाभ मिल सकता है।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)

सप्ताह की शुरुआत में निवेश से लाभ मिलेगा। आपकी नेटवर्किंग और व्यवहार कुशलता काम आएगी। दोस्त और रिश्तेदार भी आर्थिक रूप से मदद कर सकते हैं। हालांकि सप्ताह के दूसरे हिस्से में घरेलू खर्च बढ़ सकता है। टिफेंस, इलेक्ट्रॉनिक्स, IT, फार्मा, केमिकल और होट मैनेजमेंट से जुड़े लोगों के लिए यह सप्ताह अच्छा रहेगा।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)

इस सप्ताह आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत होती जाएगी। नेटवर्किंग से धन कमाने के अच्छे मौके मिलेंगे। आपकी समझदारी और व्यवहार से फायदा होगा। हालांकि सप्ताह के अंत में घर या वाहन से जुड़ा खर्च बढ़ सकता है। बैंकिंग, इंश्योरेंस, शिक्षा, टिफेंस और सोना-चांदी में निवेश करने वालों के लिए यह सप्ताह लाभदायक साबित हो सकता है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAJK4 User: cci Time: 01-25-2026 23:02 Color:

दादा (सौरव गांगुली) पहली बार हेड कोच के तौर पर हमारी टीम से जुड़े हैं। वह काफी सकारात्मक व्यक्ति हैं और जानकारी साझा करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं क्योंकि वह अपने खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चाहते हैं। – केशव महाराज, कप्तान, प्रिटोरिया कैपिटल्स

168

रन से हराया था भारत ने न्यूजीलैंड को अहमदाबाद में साल 2023 में खेले गए टी20 इंटरनैशनल मैच में। यह भारत और न्यूजीलैंड के बीच हुए टी20I में रनों के हिसाब से सबसे बड़ी जीत है

स्पोर्ट्स QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है।

1. टी20 वर्ल्ड कप 2026 में पाकिस्तान के कप्तान कौन होंगे? A) सलमान अली आगा B) बाबर आजम C) मोहम्मद रिजवान D) शादाब खान
2. इबो गोविंदा किस देश की टेनिस प्लेयर है? A) अमेरिका B) सर्बिया C) चेक रिपब्लिक D) ऑस्ट्रेलिया

कल के जवाब
1. B) तीन 2. B) पर्थ

लकी WINNER

1. फिरोज मुजफ्फर, बाटला हाउस, दिल्ली
2. विक्रम सिंह बिष्ट, लखनऊ, यूपी
3. संजय वाल्मीकि, पेरोली, मुंबई

आप अपने जवाब हमें **9319282367** पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

गिरी से हारे गुकेश

■ किन्क आन्ज़ी: वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को टाटा स्टील मास्टर्स के सातवें राउंड में अनीश गिरी से हार का सामना करना पड़ा। यह उनकी लगातार दूसरी और टूर्नामेंट में तीसरी हार है। अर्जुन एरिगैसी को तुर्की के यागिज कान एरदोगमुस ने हराया। प्रज्ञानंधा ने मथियास ब्लूबाउम को ड्रॉ पर रोका।

सैन्यम और गौरव जीते

■ नई दिल्ली: चंडीगढ़ की सैन्यम और उत्तर प्रदेश के गौरव कुमार ने नैशनल स्क्वैश सिलेक्शन ट्रायल्स एक और दो के अंतिम दिन बिमिस और मेंस ग्रुप में 10 मीटर एयर पिस्टल में पहला स्थान हासिल किया।

पामेला होंगी हेड कोच

■ नई दिल्ली: इटली की पूर्व इंटरनैशनल फुटबॉलर पामेला कोटी को भारतीय विमिंस अंडर-17 टीम का हेड कोच नियुक्त किया गया है।

टीम इंडिया ने 60 बॉल रहते हासिल किया टारगेट, सीरीज़ जीती

बरसापारा में अभिषेक बरसे और सूर्य चमके, भारत जीता

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: टी20 फॉर्मेट में दुनिया के नंबर एक बैटर अभिषेक शर्मा (68* रन) की एक और रिकॉर्डतोड़ पारी और रनों के बीच लीटे कप्तान सूर्यकुमार यादव (57* रन, 26 बॉल, 6 फोर, 3 सिक्स) के साथ 40 गेंद पर 102* रन की रेकॉर्ड पार्टनरशिप ने भारत की झोली में एक और बड़ी जीत डाली। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज को गुवाहाटी के बरसापारा में खेले गए तीसरे टी20I मैच में भारत ने 154 रन के टारगेट को सिर्फ 10 ओवरों में दो विकेट खोकर हासिल कर लिया। इस जीत के साथ पांच मैचों की सीरीज में भारत ने 3-0 से अजेय बढ़त बना ली। अभिषेक-सूर्य के अलावा ईशान किशन (28 रन, 13 बॉल) ने भी दमदार पारी खेली। अभिषेक ने अपनी पारी के दौरान भारत के लिए टी20I में दूसरी सबसे तेज फिफ्टी का रेकॉर्ड बनाया। भारत ने पावरप्ले में अपना हाईएस्ट टोटल 94 रन बनाया।

वापसी के बाद बुमरा का कहर: इससे पहले, एक मैच के आराम के बाद टीम में वापसी कर रहे पेसर जसप्रीत बुमरा (3/17) और करीब एक साल बाद प्लेइंग इलेवन में वापसी कर रहे स्पिनर रवि बिश्नोई (2/18) की धारदार बोलिंग की बदौलत भारत ने रन उगलने वाली पिच पर न्यूजीलैंड को सिर्फ 153/9 के टोटल पर रोक दिया। हार्दिक पंड्या (2/23) ने भी बोलिंग में अपनी छाप छोड़ी। टारगेट को भारत ने 60 बॉल रहते हासिल कर लिया।

कमाल की जुगलबंदी: शुभमन गिल को बाहर किए जाने के फिर से ओपनिंग पोजिशन पाने वाले संजू सैमसन एक बार फिर फेल रहे। वह पारी की पहली ही गेंद पर चलते बने। टी20I में यह सातवीं बार था जब वह खाता खोलने में नाकाम रहे। इसके बाद ग्रीन पर उतरे ईशान ने अपनी पारी वहीं से शुरू की शुरुआत में जहां छोड़ी थी। उन्होंने पहले ओवर में ही दो सिक्स और एक फोर के साथ 16 रन बटोरे। वह टी20I मैच के पहले ही ओवर में सबसे ज्यादा रन बटोरने वाले बैटर्स की लिस्ट में संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंच गए। दूसरे छोर से डभी आए तो उन्हें अभिषेक ने निशाने पर लिया। बरसापारा में इन दोनों ने बारिश की बारिश करके तीन ओवर में ही भारत का स्कोर 49/1 तक पहुंचा दिया। ईश सोढ़ी ने ईशान को आउट कर साझेदारी तोड़ी। न्यूजीलैंड: डेवोन कॉन्वे का हार्दिक वो हर्षित 1, टिम सीफर्ट वो बुमरा 12, रचिन रविंद्र का बिश्नोई वो हार्दिक 4, ग्लेन फिलिप्स का किशन वो बिश्नोई 48, मार्क चैपमैन का सैमसन वो बिश्नोई 32, डेरिल मिचेल का ईशान वो हार्दिक 14, मिचेल सैंटनर का अभिषेक वो बुमरा 27, काइल जेमीसन का बुमरा 3, मैट हेनरी रन आउट 1, ईश सोढ़ी नॉट आउट 2, जैकब डफी नॉट आउट 4 **एक्स्ट्राज:** 5 **टोटल:** 20 ओवरों में नौ विकेट पर 153 रन

विकेट: 1-2, 2-13, 3-34, 4-86, 5-112, 6-112, 7-132, 8-134, 9-144 **बोलिंग:** हर्षित राणा 4-0-35-1, हार्दिक पंड्या 3-0-23-2, रवि बिश्नोई 4-0-18-2, जसप्रीत बुमरा 4-0-17-3, कुलदीप यादव 3-0-32-0, शिवम दुबे 2-0-24-0

भारत: संजू सैमसन वो हेनरी 0, अभिषेक शर्मा नॉट आउट 68, ईशान किशन का चैपमैन वो सोढ़ी 28, सूर्यकुमार यादव नॉट आउट 57

एक्स्ट्राज: 2 **टोटल:** 10 ओवरों में दो विकेट पर 155 रन

विकेट: 1-0, 2-53 **बोलिंग:** मैट हेनरी 2-0-18-1, जैकब डफी 2-0-38-0, काइल जेमीसन 1-0-17-0, ईश सोढ़ी 2-0-28-1, मिचेल सैंटनर 2-0-28-0, ग्लेन फिलिप्स 1-0-16-0

भारत Vs न्यूजीलैंड
टी20 सीरीज, तीसरा मैच

टी20 इंटरनैशनल में सबसे तेज भारतीय फिफ्टी

बॉल	बैटर	खिलाफ
12	युवराज सिंह	इंग्लैंड
14	अभिषेक शर्मा	न्यूजीलैंड
16	हार्दिक पंड्या	सा. अफ्रीका
17	अभिषेक शर्मा	इंग्लैंड
18	केएल राहुल	स्कॉटलैंड
18	सूर्यकुमार यादव	सा. अफ्रीका

3 तीसरी बार अभिषेक शर्मा ने टी20I में पावरप्ले में अपनी फिफ्टी पूरी की। कोई दूसरा भारतीय बैटर ऐसा नहीं कर पाया है

9 बार टी20I में 25 बॉल से कम में फिफ्टी बनाई अभिषेक शर्मा ने जो सर्वाधिक है। सूर्यकुमार यादव ने ऐसा आठ बार किया है

अभिषेक शर्मा
68* रन
20 बॉल
7 फोर
5 सिक्स

स्कोरकार्ड

'बहिष्कार की धमकी' के बाद पाकिस्तान ने की टीम घोषित

■ एजेंसियां, लाहौर: पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी के बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने के लिए टी20 वर्ल्ड कप के बहिष्कार की धमकी के एक दिन बाद ही पाकिस्तान ने टूर्नामेंट के लिए अपनी टीम घोषित कर दी। नकवी ने कहा था कि पाकिस्तान सरकार इस बात पर अंतिम निर्णय लेगी कि उसकी नैशनल टीम टी20 वर्ल्ड कप में भाग लेगी या नहीं। हालांकि, सात फरवरी से आठ मार्च तक भारत और श्रीलंका में होने वाले इस टूर्नामेंट के लिए संदेह की सलमान अली आगा की अगुआई में पाकिस्तान टीम का ऐलान हो गया।

टी20 वर्ल्ड कप 2026

सलमान अली आगा को कमान

वर्ल्ड कप के लिए पाकिस्तान टीम: सलमान आगा (कप्तान), अब्रार अहमद, बाबर आजम, फहीम अशरफ, फखर जमां, हसन नवाज (विकेटकीपर), मोहम्मद नवाज, मोहम्मद सलमान मिर्जा, नसीम शाह, साहिबजादा फरहान (विकेटकीपर), शैम अयूब, शाहीन शाह अफरीदी, शादाब खान, उस्मान खान (विकेटकीपर), उस्मान तारिक।

हारिस को BBL का फायदा नहीं

टीम में बाबर आजम को शामिल किया गया है, लेकिन पेसर हारिस रउफ और मोहम्मद रिजवान को मौका नहीं दिया गया। बाबर, हारिस और रिजवान तीनों ही हाल ही में बिग बैश लीग (BBL) में खेले। बाबर और रिजवान का प्रदर्शन निराशाजनक रहा। हालांकि, हारिस मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए 11 मैचों में 20 विकेट लेकर सीजन के टॉप बोलर रहे।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

बून की हैटट्रिक से रॉयल्स फाइनल में

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: टॉम बून की हैटट्रिक की बदौलत रॉयल्स ने हॉकी इंडिया लीग के फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। रॉयल्स लीग के खिताबी मुकाबले में वेदांता कलिंगा लांसर्स का सामना करेगी। रॉयल्स ने रविवार को हुए भुवनेश्वर में खेले गए मुकाबले में हैदराबाद तूफांस को 3-2 के अंतर से मात दी। पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने आक्रामक तेवर दिखाए। तूफांस के लिए जैकब एंडरसन ने पहला गोल किया, जिसके बाद टॉम बून (13वें मिनट, 15वें मिनट) ने एक के बाद एक गोल दागे हुए रॉयल्स की मैच में वापसी करवाई। दूसरा क्वार्टर शांत रहा। तीसरे क्वार्टर में बून (34वें मिनट) ने अपनी हैटट्रिक पूरी की और सीजन में सर्वाधिक 18 गोल भी कर दिए। लांसर्स क्वॉलिफायर-1 जीतकर फाइनल में पहुंचा था।

हॉकी इंडिया लीग (HIL)

SOCIAL MEDIA

टॉम बून

पाकिस्तान को इस मामले में दखल क्यों देना: भज्जी

■ एजेंसियां, नई दिल्ली: भारतीय उपमहाद्वीप में राजनीतिक और राजनयिक मुद्दों से उपजे असंतुलन द्विपक्षीय तनावों के कारण बांग्लादेश को टी20 वर्ल्ड कप से बाहर कर दिया गया है। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने इसके बाद बांग्लादेश के साथ एकजुटता दिखाने का प्रयास करते हुए अपने बयान से पाकिस्तान के टूर्नामेंट में भाग लेने को लेकर संशय पैदा कर दिया। इस बीच पूर्व भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा कि यह बांग्लादेश बोर्ड के लिए 'अहं का मामला' बन गया। हरभजन ने यह भी कहा कि नकवी को बहिष्कार की धमकी देने का कोई अधिकार नहीं था। भज्जी ने कहा, 'पाकिस्तान पहले से ही श्रीलंका में खेल रहा है। यह उनसे जुड़ा हुआ मामला नहीं था। जहां जरूरत नहीं है वहां दखल क्यों देना। नुकसान तो बांग्लादेश टीम और उसके खिलाड़ियों का ही हो रहा है।'

बांग्लादेश क्रिकेट विवाद

भारत के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह

WCA की चिंता: वर्ल्ड क्रिकेट संघ (WCA) ने भी टी20 वर्ल्ड कप से बांग्लादेश के बाहर होने पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह 'एक दुखद क्षण' है जिस पर 'गहन चिंतन' करने की जरूरत है। WCA पेशेवर क्रिकेटरों का एक वैश्विक संगठन है। WCA के CEO टॉम मोफैट ने कहा, 'टी20 वर्ल्ड कप से बांग्लादेश का बाहर होना हमारे खेल, बांग्लादेशी प्लेयर्स और फैंस के लिए दुखद क्षण है। इस क्षण पर गहन चिंतन करने की जरूरत है।

अल्काराज, सबालेंका, गॉफ ने बनाई अंतिम-8 में जगह

■ एपी, मेलबर्न: दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज और आरिना सबालेंका ने ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। अल्काराज ने टोमी पॉल पर 7-6, 6-4, 7-5 से जीत दर्ज की, जबकि विंबिल्डन सिंगल्स में सबालेंका ने कनाडा की नंबर-17 विक्टोरिया एमबोको को 6-1, 7-6 से हराया। सबालेंका का अंतिम-8 में मुकाबला 10 वर्षीय इवा पोवियेच से होगा। इस खिलाड़ी ने पूलिया पुलिनत्सेवा को 6-0, 6-1 से हराकर पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम टूर्नामेंट के अंतिम-8 में जगह बनाई है। खिताब की एक अन्य दावेदार कोको गॉफ ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में लगातार तीसरे वर्ष क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है। उन्होंने 19वीं रैंकिंग की खिलाड़ी कैरोलिना मुचोवा को 6-1, 3-6, 6-3 से हराया।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

सबालेंका से टकरानेंगे अमेरिका की उभरती प्लेयर योविच (बाएं)

जोकोविच को वॉकओवर: नोवाक जोकोविच कोर्ट पर उतरे बिना ही मैंस सिंगल्स के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं क्योंकि चौथे राउंड में उनके प्रतिद्वंदी बाकुर मेचिक ने पेट की मांसपेशियों में खिंचाव कारण अपना नाम वापस ले लिया। उधर, माया राजेश्वरन रावर्ट और अनंत पासरकर के पहले राउंड में हारने से भारत की टूर्नामेंट के जूनियर वर्ग के सिंगल्स में चुनौती समाप्त हो गई।

पूर्व BCCI अध्यक्ष बिंद्रा का निधन हुआ

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: पूर्व BCCI प्रेसिडेंट आईएस बिंद्रा का रविवार को निधन हो गया। पूर्व IAS बिंद्रा ने 1975 में पंजाब क्रिकेट असोसिएशन (PCA) अध्यक्ष का पद संभाला और 2014 तक इस पद पर रहे, इसे साल उन्होंने क्रिकेट प्रशासन से संन्यास की घोषणा की। इस दौरान 1993-94 से शुरू होकर तीन वर्षों तक BCCI के अध्यक्ष भी रहे। 1987 और 1996 के वर्ल्ड कप भारत को दिलाने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई और 1990 के दशक में वे BCCI के प्रमुख चेहरों में से एक थे। बिंद्रा के निधन पर ICC अध्यक्ष जय शाह ने सोशल मीडिया पर गहरा दुख जताया।

आईएस बिंद्रा

बड़ी जीत से मुंबई क्वॉर्टर में

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सरफराज खान की 227 रन की पारी और उनके छोटे भाई मुशीर खान की घातक गेंदबाजी (5/79) के दम पर मुंबई ने रणजी ट्रॉफी ग्रुप-डी मुकाबले में हैदराबाद को नौ विकेट से हरा दिया। हैदराबाद में खेले गए इस मैच में पहली पारी में बढ़त लेने के बाद मुंबई ने हैदराबाद को दूसरी पारी में 176 पर समेटा और 10 रन का आसान लक्ष्य हासिल कर लिया। छह मैचों में चार जीत और दो ड्रॉ के साथ मुंबई के 30 अंक हो गए हैं और टीम ने क्वॉर्टर फाइनल में जगह पक्की कर ली है।

डोसेजा की दूसरी सेंचुरी: अथर्व डोसेजा की लगातार दूसरी पारी में सेंचुरी की बदौलत दिल्ली ने छत्तीसगढ़ के खिलाफ मुकाबला ड्रॉ कर लिया। पहली पारी में 104* रन बनाने वाले डोसेजा ने दूसरी में 129 रन की अहम पारी खेली। उन्हें सुमित माथुर (27 रन) और सिद्धांत शर्मा (44 रन) का सहयोग मिला। दिल्ली ने दूसरी पारी में 422 रन बनाए और छत्तीसगढ़ को 134 रन का लक्ष्य दिया। छत्तीसगढ़ ने दूसरी पारी में 3 विकेट पर 57 रन बनाए।

यूपी की बड़ी हार: लखनऊ में उत्तर प्रदेश को झारखंड के खिलाफ 301 रन की बड़ी हार का सामना करना पड़ा, जिसके साथ उनकी टूर्नामेंट के अगले राउंड में पहुंचने की उम्मीदें खत्म हो गईं। झारखंड की पहली पारी (561/6 घोषित) के जवाब में उत्तर प्रदेश की पहली पारी 176 रन पर सिमट गई थी। फॉलोऑन के बाद यूपी की टीम दूसरी पारी में 84 रन पर सिमट गई।

दिल्ली के आयुष दोसेजा ने दोनों पारियों में जड़ी सेंचुरी

रणजी का रण

SOCIAL MEDIA

एम्बापे ने टीम को टॉप पर पहुंचाया

■ एपी, बार्सिलोना: किलियान एम्बापे के दो गोल की मदद से रियाल मैड्रिड ने विलारियाल को 2-0 से हराया। इसके साथ ही टीम स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में बार्सिलोना को पीछे छोड़कर टॉप पर पहुंच गई। एम्बापे ने 47वें मिनट में पहला गोल किया और फिर इंजरी टाइम में पेनल्टी पर गोल करके यह सुनिश्चित किया कि मैड्रिड पॉइंट्स टेबल में बार्सिलोना से दो अंक आगे निकल जाए। बार्सिलोना को पहला स्थान वापस पाने के लिए अगले मैच में रियाल ओविएदो को हराना होगा। इस जीत से रियाल 21 मैच में 51 अंक हो गए हैं, जबकि बार्सिलोना के 20 मैच में 49 अंक हैं।

एम्बापे ने दागे गैच में दो गोल

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr
आज आप अपने निकटवर्ती व अन्य लोगों की भावनाओं को पहचानें और उनके अनुसार चलने का प्रयास करें तो आपको आत्मसंतोष होगा। कभी जरूर पूरी की बात सुनने में कोई परेशानी नहीं है। दुकान या कार्यालय में भी टीमवर्क के जरिए ही आप किसी समस्या का हल निकालने में सफल होंगे।

TAURUS 20 Apr - 19 May
आपकी राशि का स्वामी शुक्र अष्टम घर में है। चतुर्थ भाव में केतु गिरावनाम फाइनल मांग की शुभ दृष्टि से देख रहा है। शुक्र सांसारिक सुख भोगों का प्रतिनिधि है, इसलिए आवश्यक साधन की उपलब्धी में शाम तक का समय व्यतीत होगा। घर परिवार के वृद्धजनों से बातचीत में न उलझें।

GEMINI 21 May - 21 Jun
एकादश भाव में गुरु और राशि से प्रथम भाव में शिथुन राशि का बृहस्पति आज आपको राज्य से सम्मान और सत्तारीढ़ प्रतिष्ठा से अभिभूत करेगा। व्यापार के भागीदारों तथा पत्नी पक्ष से भी पूर्ण सहयोग मिलेगा। लंबे समय से चले आ रहे ऋण के कम होने की संभावना है। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा।

CANCER 22 Jun - 22 July
आपकी राशि पर द्वादश का बृहस्पति और मंगल का ही दशम में पंचम उच्च संपत्ति और बहुत दिनों से रुके धन की प्राप्ति कराएगा। नए संबंधों में स्थायित्व बनेगा। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में भी अच्छी सफलता मिल सकती है, प्रयत्नशील रहें। रात का समय मंगलमय उल्लास में बिताएं।

LEO 23 July - 22 Aug
आज आपकी राशि पर नवम पुण्यप्रद त्रिकोण भाव में चंद्रमा और अष्टम भाव में शनि का जाएंगे। फलस्वरूप आज आपको अपने कार्यक्षेत्र व दफ्तर में कुछ नए अधिकार दिए जा सकते हैं। रचनात्मक कार्यों में अपनी रुचि बढ़ेगी। पुत्र या पुत्री के विवाह का प्रसंग प्रबल होकर फलीभूत हो सकता है।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep
आपकी राशि से अष्टम भाव सप्तम स्वगृह कर रहा है, शनि आज लाभ भाव में शुक्र मिलो से निर्मूल विवाद व उच्च व्यय कराएगा है। इसलिए अपने अहंकार खुशनुमा महौल बनाने का प्रयास करें। कार्यालय में भी अहंकार कोई नया परिवर्तन आपको आश्चर्य में डाल सकता है।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct
आज का दिन आपके लिए महत्वपूर्ण से मेल जोल कराएगा है। अकस्मात कल्पना से परे उलट फेर में आपको लाभ मिल सकता है। नए कार्य में दैवीकरण और तकनीकी फहुओं पर कर्मकुशलता शिखर करने के बाद ही कुछ निर्णय लें। घर के पुराने लटके हुए कार्यों को बल लेने का मौका भी मिलेगा। पत्नी के परिवार से लाभ मिल सकता है। मित्रों का लगातार सहयोग बना रहेगा।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov
आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। बिजनेस के सिलसिले में किसी की सलाह लेने की आवश्यकता पड़ सकती है। दिन के दूसरे भाग में महिला मित्रों के साथ समय व्यतीत होगा। मामला कार्यक्षेत्र का हो या परिवार का आप अपने सभी उत्तरदायित्वों को सफलतापूर्वक निभा लेंगे।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec
आज का दिन मिश्रित फलकारक है। आप अपनी पुरानी देनदारियों से मुक्त हो सकते हैं। कार्यक्षेत्र में भी अपेक्षे सुखदायी का स्थानांतर होगा। कुछ आवश्यक खर्चे सम्मान की रक्षोद्देश्य करनी पड़ सकती है। अपने जोश का खास ख्याल रखें। शाम का समय घरेलू के साथ व्यतीत करें।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan
आज आपकी राशि से चतुर्थ का चंद्रमा पास व दूर की यात्रा तथा राज्य विकल्पकारक है। शहन-भाई के विवाद हेतुहित मंगलिक समारोह में शामिल होने का अवसर मिलेगा। कोई पुराना मित्र या रिश्तेदार अचानक आपके समक्ष आकर खड़ा हो सकता है। यदि कोई अपने उधार माल तो मिलकुल न दें।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb
राशि का स्वामी शनि द्वितीय मीन राशि में राजनीतिक क्षेत्र में सफलताप्रदायक है, सक्रिय राजनीति में भाग लेने का योग बन रहा है। प्रतियोगिता में प्रतिद्वन्दी आपसे पीछे रह जाएंगे। दिन का उत्तरार्ध में शुभफल योगों का वृद्धि कारक है। पुण्य कार्यों पर भी व्यय हो सकता है। बहुत दिनों से रुके हुए कार्य पूरे हो सकते हैं।

PISCES 19 Feb - 20 Mar
आज आपकी राशि में वृद्धि होगी। आपको नगिहाल से भी मान सम्मान मिलेगा। आज के दिन आपको पत्नी की ओर से पूर्ण सहयोग मिलेगा। नौकरी में मूल शत्रु मुसले करेंगे जिससे शाम के समय परेशानी हो सकती है। आपको राशि का स्वामी बृहस्पति मार्गी चल रहा है। इसलिए अपने गुरु के प्रति निष्ठा व भक्ति का पूर्ण रखें। इससे आपको संकट का सामना नहीं करना पड़ेगा। धार्मिक कार्य करते रहें।

क्या कहते हैं आपके नंबर
(26 जनवरी - 1 फरवरी 2026)

[आचार्य नंदिता पांडे]

मूलांक 1
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी एवं आपके प्रोजेक्ट समय पर पूर्ण होते जाएंगे। इस सप्ताह से आपकी कार्यशैली में भी काफी बदलाव रहेगा एवं कोई नया प्रोजेक्ट आपको अपनी तरफ आपकी आकर्षित करेगा। इस सप्ताह धन की बढ़ोतरी के शुभ संयोग बन रहे है एवं निवेशों द्वारा धन लाभ की प्रबल स्थितियां रहेंगी। इस सप्ताह लव लाइफ में भी खुशियां दस्तक देंगे। सप्ताह के उत्तरार्ध का भी समय अनुकूल रहेगा।

मूलांक 2
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
आर्थिक मामलों में समय अनुकूल रहेगा एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। इस सप्ताह आपके निवेशों द्वारा धन वृद्धि के शुभ संयोग बनते जाएंगे। कार्य क्षेत्र में थोड़ा सा प्रैक्टिकल होकर निर्णय ले तो बेहतर होगा। प्रेम संबंध में थोड़ा सा बंधन महसूस हो सकता है एवं मन अशांत रहेगा। इस सप्ताह के उत्तरार्ध में एक नई शुरुआत आपके जीवन में सुख और शांति के संयोग लेकर आएगी।

मूलांक 3
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
इस सप्ताह आपकी कार्यशैली में कुछ बदलाव नजर आएंगे एवं प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग में धीरे-धीरे आगे बढ़ते जाएंगे। सोच समझ कर लिए गए निर्णय आपके हित में फैसला देंगे। आर्थिक मामलों में व्यय अधिक होगा एवं किसी भी निवेश में बिना सोचे समझे तुरंत निर्णय लेने से कष्ट में रहेंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम को सुदृढ बनाने के लिए आपको अपनी तरफ से फोकस अधिक करना पड़ेगा।

मूलांक 4
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी और इस सप्ताह की शुरुआत से ही आपकी अपने प्रोजेक्ट से संबंधित सुखद समाचार मिल सकता है। आर्थिक मामलों में इस सप्ताह आय काफी बिजी रहेगे और धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएगी। प्रेम संबंध में रोमांस भी धीरे-धीरे गंहरी होगी। इस सप्ताह के अंत में एक नई सोच के साथ एवं अपनी इंट्यूशन का अनुसरण कर निर्णय लेंगे तो जीवन में सुखी रहेंगे।

मूलांक 5
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
कार्यक्षेत्र में आप अगर व्यापक दृष्टिकोण के साथ अपने कार्य करेंगे, तो जीवन में सुख समृद्धि के शुभ संयोग बनते जाएंगे। आर्थिक मामलों में व्यय की स्थितियां बन रही है एवं बच्चों पर व्यय अधिक हो सकता है। इस सप्ताह प्रेम संबंध में सुखद समय रहेगा एवं आपसी प्रेम सुदृढ होता जाएगा। सप्ताह के आखिर में जीवन में सुख शांति प्राप्त करने के कई अवसर आपको प्राप्त होंगे।

मूलांक 6
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
इस सप्ताह आपकी लव लाइफ में सुखद समय रहेगा एवं मन प्रसन्न रहेगा। इस सप्ताह आपको अपने साथी द्वारा काफी अटेंशन मिलेगी। आर्थिक मामलों में धीरे धीरे सुधार आएगा एवं धन लाभ रहेगा। कार्य क्षेत्र में कुछ प्रयास हासिल नहीं कर पाएंगे।

मूलांक 7
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
इस सप्ताह आपकी लव लाइफ में सुखद समय रहेगा एवं आपसी प्रेम सुदृढ होता जाएगा एवं आप अपने स्वभी के स्वानिध्य में शांत एकांत समय व्यतीत करना पसंद करेंगे। आर्थिक दृष्टिकोण से समय अनुकूल रहेगा एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी।

मूलांक 8
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी एवं इस सप्ताह सुख समृद्धि के शुभ संयोग बनते जाएंगे। इस सप्ताह आर्थिक दृष्टिकोण से भी समय अनुकूल होता जाएगा एवं आपकी निवेश करने की प्रक्रिया पर काफी बदलाव नजर आते जाएंगे। इस सप्ताह आपकी लव लाइफ में कुछ नवीनता उत्पन्न हो सकती है।

मूलांक 9
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी भले ही वह आपकी अपेक्षाओं से कमतर होगी। इस सप्ताह प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ होता जाएगा एवं लव लाइफ में खुशियां दस्तक देगी। इस सप्ताह आर्थिक मामलों में व्यय अधिक होगा एवं अपने निवेशों पर ध्यान देने की आवश्यकता है। सप्ताह के उत्तरार्ध में समय अनुकूल रहेगा एवं जीवन के कष्टों से मुक्ति प्राप्त होगी।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

यह वर्ष कर्क लग्न में प्रवेश हो रहा है। वर्ष का स्वामी चंद्र है। इस वर्ष गुरु चंद्रमा और शुक्र मिश्रित फलकारक है। वर्षेश अत्यधिक सक्रियता के कारण जरा सी असंतोषी भी सफलता और निराशा का कारण बन सकती है। जनवरी के शेष से फरवरी महीने के अंत तक अगर अपने काम का समय पर निष्पादन न हो सके तो कहीं पर भी विश्वासघात हो सकता है। मार्च के महीने में नियमित कार्यक्रमों में परिवर्तन से मनचाहा लाभ होगा। अप्रैल-मई तक का समय स्वास्थ्य के लिए ठीक रहेगा। जून और जुलाई में सभी काम कठिन परिश्रम और व्यय करने के बाद बन जाएंगे। अगस्त और सितंबर के महीने में किसी मंगलकार्य की योजना बनेगी। अक्टूबर में तीर्थ यात्रा देशाटन का योग है। जनवरी 2027 तक भाइयों के सहयोग से नई योजना क्रियान्वित होगी। सुंदरकांड पाठ करते रहें। -आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा

कल का पंचांग (मंगलवार, 27 जनवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति माघ 7, शक संवत 1947, माघ शुक्ल, नवमी, मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर माघ मास प्रविष्टे 14, शाकान 7, हिजरी 1447 (मुस्लिम) वद अनुसार अंग्रेजी तारीख 27 जनवरी 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, उत्तम गोल, शिशिर ऋतु। राहुकाल अगराह 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक। नवमी तिथि शाम 7 बजकर 6 मिनट तक इसके बाद दशमी तिथि का आरंभ। श्रवणी नक्षत्र पूर्वाह्न 11 बजकर 9 मिनट तक इसके बाद कृतिका नक्षत्र का आरंभ। आज के उत्र लोहार मौभाग्यवती, भारत मनाता दिवस (7वां), मातमूल मध्याह्न 12 बजकर 33 मिनट तक।

सुडोकू

1								6
	3		1		6		4	
	4			7			9	
		6	2	5	7	4		
		7				8		
		4	3	1	8	2		
	9			6			1	
	7		8		9		2	
5								4

TELEVISION

big magic

09:00 बचत बुकर
10:00 चंद्रमुख बहादुर
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 आलोकन
12:00 राजधानी मोहन कृष्णा
13:30 भ से भड़े
14:30 टम पाप
15:00 अजब देश की गजब कहानी
16:30 प्यार मौसम हैसी नहीं
18:30 रुद्र के रक्षक
21:00 रौंद्र

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 01-25-2026 22:53 Color:

नई दिल्ली > सोमवार, 26 जनवरी 2026 > माघ 6 शक संवत 1947 माघ शुक्ल अष्टमी, विक्रम संवत 2082

WATCH GOD WATCHDOG

वर्ष 80, संख्या 22 > पेज 30* > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित

www.nbt.in

धर्मेंद्र समेत पांच को पद्म विभूषण सम्मान

केंद्र ने किया 131 हस्तियों के नाम का ऐलान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

केंद्र ने गणतंत्र दिवस से एक दिन पहले पद्म पुरस्कार विजेताओं के नाम का ऐलान किया। उसमें BJP के पूर्व मुख्यमंत्री, लेफ्ट के नेता और झारखंड के पूर्व सीएम के नाम भी हैं। 5 पद्म विभूषण, 13 पद्म भूषण और 113 पद्म श्री पुरस्कार दिए जाएंगे। ऐक्टर धर्मेंद्र और केरल के पूर्व सीएम वी. एस. अच्युतानंदन को मरणोपरांत पद्म विभूषण मिलेगा। अच्युतानंदन 2006 से 2011 तक केरल के सीएम रहे। केरल में इसी साल विधानसभा चुनाव हैं। BJP नेता वी. के. मल्होत्रा (मरणोपरांत), उत्तराखंड के पूर्व सीएम भगत सिंह कोश्यारी और झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन (मरणोपरांत) को पद्म भूषण मिलेगा। मल्होत्रा दिल्ली BJP अध्यक्ष भी रहे। क्रिकेटर रोहित शर्मा और हरमनप्रीत कौर को पद्म श्री से सम्मानित किया जाएगा।

13 हस्तियों को पद्म भूषण और 113 को पद्म श्री पुरस्कार मिलेगा।

धर्मेंद्र, ऐक्टर पद्म विभूषण सम्मान दिया जाएगा (मरणोपरांत)

वी. के. मल्होत्रा दिल्ली BJP अध्यक्ष रहे। पद्म भूषण (मरणोपरांत)

रोहित शर्मा T20 वर्ल्ड कप 2024 विजेता टीम के कप्तान को पद्म श्री

समाज बदलने पर भी पुरस्कार

कई अनसंग हीरोज को पद्मश्री देने का ऐलान किया गया। उनमें नवजात की जान बचाने वाली डॉ. आर्मिडा फर्नांडिस से लेकर किताबों की दुनिया बसाने वाले पूर्व बस कंडक्टर अके गौड़ा, वालाजार की दवा खोजने वाले BHU के प्रोफेसर श्याम सुंदर से लेकर पीतल की नक्काशी को जिंदा रखने वाले धिरजी लाल यादव के नाम शामिल हैं। इन लोगों ने बिना शोर-शराबे के समाज की जमीन पर बदलाव के लिए काम किया। » पेज 16

इकॉनमी की रीढ़ हैं किसानः मुर्मु

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि भारत विश्व की तीसरी बड़ी इकॉनमी बनने की दिशा में बढ़ रहा है। उन्होंने किसानों को इकॉनमी की रीढ़ बताया। महिला सशक्तीकरण, युवाओं की भूमिका को प्रगति का आधार बताया। » पेज 16

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को मिलेगा अशोक चक्र

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

इंडियन एयरफोर्स के ग्रुप कैप्टन और भारत के दूसरे अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अशोक चक्र से सम्मानित किया जाएगा। गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर इसका ऐलान किया गया। शुभांशु शुक्ला ने पिछले साल जून में 'एक्सियम-4' (Axiom-4) मिशन के तहत इंटरनैशनल स्पेस सेंटर की ऐतिहासिक यात्रा की थी। शुभांशु 18 दिन इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन (ISS) पर रहे, वे भारत के गगनयान मिशन के लिए भी अहम हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सशस्त्र बलों के 70 कर्मियों को वीरता पुरस्कार देने की मंजूरी दी है। » पेज 16

शुभांशु शुक्ला

विकसित दिल्ली पर ज़ोरः सीएम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार 2047 के विकसित भारत लक्ष्य के अनुरूप एक विकसित दिल्ली की दीर्घकालिक योजना पर काम कर रही है। वहीं, सरकार ने गणतंत्र दिवस पर दोषसिद्ध कैदियों को 90 दिन की विशेष सजा माफी देने का भी फैसला किया है।

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

क्या आपने NBT Wealth लिया?

पर्सनल फाइनेंस की खबरें आपकी भाषा हिंदी में।

हर सोमवार पढ़ें NBT Wealth

सिर्फ 6 रुपये में

अपने बेडर से संपर्क करें या 18001205474 पर भी कॉल कर सकते हैं।

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं? क्या और चाहते हैं आप? ऐसे विषयों पर आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें 011-4978 0064 पर आज दिन में 11 से 12 बजे तक

अभिषेक की आंधी, सीरीज़ पर कब्ज़ा

ओपनर अभिषेक शर्मा (बाएं) ने सिर्फ 14 गेंदों में शतक सेंचुरी बनाई।

■ पीटीआई, गुवाहाटी: भारत ने गुवाहाटी में खेले गए तीसरे T20 मैच में न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हरा दिया। इसके साथ ही भारत ने 5 मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली। पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम ने 9 विकेट के नुकसान पर 153 रन बनाए। भारतीय टीम ने 10 ओवर में ही जीत का लक्ष्य हासिल कर लिया। अभिषेक शर्मा ने 20 बॉल पर 68 रन बनाए, कैप्टन सूर्यकुमार यादव ने 26 गेंद पर 57 रन बनाए। दोनों आउट नहीं हुए।

हैपी मॉर्निंग

चिंटूः प्लास्टिक सर्जरी में कितना खर्च आएगा?
डॉक्टरः 50 हजार
चिंटूः अगर प्लास्टिक हम दे तो?
डॉक्टर (गुस्से सेः खुद ही पिघला के चिपका भी लेना फिर।

मौसम

अधिकतम तापमान 18.5°
6.6° न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 5:56 | सूर्यास्त 7:12
बर्फबारी के कारण श्रीनगर-जम्मू नैशनल हाइवे तीसरे दिन भी बंद।

*24+6 इस अंक के साथ 6 पेज का सेकंड सेक्शन लेना न भूलें।

BBC की आवाज़ रहे पत्रकार मार्क टली का निधन

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: सीनियर पत्रकार और लेखक मार्क टली नहीं रहे। रविवार को उन्होंने अंतिम सांस ली। वह 90 साल के थे। उनका जन्म 1935 में कलकत्ता (अब कोलकाता) में हुआ था। वह 22 वर्षों तक BBC के दिल्ली ब्यूरो के प्रमुख रहे। 2005 में पद्म भूषण मिला था। भारत पर उन्होंने कई किताबें भी लिखी थीं। » पेज 15

गराज में जिंदा जलाया

बांग्लादेश में एक और हिंदू की हत्या

■ आईएएनएस, ढाकाः बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा की एक और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। नरसिंगदी जिले में 23 वर्षीय हिंदू युवक चंचल चंद्र भौमिक की जिंदा जलाकर हत्या कर दी गई। वह एक गराज में काम करते थे और काम के बाद वहीं सो गए थे। शनिवार रात हमलावरों ने गराज में आग लगा दी। पुलिस ने जांच शुरू की।

तेजस्वी को मिली कमान, कार्यकारी अध्यक्ष बनाए गए

■ पीटीआई, पटनाः लालू प्रसाद के छोटे बेटे तेजस्वी यादव को RJD का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया। पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग में रविवार को फैसला हुआ। उसमें लालू प्रसाद भी मौजूद थे। लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने तंज कसते हुए पोस्ट किया, 'कठपुतली बने शहजादा को ताजपोशी मुबारक।' » पेज 17

कई सवाल बाकी कौन-सा विभाग सूचना मिलने के कितने समय बाद मौके पर पहुंचा, जांच जारी

डायल-112 ने किया था अलर्ट, फिर भी ना बचा सके इंजिनियर की जान

■ NBT रिपोर्ट, नोएडा

जिस समय नोएडा के इंजिनियर युवराज मेहता बेसमेंट के गहरे गड्ढे में भरे पानी कार की छत पर जिंदगी की राह देख रहे थे, तब डायल-112 ने चार एजेंसियों को अलर्ट भेजा था। डीसी शहरू राशिद खान ने बताया कि रात में 12:06 बजे ही डायल-112 की ओर से पुलिस, फायर, स्वास्थ्य विभाग और एसडीआरएफ को अलर्ट भेज दिया गया था। उसके बाद सबसे पहले पुलिस पहुंची। उसके बाद अन्य तीनों एजेंसी पहुंचीं, लेकिन जान नहीं बचा सके। रिटायर पुलिस अधिकारियों ने इसे साहस और कॉन्टिनेंशन का अभाव करार दिया है। एसआईटी की टीम ने भी डायल-112 कंट्रोल रूम से कॉल के डेटा भी रिपोर्ट में शामिल किए हैं।

File

डिप्टी सीएम ने दिया भरोसा, ऐक्शन होगा

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि इंजिनियर युवराज मेहता की मौत के मामले में एसआईटी रिपोर्ट आने के बाद लापरवाह अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल एसआईटी मामले की जांच कर रही है। सीएम को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि फिर से ऐसी घटना न हो। » पेज 12

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH02 User: cci Time: 01-25-2026 23:38 Color:

द्वारका में बनेगा सुपर स्पेशेलिटी अस्पताल

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

AI Image

द्वारका मे एक और मल्टी स्पेशेलिटी अस्पताल खुलेगा। सेक्टर-9 में खुलने वाले इस सुपर स्पेशेलिटी अस्पताल के लिए डीडीए 27 जनवरी को विवस चैलेंज प्रोसेस के आधार पर प्री बिड कॉन्फ्रेंस कर रहा है। स्टेकहोल्डरों की यह कंसलटेशन हाईब्रिड मोड पर होगी। डीडीए से मिली जानकारी के अनुसार द्वारका के सेक्टर-9 में 3.7 हेक्टेयर जमीन इस अस्पताल के लिए लीज पर दी जा रही है। अस्पताल लाइसेंस फीस बेस के आधार पर बनेगा। डीडीए अधिकारी के अनुसार इससे खाली जगह का बेहतर इस्तेमाल हो सकेगा, हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर सुधरेगा और डीडीए को रेवेन्यू भी मिलेगा। इसी वजह से डीडीए ने यह जमीन लीज पर देने का फैसला किया है।

600 बेड कम से कम होंगे नए बनने वाले अस्पताल में

क्या है प्रोजेक्ट: डीडीए से मिली जानकारी के अनुसार 9.143 एकड़ में यह अस्पताल बनेगा। मास्टर प्लान-2021 के अनुसार इस जमीन का लैंड यूज पब्लिक व सेमी पब्लिक है। यह जमीन खाली है और इस पर कोई अतिक्रमण नहीं है। इसमें मल्टीलेवल पार्किंग के लिए 5 प्रतिशत अतिरिक्त ग्राउंड कवरेज शामिल नहीं है। इस प्रोजक्ट के लिए शुरुआत में लाइसेंस पीरियड 40 साल का होगा। जिसके बाद में 20 साल और बढ़ाया जा सकता है। स्टेकहोल्डर को अपने प्रपोजल में यह भी बताना होगा कि वह इंडिया में कितने सुपर स्पेशेलिटी अस्पताल ऑपरेट कर रहे हैं। साथ ही वह देश भर में कितने बेड का ऑपरेशन कर रहे हैं।

डीडीए के अनुसार इसका मकसद फंड जनरेट करना है और इस फंड का इस्तेमाल डीडीए अपने सब्सिडाइज्ड प्रोजेक्ट और अनधिकृत सेटलमेंट के लिए करेगा। जानकारी के अनुसार अस्पताल करीब 600 बेड का होगा।

क्या है इस साइट की खासियत?

सेक्टर-9 के आसपास अभी हेल्थ सुविधाएं काफी है। साइट की कनेक्टिविटी अच्छी है और इसके आसपास कई सोसायटी और बड़ा रेजिडेंशल एरिया है। साथ ही एयरपोर्ट पास होने की वजह से यहां इंटरनैशनल मरीजों के आने की भी काफी संभावना है। सेक्टर-21 मेट्रो स्टेशन के भी यह काफी पास है। वहीं आईजीआई से इसकी दूरी महज 25 से 30 मिनट की है।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

गुमशुदा/अपहृत की तलाश

नीतू चौधरी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि एक महिला (फोटो में दिखायी गयी है) जिसका नाम **नीतू चौधरी पुत्री** स्व0 नंदलाल चौधरी, **निवासी** ई–337, पहली मंजिल, ग्रेटर कैलाश–1, नई दिल्ली। **उम्र**–48 वर्ष, जो कि नई दिल्ली के कैलाश पूर्व में स्थित इस्कॉन मंदिर से दिनांक 10.01.2026 को सांय 3.00 बजे से लापता होने की सूचना मिली है। **DD No. 80A, Dated 13.01.2026,** के तहत **पुलिस स्टेशन अमर कॉलोनी, नई दिल्ली,** में पंजीकृत किया गया है। महिला का शारीरिक विवरण इस प्रकार है :

लिंग: महिला, **कद:** 4'11", **रंग:** गोरा, **चेहरा:** अण्डाकार, **शरीर:** मोटा, **पहनावा:** नीली स्वेटर, सलवार और पैरों में सैण्डल पहने हुए हैं।

स्थानीय पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी इस लापता महिला के बारे में कुछ मालूम नहीं हो पाया है। अगर किसी को भी इस महिला के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया निम्नलिखित पर सूचित करें।

थाना प्रभारी,
पुलिस स्टेशन अमर कॉलोनी, नई दिल्ली
फोन: 8750870931,9015156861

वेबसाइट: https://cbi.nic.in
DP/1033/SE/2026

गुमशुदा व्यक्ति की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यह व्यक्ति (फोटो में प्रदर्शित) जिसका नाम: अमन पुत्र: बब्बू सिंह, **निवासी:** मकान संख्या बी–15, गली संख्या 8, शालीमार गांव, दिल्ली, **उम्र:** 24 साल, **कद:** 5 फुट 6 इंच, **चेहरा:** गोल, **रंग:** सांवला, **शरीर:** मध्यम, **पहनावा:** हरे और नीले रंग की जैकेट और काले रंग का लोअर और पैरों में सफेद रंग के जूते पहने हुए, दिनांक **19.01.2026** को अपने घर के क्षेत्र **थाना अन्तर्गत शालीमार बाग, दिल्ली** से लापता है। इस संदर्भ में **DD No. 105A, dated 20.01.2026 थाना अन्तर्गत शालीमार बाग, दिल्ली** में दर्ज किया गया है।

पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी अब तक इस लापता व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी या सुराग नहीं मिल पाया है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले तो अधोहस्ताक्षरी को निम्नलिखित पते पर सूचित करने की कृपा करें।

थाना प्रभारी
थाना– शालीमार बाग, दिल्ली
फोन: 011-27495198, 8750870226

ईमेल : cic@cbi.gov.in
वेबसाइट : http://cbi.nic.in
फैक्स : 011-24368639
दूरभाष : 011-24368638, 24368641
DP/1119/NW/2026

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अनिल उर्फ भोला** पुत्र स्वर्गीय **चतर सिंह निवासी बी–155, रघुवीर नगर, दिल्ली** ने **FIR No. 590/2025, U/S 21/25/29 NDPS Act,** अन्तर्गत **थाना मलसवा डेयरी, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अनिल उर्फ भोला** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अनिल उर्फ भोला** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 590/2025, U/S 21/25/29 NDPS Act,** अन्तर्गत **थाना मलसवा डेयरी, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अनिल उर्फ भोला** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **27.02.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री हरविंदर सिंह जोहल
विशेष न्यायाधीश (एन डी पी एस) उत्तर
कमरा नंबर 207, दूसरी मंजिल
जिला न्यायालय रोहिणी, दिल्ली
DP/1121/DN/2026(Court Matter)

गुमशुदा व्यक्ति की तलाश

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यह व्यक्ति (फोटो में प्रदर्शित) जिसका नाम: राम दीवान राय **पुत्र:** श्री राम चन्द्र राय, **निवासी:** मकान नं. 07, टॉवर–5, जीपीआरए ग्राउंड फ्लोर, सरोजिनी नगर, दिल्ली, **उम्र:** 91 साल, **कद:** 5 फुट 5 इंच, **चेहरा:** लम्बा, **रंग:** गेहुआ, **शरीर:** पतला, **पहनावा:** काले और स्लेटी रंग का स्वेटर, पीली शर्ट, स्लेटी रंग की पैंट और पैरों में काली चप्पल पहने हुए, मानसिक रूप से अस्वस्थ, दिनांक **21.01.2026** को **दोपहर 02:30 बजे** से अपने घर के क्षेत्र **थाना अन्तर्गत सरोजिनी नगर, नई दिल्ली** से लापता है। इस संदर्भ में **DD No. 71A, dated 22.01.2026 थाना अन्तर्गत सरोजिनी नगर, नई दिल्ली** में दर्ज किया गया है।

पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी अब तक इस लापता व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी या सुराग नहीं मिल पाया है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले तो अधोहस्ताक्षरी को निम्नलिखित पते पर सूचित करने की कृपा करें।

थाना प्रभारी
थाना– सरोजिनी नगर, नई दिल्ली
फोन: 011-26882346, 7065036230

ईमेल : cic@cbi.gov.in
वेबसाइट : http://cbi.nic.in
फैक्स : 011-24368639
दूरभाष : 011-24368638, 24368641
DP/1133/SW/2026

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAFL1 User: pritambhara.prakash Time: 01-25-2026 23:16 Color:

2047 के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही दिल्ली : CM

Surender Kumar

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के संबोधन ने साफ कर दिया कि दिल्ली सरकार का फोकस केवल वर्तमान सुधारों तक सीमित नहीं है, बल्कि 2047 के विकसित भारत के लक्ष्य के साथ एक विकसित दिल्ली की रोड मैपरेखा पर काम हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली अब सिर्फ देश की राजधानी नहीं, बल्कि आइडिया की राजधानी बनने की ओर बढ़ रही है, जहां नीति, तकनीक और इनोवेशन मिलकर नई संभावनाओं को जन्म देंगे।

■ **दिल्ली बनेगी ग्लोबल इनोवेशन हब:** मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की दिल्ली रोजगार देने वाली होगी। नई स्टार्टअप पॉलिसी पर काम हो रहा है। जिसका लक्ष्य दिल्ली को ग्लोबल इनोवेशन हब बनाना है। भारत-यूरोप ट्रेड डील को दिल्ली के लिए अवसर के रूप में देखा जा रहा है। छोटे-मझोले कारोबारों को यूरोपीय संघ के देशों में लाखों ग्राहकों तक पहुंचने का मौका मिलेगा।

NBT 4 मिनट में पढ़ें

■ **इन्फ्रास्ट्रक्चर : रुकने नहीं दिया जाएगा शहर का विकास:** सीएम ने कहा, 2025-26 में कैपिटल एक्सपेंडिचर को दोगुना करते हुए 30,000 करोड़ कर दिया गया है। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि सड़कों, फ्लाईओवर, अंडरपास, एलिवेटेड रोड, फुट ओवरब्रिज और शहरी सुविधाओं का विस्तार बिना किसी विलंब बाधा के हो।

■ **ट्रांसपोर्ट : इलेक्ट्रिक और एकीकृत सिस्टम:** सरकार का सबसे बड़ा लक्ष्य अगले तीन वर्षों में 100 प्रतिशत इलेक्ट्रिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट है। 11,000 ई-बसें उतारी जाएंगी। चार्जिंग स्टेशन, बस डिपो और मेंटेनेंस इन्फ्रास्ट्रक्चर पर भी तेजी से काम चल रहा है। मेट्रो नेटवर्क को मौजूदा 394 किलोमीटर से बढ़ाकर 500 किलोमीटर तक करने की योजना है। इसके लिए बजट 3,000 करोड़ से बढ़ाकर 5,000 करोड़ किया गया है।

■ **स्वास्थ्य: डिजिटल और सुलभ हेल्थ मॉडल:** हेल्थ सर्विस को ट्रिपल ए मॉडल यानी एडमंस, असेसेबल और एफोर्डेबल बनाने का लक्ष्य है। सभी सरकारी अस्पतालों को डिजिटलाइज किया जा रहा है। हॉस्पिटल इन्फॉर्मेशन मैनेजमेंट सिस्टम, आभा आईडी, डिजिटल मेडिकल रिकॉर्ड और ऑनलाइन ओपीडी अपॉइंटमेंट जैसी सुविधाएं इस दिशा में अहम कदम हैं। आयुष्मान भारत योजना में अब तक 6.5 लाख लोग इसमें रजिस्टर्ड हो चुके हैं।

■ **एजुकेशन : 21वीं सदी के लिए तैयार पीढ़ी:** सीएम के अनुसार, शिक्षा के लिए बजट का 21 प्रतिशत हिस्सा आवंटित किया गया है। हर स्कूल में स्मार्ट क्लास, डिजिटल लाइब्रेरी, कंप्यूटर लैब, प्लेग्राउंड और आधुनिक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। नई एजुकेशन हब परियोजना के लिए 1,300 करोड़ का प्रावधान है। मेधावी छात्रों को स्कॉलरशिप और टॉपर्स को लैपटॉप देकर तकनीक से जोड़ने की योजना भविष्य की स्किल्ड वर्कफोर्स तैयार करने का हिस्सा है।

■ **स्मार्ट और सुरक्षित दिल्ली:** 10,000 नए सीसीटीवी कैमरे, स्मार्ट एलईडी स्ट्रीटलाइट, इंटीग्रेटेड ट्रैफिक सिस्टम और नए कोर्ट क्रम सुरक्षा और कानून व्यवस्था को मजबूत करेंगे। तिहाड़ जेल के ट्रांसफर का विचार भी इसका हिस्सा है।

गणतंत्र दिवस पर विशेष माफी

कैदियों को तोहफा : सज़ा में 90 दिन तक की राहत

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस के मौके पर दिल्ली सरकार ने दोषसिद्ध कैदियों के लिए बड़ी राहत का ऐलान किया है। सरकार ने ऐसे कुछ कैदियों को विशेष सरकारी माफी स्पेशल रिमिशन देने का फैसला किया है। यह माफी भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता BNSS 2023 की धारा 473 के तहत दी जा रही है, जो पहले दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 432 के समान है। इस बारे में गृह मंत्री आशीष सूद का कहना है कि यह विशेष माफी उन कैदियों पर लागू होगी, जिन्हें दिल्ली की आपराधिक अदालतों से सजा हुई है और जो 26 जनवरी 2026 को दिल्ली की जेलों या दिल्ली से बाहर की जेलों में सजा काट रहे होंगे, बशर्ते वे तय शर्तों को पूरा करते हों।

बुजुर्ग और महिला कैदियों को ज्यादा राहत

65 वर्ष से अधिक के कैदियों और महिला कैदियों के लिए माफी की अवधि इस प्रकार होगी:

- 10 साल से अधिक की सजा पर: 90 दिन
- 5 से 10 साल तक की सजा पर: 60 दिन
- 1 से 5 साल तक की सजा पर: 30 दिन
- 1 साल तक की सजा पर: 20 दिन

दूसरे कैदियों के लिए माफी की अवधि

- 10 साल से अधिक की सजा पर: 60 दिन
- 5 से 10 साल तक की सजा पर: 45 दिन
- 1 से 5 साल तक की सजा पर: 30 दिन
- 1 साल तक की सजा पर: 15 दिन

परोल पर गए कैदी भी पात्र

गृह मंत्री ने साफ किया कि यह विशेष माफी दिल्ली जेल नियम 2018 के तहत पहले से मिलने वाली माफी के अलावा होगी। जो कैदी 26 जनवरी को परोल या फर्लो पर होंगे, वे भी इस माफी के पात्र होंगे। लेकिन शर्त यह है कि उस दौरान उनके खिलाफ कोई जेल नियमों का उल्लंघन दर्ज न हुआ हो।

Anushka Kogta

तिरंगे के रंगों में : छत्रसाल स्टेडियम तिरंगे के रंगों में सजा नजर आया। बच्चों की प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। अनूठी प्रस्तुति देकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAFL2 User: cci Time: 01-25-2026 22:43 Color:

शास्त्री पार्क में ताबड़तोड़ गोली मारकर प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

खाना खाने के बाद रात में घर के पास टहलते वक्त मारी गई 5 गोलियां

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के वेलकम इलाके में कैफे के अंदर गोली मारकर हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि शनिवार रात बदमाशों ने शास्त्री पार्क में एक प्रॉपर्टी डीलर की ताबड़तोड़ गोली मारकर हत्या कर दी। मृतक की पहचान समीर उर्फ मुस्तकीम उर्फ कम्मू पहलवान (32) के रूप में हुई है।

बताया जा रहा है कि समीर खाना खाने के बाद घर के बाहर टहल रहे थे। इसी दौरान बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जीटीबी अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया है। मौके पर पुलिस के अलावा क्राइम और फॉरेंसिक टीम पहुंची और साक्ष्य जुटाए। समीर के सिर, पीठ और पेट में गोलियां लगी थीं। पुलिस हत्या का मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

नॉर्थ ईस्ट जिले के डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि 24 जनवरी की रात करीब 11:24 बजे थाना पुलिस को गोलीबारी की सूचना मिली थी। पुलिस बुलंद मस्जिद के पास घटनास्थल पर पहुंचीं, तो पता चला कि समीर उर्फ मुस्तकीम को परिवार वाले जग प्रवेश चंद्र अस्पताल ले गए थे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। डीसीपी ने बताया कि आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए टीमें लगी हुई हैं।

Surender Kumar

वेखौफ बदमाश। इसी जगह पर बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम। समीर उर्फ मुस्तकीम (इनसेट में)

काफी करीब से गोलियां चलाईं: पुलिस अधिकारी के मुताबिक, समीर परिवार के साथ बुलंद मस्जिद, शास्त्री पार्क इलाके में रहते थे। परिवार में मां, 5 भाई, पत्नी और 3 साल और एक साल की दो बेटियां हैं। समीर इलाके में ही प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करते थे। करीब 6 महीने पहले उनके पिता की मौत हो गई थी। शनिवार रात समीर बेटी को लेकर डॉक्टर के पास गए थे। वहां से लौटने के बाद खाना खाया और करीब 11 बजे टहलने घर से निकले। बिहारी चौक पहुंचे थे कि किसी की कॉल आई। वह मोबाइल पर बात करने लगे। तभी 4 बदमाश पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग कर फरार हो गए।

दहशत में हैं नॉर्थ ईस्ट के लोग

नॉर्थ ईस्ट में बढ़ते अपराध से इलाके के लोग दहशत में हैं। वेलकम इलाके में शुक्रवार रात बदमाशों ने खुलेआम कैफे में घुसकर सात राउंड फायरिंग की थी और 24 वर्षीय फैजान उर्फ फज्जी की गोली मारकर हत्या कर दी थी। इस मामले को 24 घंटे भी नहीं हुए थे कि शनिवार रात बदमाशों ने प्रॉपर्टी डीलर समीर की गोली मारकर हत्या कर दी। वेलकम हत्या मामले में अभी तक आरोपी भी पकड़े नहीं जा सके हैं। जिस तरह नॉर्थ ईस्ट में लगातार हत्या की वारदात हो रही है, उससे लोगों में डर का माहौल है। समीर के भाई नदीम ने बताया कि इलाके में बढ़ते अपराध को लेकर समीर काफी चिंतित रहते थे। वह एक कमिटी बनाना चाहते थे, ताकि नाबालिगों और युवकों को समझा-बुझाकर अपराध की दुनिया से दूर रखा जा सके।

स्कैम में नैशनल शूटर गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: 40 लाख रुपये के साइबर फ्रॉड के मामले में क्राइम ब्रांच ने आगरा से एक नैशनल लेवल के शूटर को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हिमांशु चौहान उर्फ शूटर के रूप में हुई है। आरोप है कि वह फर्जी ऑनलाइन गेमिंग प्लैटफॉर्म और स्टॉक ट्रेडिंग में निवेश के नाम पर लोगों से ठगी करता था। हिमांशु ने नैशनल लेवल की कई प्रतियोगिताओं में रनर और कांस्य पदक जीते हैं। 150 मीटर और 300 मीटर राइफल इवेंट में भी उसने कई गोल्ड मेडल जीते हैं।

40 लाख के साइबर फ्रॉड के मामले में है आरोपी

ड्राइवर को पीटा, किया अधमरा

■ NBT रिपोर्ट, समयपुर बादली: म्यूजिक बजाने के विवाद में एक टैक्सी ड्राइवर को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया गया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के मुताबिक सतीश कुमार ने बताया कि रात को वह गुरुग्राम से सवारी पीतमपुरा छोड़कर घर लौट रहे थे। रात 1:50 बजे वह सिग्नेट लेने रोहिणी सेक्टर-18 में रुके। कैफे के सामने 4 युवक कार में शराब पी रहे थे। उन्होंने उनकी कार में बज रहे म्यूजिक को लेकर गाली-गलौच की और मारपीट की।

समयपुर बादली इलाके में हुई वारदात

लूटपाट में दो बदमाश अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: कोंडिया पुल के पास एक शख्स का गला दबाकर लूटपाट करने वाले दो लुटेरों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान 19 वर्षीय अदनान और 25 वर्षीय कुंदन सिंह के रूप में हुई है। दोनों का कोई स्थाई पता नहीं है। वे जामा मस्जिद और चांदनी चौक इलाके में इधर-उधर रहते हैं। इनके पास से 3200 रुपये कैश, लूटा गया मोबाइल और कपड़े बरामद हुए हैं। फिलहाल पुलिस उनके फरार तीसरे साथी आदिल का पता कर रही है।

गला दबाकर कोंडिया पुल के पास लूटा था

फर्ज़ी डॉक्युमेंट पर कार बेचकर फंसाया, अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: बैंक से फाइनेंस कार के दस्तावेजों में हेराफेरी कर एक पूर्व सैनिक को ठगने वाले कार डीलर को द्वारका साउथ थाना पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान हरदीप सिंह रंधावा के रूप में हुई है। उसे फीलौरगंज ठाकुर रिजर्व के पास से पकड़ा गया।

पुलिस के मुताबिक भारतीय सेना से रिटायर्ड संजीव कुमार ने 24 जनवरी को द्वारका साउथ थाने में फर्जीवाड़े की शिकायत दी थी। बताया कि रिटायरमेंट के बाद वह पिता के साथ पुरानी गाड़ियों की खरीद-बिक्री का काम करते हैं। 8 फरवरी 2023 को हरप्रीत रंधावा इनोवा क्रिस्टा बेचने आया। बताया कि कार उसके भाई हरदीप सिंह रंधावा के नाम पर है। अगले दिन हरदीप आया और बाढ़े 14 लाख रुपये में सौदा तय हुआ। संजीव के अनुसार, उन्होंने इस कार को कार को पंजाब के बलजीत सिंह को बेच दी।

AI Image

स्नैचिंग के आरोप में युवक गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: पंजाबी बाग थाना पुलिस ने एक स्नैचर को गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान अतीक खान (25) के रूप में हुई है। वह अपने पिता की बाइक का इस्तेमाल स्नैचिंग की वारदात के लिए करता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी का मोबाइल फोन और बाइक बरामद की है। 22 जनवरी को एक शख्स से अशोक पार्क मेट्रो स्टेशन के पास मोबाइल छीन गया था। लिया था। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर अतीक तक पहुंची।

पिता की बाइक लेकर करता था वारदात

त्रिलोकपुरी में घायल की मदद कर रहे थे, वकील को बदमाशों ने मारी गोली

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

त्रिलोकपुरी इलाके में 24 जनवरी की देर रात एक घायल की मदद करने के दौरान एक वकील पुलिस को कॉल्लेन कर रहे थे। इसी दौरान करीब आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने वकील पर गोली चला दी। गनीमत रही कि गोली उनकी जांघ में लगी। उन्हें पटपड़गंज स्थित मैक्स अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सूचना मिलने के बाद मयूर विहार पुलिस मौके पर पहुंची। घटनास्थल से पुलिस ने खाली कारतूस भी बरामद किए हैं। फिलहाल मयूर विहार पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपियों की धरपकड़ के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस अधिकारी के मुताबिक, घायल की पहचान नितिन हस्तौरिया के तौर पर हुई है। वह अपने परिवार के साथ त्रिलोकपुरी ब्लॉक 28 में रहते हैं और पेशे से वकील हैं। उनके भाई अमरदीप हस्तौरिया ने बताया कि 24 जनवरी को नितिन अपने ससुराल मीत नगर गए थे, जहां उनके साले की जन्मदिन की पार्टी थी। वहां से रात करीब 12:30 बजे वह अपनी कार से वापस त्रिलोकपुरी ब्लॉक 27 पहुंचे। कार साइड में लगाते समय उन्होंने देखा कि विशाल नाम के एक शख्स को चाकू लगा हुआ है। इसके बाद वह पुलिस को कॉल्लेन करने लगे। तभी करीब आधा दर्जन से अधिक बदमाशों ने उनपर फायरिंग शुरू कर दी और मौके से फरार हो गए।

AI Image

- पीड़ित के भाई का आरोप, 8 से 10 राउंड की फायरिंग
- घटनास्थल से खाली कारतूस बरामद
- आरोपियों की धरपकड़ के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है पुलिस

मूर्ति विसर्जन के दौरान यमुना में डूबा युवक

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : मयूर विहार फेस्ट जिला पुलिस पॉकेट के पास 24 जनवरी की रात मूर्ति विसर्जन करने के दौरान एक युवक यमुना में डूब गया। हालांकि अभी तक युवक का पता नहीं चल सका है। रविवार देर शाम तक तलाशी अभियान चलता रहा। सोमवार को भी तलाशी अभियान जारी रहेगा।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि विकास अपने परिवार के साथ हरोला गांव नोएडा में रहते थे। वह इलेक्ट्रिक का काम करते थे। शनिवार रात को अपने साथियों के साथ जिला फेस्ट यमुना में सरस्वती पूजा के बाद मूर्ति विसर्जन के लिए आए थे। लेकिन वह अचानक गहरे पानी में चले गए और डूब गए। सूचना के बाद मौके पर स्थानीय पुलिस और बोट क्लब के सदस्य भी मौके पर पहुंचे। काफी देर रात तक तलाशी अभियान चला, लेकिन विकास का पता नहीं चल सका। बोट क्लब के ईमानी हरीश कुमार ने बताया कि चार बोट और 15 गोताखोर की टीम लगी हुई है।

15 गोताखोरों की टीम आज भी युवक की करेगी तलाश

ऑफिस से लाखों रुपये की चोरी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिलशाद गार्डन इलाके में एक ट्रेडर के ऑफिस का शीशा तोड़कर बदमाश 5.70 लाख रुपये नकद और 220 ग्राम चांदी के आभूषण और सोने का एक झुमका चोरी कर फरार हो गए। पीड़ित की शिकायत पर जीटीबी एनक्लेव थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है। पुलिस के अनुसार दयानंद शर्मा (59) का दिलशाद गार्डन में ऑफिस है।

5.70 लाख नकद और 220 ग्राम चांदी की जूलरी चोरी

ऑपरेशन कवच | गणतंत्र दिवस के मद्देनजर दिल्ली पुलिस की टीम ने अलग-अलग एरिया में की कार्रवाई

बड़ा ऐक्शन, 24 घंटे में हिरासत में 25 हज़ार लोग

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

गणतंत्र दिवस के मद्देनजर दिल्ली पुलिस ने 'ऑपरेशन कवच-12' के तहत नाकों-ऑफेंडर्स और अर्बनहाउन्ड क्राइम के खिलाफ धुआंधार कार्रवाई की है। दिल्ली पुलिस के इस ऑपरेशन में सभी डिस्ट्रिक्ट्स/यूनिट्स, क्राइम ब्रांच और स्पेशल सेल ने 15 डिस्ट्रिक्ट्स में 2348 जगहों पर एक साथ ऑपरेशन चलाया था। इस दौरान 4,082 लोगों को प्रिवेंटिव कस्टडी में लिया गया। 25,300 लोगों को 65 DP ACT के तहत हिरासत में लिया गया।

सबसे पहले 2023 में शुरू हुआ था ऑपरेशन

क्राइम ब्रांच स्पेशल सीपी देवेश श्रीवास्तव का दावा है कि कोऑर्डिनेटेड और टारगेटेड एक्शन की इस सीरीज में, 55 NDPS केस में 59 नाकों-ऑफेंडर्स को गिरफ्तार किया गया। जिससे काफी ड्रग्स और कैश बरामद हुआ। इसके अलावा दिल्ली एक्साइज एक्ट के तहत 231 मामले दर्ज किए गए, जिसमें 238 लोगों को गिरफ्तार किया गया। 31 घोषित अपराधी, 21 ऑटो लिफ्टर गिरफ्तार किए और 33 गाड़ियां बरामद हुईं। 2276 गाड़ियां भी सेक्शन 66 DP ACT के तहत जब्त की गईं।

मई, 2023 में दिल्ली में जॉइंट ऑपरेशन (ऑपरेशन कवच) शुरू किया गया था। मकसद नारकोटिक्स की ट्रैफिकिंग और डिस्ट्रीब्यूशन में शामिल लोगों की पहचान करना और उन्हें पकड़ना था। इस ऑपरेशन के दौरान, यह तय किया गया कि स्ट्रीट-लेवल पेडलर्स और हाई-लेवल ट्रैफिकर्स/स्मगलर्स, दोनों को टारगेट किया जाए और टॉप टू बॉटम और बॉटम टु टॉप अप्रोच अपनाया जाए, ताकि सभी फॉरवर्ड/बैकवर्ड लिंकेज का पता लगाकर ड्रग ट्रैफिकिंग को असरदार तरीके से रोका जा सके।

2348 ठिकानों पर पुलिस ने छापेमारी की अभियान के दौरान

238 शराब माफिया धड़े पुलिस के हत्थे

1059 टीमें बनाई गई थीं। इसमें स्पेशल सेल, क्राइम ब्रांच और लोकल पुलिस की टीम थी शामिल

2276 गाड़ियां की गईं जब्त धारा 66 DP एक्ट के तहत

4,082 को संदिग्ध गतिविधियों के कारण प्रिवेंटिव कस्टडी में लिया

59 ड्रग्स तस्करों को भी किया गया गिरफ्तार

21 ऑटो लिफ्टर पकड़े गए, इनसे 33 गाड़ियां भी बरामद

अब तक 12 ऑपरेशन हो चुके हैं: इस ऑपरेशन से पहले 'कवच' के तहत 11 ऑपरेशन हुए थे। इन ऑपरेशंस के दौरान कई ड्रग अपराधियों को पकड़ कर बड़ी मात्रा में ड्रग्स जब्त किए। गणतंत्र दिवस को ध्यान रखते हुए पुलिस कमिश्नर सतीश गोलचा के निर्देश पर 15 जिलों के सभी पुलिस स्टेशनों की 1059 पुलिस टीमें बनाई गईं।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 26-01-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH03 User: vivek.kumar4 Time: 01-25-2026 21:37 Color:

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper
Website:- onlineftp.in